

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक—डाक्टर फतहसिंह

[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैणसी री. ख्यात

[चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची, भूमिका, मुंहता नैणसी और महासज्जा बसवतसिंह-
प्रथम का सविस्तृत परिचय, उनके प्राचीन चित्र और तीनों भागों की बृहत् नामानुक्रमणिका,
विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुटुम्बिका, पद-विह्वलादि की सार्व-नामावली और शुद्धिपत्र आदि
महत्वपूर्ण विषयों के छ परिशिष्टों सहित ख्यात का परिशिष्ट भाग]

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्य-संस्थापित

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR.

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिवृद्ध
विविध बाह्यप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डॉक्टर फतहसिंह

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैरासी 'री ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

मुंहता नैणसी री ख्यात

[भूतपूर्व मारवाड राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीर्घानि मुंहता नैणसी द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित राजस्थान और उससे संबंधित एवं सलग गुजरात, क्षीराष्ट्र और मध्यभारत प्रादि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास]

भाग ४

सम्पादक

आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्ता

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०२४ }
प्रथमावृत्ति ७५० }

भारतराष्ट्रीय सकाब्द
१८८६

{ ख्रिस्ताब्द १९६७
{ मूल्य ८.७५ पं०

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhraṃśa,
Old Rajasthani, Gujarati and Hindi works pertaining to
India in general and Rajasthan in particular.

General Editor

DR. FATAH SINGH

M.A., D. Litt.

MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices
by

ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

Published under the orders of the Government of Rajasthan.

By

The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana

[RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE]

JODHPUR (Rajasthan)

सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध प्रनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्त्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामधन्य मुनि जिनविजय की अग्र्यछात्रा मे, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों में प्रकाशित होकर, तीन भागों में पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग में बयालीस पृष्ठीय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों में ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों में समाप्त होने वाली यह "मुहता नैणसीरो श्यात" आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एवं अनुपम धैर्य का प्रतीक है जिसने विघ्न-बाधाओं के सामने कभी हार मानना नहीं सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के 'एक श्याति इच्छुक मित्र' १९३४ ई० में इस ग्रन्थ की प्रैस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, सपूर्ण ग्रन्थ में साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एवं गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पड़ती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रन्थ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हिंदू और हिन्दी के समस्त प्रेमियों पर असीम कृपा की है; अतः इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह छोटा है। ग्रन्थ का महत्त्व उसके कलेवर में नहीं, अपितु उस लौकिकता एवं अर्थपरायणता में है जिसको इस ग्रन्थ में प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारों एवं मनीषियों की दृष्टि में उससे पूर्व गौण था नहीं प्रायः उपेक्षित हो गई थी। "मुखस्य मूलम् अर्थः" को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रन्थ के अन्त में जो सम्बन्ध सुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियों से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-टिप्पणियों में पाठान्तरों का समावेश होसकता, तो वर्तमान संस्करण का मूल्य और अधिक बढ़ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चात्ताप करना व्यर्थ है।

आशा है कि लौकिक जीवन के अध्ययन में रुचि रखने वाले व्यक्ति इससे प्रेरणा ग्रहण करके हमारी वर्तमान आर्थिक समस्याओं का, उसी तत्परता और लगन से अध्ययन करेंगे जिससे इतिहास, समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान आदि के विद्यार्थी "मुंहता नैणसीरो ह्यात" का उपयोग अपने-अपने विषय के लिए करेंगे ।

जय हिन्द; जय हिन्दी

गुरु पूर्णिमा, २०२४ }
जोधपुर.

फतहसिंह

एम.ए., डी.लिट्.

विषयानुक्रमिका,

१.	सञ्ज्ञातकीय वस्तुस्थ	१-२
२.	चारों भागों को सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
३	भूमिका भाग	१-४२
	(१) भूमिका	१-२४
	(२) महाराजा जसवन्तसिंह के दीवान और रघात-लेखक मुहता मैनसी	२५-३६
	(३) महाराजा जसवन्तसिंह-प्रथम	४०-४२
४.	परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमिका	१-१६०
	१. वैयक्तिक—	
	(१) पुरुष नामानुक्रमिका	१-१०८
	(२) स्त्री „	१०९-११७
	(३) मर्यादादि पदों नाम	११८
	२. भौगोलिक—	
	(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमिका	११९-१६४
	(२) पर्यंत जलाशयादि „	१६५-१७१
	३. सांस्कृतिक—	
	(१) ग्राम, सस्था, कर, भाषादि नामानुक्रमिका	१७२-१८०
	(२) देवो-देवता तीर्थादि „	१८१-१८८
	४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और उनके पूर्णांक)	१८९-१९०
५.	परिशिष्ट २-विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलियां	१९१-१९३
६.	परिशिष्ट ३-पद, उपाधि और विरुदादि की साथ-नामावली	१९४-२०८
७.	परिशिष्ट ४-पुत्र शब्द के पर्याय य द्यपत्य प्रत्ययादि	२०९
८.	परिशिष्ट ५-पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
९.	परिशिष्ट ६-शुद्धि-पत्र	२११-२३१

मुहता नैणसी री ख्यात के चारों भागों की संपूर्ण विषय - सूची

भाग १

१. सीसोदियां री ख्यात

१. घातां (गंहुलोट कहीजें तिणरी) १
२. घात (घापा गुहादित री) ३
३. घात राणा राहप री ६
४. घातां इतररी (नं कविता-
रावल बापा रा) ७
५. सीसोदिया रा भेद ८
६. घात राणा बीतोड़ रा
धनियां री ९
७. पीढियां री विगत (इतररी
पीढी ताई से सार्ना कहाणा) ९
८. इतररी पीढी बीत-ब्राह्मण
कहाणा १०
९. घात (हारीत रिख नें रावल
बाप री) ११
१०. इतररी पीढी रावल कहाणा १२
११. माहप नें राहप री घात १३
१२. राणा हमीर सून पाटवियां
रा बेटी री विगत १५
१३. गीत राणा सांगा री १८
१४. राणा उदेंसिध री घात २०
१५. घात राणा उदेंसिध उदेंपुर
वसायां री ३२
१६. घाटी राह री हकीकत ३५
१७. गिरवा री हकीकत ३६
१८. ब्याद छपत री हकीकत ३६
१९. घात (कटवाहां मार्गसिध नें
राणा प्रताप वेद हई तिणरी ३९
२०. मेवाड़ रा भाखरा री विगत ४०

२१. नवी तीन री विगत-चांबल,
घांभणी, पगघोई ४५
२२. दीर्घा रें नास-भाज बिखा नू
बडी डोड इतररी, इतरा गावां
माहि ४६
२३. बनावत नवी नीतररी तीरी
हकीकत ४७
२४. घात चारण सासिये गिरधर
कही, समत १९१७ रा
भादवा सुदि ९ नें ४९
२५. घात एक राणा कूंभा बित-
भरमिये री ५१
२६. राणा राजसिध नू पातसाही
तरफ री इतररी जागीरी छें
तिणरी विगत ५२
२७. घात १ सीसोदिया रायबदे
लाखावत री, रायबदे नू राणें
कुमें नें राय रिणमल मारियो
तिणरी ५३
२८. घात १ बीहू भाभल कही
मादिव पातसाह री मेवाड़
बेखियो लागे तीरी ५५
२९. घात (राणा घमरा रें
बिखा री) ५६
३०. गीत (राणा घमरा री) ५८
३१. घात (सोदा-बारहठ
वाहल री) ५९
३२. घात पठाण हाभीखान नें
राणा उदेंसिध हरपाड़ वेद
हुई तिणरी ६०
३३. घात (राणा घमरा रें बिखा
री फेर) ६२

३४. सफतावत (पीयो) नै रावत मेघ रै मांमलो हुओ तिणरी घात	६४
३५. सीसोदिया चूटाघतां रो साख	६६
३६. घात सीसोदिया डूंगरपुर वांसवाहुला रा घणियां रो	७०
३७. घात वांसवाहुला रा मांससिध रो	७३
३८. घात डूंगरपुर वांसवाहुला रा घणियां रो (पीडियां रो विगत)	७७
३९. घात सीसोदियां रो (रावत समरसी लोहड़ भाई नूं चीतोड़ दी तिणरी)	७९
४०. घात वांसवाहुला रो	८७
४१. वांसवाहुला रै सीध रो विगत	८८
४२. गैहलोतां रो चौबीस साख	८८
४३. पंचारां रो पंतीस साख	८९
४४. चहुवाणां रो चौबीस साख	८९
४५. साख इत्ती पड़िहारों भिड़	८९
४६. लोळंफियां रो साख	९०
४७. घात देवळिया रै घणियां रो	९०
४८. घात (जीहरण रा मुकाता रो)	९०
४९. देवळिये नै राणा रै मुलक रो कांकड़ इण गावा	९५

२. बूंदी रा घणियां रो ख्यात

५०. घात (राव लाखण रा पोतरा हाडा बूंदी रा घणियां रो)	९७
५१. हाडां रै पीडियां रो विगत	१००
५२. घात हाडै सूरजमल नारायण- दासोत नै राणा रतनसी मांमलो हुओ तिण समी रो	१०२
५३. घात (हाडा सुरजन नूं राणा उदसिध बूंदी दीधी तिणरी)	१०६
५४. बूंदी रा देस रो हकीकत	११३

५५. घात (बूंदी रा देस रा राज- बूतां रो विगत)	११७
५६. घातदिया चहुवाणां रो पीडी	११९
५७. घात (चहुवाण डूंगरसी वालाघत रो)	११९
५८. घात सहियां रो	१२२
५९. बूंदेलां रो घात	१२७
६०. बूंदेलां रो घात (कविप्रिया- ग्रंथ केसोदास कियो तिण मांहे सूं)	१२८
६१. एकण ठोड़ पीडियां घूं विण मांटी छै	१३०
६२. वारता गढवांनव रा घणियां रो	१३२

३. घात सीरोही रा घणियां रो

६३. घात (भाबू तियां रो)	१३४
६४. पीडी सीरोही रा घणियां रो	१३५
६५. घात राव सुरताण रो	१४२
६६. विचली घात (देवड़ विजं सूर्जे रो)	१४४
६७. घात (डूंगरोत देवड़ां रो)	१६२
६८. गीत बीबा खंता रो आडा दुरसा रो कह्यो	१७०
६९. गीत बीबा खोमा भार- मलीत रो	१७१
७०. घात (धिरांद रै परगनं रा चहुवाणां रो)	१७२
७१. घात (सीरोही रो हकीकत बाघेल रासांसिध नैणसी नूं जाळोर में कह्यो)	१७२
७२. घात सीरोही रा घणियां- पाटवियां रो आबू तियां रो	१८०
७३. कवित्त-छप्पय सीरोही रा टोकायतां रा	१८४
७४. कवित्त रासांसिध सीरोहिये रा	१८९

४. भायलार् रजपूतों की ख्यात

७५. पवारों की भायल साख की हकीकत	१६३
७६. बात चहुवाणां सोनगरां की राव साखणोतां की	२०२
७७. बात सोनगरां की	२१२
७८. बात सिधावलोकिनी (तापस ब्राम्हण नं सोमइया महादेव की)	२१३
७९. बात सोमइयो महादेव, कानइदेवी की नं कावळ तथा धोनां की	२१६
८०. बात (बीके इहिये की, जळोर रो गढ भेळायो तिणरी)	२२३
८१. बात साचोर की	२२७
८२. बात चहुवाणां साचोर रा घणियां की	२२९
८३. पोडिया की विगत	२३०
८४. बात (बोडां की)	२४५
८५. बोडां की यसावळी	२४७
८६. बात (कांवलिया चहुवाणां रं साख की)	२४८
८७. बात (कूभा कांवलिया की)	२४८
८८. बात लोविया रं (पोडिया)	२५०
८९. बात (लोवी मांनकराव की)	२५०
९०. बात (घाळ मांनळीत की)	२५३
९१. बात (लोवी धाना की)	२५३
९२. बात अणहलवाडा पाटण की	२५८
९३. कवित्त (चावडें पाटण भोगवी तिणरी साख की)	२५९
९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख की कवित्त	२६०
९५. पाटण बाघेला भोगवी तिण साख की कवित्त	२६१
९६. सोळकिया की साख इतरी	२६२
९७. बात सोळकिया पाटण भाया की	२६३

९८. बात पाटण चाबोडा की सोळकिया रं भावें तिणरी	२६६
९९. बात १ जाडेवा साखा नू सोळकी भूळराख मारिया की	२६७
१००. बात खडमाळो प्रासाद सिद्धराव करायो तिणरी	२७२
१०१. कवित्त सिद्धराव बेंसिघडे रं देहुरं रा, लल्ल भाट रा कल्या	२७७
१०२. बात सोळकिया खंरडा की	२७९
१०३. सोळकिया रं पोडिया की विगत	२८०
१०४. बात (साखले रतने जेमल नं मारियो तंरी)	२८१
१०५. बात (जैमल रतनो काम भाया की)	२८३
१०६. बात सोळकी मायावता की	२८३
१०७. बात सोळकी राणा रं बात देसुरी रा घणियां की	२८४

५. कछवाहां की ख्यात

१०८. बात राजा प्रवीराजरी	२८६
१०९. पोटी कछवाहा की, भाट राजपाण मडाई	२८७
११०. कछवाहा सूरजवशी कहीजं ख्यारी विगत	२९१
१११. कछवाहा की विगत	२९३
११२. कछवाहा की यसावळी की विगत	२९५
११३. बात एक गोहिला खेड रा घणिया की	३३३
११४. बात गोहिल खेड धाडनं सोरठ गया तिणरी	३३४
११५. पंवारा की उतपत नं पोडी	३३६
११६. बात पंवारा की	३३७
११७. पवार बाघ की धोलाव रा साखला हुवा तिणरी विगत	३३८

११८. पीढियां री विगत (सांखलां री)	३३६
११९. सांखला जांगळवा	३४४
१२०. घात रायसी महिपाळोस री	३४४
१२१. इतर पीढी जांगळू सांखलां रं रहो	३४६
१२२. घात (चूडा, गोया, अरहकमल, हरभम, रामवेपोर नै पूजा)	३४८
१२३. घात (नापो सांखलो नै फेर)	३५३

६. सोढां री ख्यात

१२४. सोढां री पीढी	३५५
१२५. घात पारकर रा सोढां री	३६३
१२६. घात पारकर री	३६३

भाग २

७. ख्यात भाटियां री

१. श्री जवुवंशी कहीर्ज	१
२. घात भाटियां री	३
३. जेसलमेर रा देस री हकीकत घोठलदास लिखाई	३
४. खडाळरा गांधी री विगत	४
५. जेसलमेर रा देस री हकीकत मुं॥ लखै मंडाई	६
६. घात भाटियां री पीढी, चारण-रतनूं गोकळ मंडाई	६
७. घात रावळ घडसी री	१३
८. वंसावळी रा गीत, भवनी रतनूं कहै	१४
९. भाटी छत्राळा कहीर्ज तिणरी घात	१५
१०. घात (सोमवंशी भाटियां री हरिवंश पुराण मांहे)	१५
११. घात बिजेराव चूडाळ री	१७
१२. घात बरिहाहा री । देवराज घार ऊपर पयो तिणरी	२५

१३. घात (घार रं मुंहत री)	२६
१४. घात भाटियां री (साख मंगरियां री)	३१
१५. घात गजनो घातसाह री	३३
१६. घात (रावळ जेसल री)	३५
१७. घात (जेसलमेर री रांग मंडाई तिणरी)	३६
१८. कवित्ता भाटी सालयाहण रा (नै आगली पीढियां)	३७
१९. घात रावळ सोमाळ री	४२
२०. पारता (धीकमसी री)	४४
२१. घात (घातसाह रा गुद मारियां तिणरी)	४५
२२. घात (मूलराज नै कमालवी री । जेसलमेर ऊपर फोज बिदा कीवी)	४६
२३. घात (मूलराज कना कमालवी लोयां मांही तिणरी)	४६
२४. घात (कमालवी नूं हुठ करनै बिदा कियो)	५०
२५. घात (कमालवी गठ घेरियो)	५०
२६. घात (बोज उबारण री । दूहा- सोरठा । आगली हकीकत)	५१
२७. घात (रावळ दूवै तिलोकसी री)	५६
२८. घात (रावळ दूवो नै तिलोकसी मुंघा री । दूवा रा गीत)	६१
२९. घात (रावळ घडसी रांगा रतनसी री वेदो कमालवी रं अठै रह्यो तिणरी)	६६
३०. घात (रावळ दूघा तिणरी)	७५
३१. पीढी (जेसल सूं)	८२
३२. घात (रावळ भीम री)	८४
३३. घात (रावळ भीम री फेर नै दूजी)	८६
३४. मनोहरदास रा प्रवाड़ा	१०३
३५. घात भाटियां मांहे केल्हणां री साख	११२

३६. राय केरुहण देरावर लिप्यां की	
वात (फेर वृजो)	११६
३७. बीकूपुर रं घणियां नं राठोई	
सगाई तथा घोडा	१३२
३८. केरुहणां नं घोकानेर रा	
घणियां सगाई	१३३
३९. भाटियां केरुहणां नं कछवाहां	
सगाई	१३३
४०. तळाई, कोहर नं गांवा की	
हकीकत	१३४
४१. वात एक (राव मालदे तथा	
राव जेसा की)	१३७
४२. वात गाडाळा केलणा की	१४०
४३. विगत (केरुहण की पीढी,	
केरुहणां की खरड रा कोहर	
तळाई आदि की)	
४४. हमीर-भाटियां की साल	१४४
४५. वात (जेसा भाटिया की साल)	१५२
४६. कवसो भाटिया की साल	१६६
४७. सरवहिया की पीढी	२०२
४८. वात सरवहियां की	२०२
४९. वात सरवहिया जेसा की	२०६
५०. वात (सरवहिया जेसा नं	
पातसाह की)	२०७
५१. वात (सरवहिये जेसे चारण	
रा मांणस छोडाया	२०८
५२. वात जाडेचा की	२०९
५३. वात रायधन भुज रा घणियां की	२०९
५४. पीढी	२१५
५५. गीत कुवर जेहा भारावत की	२१५
५६. वात लाल की	२१६
५७. वात (जाडेचा फूलपवळ की)	२२५
५८. वात (जाम ऊनड सावळसुख	
कवि रोहडिया नू घावठकोड	
सामई की तिण की)	२३६
५९. वात १ जाम ऊनड सावळ-	
सुघ की	२३८

६०. घेठ १ जाम सरो नं घमोखान	
हुई तिणरी वात	२४०
६१. वात १ आला रायसिध मान-	
सिधोत नं जाडेचा जसा घव-	
लोत नं जाडेचा साहेब हमीरोत	
वेठ हुई तिणरी	२४४
६२. वात (आला रायसिध नं	
जाडेचा साहेब की)	२४६
६३. वात १ जाडूंचा साहिब की	
नं आला रायसिध की फेर	
सिखी	२४९
६४. आला की वंसावळी	२५६
६५. वात आला की	२५८
६६. मेवाड रं आला की वात	२६२
६७. मेवाड रा आला की पीढी	२६५

घ. राठोडां की ख्यात

६८. रावजी धी सीहेजी की वात	२६६
६९. राव घासपानजी की वात	२७६
७०. वात राव कानडदेजी की	२८०
७१. रावळ वालोजी की वात	२८४
७२. वात बीरमजी की	२८९
७३. वात रावजी चूडेजी की	३०६
७४. गोवादेजी की वात	३१७
७५. सरदकमलजी चूडावत की	
वात	३२४
७६. वात रावजी रिंगमलजी की	३२६

भाग ३

राठोडां की ख्यात (द्वि. भा. सू. चालू)

१. वात राव रिंगमलजी घर	
महमद रं भापस में लडाई	
हुई ते सर्म की	१
२. रावळ जगभालजी की वात	३
३. वात राव जोधाजी की	५
४. वात राव बीकाजी की	१३

५. भटनेर री घात	१६
६. घात राव धीकेजी री, धीकानेर पसायो तें सम री	१६
७. घात कांघळजी री, कांघळजी कांम आयो तें सम री	२१
८. घात राव सोड री अर रावळ सांघतसी सोनगर री भोनमाळ	
वेढ हुई तें सम री	२३
९. घात पताई रावळ साको कियो तैरी (पावामळ रें घेर री)	२५
१०. घात राव सलखंजी री	२६
११. गढ सझिया तैरी स्यात	२८
१२. घात राव सीहोजी (रें बंन) री	२६
१३. जेतळमेर री घात	३३
१४. युगळ राव	३६
१५. धीकूपुर राव	३६
१६. वंरसलपुर राव	३७
१७. मुगल-चकता-भाडी	३७
१८. खारधार री भाडी	३७
१९. घात दूदे जोघावत मेघो नर- सिघदासीत सींघळ भारियो तें सम री	३८
२०. घात खेतसीह रतनसीहीत सीसोदिय धूढावत री	४१
२१. गुजरात देस राज्य वर्णनम्	४६
२२. पाटन की स्थापना श्रीर घातकों का राज्यकाल (द्विपली)	४६
२३. घात मकवांगा रजपूतां री (भाला कहांगा तैरी)	५७
२४. घात पावुजी री	५८
२५. घात गार्ग वीरमदे री	८०
२६. घात हरदास ऊहू री	८७
२७. घात राठोड़ नर सूजावत, खीम पोकरण री	१०३
२८. जैमल वीरमदेवोत न राव मालदेव री घात	११५

२९. घात सीह सींघळ री	१२३
३०. घात रिणमलजी री	१२६
३१. नरबद सतावत री घात, सुपियारवे लायो तें सम री	१४१
३२. घात नरबद रांनजी नूं आंन दीधी तिय सम री	१४६
३३. घात राव लूणकर्णजी री	१५१
३४. घात मोहिला री	१५३
३५. मोहिला रें पीडिया री हकीकत	१५८
३६. छंद ये-मलरी, राठोड़ रामदेव रा कहिया	१६७
३७. बूहा, चारण चांवे सामोर रा कहिया	१६८
३८. चौहानों की पीडियों की द्विपली	१६८
३९. बूहा पीडियां री विगत रा	१६९
४०. छत्तीस राजकुळी इतर गढे राज करे	१७३
४१. परमारों री बंसावळी	१७५
४२. राठोड़ों री बंसावळी	१७७
४३. टीक बंठा री विगत	१८१
४४. जोघपुर री पीडियां (टीक बंठा री विगत)	१८२
४५. भिन्न भिन्न वाकां रा संमत (गढ तियां री विगत)	१८३
४६. बिली राजा बंठा तियां री विगत (राज कियो तिका विगत)	१८५
४७. घात सेतरांम धरवाईसेनोत राठोड़ री	१९३
४८. धीकानेर री हकीकत	२०५
४९. राठोड़ पृथ्वीराज कल्याण- मलोत संबंधी द्विपली	२०६
५०. बलपतसिंह रायसिंहोत संबंधी द्विपली	२०६
५१. सतियां हुई	२०६

५२. जोधपुर रा राजाघाँरी रयात	२१३	६०. बात चद्रावताँरी	२३६
५३. टिप्पणियाँ	२१३-२१५	६१. पीढियाँरी हुकीकत	
५४. किसनपट्टरी विगत	२१७	(चद्रावताँरी)	२४७
५५. जेसलमेररी रयात	२२०	६२. बात सिररो बहुलवे रहं तैरी	२५०
५६. पीढियाँ (बोकानेर रा		६३. बात ऊँवे ऊगमणावतरी	२५६
६३ ठिकाँनाँरी)	२२३-२३४	६४. बूँबीरी वारता	२६६
(१) सिरगोताँरी	२२३	६५. ब्यामलाग्याँरी उत्पत नै	
(२) ऊपावताँरी	२२५	ऊँरुहपुर भूमणू वसायो	
(३) मारगोताँरी	२२७	तैरी बात	२७३
(४) रतनबासोताँरी	२२८	६६. बीलतावाद रा उमरावाँ	
(५) रावतोताँरी	२२९	बी बात	२७६
(६) बीदावताँरी	२३०	६७. भाबिदास्त	२७८
५७. जोधपुर रा सरदाराँरी		६८. भाबिदास्त	२७९
पीढियाँ (ऊदावताँरी रा		६९. साँगमराव राठोड़री बात	२८०
१४ ठिकाँनाँरी	२३५	७०. टिप्पणी (कागुहवे-प्रवाग्य	
५८. विगत	२३८	सू उद्धृत)	२९३
५९. अकबररी जम्म कुडली			
नै टिप्पणी	२३८		

[चौथे भाग की विषय-सूची के लिए
कृपया पृष्ठ उलटिये]

१. चौथे भाग की विषयानुक्रमणिका	१
२. संचालकीय वक्तव्य	१
३. चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
४. भूमिका	१-२४
५. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और त्यात-लेखक मुंहता नैणसी	२५-३६
६. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम	४०-४२
७. परिशिष्ट १—तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०

१. वैयक्तिक—

(१) पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
(२) स्त्री नामानुक्रमणिका	१०६-११७
(३) श्रद्धादि पशु नाम	११८

२. भौगोलिक—

(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११६-१६४
(२) पर्वत जलाशयादि ,,	१६५-१७१

३. सांस्कृतिक

(१) ग्रंथ, संख्या, कर, मापादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
(२) देवी-देवता, तीर्थादि ,,	१८१-१८८

४. सम्पत्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या)

८. परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियाँ	१६१-१६३
९. परिशिष्ट ३—पद, उपाधि और विरुवादि की सार्थ नामावली	१६४-२०८
१०. परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
११. परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
१२. परिशिष्ट ६—शुद्धिपत्र	२११-२३१



भूमिका

राजस्थान वीरो और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम धूरवीरो के अोजस्वित रक्त की असंख्य भावनाओं और अनगिनत सतियों के जोहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलों में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्यकता और अनोखे जीवट की एक सजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढ़ता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और गानवीय संवेदना की सुपमा मोतप्रोत है। राजस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वयं युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरों ने खड्ग-सेखनी की नोक से अपनी रक्त-मसि द्वारा चित्रित किया है। यह असंख्य सती धीरागनाओं के जोहर-यज्ञों और वीरो के मरणोत्सवों (अमृतपूर्व और अगणित नारी और नरमेघों) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरो के समान ही युग-युगों तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेको ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड़ है। ऐसे वीरो, भक्तों और कवियों का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढ़ा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलियाँ अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परंपराओं में अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्गार प्रकट किये हैं^१।

-
१. (अ) Rajasthani is the language of a brave and heroic people. Rajasthani literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the

राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है^२। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ख्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ख्यात-

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary.I am eagerly looking for the day when a full-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature.

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(आ) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(इ) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhal, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२. षाठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रंथ कुवलयमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रंथ आइन-ए-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। अपभ्रंश की परम्परा । सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी इन रियातों का महत्त्व बहुत अधिक है ।

‘र्यात’ शब्द

राजस्थानी में ‘र्यात’ शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा है । ‘र्यात’ मूलतया संस्कृत भाषा का शब्द है । यह ‘र्या’-प्रकथने धातु से ‘क्त’ प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है । संस्कृत भाषा में मुरयत, इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. र्यातिप्राप्त या लब्धनाम ।
२. ग्राह्य या ग्रावाहित ।
३. विदित या परिज्ञात ।
४. कीर्तिमान या सुप्रसिद्ध ।
५. उक्त या शप्त ।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ । और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि ।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखकों ने ‘र्यात’ शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यञ्जक बना कर प्रयुक्त किया है । उन्होंने इसे इतिहास (इति+ह+भास=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण),

१. देखिये संस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

- | | |
|-----------------------------|--|
| (१) मोनियर विस्मियम्स | : संस्कृत-इंगलिश डिक्शनरी, न्यू एबीदान |
| (२) जे०टी० मोलेस्वर्थ | : मराठी-इंगलिश डिक्शनरी, दूसरा संस्करण १८५७ ई० |
| (३) एन०वी० रानाडे | : " " १९११ ई० |
| (४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी | : संस्कृत शब्दार्थ कोशस्थ |
| (५) गि०श० महता | : संस्कृत गुजराती शब्दादर्श १९२६ ई० |
| (६) पन्थास भुक्तिविजयजी | : शब्द रत्न महोदधि सबत् १९२३ |
| (७) अमरकोश | |
| (८) अभिधान चिन्तामणि कोश | |

हिन्दी शब्दकोशों में ‘र्यात’ शब्द के अर्थ—१. प्रसिद्ध २. कथित ३ वह कविता जिसमें योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि ।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. धोषणा ४. कहनु ५. जाणीतुं आदि ।

मराठी कोशों में—१. पराक्रम २ कीर्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और

प्राकृत कोशों में—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि ।

ऐतिहा (पौराणिक वृत्तांत), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएं) आदि का व्यंजक माना और तदनुकूल 'ख्यात' शब्द का प्रयोग किया ।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई । फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहासकारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये शोध की अमूल्य निधि है ।

ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है । केवल राजाओं और नवाबों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व संक्रान्ति काल का इतिहास है । देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है । वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था । इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आँखों से ओझल नहीं किया जा सकता । ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं ।

सामन्तशाही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्ग की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्ज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तु-कला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी संस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं । तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह अमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है ।

हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूलाधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो संसार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर संवर्तक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लड़खड़ाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।^४ उसे अब तत्वज्ञ और मनीषियों की संजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेकत्र प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक संस्थाएँ इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में संस्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस संस्था ने अपने शैशव काल में ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्हीं प्रकाशनों में ख्यात-साहित्य का सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सोराष्ट्र, कच्छ और सिन्ध आदि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयों से युक्त यह 'मुहता नैणसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

इस ख्यात का महत्त्व

'मुहता नैणसी री ख्यात'^५ जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह प्रथम के दोबान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वंश के विख्यात मुहता नैणसी जयमलेश द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रन्थ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

४. 'दीर्घ वारो देस, ज्यारो साहित जगमगी।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी संस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार में शोभा पाता है।]

—स्व० श्री सदाशिव उज्ज्वल

५. 'मुहता नैणसी री ख्यात' इस ग्रन्थामिधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोडां री ख्यात'—राठोड वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड़ री ख्यात' मेवाड़ राज्य का इतिहास में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' है। पर यहाँ इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' न होकर 'के' द्वारा लिखी गई होता है। 'मुहता नैणसी री ख्यात' = 'मुहता नैणसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यों में ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब में 'मुंहता नैणसीरी ख्यात' बहुत महत्व की है^१ । इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातों की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं । स्व० म० म० रायबहादुर गीरीशंकर ही० ओझा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों में और स्व० रामनारायण दूगड़ द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनों खण्डों की भूमिकाओं में ठीर-ठीर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है ।^२ मुंशी देवीप्रसाद मुंसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का अबुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है^३ ।

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके हैं । एक संस्करण स्व० श्री रामकण्ठी मासोपा द्वारा मूल रूप में उनके निज के रामधाम प्रेस में मुद्रित होकर उन्हीं की ओर से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था । दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड़ का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गी० ही० ओझा द्वारा सम्पादित होकर काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है । पहला भाग सं० १९८२ वि० में और दूसरा इसके ६ वर्ष बाद सम्वत् १९६१ में प्रकाशित हुआ है ।

इससे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाब की लिखी हुई ख्यातों का आधार भी प्रायः नैणसीरी ख्यात ही रही हुई मालूम होता है । उनमें अनेक प्रसंग नैणसीरी ख्यात के यों के यों उद्धृत कर लिये हैं । बदाहरण के तौर पर दयालदास की ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलों में से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा ।

नैणसीरी ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयालदास की ख्यात पृ० =

" " " ३ " ६४ " " " ६५

" " " ३ " १२०-१२१ " " ८२, २६८ इत्यादि ।

७. वि. सं. १३०० के आसपास से लगा कर उसके सिखे जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है । ... यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी संतोषदायक नहीं हो सकता ।

—ओझा निर्वंश संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. स्व० मुंशी देवीप्रसादजी तो नैणसी की राजपूताने का अबुलफजल कहा करते थे और उसके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे । मुंशीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजस्थान-इतिहासज्ञ भूता नैणसी की ख्यात के विषय में एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था ।

—ओझा निर्वंश संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७४

प्रस्तुत ह्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात में भी है कि नैणसी ने ह्यात में प्राप्त समस्त सामग्री सामान्य स्वीकार की है। उन्होंने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वालों के नाम ही नहीं लिखे, अपितु कहीं-कहीं तो उनका पूरा परिचय, सम्बन्ध, मित्री और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध ढिगल-कवि और चारणजन हैं।

- ६ (१) चोररणा ब्राह्मण कवीसर जसवन्त रो भाई जोशी महेशदास।
- (२) मुहूर्त लखो, स० १७०० माह वदी ६ मेहते में जसवन्त रो हास लिखायो।
- (३) माडो महेशदास दानाळा भाटियाँ रो बात, स० १७०६ फागण सुदी १५ रो लिखाई, स० १७२१ माह माहे लिख मेसी।
- (४) मुहूर्त नरसिंहदास जमलोत (नैणसी रो भाई) दूगरपुर में रावळ पूजा रं करायोङ्गे देहरा री प्रशस्ति लिख मेसी, समत १७०७ में।
- (५) बूदेला सुमकरण रं चाकर चक्रसेन मडाई, स० १७१०।
- (६) चारण भासियो गिरधर स० १७१६ रा भादवा सुदी ६।
- (७) चारण भूले रत्नदास भाण रं साइया भूला रं पोतरं कही समत १७१६ रा चंत माहे।
- (८) स० १७२१ रा जेठ माहे रा० रामचन्द्र जगनापोत मडाई।
- (९) लिडियो खीवराज सिसोदियाँ रो धुण्डावत साखा रो वृत्तान्त लिखायो स० १६२२ रा पोह वदी ५।
- (१०) बात एक बोठू भाऊण कही।
- (११) दधवाडियो खीवराज, बात पठाण हाजीखान चर्न उदैसिप वेठ हुई तिणरी लिख मेसी। समत १७१४ रा बैसाख माहे।
- (१२) देवडो धमरो चदावत रो परधान बाघेली रामसिप नू धमरं नैणसी कर्न मेसियो, उण कही।
- (१३) मुहूर्त सुंदरदास जाळोर चका लिख मेसी।
- (१४) रतनू गोकुळ बोडियाँ मडाई। गोकुळ रतनू कह्यो।
- (१५) चारण चांदण लिडियो।
- (१६) माट खगार नोलिया रो पड़ियारा रो साखा लिखाई।
- (१७) माट राजपाण उदैहोरो, पीढो कछवाहा रो मडाई।
- (१८) बात १ जीवं रतनू धरमदासांणी कही नै पहला सुणो यो लिफा यो लिखी होव हुदी। बात जादेचा साहिब री नै भासा रायसिप रो फेर लिखी।
- (१९) भाखडो रावळ भीम रो भासियो पीरो कहे।
- (२०) राव भोंबो महेशोत सवणी।
- (२१) गाडण पसायत।
- (२२) बारहठ खीदो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम संवत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की बहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विश्वसनीय है।

ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि को समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है^{१०}।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ़ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

(२३) चारण वीरधवल दूहा कहै।

(२४) गाढण सहजपाळ।

(२५) सावलसुव रोहड़ियो।

(२६) भांणों मीसण, बढी आखरां रो कहणहार।

(२७) डाढी.....। इत्यादि।

इनके अतिरिक्त वारहठ ईसरदास, दुरसो आढो, केशवदास, रतनू नबलो, वारठ वीठू, आसराव रतनू, आसियो दलो, लल भाट और चारण चांदो आदि डिगल के प्रसिद्ध कवि और कुछ वात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वालों का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक वात यूं सुणी' या 'संमत १७२२ आसोज मांहे परवतसर मांहे लिखी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की अनुपम ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हरएक आदमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

बोलियों से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाड़ी' की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपों में विकसित होने वाले अकुरो का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सागोपाग नमूना है^{११}। अन्य भारतीय भाषाओं की समकालीन परंपराओं की तुलना में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमें पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ह्यात^{१२}, वात, वारता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिधावलोकनी, मिसाल, साख, परियावली, बसावली, पीढिया आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब में ह्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रंथ प्राप्त हैं, जो ह्यात के आवश्यक अंग होने के साथ उसका

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'पूनी गुजराती' यथवा 'माफ-गुर्जर भाषा' अभिहित किया है।

१२. Rajasthani dialects form a group among themselves differentiated from Western Hindi on one hand and from Gujarati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independant language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi. If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G. A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ह्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट में अनघेंराघव नाटक के कर्ता मुरारि कवि का यह श्लोक दृष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वीं-९वीं शताब्दि माना जाता है।

चर्चामिश्रारणानां क्षितिचमण ! परांप्राप्यसमोद लोला
मा कीर्तः सोविदत्तानधरण्य कवि प्रात(?) वाणी विलासात् ।
गोत स्यात् च नाम्ना किमपि रघुपतेरस यावत्प्रासा —
हात्मीके रेव धार्मी धवलसति यशो(दा?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परम्परा ॥ भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का चारण' नामक लेख ।

विकसित परिमार्जित और प्रौढ़ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्व ख्यातों से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्व को समझा जा सके—

ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसीरी ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदियां री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात भाटियां री लिख्यते' इत्यादि। बात, हकीकत आदि इसके अनेक पैदा विभाग हैं।

बात, वारता

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'बात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतन्त्र ऐतिहासिक बात-साहित्य की बातें बड़ी होती हैं^{१४}।

हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

पीछी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—झाला, छात्राळा और महेवचा, बाड़मेरा आदि। (३) किसी बात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

१४. 'बात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह बात पृ. १२४ महाराजा जसवंतसिंह प्रथम (अपूर्ण) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसीरी का उल्लेख महत्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सुंदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह बात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

विगत

किसी वच या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध ध्योरे को विगत कहा जाता है।

याद, याददास्त, आदिदास्त

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के तौर पर लिखा हुआ उसका संक्षिप्त रूप। बड़ी बात का संकेत-लेखन या नोटस।

प्रस्ताव

प्रासंगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारम्भिक संकेत, जैसे—
एकदा प्रस्ताव।

हुवालो

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

सिधाबलोकनी बात

पूर्वोक्तिलिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

परिभाषणी, घसाबळी

देखे पीछी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशामो के प्रतिरिक्त्त इस ख्यात में १६ दिशामों के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रौढ़ता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारंपरीय तात्कालिक किसी भी भाषा के विशान में और आधुनिक किसी भी साहित्य में प्राप्त नहीं है।^{१४}

क्रीडा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से संबंधित अपने अर्थों में संशुद्ध अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिगल एव राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-मण्डार बहुत ही मूल्यवान है।^{१५}

१४. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशामों का उल्लेख मिलता है—

‘दिशि खोज मस्यो छट-पच-नूण, बुडियो नह पापण प्रम्य जूय’।

सोलह दिशामों में जिन आठ विशेष दिशामों के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमें से इद्र, सहद्र, खरक, भरहेर, रूपारत और पचाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त हैं।

१५. अलमविद्यानगर, बी. पी. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन में राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश दीर्घादियों के लिये (अर्ध-मुलम आधुनिक) तैयार किया गया है, जिसमें ‘नैणसी री ख्यात’ के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढ़ता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरों और रुढ़ि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एवं उनके प्रयोग भाषा की प्रौढ़ता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।^{१०} सहस्रों स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

विविध विषय

प्रस्तुत ख्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें संक्षेप से गुजरात, काठियावाड़ (सौराष्ट्र), कच्छ, बघेलखंड, वुंदेलखंड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के शिशोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूँडाड़ के कछवाहे और भारवाड़ (जोधपुर और बीकानेर) के राठौड़ राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, जयपुर-खेळावाटी, सिरौही, डूंगरपुर, वांसवाड़ा, प्रतापगढ़, रामपुरा, किशनगढ़, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागोरी ठिकानों का एवं दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की बादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी संकलित हो गया हुआ है।^{११}

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस ख्यात के पद्य और पद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, रो, रो, रै
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणी, तणउ
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरउ, केरै
४. संधा, संदी, संदिया, संदी, संदउ, संदै
५. हंदा, हंदो, हंदिया, हंदो, हंदउ, हंदै
६. तो, नो, ना, नउ
७. चा, जो, जो, जै
८. कउ, की, को, के इत्यादि

१८. नेणसी की ख्यात में चौहानों, राठौड़ों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वंशावलिओं का इतना समृद्ध संग्रह है कि अन्य साधनों से

अनेकविध युद्ध और घटनाओं आदि के विवरणों से सकलित यह व्याप्त विषय की दृष्टि से एक छोटा महाभारत है। मानव जीवन के उदाहरण रूप उच्च और उज्ज्वल पक्ष के अनेक जगह जहाँ इसमें दर्शन होते हैं, वहाँ इसके विरुद्ध, अनुचित आचरण वालों की अपकीर्ति और भर्त्सना के प्रसंग भी इसमें चित्रित मिलेंगे। इनके अतिरिक्त कृषि और उसकी उपज, वाणिज्य और माप-तोल, दुकाल और सुकाल, सेना और आक्रमण, अस्त्र और शस्त्र, शरणागत-रक्षा; वदन्त्यता, वचन-पालन, गौरव-रक्षा, मान-मर्यादा, दास्यता और दण्ड, खिराज और कर; विवाह-सम्बन्ध और दूसरे राज्यों के परस्पर सैनिक और राजनैतिक सम्बन्ध; दान, भेंट, सासण (भूमिदान), पसाव, सिरोपाव, रौन्-मोज आदि के वर्णन; पद, मनसब और खिताब, टंकमाल और सिक्के; वीरगीत और गर्वोक्तिर्या, गुण-प्रशंसा और दुर्गुण-निंदा; लोक-वार्ताएँ और वीर-गाथाएँ, शाखाएँ और वंशावलि, परम्पराएँ और रीति-रिवाज; राजदरबार, सबारियाँ, सीपटिन, पर्व, विवाह, स्वागत-सत्कार, शिकार और जवादि; जलहर (जलक्रीडा) जाति-निर्माण और धर्म-परिवर्तन, जोहर और साका, सत्त्व और स्यो-चरित्र; आभूषण, वेशभूषा और सत्कार, खान-पान और रहन-सहन; बादशाहों को तसलीम करने के ढंग; दानुता और मित्रता; पहाड़ और नदियाँ, नगर और गाँव; जंत्र-मंत्र और वैद्यक, शकुन और नक्षत्र-ज्ञान; घोरो की कला; दुर्ग-प्रासाद-जलाशय, कूप आदि का निर्माण; देवी-देवताओं की पूजा और यात्रा, कुलदेवी-देवताओं का विवरण; उद्धरण और साख (साक्षी) रूप में अनेक प्रकार के काव्य इत्यादि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, वास्तुकला (स्वास्थ्य कला) संबंधी और अन्य विभिन्न विषयों के न्यूनाधिक वर्णन इस व्याप्त साहित्य (ग्रन्थ) में उल्लिखित हैं।

अनुशीलन सूत्र

जैसा कि व्याप्त के विविध विषयों से प्रगट है, प्रस्तुत व्याप्त में अनुशीलन के लिये पर्याप्त सूत्र वर्तमान हैं। किसी भी विषय का अन्वेषक इसमें कुछ न कुछ न्यूनाधिक अपने शोध के लिये सामग्री प्राप्त कर सकता है। निम्न अनुशीलन सूत्र विशेष रूप से शोधनीय है—

वेसा भव मिल नहीं सकता। इस ग्रन्थ में कई लड़ाइयों तथा कई वीर पुरुषों के मारे जाने के सम्बन्ध एवं उनकी जागीरों का जो विवेचन दिया है, वह भी कम महत्व का नहीं। उसने राजपूताने के इतिहास को बहुत कुछ सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गुजरात, काठियावाड़, कच्छ, बुंदेलखंड आदि के इतिहास लिखने वालों को भी इसमें बहुत कुछ सामग्री मिल सकती है। —श्रीमान् अभिनन्दन प्रग्य, टी. भा; पृ. ७४

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एवं पारकर (घाट-^{१६}सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्यभारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने वृष्णियों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्धा से हुए युद्धों का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. बाणिज्य, माप-तौल, सिक्के और राजकर* ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड़ राज्य का सर्वसंग्रह (गजेडियर)

१९. घाट-परपारकर का विस्तृत प्रदेश (पटड़ा, मिट्टी, छोर, नगरपारकर, नीकोट और उमर-कोट के सोढाण खंड का भू-भाग) मारवाड़ राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम मात्र की खिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की छर्छरी से उत्तार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था । उपार-अवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाड़ की वापिस नहीं लौटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड़ का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सीमाप्रदेश बना हुआ है ।

२०. दुगाणी (दुरगाणी), फदियो, टको, दोकड़ी, जनादी, छकड़, दांग, छवू, सोनहयो, हवियो, महमूदी, फिरोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), जसाससाही (जसासा, जसाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत स्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, भाष-तोल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल साने-लेजाने के साधन आदि के विषयो से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह स्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविता और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व सत्पुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यों की प्राप्ति व सत्स्थिति होती है। नृपति ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-चर्चा के हेतु मंदिरों का निर्माण, मूर्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और संस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनों के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अंतर्गत आने वाले कई शकुन प्रसंगों का वर्णन इसमें ध्रुव सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस स्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन सर्वोच्च विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह स्यात मननीय है।

६. पुरातत्त्व संबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरों

कई सिक्कों के नाम और उनके चसन का विवरण है जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मगलोक, चषामण, गुळ, सूखंडो, वळ, भेट, वलार, शब, पेसकस, दहबराह, दाण, चहूतीवाण, पाषवराह, तुनावट, मळबो, लाबो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, मोम, पूछी, घोडाचारण, छोर-चरार्द, दादी रो लाग, काजो रो लाग, कोटवाली लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, छेर, टाक आदि सोल और मण, माणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि धान्यादि के मापों के नाम और उनके चसन का विवरण इत्यादि।

ने अपने नाम से नगर, दुर्ग, प्रासाद, तालाब, मंदिर और कीर्ति-स्मारकों का निर्माण करवाया है। प्रस्तुत ख्यात में ऐसे कई पुरातत्व सम्बन्धी अवशेषों का निर्माण-संवत्, प्रयोजन और उनके निर्माताओं का विवरण दिया गया है। अतएव पुरातत्व विभाग के लिये इसमें अमूल्य सामग्री सुरक्षित है।

७. शाखायें और वंशावलियाँ

राजपूत जाति के इतिहास को समझने के लिये उसकी शाखा-प्रशाखाएँ और वंशावलियाँ सबसे बड़ा आधार हैं। वीरता की वहाँ पूजा है; अतः राजपूतों में यदि एक व्यक्ति के पाँचों पुत्र वीरता में अपना व्यक्तित्व बना लेते हैं तो वे पाँचों ही पाँच पृथक् शाखाओं के मूल पुरुष बन जायेंगे। दानशीलता, धर्मपरायणता और बौद्धिक क्षेत्र में भी ऐसे शाखा-पुरुषों का वर्णन पाया जाता है। नैणसी ने राजपूतों की इस प्रकार से बनी उनकी शाखाओं, वंशावलियों और पीढ़ियों की विस्तृत सूचियाँ दी हैं, जिनका ग्रन्थ प्राप्त होना असम्भव है। पीढ़ियों में विशेष व्यक्तियों के विशेष कार्य, सेवायें, युद्ध और जागीर पाने और तागीर होने के कारण और उनकी संवत्-तिथि, जन्म और मृत्यु-तिथि आदि आवश्यक बातों का साथ का साथ ही संक्षिप्त विवरण दिया हुआ रहता है।

८. जाति और धर्म परिवर्तन

काल के घूर्णित चक्र ने कई व्यक्तियों और जातियों को अपना नाम, धर्म और देश परिवर्तन करने को विवश किया है। नैणसी ने अपनी ख्यात में ऐसे कई अवसरों का वर्णन किया है, जबकि अनेकों की संख्या में हिंदू मुसलमान बन गये या बना लिये गये। ब्राह्मण क्षत्रियों में और क्षत्रिय कुषि-कर्म में प्रवर्त कृषक जाति में तथा शूद्रों में परिवर्तित हो गये। कई ब्राह्मण और क्षत्री-वैश्य और क्षिपियों में बदल गये। अनेक जातियों के प्रादुर्भाव की बातें इस ख्यात में वर्णित हैं।

९. लोक-साहित्य

इस ख्यात में इतिहास से जुड़ी हुई अनेक छोटी-मोटी सरस और महत्वपूर्ण सामाजिक घटनाएँ उद्धृत हैं, जो जन-जीवन में लोक-साहित्य बन कर लोक-वार्ताओं के रूप में सामने आई हैं। जगमाल मालावत, लांजी विर्जेराव, लाखो फूलाणी, हुरड़ बनो, हेमो सीमाळोत, सिद्धराज सोलंकी, खाफरो चोर, विक्रम-जोत आदि ऐसी पचासों बातें हैं जो आज लोकवार्ताओं के नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

लोक-साहित्य पर शोध करने वालों के लिये विविध प्रकार की सामग्री यह व्याप्त प्रचुर परिमाण में उपस्थित करती है ।

१०. भाषा

‘नैणसी री ख्यात’ भाषा-वैज्ञानिकों के लिये जो शोध-सामग्री उपस्थित करती है, वह सब से अधिक महत्वपूर्ण है । इसकी भाषा पश्चिमी राजस्थानी का विशिष्ट रूप है जो राजस्थान की सब से अधिक सशक्त और विकसित भाषा है । तरकातीन अन्य भारतीय अपभ्रंश भाषाओं की परम्परा में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है^{११} ।

पश्चिमी राजस्थानी उपनाम मारवाड़ी भाषा (मर भाषा) में प्राप्त गद्य-साहित्य के विविध रूप, कहावतों और रुढ़ प्रयोगों की प्रचुरता विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग, कारकों की विभक्तियों^{१२} के अनेक प्रकार और रूपों का प्रयोग, प्रत्यय और उपसर्ग आदि के विभिन्न रूप, क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के संकेतों रूप, भौगोलिक स्थानों की वास्तविक स्थिति-निर्देशन के लिये विशेष-दिशाओं^{१३} के नामों का प्रयोग, अनेक संज्ञाओं के ऐसे भेद जिनके पर्याय हिंदी में नहीं मिलते और जिनका व्यक्तिकरण व्याख्या द्वारा करना पड़ता है इत्यादि बातें इसकी प्रौढ़ता, व्यापकता और अर्थबोधकता के स्पष्ट उदाहरण हैं । नैणसी की ख्यात में सहस्रों स्त्री-पुरुषों एवं नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा की परम्परा के अध्ययन की मूल्यवान सामग्री है । उदाहरण के लिये ‘ऊदल’ पुरुष नाम को लें । यह उदयसिंह का अपभ्रंश रूप है । उदयसिंह के उत्तर पद के ‘सिंह’ का लोप होकर उसके स्थान पर ‘ळ’ प्रत्यय रूप में आ जाने से ‘उदय’ का ‘ऊद’ आदेश होकर ‘ऊदळ’ रूप बन गया । इसी प्रकार अक्सो,

२१. भाषा और प्राचीन इतिहास के विद्वान् डॉ० दशरथ शर्मा डॉ० लिट्० ‘दयालदासरी ख्यात’ के इंट्रोडक्शन में उक्त ख्यात और ‘नैणसी री ख्यात’ की भाषा के सम्बन्ध में तुलना करते हुए लिखते हैं—

Dayaldas Sindhayach was an erudite scholar. He was an accomplished rhetorician, a writer of excellent Marwari, only a little inferior to that of Nainsi Muhnot.”

२२. दे० टिप्पणी सं० १४, इस ख्यात में मात्र सम्बन्ध-सूचक षष्ठी विभक्ति के लिये ७ या ८ विभिन्न रूप प्रयुक्त हुए हैं ।

२३. दे० टिप्पणी सं० १३, विशेष-दिशाओं के नामों के लिये ।

अरहड़, अलधरो, आसथान, गंपो, छाहड़, पावू, पेयड़, बैरड़ बाहड़, सीयक हड़वू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं।

नामों को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है। 'राणो रूपड़ो', 'राव लीडो' आदि राजाओं के ऊनता-सूचक नामों में यही भावना काम करती हुई दिखाई पड़ती है, तुच्छता की बोधक नहीं है।

ख्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रों में दिखाई पड़ते हैं। आवड़, ईहड़, गायड़, जसमादे, लाछा, हुरड़ आदि स्त्री नाम; कमधज किराड़ खेड़ेचा, चीवा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम; और अटाळ, अणदोर, भरणोद, आफूडी, ईकुरडी, किराडू और कूडी आदि गाँवों के नाम—ऐसे सहस्रों नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं।

मध्यकालीन पुरुष नामों में, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बंध नहीं है, तथापि राजनैतिक दवाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियों ने अपने नामों का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था। तातारखा, लाहखा, अलखा, महमंद और भाखरखा आदि हिन्दुओं के पचासों मुसलमानों नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना है। जबकि क्षत्राणियों ने क्षत्रियों (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है।

११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

ख्यात में सैकड़ों सतियों का विवरण उल्लिखित है। इसमें ऐसी अनेक वीरांगना और पतिव्रता सतियों का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है। उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं। उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश किया है। वे अवश्य पूजनीय हैं। परंतु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है। मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये बिना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था।** एक पुरुष की उसकी अनेक परिनियों के सिवाय

२४. 'ताहरां अं असवार पाछा गया। मायनं देखें तो सगरी तोरण नीच पड़ियो छें। ताहरां कह्यो—'जी, सती हुवी सगरें नूं जेनें। सती नूं कह्यो जु बाहिर आवें ज्युं सगरें नूं दाम

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता में पड़कर जलना पड़ता था^{१५}। कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह ? ये सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुईं कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था। कहाँ वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वयं योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक में भी साथ ही में रहने की भावना से पति का सहगमन किया जाता था। यही नहीं, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये बहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणों का विसर्जन करके अपनी स्नेहा-कुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहाँ यह घोर नरमेघ का नारकीय दृश्य ?

सती प्रथा का प्रारंभ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के बाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियों के विवरण, सतियों के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय है।

देवा ।' ताहरा बीदणी नू भीतर जाय कहियो । ताहरा बीदणी कह्यो—'खेतसीह मारियो हवं तो ॥ सती न हबू । सगरं नू बीसनं नाख देवो ।' पाछें भायनं कहियो—'जो, सनं नही ।' ताहरा कहियो—'जो, म्हे एकलं ही सगरं नू बाळो ?' तो कह्यो—'म्हे अणसमाही हो सती करा ?' ताहरा कह्यो—'बावो वारं ।' ताहरा जानी ही सिलह पहरे छं, मांडी ही सिलह पहरे छं । बेहु हयियार बावें छं, सिलह पैहरीजें छं । ताहरा बीदणी दीठो घर भा घर बाप नं कहियो—'हे ठाकुरा-रजपूता ! ॥ बंद खेतसीह री छूं, घर एकली रं वास्तं घणा बीव मरे छूं, तैं हें सगरे साम बळीस ।' बीदणी बाहिर भायनं सगरं साथ बळी ।

—नैणसी री क्थात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानियाँ, एक सवास, बारह पातरिया (वेश्याएँ), दो खालसा, एक बडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियों की और एक पातरियों की रसोईदार ब्राह्मणी=कुल २२ स्त्रियाँ साथ में जली थीं।

—क्थात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा अजीतसिंह के साथ ६ रानियाँ, २० दासियाँ, ६ उर्दबेगनियाँ, २० गायनं और २ हजूर-बेगनियाँ=कुल ५७ स्त्रियाँ जलकर मरीं थीं।

—नैणसी री क्थात, भा. ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री आसोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

१२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद की परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवंतसिंह) के विरुद्ध सईया बांकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण माधव का, सिवाना के चौहान सातल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठीड़ के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलों के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हड़दे के विरुद्ध वोका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के संबंध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी-द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

ख्यात का प्रस्तुत संस्करण

प्रस्तुत 'नैणसीरी ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १९३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयश गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दूं। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की शब्दार्थ और व्याख्या आदि की टिप्पणियाँ देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार कर ली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी इस ख्यात की दो अशुद्ध और त्रुटित प्रतियाँ थीं। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन अवसर पाकर वे हमारी अनुपस्थिति में हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४०७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पन्नों को, 'रतनरासो' और संपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये। बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हें वापिस देने की कृपा नहीं की।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद बीकानेर में श्री अग्ररचदजी नाहटा के यहाँ अकस्मात् दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीर-सिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने की कई अन्य प्रतियों के साथ भेजा था। मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री भाषातासिंहजी बीकानेर से प्राप्त।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था। अतः इस प्रति को देख कर उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। प्रति में न जाने कहां-कहां की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की शरण ली। आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई। हरिरस और ख्यात के पन्नों का आज तक कोई पता नहीं लगा।

गारासणी ठाकुर स्व० श्री भीमसिंहजी के अनुरोध से मैंने हरिरस का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था। किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस में कई महिनो तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो धोखा खाना पड़ा और हानि उठानी पड़ी, इस हरिरस के द्वितीय संस्करण के संबंध में भी ऐसा ही हुआ। अन्य सम्पादकों के नाम से ये दोनों ग्रंथ प्रकाशित हो गये। वीर सतसई के सम्पादन में और हानि उठाने में श्री सीतारामजी लालस भी साथ में थे।

हरिरस का आज तक प्राप्त प्रतियों से सब से पुरानी और शुद्ध एवं विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्वपूर्ण विषयों के साथ पुनः सम्पादन किया गया है जिसे सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है।

ख्यात के चुराए गए उन त्रुटित पन्नों की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नहीं लगी। जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूगा गांव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नों से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नहीं लगी।

इधर मुहणोत श्री मांजीमलजी एहवोकेट ने नैणसी के सीधे वंशज मुहणोत मुधराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होता पड़ा। बहुत दिनों के बाद स्व० पं० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतियाँ प्राप्त हुईं। यद्यपि ये प्रतियाँ इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थीं, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था। एक वहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाड़ी शिकस्ता लिपि को स्व० पं० रामकर्णजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने में अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमें भिन्न-भिन्न जगहों के दो तीन पत्र त्रुटित थे। इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे। अन्त में एक बहुत सुन्दर प्रति चि. भूपति-राम के अथक प्रयत्नों से कई हाथों में होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और-पाठों को शुद्ध करने एवं त्रुटित अंश की पूर्ति करने में बड़ी सहायता मिली। बीकानेर में प्रो० नरोत्तमदासजी की एक प्रति से पाठों का मिलान करने में सहायता ली गई। अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर की प्रति बीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबंध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी। यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सोहयल के बीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है। अधिकांश प्रतियाँ इसीकी प्रतिलिपियाँ मालूम होती हैं, क्योंकि उनमें भी बीठू पन्ना का नाम अनेक बातों के अंत में यों का यों उल्लिखित है। प्रस्तुत संस्करण को तैयार करने में इन सभी प्रतियों के आधार से पाठों का मिलान करने और शुद्ध करने में बड़ी सहायता मिली।

मैं जब बीकानेर में था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का बीकानेर पधारना हुआ था। उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस कॉपी दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राज-स्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी। उनकी कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारों भाग पाठकों की सेवा में प्रस्तुत हैं।

समस्त ख्यात-ग्रंथ तीन भागों में सम्पूर्ण हुआ है। चौथा भाग इस बृहत् ग्रंथ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है। इसमें चारों भागों की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वैयक्तिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक नामों के तीन विभागों के सात उप-विभागों में इस ख्यात की बृहत् नामानुक्रमिका पृष्ठांकों के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका में १०००० हजार से अधिक नामों का संकलन हुआ है। नामों की इतनी बड़ी मख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थों में शायद ही आ सकी होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद्ध और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओं की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात में प्रयुक्त पुत्र-संज्ञक ५३ और पौत्र-संज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दों की सूची, कुछ विरोध व्यक्तियों का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलिये (जो केवल अनूप सस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की प्रति में ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूर्ति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग में दिए गए हैं।

ख्यात के इस संस्करण को तैयार करने में मुझे जिन महानुभावों की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहपाठी स्व॰ श्री रामयश गुप्त का नाम विरस्मरणोय है। इसके प्रकाशन से उनकी आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अंश की पूर्ति होने के रूप में शांति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पंडित विश्वेश्वरनाथजी रेड, महामहाध्यापक स्व. प. रामकर्णजी आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम ज्ञात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियों का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अगरचन्दजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बड़ा भारी आभारी हूँ।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वंश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुधराजजी मुहणोत से 'नैणसी की ख्यात' प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी ग्रन्थों की भांति निराश ही होना पड़ा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलंकी ने अनूप सस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बड़ा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निर्मल भावना और कर्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनंत आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं ।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है । इनका भी मैं आभारी हूँ ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने इस सुंदर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है ।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय संचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यंत आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है । और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-संचालक पण्डित गोपालनारायणजी बहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर संभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है ।

साकरिया - सदन

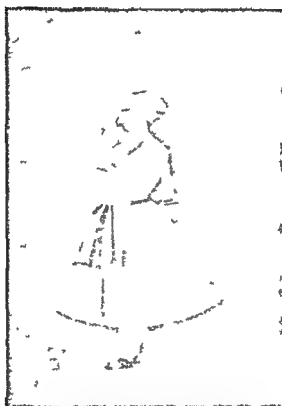
वत्सभ-विद्यानगर

रामनौमि, २०२४ वि.

आ. बवरीप्रसाद साकरिया

मुहता नैणसी री रयात, भाग ४]

मुहता नैणसी



[नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहसोत
नैणसी की कथात' से सधन्यवाद पुनमुद्रित]

जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के द्योवान प्रसिद्ध रयात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड पाटण नगर में गोहिल क्षत्रियों^१ के राज्य को नष्ट कर मारवाड में राठौड राज्य की सर्व प्रथम नींव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसपान हुए। राव आसपान के पुत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रों में से सबसे बड़ा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जैसलमेर में श्री जिनचंद्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया^२।

१. राव सीहा के पुत्र राव आसपान ने इतिहास प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मंत्रियों को मगाकर राठौड-राज्य की स्थापना इस नगर में सर्व प्रथम की। (इसीलिये राठौडों की मूल शाखा खेडेवा कहलाई)। गोहिल और बामी आसपान के घातक से भाग कर सीराष्ट्र में चले गये और वहाँ अपने राज्य कायम किये। मोहजाजी ने लिखा है कि खेड या खेडपुर 'सीरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर खडरों का ढेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर बचे हैं। बड़े मन्दिर में श्री रण-छोडराय की बड़ी मध्य और कलापूर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चौकी पर स० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अंकित है। कुछ समय पूर्व श्रीशृंगभदेव के मन्दिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर स० १२३७ में विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक भत के अनुसार मोहणोत शाखा के प्रवर्तक मोहणजी ने यहाँ ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की रयातों में मुहणोत गोन की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी धिंकार करने लगे। उनके हाथ से एक गर्भवती हरिणी का खिलार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का विस्र व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावड़ी के पास आकर सड़े हुए। इतने में ही उसी रास्ते से जैन यतिवर्ग खिचसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को जल छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवत दान देने के लिए यति महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० स० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम में उनके द्वारा जैन-धर्म अपीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोत कहलाए।

—'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' नामक श्रीहजारीमल बाठिया का सख और 'भोसवाल जाति का इतिहास' के 'भोसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड में 'मुहणोत' उपखंड पृ० ४६ एवं 'महाजन वंश मुक्तावली'।

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलंबी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रधान जाति ओसवालों में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के ओसवाल कहलाये ।

ओसवाल जाति में परिवर्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठौड़ वंश से मोहणोतों का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा ।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए । जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थीं* । महाराजा गजसिंह के समय वि. सं. १६६६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे* । यह बड़े दानी* और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे । इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी ।

मुंहता जयमल के पांच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे । इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिंगसर शु. ४ शुक्रवार को

६. माधोदास कैसीदासोत भगो रजपूत हुनो । सं० १६९४ रावळा थी गांव भवराणी गांवां १० सूं दीधी हुती । इण्ठा चाकर जेमल मुहणोत खानाजंगी कीवी जद भवराणी होइ सं० १६८८ मोहमदखा रं वसियो । पछे धमरसिधनी रं । पछे राजा जैसिधनी रं वसियो माधोदास ।

—बांकीदास री ख्यात, बात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री मांगीमल एडवोकेट, तथा श्री मोहिन्दनारायण मोहणोत एडवोकेट द्वारा प्राप्त—'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्बत् १६९० दिया है ।

५. जयमलजी का निरर्थ साधुओं की जलेबी बाँटने का नियम था । जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं की जलेबी मिलती बंद हो गई । तब किसी कवि ने कहा कि—

परासव्य पलटधा परा, दीजै किणुन दोस ।

जैमल जलेबी छे गयो, साधां करो संतोस ॥

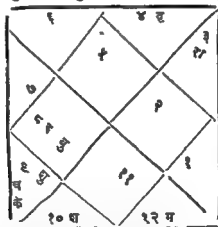
—विश्वमित्र, पूजा दीपावली अंक, १९५३, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता के 'प्रशासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से ।

बांकीदास ने भी अपने ख्यात ॥ बात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जैमल, जालोर का नाम भी अनेक दाताओं में गिनाया है ।

हुआ था^१ । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्त्ता तथा प्रबन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लड़ाइयों का संचालन किया था । सम्वत् १६६४-६५ में बलोचो से फलोदी की लड़ाई, स. १७०० में राठघरा की लड़ाई हुई जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोरण का परगना बादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालों का अधिकार था । महाराजा के कार-बारियों के पहुँचने पर रावल रामचन्द्र ने अपना अधिकार छोड़ना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवन्तसिंह ने राठौड़ वीर सैनिकों और नैणसी की सेना देकर भेजा^२ । लड़ाई के पश्चात् राठौड़ी सेना का पोरण पर अधिकार हो गया । इधर रावल मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायतायें सेना भेजकर रावल रामचन्द्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लड़ाइयों में नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विद्यारसिक, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

६. सबत् १६६७ मियसर सुद ४ वार चुक्र, च० ४२ । गताच ६ पु० श्रीनैणसीजी जनम



—हमारे निज के संग्रह 'विषय' में से और श्री भदनराज दोलतराम मेहता, जोधपुर के संग्रह में — 'सबत् १७६२ रा भित्ती मसाद सुद ६ मुहणोत मरसिधजी री पोषी सू' ।

७ स० १७०६ रा मसाद वद ३ जोधपुर सू फौज पोहकरण मार्ये विदा कोवी । राठौड़ गोपालदास सुदरदासोत मेहतियो १, राठौड़ वीठलदास सुदरदासोत मेहतियो २, वीठलदास गोपालदासोत चापो ३, नारखान राजसिधोत कूपो ४, भडारी वगनाथ ५, मुणोयत नैणसी ६, सिगवी प्रताप ७ । —बाँकीदास री व्यात, बात स० ३२१

सम्बत् १७१४ में महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी की सेवाओं से प्रसन्न होकर मियां फरासतखा की जगह इन्हें अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया। सं. १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया।

महाराजा जसवंतसिंह को श्रीरंगजेव की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था। उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सभ्हालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था। राज्य की अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हें गांव बख्शिश कर देने तक का अधिकार था। महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति में महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्हीं को सौंप रखा था^८।

कहा जाता है कि बाद में महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे^९।

८ दीवानगी के काम में नैणसी कितना विश्वस्त, तत्त्वा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

‘सिधथी महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवंतसिंघजी बचनातु॥ मु॥ नैणसी दिसे सुप्रसाद बांछिजो। छठारा समंधार भला छै। बाहरा देजो। लोक, महाजन रेत रो दिलासा कीजो। कोई फिण ही सों जोर ज्यादाती करण न पावै। कांठा-कोरा रो जापसो कीजो। कंवर रै खोल रा पांणी रा जसन करावजो।

अरजदास बाहरी जोधपुर तू फेर भाई। हसीकत मालूम करी। ये लग्नाच ललमीदासोत नू पटो दियो गांव ३ सु भलो कीनो।

—भोसवाल जाति का इतिहास : ‘राजनैतिक और सैनिक महसू’ खंड, पृ० ४६।

९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची। कोई ऐसी राजनैतिक दाय-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊँचे पद के विश्वस्त अधिकारी को ऐसी मोस का कारण बनना पड़े। श्री हजारिमल बांठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख में लिखा है कि—

‘जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिश्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर भ्रष्टाचार किया करते थे। और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुंदरसी दोनों घंघुओं को माघ बदि ६ (ता० २६ दिसंबर) को कैद कर दिया।’

श्री भगरचंद नाहटा ने ‘धरदा’ वर्ष ३ अंक १ में ‘अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह जीवावत की ऐतिहासिक बात’ में लिखा है कि—

‘महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर नाराज हो जाने का कारण प्रजा पर प्रत्यक्ष हासल (कूपि-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाना और जिससे गांवों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवंतसिंह छत्रपति शिवाजी की दवाने के लिये श्रीरगजेव की

लाख रुपये की हानि होना बताया है । इन घठारह लाख रुपये को नैणसी से दह के रूप में वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा कर दी । नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने की तैयार नहीं था । उसने तो एक पाई भी खर्च नहीं की । तब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके यह दह तो माफ़ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को बीवानगिरी से हटाकर उसकी जगह मिर्जे भदारी को रख दिया और यह आज्ञा कर दी कि भविष्य में भेरी कोई भी सत्तान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगा, ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं ।

श्री रामनारायण मुहणोत कनकत्ता ने 'विश्वमित्र' दीपावली विद्योपाक, १९६३ में इसके संबंध में बड़ी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवंतसिंह के बड़े पुत्र पृथ्वीसिंह की बीरता पर महाराजा को गर्व था । गर्व का परिणाम मलाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जगली सिह की लड़ाई का खेस बादशाह ने देखना चाहा । प्रोग्राम बनाया गया । कुबली हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के शेर की चीर खाया । इससे पृथ्वीसिंह की बीरता की शोहरत और भी अधिक फैल गई । लेकिन श्रीरगजेव को बड़ी बेचैनी और ईर्ष्या हुई । पृथ्वीसिंह की इस बीरता के संबंध में बहियों ने बहुत कुछ कहा है । पृथ्वीसिंह के शिक्षक नैणसी थे । घतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों में लटकने लगे । नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ आज्ञा बिछाना शुरू किया ।

(२) एक बार नैणसी ने एक बड़ी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवंतसिंह भी आये । दावत की तैयारी और अदभुतता महाराजा और श्रीरगजेव की दरबारी देख कर दंग रह गये । श्रीरगजेव के आदमियों ने यह अच्छा मौका देखा । उन्होंने महाराजा के कान भरे । महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप में माग की । नैणसी ने उस लाख रुपये की माग की अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिफल और अपनी सेवामो पर पानी फिराने वाला समझा । उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख लखार्षी नौपद्म, बह पोपल री लाख ।

नटियो मूतो नैणसी, तांबो देण तलाक ॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम माँग सकता था और वह उसे चुकानी ही पड़ती थी ।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जीधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया । उसी समय श्रीरगजेव ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया । युवराज पद के उत्सव के समय श्रीरगजेव ने

आज्ञा से श्रीरंगवादी के घाने में नियत थे तब वि. सं. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ श्रीरंगवादी में गये हुए थे, वहाँ इस दोनों को कैद कर दिया और सं. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कैदी की ही हालत में इन्हें जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कैदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हें सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हें जीवन से भ्रान्ति हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने भरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुँचने के पहले मार्ग में फूलमरी गांव के पास वि. सं. १७२७ की भादों वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी^{१०}।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

लाख लखारों नीपजै, बड़ पीपल री साख।

नदियो मुँतो नैणसी, ताँयो वैण तसाक^{११} ॥

पृथ्वीसिंह को विशेष प्रकार की पोशाक पहनाई जिनके पहिने ही पृथ्वीराज का काम समाप्त हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह की भी काबुल में मृत्यु होगई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गावास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड़ की श्रीरंगजेव के हाथों से बचाया।

१०. देखिये रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात, द्वितीय खंड में श्रीभाजी द्वारा लिखित मुहणोत नैणसी का बंश-परिचय' पृ० ९। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके बंशज' लेखक श्री हजारामल बाँठिया, पृ० २७६ और 'श्रीसवाल जाति का इतिहास' के 'श्रीसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड में 'मुहणोत' उपखंड।

११. दोहे का भावार्थ इस प्रकार है—

‘लाख लखारों के यहाँ मिससी है या बट और पीपल वृक्षों की छाँटाओं में उत्पन्न होती है। यहाँ ही वह भी वहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

कहा जाता है कि नैणसी और सुदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को संबोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—वहाडो जितरें देव, वहाडें बिन नहीं देव है ।

सुर नर करता सेव, (धब) नंदा न भावें नैणसी ॥

सुदरसी—नर रें नर भावें नहीं, भावें धन रें पात ।

सो बिन भाज पिछाणिये कहवें सुदरबात ॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे । इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं । यहां ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है । गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके बदी-जीवन के समय की ही होगी^{११} ।

गीत जाती गोरब मेहता नैणसीजी रो कहूँ

सदा धीनाथ जिण नाम अक्षरण-तरण, तारिया गयद जळ भाळ तारण-तरण ।

हाय मत छोटियो जेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण ॥१॥

जास थी भास जीवत समळो जगत, प्रथी आकास पाताळ भांभी प्रबत ।

पिरपियो अटळ भ्रमळ देखो विकत, तो बीनपत बीनपत बीनपत बीनपत ॥२॥

मार मय कीट पहळाव जोतो समर, काळ पहळाव हिरण्णसि गर्जें गहर ।

वड बळ जीवया वीर-वीराधिवर, तो सखधर, सखधर सखधर सखधर ॥३॥

कूड संसार विस त्रिधु भरियो कहर, लोभ थी लहर अजाव सुफत लैहर ।

मयणसी भज तोइ नाथ करिवा निजण, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि ॥४॥

कहना से भोत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव में बदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्गार हैं । इस गीत के भाव, भाषा-सीष्ठव, वयण-सगाई अलंकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया । एक पैसा भी देने की उसने सलाह ले रखी है ।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसी पोपळ लाख, लाख नक्षारों मानसो ।

सांभो देण सलाक, नटिया सुंदर नैणसी ॥

१२. यह गीत राजस्थानी छोद्य-संस्थान, चौपासनी, चौवपुर के श्री श्रीभाग्यसिंह शेखावत ने भेजा है । लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है ।

पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे ।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवंतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में बंदी बना कर नहीं रखने की और कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवंतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार की भी कैद कर लिया था जिसे नागौर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था^{१३} । इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था । बाल-बच्चों और कबीले को कैद में डाल देना किसी अवांछनीय असाधारण घटना या गंभीर अपराध का सूचक है । चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असंख्य सिद्ध करने की दलीलें किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को संतोष नहीं करा सकी होंगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके । और उनके बाल-बच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीसरे व्यक्ति से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया ।

किन्तु ओकाजी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया । दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है^{१४} ।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है । नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाड़मेर के कामदार कमा की बेटी कमळा (?)

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'बांकीदास री ख्यात', वात सं० २१०६ (पृ० १७४) —

'नागौर रं सुराणं सहदेव ब्रह्ममलोत्त सासु रुपिया अपरा घर सूं राज में भर मुहणोत नैणसी सुंदरदास रा छोरु कबीला कंद सूं कढाया ।'

१४. हृदय, रामनारायण दुग्ग द्वारा अनुवादित 'मुंहणोत नैणसी री ख्यात' द्वितीय खण्ड श्री ओकाजी द्वारा लिखित 'मुंहणोत नैणसी का धंदा-परिचय' पृ० ३ ।

से हुई थी। उस समय के राजाओं और दीवानों के रिवाज के अनुसार इन्होंने भी अपने प्रतिनिधि के रूप में अपना खड्ग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वयं वरात बनाकर विवाह करने को नहीं गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुल्हिन की वजाय मूसल को भेज कर खड्ग की वरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने बाहमेर पर आक्रमण कर दिया और लूट-खसोट करके उसको सहस-नहस कर दिया। बाहमेर उजड़ गया^{१५}।

नैणसी कलम और तलवार दोनों के धनी थे। उन्होंने एक और एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाओं और युद्धों में सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ओर इतिहास की घटनाओं और सध्यों का सकलन कर 'ख्यात' और 'मारवाड रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-सग्रह) जैसे बृहत् और महत्वपूर्ण ग्रन्थों को लिख कर इतिहासकार के रूप में इतिहास और साहित्य दोनों क्षेत्रों में बड़ी भारी सेवाएँ की। इतिहासकार इनकी प्रशंसा ही नहीं करते, किन्तु इनसे प्रेरणा और आधार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थों से अधिक विश्वस्त और महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रन्थों में इस ख्यात ने सब से अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड रा परगना री विगत'^{१६} (सर्व-सग्रह) भी प्रायः ख्यात जितना ही बड़ा ग्रन्थ है। यह मारवाड राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट और गजेटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में अभी तक दृष्टिगत नहीं हुआ। इसमें उन्होंने मारवाड के सभी परगने, परगनों के गाँव, गाँवों की आमदनी, जागीरी ठिकाने, उनकी रेल-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

१५. मुहता नैणसी जालोर आसल जद बाहमेर री कामदार कुमो जिएरी बेटी री सगाई नैणसीजी सू कीवी। नैणसी परणीजण नै गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) खाँडो बाहमेर भेलियो। कम्पो मूसल खडग सामो भेलियो। डावडी और ठै परणायी। जिण कारण सू नैणसी बाहमेर हदवाट भेलियो। ('दहवाट भेलियो' होना चाहिये)। बाहमेर प्रोळ रें कणार रें काठरा किवाड हुता जिकेआण जालोर गढ री पोळ चढाया।
सामद— 'बाहमेर जुगां लग झुबो कमळा तणी कमाई।'।

—बाकीदास री ख्यात : भाव स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस बृहत् ग्रन्थ का सम्पादन राजस्थानी घोष-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिंह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलों का हाल, तालाब, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवों के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आबादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।^{१७}

नेणसी के भाई सुंदरसी और आसकरण^{१८} भी बड़े वीर हुए हैं। सुंदरसी प्रायः नेणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (सं० १७११ से सं० १७२३) के तन-दीवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लड़ाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भंडारी नारायणदास की

१७ ".....मध्ययुग में मुणोत नेणसी के द्वारा इस प्रया (महुंमशुमारी) का प्राविष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पंचवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसकी हस्तलिपि आपके वंशज जोधपुर निवासी श्री.बृध्दराजजी मुणोत के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाड़ के परगने, ग्राम, ग्रामों की प्राप्ति, भूमि की किस्म, साखों का हाल, तालाब, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त प्रादि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है।.....संवत् १७२१ में सोवाणा की महुंमशुमारी हुई.....महाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुतार १०, कुम्हार २, भोजग ४, सुतार ४, तुर्क ४०, पिजारा १, छीपे २, नाई १, डेढ १६, थोरी २, जागरी १, राजपूत ६५, कुल २८३ घर आवाद थे।.....संवत् १७२१ में जोधपुर के हाट की दुकानें ८१५ थीं।.....संवत् १७२१ प्रादिबन कृष्णपक्ष दशमी को परगनों की महुंमशुमारी की गई।.....—

नाम परगना	कुल ग्राम	आबाद	धीरान	सांसण
१. जोधपुर परगना	११६७	८०२३	२२०३	१४४
२. सोजत परगना	२४४	१७६	३२	३३
३. जैतारण परगना	१५२	१०५	२६	१८
४. फलोधी परगना	६८	४६	१०	६
५. मेड़ता परगना	३८४	२६८	४०	४५
६. सोवाणा परगना	१४४	६४	२०	३०
७. पोकरण परगना	८५	४१	२८	१६
	२२४४	१५६८	३७६	२६५

.....आपकी हस्तलिखित पंचवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाड़ से संबंध रखने वाली सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों का भी विवेचन किया है। यह रिपोर्ट क्या है, तत्कालीन मारवाड़ का जीता-जागता चित्र है।”

—ग्रोसवाल जाति का इतिहास : ‘मुणोत नैणसी और महुंमशुमारी’ प्रकरण, पृ. ४७-५०

१८ ‘ग्रीफ फैमिली हिस्ट्री ऑफ मोहनोत्त’ में उदयकरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बड़ा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरगजेब के साथ महाराजा जसवतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लड़ाई में वह बड़ी वीरता से लड़ कर धायल हो गया था^{१६}।

नैणसी और सुदरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सुदरसी के पुत्रों आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नहीं समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागौर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहाँ भी इनका पोंछा नहीं छोड़ा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहाँ रामसिंह की अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवकों ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विष दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चूतवा दिया और इनके पुत्र आदि को बड़ी बेरहमी से मरवा डाला। यह घटना स. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र सप्रामसी और सामतसी वहाँ से भाग कर किशनगढ़ आ गये और वहाँ से बीकानेर जा बसे^{१७}। लेकिन महाराजा जसवतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने भारवाड़ राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होंने सप्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जंसी राज्य की उच्च सेवाओं में नियुक्त कर दिया^{१८}।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजों और वंशजों ने अनेक सघर्ष और सकटों को सहन करते हुए राज्य की ओर सेवाएँ की हैं वे बड़ी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओं के बदले में इन्हे समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलिया, पद, उपाधिया, खास रुकके और रिभायतें इनायत होती रही हैं^{१९} और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग में उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१६ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(घ) चोरनारायण का युद्ध ही समस्त घर्ष का प्रसिद्ध युद्ध है। भारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, पृ. ३६८, पृ० शमकण आसोपा ने घर्षपुर की टिप्पणी में लिखा है कि भारवाड़ की ख्याती में चोरनारायण नाम लिखा है और कोई फतिया-बाद बतलाते हैं।

२०. श्री मोभाजी, 'मुहल्लत नैणसी की ख्यात' द्वि० खंड नैणसी का वंश परिचय पृ० ३-४
२१-२२. उपरोक्त और श्रीफ फॅमिली हिस्ट्री ऑफ मोहल्लत (अप्रकाशित)

सम्मानों को प्राप्त करने का कारण इनकी वफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का बलिदान भी मुख्य कारण है ।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की बहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकाडों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहणोत्त परिवार के पट्टे-परवानों आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है । 'ग्रोफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्त' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरसी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से जरूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है ।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं ।



[१]

गीत सांणोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सम्भि दळां कीध नैणसी सुंदर ,
 दळे वडा-वड मांभी दीय ।
 किरमर-हया न पूजै कळहर ,
 कलम-हया नह पूजै कोय ॥१॥

जुव जाणग मांग जैमसका ,
 मुणसा गुर-सदतारा मीढ ।
 ईढ नको असमर-मल भावै ,
 भावै लेखण-मला न ईढ ॥२॥

भीच धिनै राजेरा मारी ,
 गहण उघारी घड ग्रहै ।
 जोड नको विणियांणी-जाया ,
 रांणी-जाया चरै रहै ॥३॥

[२]

गीत सांणोर नैणसीजी रो

विषेय कबी

सम्भि दळां कीध नैणसी सुंदर ,
 लाखां जिंसा कहै जुग सोय ।
 जणणी हेकण किणी न जाया ,
 दीय बांधव सारीसा दीय ॥१॥

वीजो नको बोकपुर बूदी ,
 ढाल-उयाळ नको दूढाड ।
 जैमल-रां सारीसा जोड़ो ,
 मारु नको, नको मेवाड़ ॥२॥

मेवासियां आसियां मायै ,
 जैत्राई कसिया जरद ।
 तढमल नको हिंदवै तुरके ,
 मोहणोतां सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाघ काछ घर उत्तर ,
 सह पूरव जोवतां सहोघ ।
 दूजी घरा न दीठा दूजा ,
 जेसाहरा सरीसा जोघ ॥४॥

[३]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गड़ाबोड़ गजराज घेंट-रोळ पाखर गरर ,
 भँवरपत्त चमर छत्र आप भावी ।
 मारिया महण फोजां पखं महपती ,
 आवसै चीत गज फोज आवी ॥१॥
 सोह दरवार री (दरबारी) दानि क्रन सरीखा,
 लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा ।
 भालहरा विनै चीतारसी मुरघरा ,
 आवती घीम नै हूंत आढा ॥२॥

जन मंत्री लालच बैँव गाजिया ,
 घणा दिन लगे चित घाट घड़सी ।
 घगड़ घड़ भाजण मंडोवर से-घणो ,
 चरड़ अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥

त्रिविध घड़ भाजण जोघ जैमलतरा ,
 सांझ्यरै वाग गैणाग सारे ।
 कायथां बांभणां तखो कहियो करे ,
 मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥

छत्रपती आय वणियो इसो आज छक ,
 श्रीरंग तोट पड़ ओतड़ै ऊर ।
 महाराजा जैसा इसा क्युं मारिजे ,
 सूरवर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत और कवित्त बड़े महत्व के हैं । इन गीतों में नैणसी की वीरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक युद्धों का संचालन करने, युद्धों में लड़ने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है । इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं ।

[४]

कवत मुहणोत नैणसीजो रा

यह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,
 ओनीदो ऊळियो वडा रावता सभूलो ।
 पोहतो तीजी फाळ वजड हाथळ तोलतो ,
 मेछ दळा मूगला घात सीकार रमतो ।
 मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण घडच खळ ,
 गडडियो सोह जेमाल रो, नैणसीह भरियो नळ ॥१॥
 दाण भरें घरहरें भावा वाका अस मिलसो ,
 मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळो गिनस ।
 किरसी कूजात जात जत लग्ना कवाई ,
 वूब करै बीबजी भजो धे भजो भाई ।
 पचनद परें अनहद धजै, असुरापण गमसो अलग ,
 नैणसी कसं जेमाल रो, पिछम घर ऊपर पमग ॥२॥

नैणसी महाराज। जसवतसिंह प्रथम के दोषान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रंथों के लेखक के रूप में तथा 'नटिया सूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके प्रतिरिक्त उनकी अद्भुत साहसिकता और वीरता की कई वृत्तात घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और धोनायजी (श्रीबालकृष्ण) के भक्त थे। उनके स्वयं के रचे हुए बंदी-जीवन के कव्यापूर्ण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काव्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो वयाप्रसंग दिया हुआ है। उपरोक्त गीतों में 'खोड नको बिगियाणी जाया, रांणी-जाया उरै रहै' के विषय वाला नैणसी एक घोर 'किरमर-हया, असमर-भल, मछर-गुर, उधारी-घड-गहण और सूरवर-भामरण' जैसा अद्वितीय खडगवारी योद्धा है तो दूसरी ओर 'कलम हया, लेखण भल, जाणग, माणग और गुर-सवतार' यदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक बहुल, बहुव्युत, ऐश्वर्य और अधिकारों का उपभोग करने वाला और दासियों का गुरु है। इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक युग-पुरुष था। 'जणणी हेकण कियो न जाया, दोष बांधव सारीसा दोष' नैणसी का भाई सुंदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खडगावत, डाहरेंवटर, राजस्थान स्टेट आर्काइव्ज, बीकानेर में प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत धाभारी हू। सूचना के लिये श्री श्रीमाध्य-सिंहजी खेसावत का धाभारी हूँ।

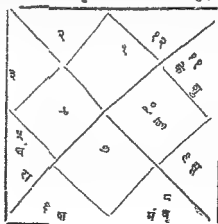
नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेस कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं। अथ वयाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं।—प्रा. बदरीप्रसाद साकरिया

महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम (वि. सं. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रंथ और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊँचे-नीचे और पारस्परिक संबंध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवंतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवंतसिंह भी परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य है। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथलों का इतना गहरा संबंध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन संबंधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके संबंध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके संबंध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवंतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध बीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागौर की जागोरी मिली थी। महाराजा जसवंतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ माघ वदि ४ मंगलवार को दुरहानपुर में हुआ था।^१ बादशाह शाहजहाँ ने वि. सं. १६९५ की आषाढ़ कृ० ७ शुक्रवार

१. पं० रामकण्ठ आसोपा द्वारा लिखित 'भारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० १८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डसी इस प्रकार दी हुई है—



मु हता नैणसी री ख्यात, भाग ४]



जोधपुर महाराजा जसवतसिंह - प्रथम

(वि० स० १६८३ - १७३३)

[राजस्थानी शोध सन्धान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त]

को इनका राज्यतिलक आगरा में किया। महाराजा जब दूसरी बार (स० १७००) बादशाह की चाकरी में से मारवाड आये तो राठधरा (राष्ट्रधरा) के महेशदास के उत्पातो को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था। जयमल ने महेशदास से सद्दाई करके राठधरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेहवे के रावल जगमाल को दे दिया था।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मंदिर इसी महाराजा ने स १७०८ में बनवाया था।

स. १७०६ में महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ। जो जबरदस्त वीर था। इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चीर डाला था। कहा जाता है कि बादशाह को और से इनायत की हुई विषाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी। कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी।

स १७१४ में प्रसिद्ध घमंत (चोरनारायण) में महाराजा जसवंतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरगजेब का भयकर युद्ध हुआ था। महाराजा जसवंतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे। इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे। इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था। इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था।

स. १७२५ में महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शम्भाजी और शाहजादा में संधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी। इसी वर्ष नैणसी और सुदरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) बंदी जीवन से मुक्त हुए थे।

स. १७२७ में महाराजा को बादशाह ने गुजरात के धडुका और पेटलाद के परगने जागीर में दिये थे।

स. १७२८ में जब औरगजेब ने गोधर्वन पर्वत के श्रीनाथजी के मंदिर की गिराने की आज्ञा दी तो गुसाई दामोदरलालजी श्रीनाथजी के विग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हें चौपासनी के पास कदमखंडी में रहने को स्थान दिया था।

स १७३५ की पीप वदि १० को जमरूद में महाराजा का देहान्त हुआ।

यह महाराजा संस्कृत, ब्रज और मारवाडी के बड़े विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अन्त्रे पंडित थे। इन्होंने अनेक ग्रन्थों की रचना की है। जिनमें आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पांचों ग्रंथ वेदान्त के हैं । आनंद-विलास संस्कृत रचना है । भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है ।

जोधपुर के अनार इन्हीं महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं । इन्होंने काबुल से अनार, मिट्टी और वागवानों को लाकर कागा के वाग में अनारों के पेड़ों का रोपण करवाया था । कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नींवूओं का बीज भी इन्हीं महाराजा ने कहीं से मंगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे ।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे । जगतसिंह, दलथंभन और अजीतसिंह । जगतसिंह भी दस वर्ष की उमर में ही चल बसा । दलथंभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानियां जमरूद से दिल्ली आ रही थीं लाहोर में एक ही दिन में सं. १७३५ की चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे । दलथंभन भी रास्ते में ही चल बसा । दिल्ली आने पर औरंगजेब ने अजीतसिंह को मुसलमान बचाने या मार डालने की गरज से रानियों को नजरबंद कर दिया था और मारवाड़ पर बादशाही हुक्मत जमा दी थी । बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरंगजेब की कैद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था । मारवाड़ को बादशाही हुक्मत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये वीर दुर्गादास के संचालन में मारवाड़ के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक संघर्षों का सामना करना पड़ा था । स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं ।

—श्री० बदरीप्रसाद साकरिया

संहता नैरासीरी ख्यात

परिशिष्ट १

तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

- (१) वैयक्तिक (जीवपारो) — पुरुष, स्त्री व पशुनामावली
- (२) भौगोलिक — ग्राम, देश, पर्वत, जलाशयादि नामावली
- (३) सांस्कृतिक — धर्म, संस्था, देवी, देवतादि नामावली



१. संकेत परिचय—

प० पहला भाग

द्व० दूसरा भाग

ती० तीसरा भाग

दे० देली

२. कुछ वर्णों के सम्बन्ध में—

- (१) ल और ल वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उसी प्रकार
- (२) ड और ढ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है।
- (३) ल वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता।
- (४) शब्द के मध्य और अंत में ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ल हो जाता है। कई जगहों में अपने सही रूप में भी उच्चारण किया जाता है; किन्तु वहाँ अर्थान्तर हो जाता है।
- (५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी में प्रायः ओकारान्त होते हैं।

[१] पुरुष नामावली

अ

अंगराज प. २८८
 अंतरिपत्नी ती. १७६
 अंतरिपत्नी प. २८६.
 अथक दू. ३
 अथपसाव रावळ प. १२
 अथराय प. ११६
 अथराय प. १३५
 अथरीय प. ७८, २८८
 अथादित्य प. १०
 अथापसाव प. ५, ७६
 अथापसाव प. ५
 अथुदेव राजा ती. १८६
 अथोपसाव रावळ प. ७६
 अथुमान ती. १७८, २८८
 अथमान प. २८८
 अथुमान प. ७८
 अथवर पातसाह प. २१, ३०, ३२, ३६,
 १११, १५०, २५५, २६२, २६७,
 २६८, ३००, ३०१, ३०२, ३०४,
 ३१२, ३२०, ३२५, ३३१
 ,, पातसाह दू. ६८, २०५, २३८,
 २४०, २४२
 ,, पातसाह ती. २८, ५७, १८३,
 १६२, २०६, २३८, २४०, २४८,
 २६६, २६७, २७२, २७४, २७५,
 २७६
 अको केलणीत दू. ३, १४३
 अको घाचाघत दू. ३३६, ३४०
 अको राव दू. ११६

अकतासु प. २८७
 अखराज प. २३५, ३५३, ३५४
 ,, दू. १२४, १६८, २००
 ,, ती. २३४
 अखराज हुंहरवासीत दू. १६२
 अखराज जंता रो प. ३५३
 अखराज भाली दू. २६३
 अखराज ठाकुरसी रो प. ३६०
 अखराज डूंगरसी रो प. १२०, १२१
 अखराज दलपतीत दू. १२८, १३१,
 १३२, १४४
 अखराज धीरावत प. २३७
 अखराज पातलोत दू. १६४
 अखराज प्रवीराजीत दू. १२३
 अखराज भगवानदास रो प. ३०२, ३१०
 अखराज भावायत ती. ११६, १२०, १२१
 अखराज मेरावत दू. १८७
 अखराज रतनसी रो प. ३२७
 अखराज रावपाळीत दू. १५२
 अखराज राव प. १५५, १५६, १५७,
 १५८, १५९
 अखराज राव जगमाल रो प. १३५,
 १३७, १६१, १८६, १९०
 अखराज रावत कल्याणदे राजा रो प.
 २६५, २६६
 अखराज राव राजसिंघ रो प. १३६,
 १८६, १९०
 अखराज रावळ प. ३३५
 ,, ,, दू. १०६
 अखराज सहसा रो दू. १२०
 अखराज साह प. ६६

प्रखैराज सोनगरो प. २०, २१, २८,
२०७, २०८

„ सोनगरो ती ३१, ६५, १००

प्रखैराज हाडो प १०६

प्रखैसिध प ३२२

„ ती २३०

प्रखैसिध रावळ प १०६

„ „ ती ३६, २२०

प्रखो दू ८७, ७८, ६५

प्रखो गागा रो प ३६३

प्रखो ब्याळदास रो प २३१

प्रखो नेतसी रो प २४०

प्रखो भाण रो प. ३४१

प्रखो राम रो प ३५८

प्रखो रायापळ रो प ३४१

प्रगर प २२, २५

प्रगरसिध प ३००

प्रगस्त प १२२

प्रगिनीवरण प ७८

प्रग्नवरण प २८८

प्रग्नवर्ण प ७८

„ ती. १७६

प्रग्न सर्मा प ६

प्रग्नल प ७८

प्रग्नळदास प ६७, ११५, १६५, २१२,
३२०

प्रग्नळदास दू ६६, १६१, १६२

„ ती २३१

प्रग्नळदास किसनायत दू १२५

प्रग्नळदास केसवदास रो प ३१३, ३१५

प्रग्नळदास खोची ती १३५

प्रग्नळदास बगमालीत दू १२१

प्रग्नळदास जैतसिधोत ती २०५

प्रग्नळदास प्रागदासोत प. २३६

प्रग्नळदास बळभद्रोत प ३०७

प्रग्नळदास भाटो दू ६५, १०६, १७४,
१६२

प्रग्नळदास माधोदासोत दू १४६

प्रग्नळदास रुघनाथ रो दू ११६

प्रग्नळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०

प्रग्नळदास विज्रमादीमोत दू १३०

प्रग्नळदास सावतसीमोत प २३४

प्रग्नळसिध प. ३००, ३२४

प्रग्नळो प २७, ६८, ७८

„ दू ८५, १६८, १७८, १८२,
१६७

प्रग्नळो जैतसी रो प. ३६०

प्रग्नळो नेवसी रो प २४०

प्रग्नळो भंङ्गदासोत दू १८१

प्रग्नळो रायमलोन ती ११६, २४६,
२४८

प्रग्नळो रिणमलोत दू. १२, १४१

प्रग्नळो सिधराजोत दू. १८०

प्रग्नळो सुरताण रो दू. १०४, १५६

प्रग्नळो सेला रो प ३२६

प्रग्न प ७८, २८८, २६२

„ ती. १७८

प्रग्नवसिध प २७, ६६, ८७, ३०५,

३०६, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८

प्रग्नवसिध ती २२४

प्रग्नवसिध करणसिधोत ती २०८

प्रग्नवसिध विगदावन रो प ३०६ ३०७,
३०८, ३१०

प्रग्नवो ॥ ६६

प्रग्नमखान नवाब दू २०५

प्रग्नमल चूडावत दू. ३१०

प्रग्नयपाल सप्रवर्ती प २६२

प्रग्नयभूपाल राणो ती. १७५

प्रग्नयवार दे० प्रग्नवाराह।

प्रग्नयार दे० प्रग्नवाराह।

प्रग्नवाराह ती २१६

प्रग्नसिध प ३२२, ३२४

प्रग्न सीहोजी रो ती २६

प्रग्नदित्य प. १०

અજીત મોહિત તી. ૧૫૮, ૧૫૯, ૧૬૦,

૧૬૭

અલોત્તિથ મહારાજા તી. ૨૧૩

અજીત દાડો માલદે ત તી. ૨૧૬

અજુ રાવળ પ. ૭૮

અજુ દુ. ૩૮, ૧૦૭

અર્જુન તી. ૧૮૦

અર્જુન પ. ૨૬૧

અર્જુન પ. ૨૬૧, ૨૮૦, ૨૮૨

અર્જુન ગંધર્વસેન રો પ. ૩૩૮

અર્જુન ચક્રવર્તી પ. ૨૬૨

અર્જુન પ. ૨૬૨

અર્જુન પ. ૨૫૧

અર્જુન પ. ૧૨૩

અર્જુન પ. ૧૪, ૧૫, ૧૬૩, ૧૬૪

અર્જુન અર્જુન રો પ. ૩૩૮

અર્જુન પ. ૫૧

,, દુ. ૭૭, ૮૦, ૧૦૦, ૧૧૭

અર્જુન કિશનાવત દુ. ૧૪૪

અર્જુન જુઝાયત તી. ૩૧

અર્જુન (જામ) દુ. ૨૨૪, ૨૪૦

અર્જુન પ્રયોરાવ રો પ. ૨૪૩

અર્જુન રાજા રો દુ. ૨૬૨

અર્જુન સંવત્સરીયોત પ. ૨૬૫

અર્જુન દુ. ૧, ૧૧, ૧૭

અર્જુન તી. ૧૩૮

અર્જુન રિણમલોત દુ. ૩૩૮

અર્જુન તી. ૪૬

અર્જુન પ. ૩૬૧, ૩૬૨

અર્જુન ઘોહલ પ. ૨૨૫

અર્જુન સોહો પ. ૩૬૧, ૩૬૨

અર્જુન પ. ૧૬

અર્જુન દુ. ૧૪૩

અર્જુન પ. ૩૧૬

અર્જુન તી. ૨૨૬, ૨૩૦

અર્જુન અર્જુન તી. ૨૦૮

અર્જુન રાજા રામસી રો પ. ૩૪૬, ૩૫૨

અર્જુન દુ. ૧૦.

અર્જુન તી. ૨૨૬

અર્જુન રાવ પ. ૨૮૧

અર્જુન માંગવ દુ. ૫૮

અર્જુન પ. ૧૦૧, ૧૩૫, ૧૭૨, ૨૩૦,

૨૫૦, ૨૫૮

અર્જુન પ. ૧૨૩

અર્જુન પ. ૭૮

અર્જુન તી. ૧૭૮

અર્જુન પ. ૨૮૮

અર્જુન દુ. ૬

અર્જુન પ. ૧૬

અર્જુન ઘોહલો પ. ૧૩૭

અર્જુન તી. ૧૮૭, ૨૩૮

અર્જુન પ. ૧૦૧

અર્જુન પ. ૨૮૬

,, તી. ૧૮૭

અર્જુન પ. ૧૪

અર્જુન પ. ૭૮

અર્જુન તી. ૧૭૮

અર્જુન તી. ૨૬૪

અર્જુન પ. ૨૬૧

અર્જુન પ. ૭૮

અર્જુન (અર્જુન) માટી દુ. ૫૮

અર્જુન (અર્જુન) દુ. ૬

અર્જુન ઘોહલ પ. ૩૩૦

અર્જુન પ. ૨૧૨

અર્જુન દુ. ૧૫

અર્જુન રાજા ઘોહલ પ. ૩૩૦

અર્જુન પ. ૩૦૮

અર્જુન પ. ૩૦૬

અર્જુન અર્જુન તી. ૨૬૮, ૩૧૦

અર્જુન મહારાજા તી. ૩૨, ૧૭૭,

૧૮૦, ૧૮૧, ૨૦૮ ૨૦૬

અર્જુન સુરસિંહ રો પ. ૩૨૨

અર્જુન તી. ૧૮૬

અર્જુન રાજા તી. ૧૮૬

अनेता ॥ २८७

„ ती. १७७

अनरण प ७८

अनीपसिध प. १३३, ३०६ ३२४

„ ती २२३, २३६

अपर डोडियो दू. २०५

अधुला खा प १३१

अधुलो प ५६, ५७, ५८

अदाबकर मुलसाण ती १६१

अमुल फजल प १३०

अभगमसेन प ७८

अभग सेन प. ७८

अभीहूड प. ३५२

अभंकरन प. ३०१

अभंचद ती. १८०

अभंमल विघो रो ती १६०

अभंराम प १०७, ३१०, ३२३

अभंराम ती. २२८

अभंराम अर्जराज रो प ३०२

अभंराम धुधमार रो ती २१८

अभंसिध ती २३३

अभंसिध भाटी दू. ११०

अभो ऊदावत दू १४१

अभो नेतसी रो प. २४०

अभो भोजा रो प ३५४

अभो साखलो वृ १८१

अभो सेखा रो प ३२७

अमर प ३४३

अमर जाडेघो दू २०६

अमर तेज प. २६२

अमरभाग प. ३२४

अमरपण प. २८६

अमरसिध प. १६०, ३२२, ३२४

„ दू. १६१

„ ती ३६, ३७, २२३, २२४,

२२८, २३३, २३५, २३६

अमरसिध अणवसिधोत ती. २०८

अमरसिध करणसिधोत ती २०८

अमरसिधजी दू १४६, १५७, १६०,

१६३, १६५, १६७, १६८, १६९,

१८३, १८८, १८३

अमरसिधजी कुवर प. २०६, २३८, २४०

अमरसिध राणो प ६, १५, २४, २८,

२९, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६ ५७,

५९, ६२, ६३, ६४, ६२, ६५

अमरसिध रामदास रो प ३०३

अमरसिध राजा प १३३

अमरसिध राजावत ती ३५

अमरसिध राव ती १८२, २१४

अमरसिध रावळ दू ६३, ६५, १०८,

१०९

अमरसिध सबळसिधोत ती ३५, २२०

अमरसिध हरिसिधोत ती २४१

अमरसी रावळ प. ७६

अमरसी सोमावत प ३४१

अमर सीहूड रो प. ३४३

अमरो प ६८, १५७, १५९, १६४,

१६६, १६७, १७२, १७३, १६५,

१६७, २१२

अमरो दू. ३८, ८८, ६२, १२२, १७५,

१७७

अमरो अहीर प. ३१८ ३१९

अमरो कल्याणमलोत ती २०६

अमरो केशोशलोत दू १६८

अमरो खगारोत प ३०६

अमरो पिराण रो प २३८

अमरो भाखोत दू १८६

अमरो भाखर रो दू. ७६, १६६, १६८

अमरो भोजावत प ३५६

अमरो रतनावत दू १६३

अमरो राणो दे० अमरसिध राणो ।

अमरो राणो आलो दू. २५७, २६४

अमरो रूपसी भाटी दू १६८

अमरो सोढो प. ३६१

अमीखान पठाण हू. २०५, २४०, २४१
 अमीपाळ प. २८६
 अमीरखान दे० अमीखान पठाण ।
 अमृतपाल ती. १८८
 अमेदसिध ती. २३०
 अमर्षण प. २८३
 अमर्षण ती. १७६
 अमृतायु ती. १७८
 अरजण रायमलोत ती. ११५, ११६
 अरजन प. २७, ३०, १६६, १६८,
 १६०, २६१, २८०
 अरजन हू. ११, ८८, १३१
 अरजनवे प. २६१
 अरजनवेय ती. ५१
 अरजन भाँव रो प. ३३५
 अरजन रांगो मोहिल ती. १५३, १६६
 अरजन, राय सातवे रो बोहीती हू. ६८
 अरजनासिध प. ३२२
 अरजुण सूरसिधोत ती. २०८
 अरजुन पांडव दू. ३५, ३६
 अरदकमल प. २०५
 अरदकमल काँवळोत ती. १५
 अरदकमल खंडावत प. ३४८, ३४९
 " " दू. ३१२, ३२४,
 ३२६, ३२७, ३२८
 अरदकमल खंडावत ती. ३०
 अरघाविव दू. १, ६
 " ती. ३७
 अरसी प. २२५
 अरसी रांगो प. १४, १५, ३२, ६८
 अरसी रावळ प. ७६
 अरसीह समरसी रो प. २०३
 अरहुद रावळ प. ७६
 अरिमरदन प. ७८
 अरुमक ती. १७८
 अरोड भाखर दू. १७
 अरक ती. १७६

अर्जुन दे० अरजन व अरजुन
 अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०
 अर्जुनपाळ राजा प. १२८
 अर्जुनासिध ती. २२८, २२९, २३०
 अर्धवित्र दे. अरघाविव
 अर्धासोम ती. १८५
 अर्जुद दू. ३
 अलक्ष्यो हू. २१५
 अलगां प. ३२७
 अलखो चांदण रो प. ३१५
 अलण प. २५७
 अलधरो काकिल रो प. २६४, ३३२
 अलफलां ती. २७४
 अलमलां दे. अलफलां
 अलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३,
 २३०, २३१, २६२, २७६
 अलाउद्दीन दे. अलावदीन पातसाह
 अलावदी प. १४, २१३, २१६, २२०,
 ३३२, ३३५
 अलावदीन पातसाह ती. २८, ५०, ५३,
 १८३, १८४, २६३
 अलावदीन गुलतांण ती. १६०, १६१
 अलावरदीलां ती. २७७
 अलीखां दू. १०३
 अलु प. ४, ५
 अलंदियो हू. २०६
 अल्लद महेन्द्र हू. ४
 अवतारवे खीमरा रो प. ३५५, ३६१
 अवतफजल प. १३०
 अवमेघ राजा ती. १८५
 असकरी कामरां प. ३००
 असमंज प. ७८, २८८, २६२
 असमंजस ती. १७८
 अहमंद प. २६२
 " ती. १७, १८, ५७
 अहमंदखान ती. ५३
 अहमंद चाहिल ती. १७

ग्रहमदशाह मुलताण ती १६१

ग्रहिजन दू ७५, ७८

ग्रहिनपु प ७८

ग्रहिनाम प. २८८

ग्रहियय ती १८७

ग्रहिराव ती २१८

ग्रहीम ती १७६

आ

ग्रानो लीची प २५३, २५४, २५५

ग्रानो बापेलो ती ५६, ६०, ६३, ६८,

६९, ७०, ७२

ग्रोबा मालावत दू १७७

ग्रोबो राजसी रो, राणो प ३४६

ग्राईवान दू ६६, २००

" ती. २२७, २३३

ग्राईवान ईसरवासोत दू १५१

ग्राकडराय ती ५१

ग्राकूतर्खा ती. २७६, २७६

ग्राजमखा दू २५६

ग्राजमखान दू. २४०, २४१

ग्राटेरण दू १७

ग्राणव प ३५२

" दू ६५

ग्राणदखव ती १८७

ग्राणव जेसायत दू १७८

ग्राणवसिध प २६६, २०७, ३१८ ३१६

ग्रादिय राजा ती १८६

ग्रादिसय ती १८५

ग्राभभराय प २८८

ग्रावमल देवडो प १७८

ग्रावमलसूरा रो प २००

ग्रामत्र प २८६

ग्रायसजी ती २८३

ग्रायोतास प २८८

ग्रालण प १६२, १८६, २०२, २४७

ग्रालण मावडेचो प २८४

ग्रालणसी कुतल रो राजा प २६५,

२६६, ३३०

ग्रालणसी मेहराज रो प ३४८, ३४९

ग्राल राजा जेदेव रो प ३३६

ग्रालुस रावळ प १२

ग्रालू दू ४, ५

ग्राल्हण आसराव रो प १३५

ग्राल्हण देवडो प २०५

ग्राल्हण भाणकराव रो प १७२ २०३,
२३०

ग्राल्हणसी धोजड रो प १३४

ग्राल्हणसी सालसी मेहराजोत व ३२७,
३४८, ३४९

ग्राल्हण सोहड प २२५

ग्राल्हो चारण दू ३०४ ३०५, ३०६

ग्रालकरण प २५ १६७, १६५, ३०५

" दू ६४

" ती १४७, १४८, २२१

ग्रालकरण ईसरवासोत दू १८६

ग्रालकरण कला रो प १६०

ग्रालकरण खेतसी रो दू १२३

ग्रालकरण जसहोत दू ४३, ४४, ५१,
५४, ५६, ७४

ग्रालकरण भालो दू २५६

ग्रालकरण भावावत दू १८८

ग्रालकरण भीमावत ती २१४ २१७

ग्रालकरण राणो भालो दू २५६ २५७

ग्रालकरण राजा प २६०, ३०३

ग्रालकरण राव ती ३६

ग्रालकरण राव कागु रो दू १३६

ग्रालकरण राव चद्रसेनोत प ७५

ग्रालकरण रावत प ११७

ग्रालकरण राव पूगळियो दू १३०,
१३२, १३३

ग्रालकरण रावळ प ७६

ग्रालकरण साडखान रो प ३२१

ग्रालकरण सत्तावत ती. ३८, ३९

ग्रालणान प ३३३

ग्रालणान राव दू २७६, २७७, २७८,
२७९

आसथांन राव ती. २६, १७३, १८०

आसपळां प. ३३०

आसमक राज प. २८८

आसराव प. १३४

„ ती. २२१

आसराव फालग रो दू. ३८

आसराव जिवराव रो प. १०१, ११६,

१३५, १७२, १८६, २०२, २०३,

२२६, २३०, २४७, २५०

आसराव धारावरीस रो प. ३५५

आसराव रतन-वारण दू. ५६, ७२, ७४

आसराव रिणमलोत ती. ३०

आसराव सोडो प. ३६३

आसल प. ३४३

आसल मोहिल ती. १५८, १७०

आसल लाफण रो प. २०२

आसावित प. ३

आसाबुद्धि ती. १८६

आसो प. १२५, १६६, २३८, ३४३

„ दू. ३८, ६३, १६४, १६५, १८६,

१६१, १६६, १६६

आसो (आसथांन) दू. २७६

आसो कचरावत प. ३५७, ३६०

„ „ दू. १७४

आसो डाभी दू. २७६

आसो पूना रो प. २००

आसो प्रागवासोत दू. १८४

आसो भील ती. ५३

आसो मांना रो दू. २६४

आसो रामचंदोत दू. १५६

आसो रायपालोत दू. १४५

आसो वरजांग रो प. २३२

आसो वरसिघोत दू. १७३

आसो संकर रो प. २४३

आसो सांवळासोत प. ३४३

आहड मोहिल ती. १५८, १७०

आहठमा नरेश प. ६

आहड ती. १५४

इ

इंदराव मोहिल दे. इंदवीर रांगो ।

इंद्र ती. १७७

इंद्र किलंग रो प. ३३६

इंद्रचंद प. ३१६

इंद्रजीत प. १२६, ३१०

इंद्रपाळ प. २६०

इंद्रभाण प. ६८, ३२१, ३२४

„ ती. २३३

इंद्रभाण केसरीसिघोत दू. १५७

इंद्रभाण जंतसी रो प. ३१५

इंद्रभाण पंवार प. ४४

इंद्र राजा परमार ती. १७५

इंद्रराव दे० इंदवीर रांगो ।

इंदवीर रांगो ती. १५३, १६६

इंद्रसिघ ती. २२१, २२४, २२६, २३५

इंद्रसिघ मानसिघ रो प. १३३

इंद्रसिघ राणावत ती. ३२

इंद्रसिघ रागर रो प. २४

इंद्रखावा प० २८७

इसबाकु प. ७८, २८७

„ ती. १७७

इखुक प. ७८

इबार प. २८८

इसमाइलखां दू. १०४

ई

ईंदो प. १५३

„ दू. ३१४

ईतपाळ सोलंकी प. २८०

ईलियो चावडो दू. २०५

ईसर प. १६८, ३५१

„ दू. ७८, १४४, १७८

ईसर कपूर रो प. १२१

ईसर जेसा रो प. १६६

ईसरदास प. ६६, १६०, २८१

„ दू. १२०, १२३

„ ती. ११८

ईसरदास घलेराज रो प. ३५४

ईसरदास चर्वेतिघोत दू. १३०, १३६

ईसरदास कल्याणदासोत दू. १५६

ईसरदास कृपावत प. ३१८

ईसरदास जेतसीघोत दू. ६३, ६४

ईसरदास जीवा रो प. २४१

ईसरदास जेमलोत प. ३२८

ईसरदास भोपतोत दू. १६०

ईसरदास मानसिघोत दू. १६३

ईसरदास मोहिल ती. ३१

ईसरदास राणावत दू. १५१

ईसरदास रांगो भोजराज रो प. ३५५,
३५६

ईसरदास रायमलोत दू. १८२, १८६

ईसरदास लूणकरण रो प. ३१६

ईसरदास धीरमदेघोत दू. १६६

ईसरदास बेरा रो प. २८१

ईसरदास सुजावत दू. १६१, १६२

ईसरदास सोढो प. ३६१

ईसरदास हरदासोत दू. १७६

ईसर पता रो दू. २००

ईसर बारहठ प. १५२

„ „ दू. २२३, २३६, २४६

ईसर रायपाळ रो प. ३५१

ईसर धीरमदेघोत प. ३२

ईसर सोसोदियो प. १११

ईसरीसिध ती. २२०, २३३

ईससिध प. १६०

ईसो बाभण दू. ३५, ३६

ईहड रांगो प. १२४

ईहड सोळकी ती. २५७

उगमणसीह सिखरोवत ती. ३०

उगरसेन प. ३२३

उगरो प. १६३, १६८

„ दू. १२२, १६८

उगरो लिलमोदासोत प. २३६

उगसिध प. २६६

उग्रसेन चन्द्रसेणोत प. २३५, २३६

उग्रसेन नरसिधवास रो प. ३१६

उग्रसेन प. १६५, ३०४, ३०६, ३१७,

३२५

उग्रसेन मर्जवधोत प. २६२

उग्रसेन केसोदास रो प. ३१४

उग्रसेन धनसिध रो प. २६६

उग्रसेन रावळ कल्याणमलोत प. ७४,

७५, ७६, ७७, ८७, १२०

उग्रराज ती. २२१

उग्रराज ती. २२२

उत्तम रावळ प. ५, ७६

उत्तमरिध प. १६३

उत्तमसिध ती. २२४

उदय मोहा रो प. ३३६

उदय सीहड खणेवा रो प. ३४२

उदतराज रावळ प. १२

उदयसिध करणसिधोत ती. २०८

उदयसिध महाराजा ती. १७३, २०७

उदयसिध दे० उर्वेसिह मोटो राजा

उदयसेन ती. १८७

उदयादित्य राजा ती. १७६

उद्वेकरण राजा प. ३१३, ३२६

„ दू. ६३

उद्वेकरण सवास रो प. ३२३

उद्वेकरण (जवणसी) जुणसी रो प. २६०,

२६५, २६६, २६७, ३२६, ३३०

उद्वेकरण फरसराजोत प. ३१६

उद्वेकरण रामनारणोत प. ३५८

સદેકરણ વેળીવાસ રો પ. ૩૧૩
 સદેકરણ રાજા પ. ૩૧૮, ૩૨૬
 સદેકરણ રાજા તી. ૧૭૫
 સદેકરણ રાયમલોત તી. ૧૦૨
 સદેકર પપ્રનેથ પ. ૭૮
 સદેચંદ્ર રાજા પ. ૩૩૬
 સર્વભાંણ પ. ૩૨૪, ૩૨૭
 ,, ઢૂ. ૧૬૦
 ,, તી. ૨૨૮, ૨૨૯, ૨૩૦
 સર્વભાંણ ફેસરવાસોત ઢૂ. ૬૪, ૧૦૬
 સર્વભાંણ શેયડો પ. ૩૨, ૧૫૭, ૧૫૮
 સર્વભાંણ ફરસરામ રો પ. ૩૧૬
 સર્વભાંણ રાયલ પ. ૮૭
 સર્વમલ પિયોરો તી. ૧૬૦
 સર્વરામ પ. ૩૦૮
 ,, તી. ૨૩૬
 સર્વરામ ગ્રાહ્યુત તી. ૨૭૬
 સર્વસિંધ પ. ૧૬૬, ૩૧૩, ૩૨૮
 ,, ઢૂ. ૮૦, ૮૧, ૧૬૫, ૧૮૪, ૨૦૧
 ,, તી. ૨૨૬, ૨૨૭, ૨૨૯, ૨૩૧
 ૨૩૭
 સર્વસિંધ ગ્રાણેરાજોત પ. ૨૦૭, ૨૧૧
 સર્વસિંધ કીરતસિંધોત તી. ૨૧૭
 સર્વસિંધ કુંભા રો પ. ૩૧૩
 સર્વસિંધ ર્જંગારોત પ. ૩૦૬
 સર્વસિંધ ગોપાલવાસોત પ. ૩૪૩
 સર્વસિંધ જગમલ રો ઢૂ. ૬૮
 સર્વસિંધ જોમલ રો પ. ૩૧૨
 સર્વસિંધ દુવોત પ. ૧૬૬
 સર્વસિંધ પંચાદ્ય રો ઢૂ. ૧૨૦
 સર્વસિંધ ભગવાંનવાસોત ઢૂ. ૧૭૨
 સર્વસિંધ ભાદાવત ઢૂ. ૧૮૮
 સર્વસિંધ ભૈરવવાસોત ઢૂ. ૧૬૬
 સર્વસિંધ માલદેઓત ઢૂ. ૬૨
 સર્વસિંધ મોટો રાજા પ. ૧૪૨, ૧૭૦,
 ૨૦૮, ૨૧૦, ૨૩૨, ૨૩૩, ૨૩૮,

૨૪૧, ૨૪૨, ૨૬૭, ૩૦૦, ૩૦૩,
 ૩૧૨, ૩૨૬
 = મોટો રાજા ઢૂ. ૧૨૧, ૧૨૮
 સર્વસિંધ મહારાજા ઝોધપુર તી. ૧૮૨,
 ૨૧૪, ૨૧૭
 સર્વસિંધ રાંળો પ. ૬, ૧૫, ૧૬, ૨૦, ૨૧,
 ૨૨, ૨૩, ૨૫, ૨૬, ૨૮, ૩૨, ૩૪,
 ૩૬, ૪૮, ૪૯, ૫૦, ૫૧, ૫૨, ૬૦,
 ૬૨, ૭૦, ૭૬, ૮૭, ૯૩, ૧૦૩,
 ૧૦૪, ૧૦૮, ૧૦૯, ૧૧૦, ૧૧૧, ૧૧૨,
 ૧૫૦, ૧૫૭, ૧૬૦, ૨૦૭, ૩૪૨
 ,, રાંળો તી. ૩૧
 સર્વસિંધ રાયમલ રો ઢૂ. ૧૨૩
 સર્વસિંધ રાવ પ. ૧૬૧, ૧૬૪
 ,, ,, તી. ૩૬
 સર્વસિંધરાય રાપસિંધ રો પ. ૧૩૫, ૧૩૭,
 ૧૩૮, ૧૩૯, ૧૪૧
 સર્વસિંધ રાયલ પ. ૭૬
 સર્વસિંધ રાય ઘાઘોત શીકૂંપુર ઘણી ઢૂ.
 ૧૩૦, ૧૩૧, ૧૪૧, ૧૪૪
 સર્વસિંધ વિજા રો પ. ૩૫૮
 સર્વસિંધ ઘોઠલવાસ રો પ. ૩૦૮
 સર્વસિંધ સાહિવ રો પ. ૩૫૮
 સર્વસિંધ સૂરજમલ રો પ. ૧૦૬
 સર્વસિંધ તી. ૧૨૪, ૧૨૬, ૧૨૭
 સર્વસિંધ શ્રરસી રો પ. ૨૦૩
 સર્વસિંધ તી. ૨૧૭
 સદ્ધરણ રાજા પ. ૨૬૭
 સધરણ ઢૂ. ૧૦૩, ૧૦૪, ૧૨૧, ૧૨૬
 સધરણ ગ્રનવી પ. ૧૨૩, ૧૨૪
 સધરણ મેહલોત પ. ૨૦૦
 સધરણ મોજવેઓત પ. ૨૩૧
 સધરણ ઘણવીર રો પ. ૨૬૦, ૩૧૩
 સધરણ સારંગ રો પ. ૩૫૧
 સધરણ પ. ૩૨૨
 સપલરાઈ પ. ૩૩૭

उपत राजा ती. १७५
 उरक्रिय प २८६
 उरजण नरवद रो प. ५०, १०६, ११०
 उरजन प १६४, १६७, ३६२
 , दू ८०, ११६, १६६
 उरजन कचरावत दू १८५
 उरजन गोपाळदास कहू रो दू ६६
 उरजन नरवद रो दे० उरजण नरवद रो
 उरजन पचाइणोत प २३७
 उरजन महेसदासोत दू १७०
 उरजन विहृल प २२४
 उरजन सत्तावत दू १४५
 उरजन सोढो प ३६२
 उसै राजा प २६३

ऊ

ऊगम प ३६१
 ऊगमडो ई बो प ३४६
 ऊगमडो ई बो दू ३४२
 ,, ,, ती २५१, २५६, २६६
 ऊगमसी राणो दे० ऊगमडो राणो ।
 ऊगो पिरा रो दू ३८
 ऊगो मेहवचो दू १६४
 ऊगो बरसी रो दू २, ८१
 ऊगळ भाटो दू ६६
 ऊढो प १६, १७, ३६, ५१, ५२, ६८,
 १०१, २३६, ५८१, ३५१
 ,, दू ८०, ८४
 , ती २३५
 ऊढो ऊगमणावत ती २१२, २५६, २५७,
 २५८, २५९, २६१, २६२, २६३,
 २६४, २६५
 ऊढो करण रो प ३४३
 ऊढो कू भावत प ३६, ५१
 ऊढो गोपादेमोत दू ३१७, ३१६, ३२०
 ऊढो चाद रो प ३३१
 ऊढो जेता रो दू १४१

ऊढो जेता रो प १६६
 ऊढो झगरसीमोत दू १७८
 ऊढो त्रिभुवनसीमोत दू ३१४, ३१५
 ,, , ती २४
 ऊढो भैरवदास रो प २४०, २४१
 ऊढो माना रो प ३६०
 ऊढो मूजावत प ३४६, ३४७, ३५२
 ऊढो मूळावत दू ३००, ३०१
 ऊढो रांमावत प. १६६
 ऊढो रामावत दू १६४, १७३
 ऊढो रायपाळ रो प ३५१ ३५३
 ऊढो रायमलोत प ३५६
 ऊढो राव साखा रो प १३६, १४२,
 १५८
 ऊढो लाला रो प ३१८
 ऊढो सुरताण रो सीळकी प २८१
 ऊढो सोळकी दू १०७
 ऊढो हथीर रो प ३५६, ३६०
 ऊढो हिमाळा रो प २४४
 ऊढो साता रो प ३४१
 ऊनड जाम दू २१५, २१६ २३६ २३७,
 २३८
 ऊनड भाटो दू ३
 ऊनड मूळराज रो दू ५४, ६६, ६७
 ऊमजी ती. २३३
 ऊहो दू ६६

आ

आतुपण ती १७८

ए

एलविल ती १७८

ओ

ओमड प १४
 ओढो दू. २०६
 ओढो दू २०६
 ओढो रावण दोढो दे ओढो रावण दोढो ।
 ओसत राजा ती १८७

औ

औरंगजेव पातसाह प. २६
 „ „ सी. १६२, २१४,
 २३८
 औरंगसाह आलमगोर दे. औरंगजेव
 पातसाह ।

क

कैवरपाल सोळंकी प. २६०, २६१
 कैवल दे. कमळ
 कैवरसाल भैरुं रो प. ३२५
 कैवरसी प. ३५२
 कैवरसी ऊहदू दू. १००
 कैवरसी राणो खीयसी रो प. ३४६
 कैयळसी प. १२४
 कैसेन प. ७८
 कडकुस्त प. २६२
 कफडू प. १४
 ककुत्तय प. ७८
 कचरदास प. २७
 कचरो प. २००, ३४३
 कचरो दू. ८८, १३१, १४३
 कचरो छदैसिंध रो प. ३१२
 कचरो गोयंददासोत दू. १८०
 कचरो जैसा रो प. २८, ६८ १६५, ३५७
 कचरो जैसिंधवे रो प. २३२
 कचरो देईदास रो प. २३३
 कचरो पीयावत दू. १६०
 कचरो मेहाजळोत दू. १७४
 कचरो संतारचंद रो दू. १८४
 कचरो सांगा रो प. ३१५, ३१७
 कडवराव राणो प. १२३
 कनकासिंध प. ३०६
 कनकसेन प. ७८
 कनीदास प. ३२६
 कनीराम सी. २३३
 कनीराम वलपतोत प. २३५

कन्हू प. २८, १६२
 कन्हू पंचायणोत प. २१
 कन्होदास (कान्होदास) दू. १२०, १५१
 कविल मुनि दू. २१६
 कपुर प. १२१
 कपुरचंद दासा रो प. ३१८
 कपुरो मरहठो दू. ४७, ४८, ४९, ५०, ६७
 कमधज घुंघमार रो सी. २१८
 कमरो प. ३००
 कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६२
 „ दू. ६
 „ सी. १७५
 कमलादित्य प. १०
 कमालवी दू. ४६, ४७, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५४, ६६, ६७
 कमालवीन सी. ३३
 कमाबुद्दीन दे. कमालवी
 कमो प. २७, ६८, ६९, १५६, ३४३
 „ दू. २१५
 कमो कल्याणदास रो प. ३४६
 कमो केलण रो प. १६८
 कमो घोरंधार दू. १२
 कमो बुध रो दू. १४०
 कमो भैरव रो प. १६६
 कमो मदा रो प. १६७
 कमो कपसी रो प. ३५६
 कमो सीसोदियो रतवसी रो प. ५०
 कमो सोळंकी दू. १०७
 करण प. ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३
 „ दू. ६६, ८२, ८४, ८०, ११६,
 १२२, १२५, १८२
 „ सी. २२१
 करण आखेराज रो प. ३५३
 करण कान्हावत दू. १७७
 करण गिरधरदासोत प. ३०५

करण गेहलो प २६१

„ , ती ५०, ५३, १८४

करण देईवासीत डू १६६

करण मोघो डू २०६, २१०

करण मानसिघोत डू १६१

करण रणमसीत ती २२६

करण रतना रो प ३४३

करण रामचंदोत डू ११८ १६६

करण राजा डू १३६

करण राव (बोकानेर) डू १३२

करण रावळ प ३५२

„ , डू १०, १४, ३६, ७५,

६६, १२१, १३०

करण मीरसल रो प १६६

करण सकतसिघोत डू १५५

करणसिध महाराजा ती. १८ ३१, १८०

१८१, २०८, २१०

करणसिध राव ती ३७

करण सूरजमल रो प ३६०

करणावित रावळ प ५, १२

करणावित्य प १०

करणो डहरियो प १३२

करन प १४, २१, ६३ ६६, ७०, १२८,

१४२, १५६, १६१, १६४, १६६,

१६७, १६८ १६६, २०६, २३८,

२६०, २८०, ३०३

करन कागहा रो प ३५२

करन गेहलो प २६१

करन चतुरभुज रो प ३४३

करन पतायत प ६७

करन महाराजा प १२८

करन, रतनसी रो भाई प २१

करन राणो प ६, १५, ३०, ३१

करन रावळ प ५, १३, ७६

करन बीसावत प १६८

करन (करमसी) रावळ प ७६

करमचंद प २१, १०६, १२२

„ डू ६६, ७६, ६१, ६६, १२४,

२०१

करमचव सखळा रो प ३२६

करमचव वल्याणोत ती २०५

करमचव केतण रो प २०५

करमचव जगन्नाथ रो प ३०१

करमचव दासा रो प ३१४, ३१५

करमचव नरहरदासीत डू १६६

करमचव रावत ती १७६

करमचव वरसिध रो डू १२७

करमसिध ती. २२५

करमसी प २६, १५६, २२६, ३२६

„ डू १२४, २६४

करमसी सखळावत डू १८६

करमसी भासियो जीवसरोत प १६१

करमसी जूड डू १००

करमसी कल्याणवात रो प ३११

करमसी जीवा रो प ३४१, ३४२

करमसी चहुवाण प ६७

करमसी घोबो प १५६, १५७, १६८,

१७४, १७६

करमसी जसबीर रो प २०३

करमसी राजसी रो प ३४६

करमसी शर्यासिघोत डू १६१

करमसी रावत डू ८६, ८७, ८८

करमसी रावळ प ७६

करमसी लूनकरणोत ती २०५

करमसी बीकावत डू १७३

करमसी सहसमल रो प ३२५

करमसी साखलो, हरिभक्त प ३४२

३४६

करमसेन प २६, ३२४

„ डू १२३, १५२, १८६, १६३

„ ती. २२३

करमसेन राव डू ६५

करमो प. ६६, २४७

„ दू. ८०, ८१

करमो सेखावत प. १६५

करहोरो दू. २२६, २३०

करहो घुंघमार रो ती. २१८

कर्ण प. २१, २८, १६०, १६२

कर्ण खाचगवे रो ती. ३३

कर्णदेव ती. ५१

कर्मादित्य प. १०

कलंकी राजा ती. १८७

कलकरण केहण रो दू. ११६, १४४

कलकरण केहुर रो दू. २, ७६, ७७, १५२

„ „ ती. २०, ३४, १०४,

२२१

कलमय राजा प. २६२

कलस सर्मा प. ६

कलादित्य प. १०

कलिकर्ण दे. कलकरण

कलो प. ६७, १६७, १७१, १७२,

२३६, ३२६, ३४१

„ दू. ७७, ८५, १४३, १६६

कलो झलंराज रो प. ३२७

कलो केसोदासोत दू. १६८

कलो गांगावत दू. १६१

कलो ठाकुरसी रो दू. १६२

कलो भाटी दू. ६६, ७७, ६६

कलो भुजबल रो प. १६४

कलो रतनावत दू. १३८

कलो रामसिंघ रो प. ३६१

कलो रामावत प. १६६

कलो रायमलोत दू. १८२

कलो राव मेहाजल रो प. १४५, १४६,

१४७, १४८, १६०, २४६

कलो रावळ दू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४

कलोलसिंघ ती. १६०

कलो वरसिंघ रो दू. १२७

कलो बीदावत ती. १२४

कलो बीसल रो प. २०१

कलो संसारचंद रो दू. १८४

कलो सांवतसीम्रोत प. २३५

कलो साहरण रो प. १०१

कलो सिवराज रो प. ३५६

कल्याण प. २७, २६०

कल्याण किसन रो प. ८७

कल्याणदास प. २५, २८, ३०७, ३२७,

३४३

„ दू. १५०, २६४

„ ती. २२५, २३६

कल्याणदास उपसेनोत प. ३२०

कल्याणदास करणोत प. ३२०

कल्याणदास किसनदास रो दू. १२७, १२८

कल्याणदास नारायणदासोत प. २४६, ३४३

कल्याणदास प्रथीराज रो प. ३११

कल्याणदास भाणोत प. २११

कल्याणदास भाखरसीम्रोत प. १६६

कल्याणदास भाटी ती. १८

कल्याणदास राजधर रो दू. १७७

कल्याणदास राजसिंघ रो प. ३०३

कल्याणदास रायमलोत दू. १७३

कल्याणदास राव दू. ८६

कल्याणदास रावळ दू. ७६, ६८, १०२,

१०३

„ „ ती. ३५

कल्याणदास लाडलान रो प. ३२१

कल्याणदे राजादे रो प. २६४, २६५,

२६६, ३०१

कल्याणमल प. १५६

„ दू. १००

„ ती. १०१, १०२

कल्याणमल उदैकरणोत ती. १५१, १५२

कल्याणमल जैतमलोत प. २२

कल्याणमल फर्तसिंघ रो प. ३१८

कल्याणमल राव ती १७, १८, ३१,
 १८०, १८१, २०५, २०६, २०६
 कल्याणमल राव ईदर हो दू २५६
 कल्याणमल रावळ दू. ११
 कल्याणसिध प २६ ४५, ३०५, ३०६,
 ३२१, ३२३, ३२४
 " ती २३५
 कल्याणसिध मानसिधोत प २६१, २६६
 कल्लो प १६६
 कल्लो रायमलोत ती २१४, २२०, २७२
 कवरो प ३६२
 कवाट दे कँवाट
 कस्तूरियो मूघ (विजो ई वो) दू ३४२
 कश्यप प ७८, २८७, २६२
 कश्यप ती १७५
 कहनी राजा प २६३
 कहवाट दे कँवाट
 कागडो बलोच दू ५५
 कातिसेन ती १८६
 कायडनाथ जोगी दू २१४
 कायळ प ६६, १६५
 कायळ घालेचो प २१७, २१८, २१६
 कायळ घालेचो (घालेचो) ती २६३,
 २६४
 कायळ कचरा रो प १६५
 कायळजी ती १५ २१, २२
 कायळ देवडो प २२४
 कायळ भुजबळ रो प १६५
 कायळ मेहा रो प ३४१
 कायळ रिणमलोत दू ३३५, ३४२
 " " ती १६१, २२६
 कायळ सिधदासोत दू १४५
 कान प. २७, ६८, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६७, २०५
 कान किसनाबत दू १६४, १७३
 कानड प २८१

कानडदास प ३०६
 कानडदे प १४
 कानडदे भाटी दू. ५२, ५४, ६६, ६७
 कानडदे मेर दे कानो मेर
 कानडदे राव राठोड दू २८०, २८१,
 २८२, २८३
 कानडदे रावळ प २०४, २१३, २१६,
 २१७, २१८, २१६, २२०, २२१,
 २२२, २२३, २२४, २२५, २३०,
 २३१
 ४०, ४१, ४२
 कानडदे सावतसीधोत सोनगरो दू ३६,
 ४०, ४१, ४२
 कानड भाटी दे कानडदे भाटी
 कान राव रायमलोत प २५६
 कान सीतोदियो प ६६
 कानो प २००
 कानो घालेचो प २२४
 कानो खेतसी रो प ३६०
 कानो गोपाळबासोत दू १८६
 कानो चारण प ३०७
 कानो मेर दू २७७, २७८
 कानो सोवो दू १३५
 कांम्ह प २१२, ३०७
 " दू १५, ७७, ८१, ८८, ८६, ८३,
 ८६, ८७, ११६ १२३, १२४,
 २६२, २६४
 " ती २६
 कांम्ह असेराज रो प. ३२७
 कांम्ह कल्याणदास रो प ३१२
 कांम्ह कल्याणोत ती २०५
 कांम्ह केन्हणोत ती ३०
 कांम्ह तेजमालोत दू १२५
 कांम्ह (जंस०) ती २२१
 कांम्हदे राव ती २३, २४
 कांम्हदे रावळ प १४, १८१
 कांम्हदे सोनगरो ती २८, १८४, २६३,
 २६४

कांन्ह दूदावत दू. १६७
 कांन्ह भगवंतदास रो प. २६१, २६६
 कांन्ह भोपतोत दू. १६१
 कांन्ह राणो भालो दू. २६५
 कांन्ह राठोड़ रायसलोत प. ३२२
 कांन्ह राध (कनपाल) ती. १८०
 कांन्ह राध जैसा रो दू. १३६
 कांन्ह राध पूवळ रो ती. ३६
 कांन्ह सहसा रो प. ३१४, ३१६
 कांन्हसिध जैससीयोत प. २३७
 कांन्ह सिध रो दू. २६४
 कांन्ह सूजावत दू. १५१
 कांन्हदीदास प. ३२०
 कांन्हदीराम दे. कनीराम
 कांन्हो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२
 कांन्हो दू. १७६, १६३, २००
 „ ती. १६, २०, ३१
 कांन्हो खांदावत दू. १७७
 कांन्हो कोळी दू. २५६
 कांन्हो खूँदावत प. ३५३
 „ „ दू. ३१०, ३१३, ३१४,
 ३३६
 कांन्हो जांभणोत प. २३६, ३५७
 कांन्हो तेजसी रो प. ३५८
 कांन्हो पंचाङ्गणोत प. २०७
 कांन्हो मेर दे. कानो मेर
 कांन्हो सादूळ रो प. ३१५
 कांन्हो हमीरोत दू. १८०
 कामिकाचंद राजा ती. १८८
 कामरां दे. कुंघरो
 कांंहियो दू. २१५
 काकस्त प. ७८
 काकिल राजा प. २६३, २६४, २६६,
 ३३२
 काकिलदेव प. २६०
 काकुस्त प. २८७

काकुस्त प. २८७, २६२
 काबो प. ३३७
 कामेपति समर्पि प. ६
 कारतन राजा प. ३३६
 कालण रावळ दू. १०, ३८, ३९, ६४
 काळमुधो दू. १०३
 काळसेन राजा ती. १७५
 काळो मोहिल दू. ३२६, ३२७
 काळो चोर प. २७२
 काळो टीवाणो दू. ३१४, ३१५
 कातहण जेसळ रो दू. २, १५, ३६, ६२
 „ „ ती. ३३, ३४, २२१
 काश्यप प. २६२
 कासिब प. २६२
 किरतो आहिद्योत ती. १५४
 किलंग प. ३३६
 किसन प. २७, १२१
 किसनचंद प. ३१६
 „ दू. ६२
 किसनचंद राजा ती. १८६
 किसन खूँदावत दू. १४४
 किसनदास प. १६०, १६४, ३१३
 „ दू. ८८, ६०, १२३, १३६
 „ ती. २२६, २३१
 किसनदास भर्खेराजोत दू. १८७
 किसनदास करमचंद रो दू. १२७
 किसनदास पंचाङ्गण रो प. ३०७, ३०६
 किसनदास मेघराज रो प. ३५६
 किसनदास रायमलोत दू. १५९
 किसनदास राध लूणकरण रो प. ३१६
 किसनदास सुजा रो प. ३१३
 किसन भाटी बळुप्रोत दू. १०७, १२४,
 १३४
 किसन साह प. १२६
 किसनसिध प. २५, ३१, २३५, २४७,
 ३०६, ३११, ३२०, ३२५, ३३०
 „ दू. ६५, ६७, १३३, १३६, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४
 , ती. २२३, २२४, २२५, २२८,
 २३०, २३१, २३२
 किसनसिंघ उदैसिघोत दू १५५
 किसनसिंघ खगारोत प ३०६, ३०७
 किसनसिंघ गिरधर रो प ३२२
 किसनसिंघ जूझारसिंघ रो प. २६८
 किसनसिंघ रामचंदोत दू १५८
 किसनसिंघ राजसिंघ रो प ३०३
 किसनसिंघ राजा ती २१७
 किसनसिंघ रायसिंघोत ती. २०७
 किसनसिंघ रावत प. ३१६, ३१७
 किसनसिंघ लूणकरघोत ती २०५
 किसनसिंघ बाघावत प ३१६, ३१७,
 ३२०
 किसनसिंघ सादूळसिंघोत ती २१३
 किसनसिंघ साहिबखान रो प. ३३०
 किसनसिंघ हमीरोत प ३०५
 किसनो प १६, ६६, ८७, १५२, १६७,
 २३५
 , दू. ७७, ८०, ६६, १४३, १७४,
 २००, २६२
 , ती. ३७
 किसनो खीवा रो प ३६०
 किसनो जगमालोत दू १६१
 किसनो जांभुण रो प ३५२
 किसनो तेजसीघोत दू. १६४
 किसनो नीबावत दू १५४, १६१
 किसनो नेहाजलोत दू १७४
 किसनो रामावत दू १६४
 किसनो बाघावत ती. ३७
 किसनो सिंघ रो दू २६४
 किसोरदास ■ ३०७
 " दू ६६
 किसोरदास गोपाळदासोत दू १५८
 किसोरदास महेसदासोत दू. १५८
 किसोरसाह प १२६

किसोरसिंघ प. ३१०, ३२६
 कीतपाळ प २०५, २८०
 कीतू प १३५, १६६, १८७, २०३,
 २४५, २४७
 कीतो प २८
 कीतो भवतारवे रो प ३५५
 कीतो योगसी दू ३
 कीतो सांडा रो प ३५४
 कीरतखां भलखा रो प. ३१५
 कीरतपाळ राठोड ती. २६
 कीरत ब्रह्म रावळ प ५, ७६
 कीरतसिंघ प २६८, ३११
 , दू ६१, १६६
 , ती २२१, २२३, २३२
 कीरतसिंघ जंसिंघ रो प ३३०
 कीरतसिंघ ताजखान रो प ३२४
 कीरतसिंघ राजा जयसिंघ रो प २६१,
 ३३०
 कीरतसी राणां प १२३
 कीरतमत ती १८७
 कीरतसेन ती १८६
 कील प १२४
 कीलणदे राजदेवोत प. ३३१, ३३२
 कीलू करघोत प. ३४७
 कुत प १२४
 , दू. ३
 कुतपाळ प २०३
 कुतल प ३३०
 कुतळ कीलणदे रो प ३३१
 कुतळ केल्हणोत ती ३०
 कुतल माला रो प १२४
 कुतल राजा कल्याणदे रो प २६५,
 २६६
 कुतसीह प १०१
 कुभ प २८७
 कुभकरण प ५४, १८८, ३२८
 , दू ६६, ३४३

कुंभकरण ती. २३१

कुंभकरण नाथावत ती. ३७

कुंभकरण रुद्र रो प. ३१६

कुंभकन दे. कुंभकरण

कुंभकण दे. कुंभकरण

कुंभो हू. ६२, १२०, १२३, १२५, १८३

१६६, १६६, २०१

„ ती. २३४

कुंभो ईसरदासोत हू. १७६

कुंभो कांपलियो प. २४८, २४६

कुंभो कितनदासोत हू. १८७

कुंभो खंराटो प. २७६

कुंभो काचा रो हू. ११७

कुंभो जगमाल रो हू. २८८, २६०, २६१,
२६२, २६३, २६४, २६५, २६६,
२६७, २६८

कुंभो वैबीबास रो हू. ८४

कुंभो मरसिध रो प. १६६, १६७

कुंभो पतावत हू. १७१

कुंभो मनोहरदासोत हू. १६७

कुंभो रांगो हू. १५३, ३३६, ३४०

„ „ ती. १, २, १३६, १४६,

१५०, १६१, १६२, २४८

कुंभो वीरसिधोत हू. १७३

कुंभो बीसारो प. १६६

कुंवरपाळ ती. ५२

कुंवर मांडणोत प. ३५४

कुंवरो प. ३००

„ ती. १६, १७

कुकर हू. ३

कुतवतारखां सुलतान प. २६२

कुतवदीन ममारख सुलतान ती. १६१

कुतवदीन ती. ५३, ५४, १६०

कुतुबखान हू. २२४

कुतुब तातारखां दे. कुतवतारखां सुलतान

कुतुबदीन मुबारक सुलतान दे. कुतवदीन
ममारख सुलतान

कुदाद सुलतान ती. १६१

कुमसी (कुमरसी) रावळ प. ७६

कुरथ-सुरथ प. ७८

कुरमेर रावळ प. १३

कुरटो ती. २१८

कुलकत प. १२३

कुलसिध रावळ प. ८७

कुवलयाइय ती. १७७

कुवा ती. १७८

कुस प. ७८, २८८, २६२, २६३, २६५

कुसळचंद प. ३१६

कुसळसिध प. २०८, ३०५, ३०६, ३१०

३१७, ३२०

„ हू. ६४

„ ती. २२३, २३१, २३५

कुसळसिध रायसल रो प. ३०६, ३२४

कुसळो हू. १३३

कुतळ चंडावत प. ६६

कुतळ सीसोदियो प. ६६, ६६

कूपो ती. ८१, ८३, ८४, ८५, ८७, ८८

कूपो अर्धराजोत प. २३७

कूपो ऊदावत प. ३६०

कूपो मातावत हू. २८८

कूपो मेहराजोत प. २०, २०७, २१२

„ „ हू. १७८, १८७, १८२

कुंभो प. ३६१

कुंभो कछवाहो जुणसी रो प. ३२६, ३३०

कुंभो गोपाळदेखोत प. ३४८

कुंभो गोवंद रो प. २३६

कुंभो चंद राजा रो प. ३१३

कुंभो देवराज रो प. ३५६

कुंभो रांगो प. ६, १५, १६, १७, ५१,

५३, ५४, ६१, ३४२

कुंभो रामसिध रो प. ३४३

कुंभो वीरभदे रो प. ३४१

कुंभो सीहड़ रो प. ३४१

कूभो सूजा रो प. १६७
 कूभो सेवा रो प. ३२८
 कृतजय तो १७६
 कृपाञ्जय तो २१६
 कृपाञ्जय तो १७७
 कृष्णादित्य प. १०
 केलण प. २०५
 , तो ७२, २२१
 केलण तेजसी रो प. १६३, १६८
 केलण हुजणसास रो प. ३५५
 केलण भाटी दू ३१५
 ,, ,, तो २०, ३४
 केलण राव प. २०३, ३५३
 केलण रावळ दू २, ३, १२, ७५, ७६,
 १००, १०६, ११२, ११३, ११४,
 ११५, १२६
 केलण बीसा रो प. १६८
 केल्हण राव तो ३६
 केल्हणराव केल्हण रो दू ११२, ११४,
 ११५, ११६, १२६, १३७, १४०,
 १४१
 केल्हण बीकावत तो. २०५
 कल्हो दू ११२, ११३
 केवळदास गोवडोत प. ६७
 केवाध प. २६२
 केसर मिलक दू ४७, ४८, ४९, ५०, ५२
 केसरसिध प. २०८
 केसरिदेव रावळ दू २८०
 केसरीसिध प. २७ २८, २९, ४९, ११६,
 १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६,
 ३०७, ३०८, ३१०, ३१३, ३२०,
 ३२८
 ,, दू ६५, ६७, १७६, २६४
 , तो २२६, २२७, २२८, २२९,
 २३०, २३१, २३५, २३६
 केसरीसिध भचळदासोत प. ३५६
 ,, ,, ३५६

केसरीसिध करणसिधोत तो २०८
 केसरीसिध ठाकुर तो १७६
 केसरीसिध दयाळदासोत दू १४७
 केसरीसिध दूदावत दू १६३
 केसरीसिध भाटी राणतसिधोत दू १०६
 केसरीसिध भोजराज रो प. ३२३
 केसरीसिध राव तो ३७
 केसरीसिध रावळ प. ७६
 केसरीसिध लाडखान रो प. ३२१
 केसरीसिध सूनकरण रो प. ३१७
 केसवदास तो २३१
 केसवदास देईदास रो प. २३३
 केसवदास भैरव रो प. ३१३
 केसव सर्मा प. ६
 केसवादित प. ३, ७८
 केसवादित्य प. १०
 केसो प. १६६, १६६
 ,, दू १४३
 केसो उपार्थयो प. ३४६, ३४५
 केसोदास प. २६, २७, ६५, ६८, १२८,
 १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५
 केसोदस दू ८८ १२१ २६४
 केसोदास धर्मेराजीत दू १५२, १८८
 केसोदास ईसरदास रो प. १५२ ३५४
 केसोदास कीरतसिध रो प. ३११, ३१४
 केसोदास खगारोन प. ३०६
 केसोदास जगमालोत दू १७७
 केसोदास जसवत रो प. १२०
 केसोदास जोगीदासोत दू ११६
 केसोदास द्वारकादास रो ॥ १६१
 केसोदास नाथावत प. ३११
 केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२
 केसोदास नारायणदासोत दू २५६
 केसोदास पंचाङ्ग रो प. २३७
 केसोदास पतावत दू १७७
 केसोदास प्राणदासोत दू १८३
 केसोदास भाणोत प. २११

केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४
 केसोदास मान रो प. १०६
 केसोदास मालदे रो प. ३१५
 केसोदास रायसिधोत दू. १६३, १६७
 केसोदास राय प. ३१५
 केसोदास वाघावत दू. ६०
 केसोदास सहसमलोत दू. ६७
 केसोदास सूरजमलोत दू. १८६
 केसोदास हमीरोत दू. १७६
 केसोदास हाडो प. ११७
 केसो मुंहतो दू. १५८
 केसोराय प. १३१
 केसो लाडखान रो प. ३२१
 केसोसेन राजा ती. १८६
 केहर दू. ४६, ५०, ११६, १५२
 केहर राणो भालो दू. २६५
 केहर रावळ दू. १, २, १०, १४, १५,
 १७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ६२, ११२, ३२५
 ,, रावळ ती. ३४, २२१
 केसमरी लसकरी प. ३००
 केसास दाहिमो ती. २६
 केरव ती. १५३, १५४
 केवाट दू. २०२, २०७
 कोजो चूडा रो प. ३५१
 कोदो रावत ती. १७६
 कोळीसिध प. १५१, १५२
 कोरव दे. केरव
 कोसल्य प. ७८
 कपामखान ती. २७३, २७४
 कतराय प. २८६
 कतांगराज प. २८६
 कन वानेसवर प. १६१, १६२
 कल प. २७८
 कलपाळ प. २८६
 क्षत्र ती. १७६
 क्षीमराज ती. ५०

कुत्रक ती. १८०
 कुत्रकराय प. २८६
 क्षेमध्वनि दे. क्षेमध्वनी

ख

खंगार प. १५, २७, ३६, ४७, ८६,
 ६२, १५०, १५५, ३१३
 ,, दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६
 २१५, २१६, २१८, २१९, २२०,
 २२१, २२२, २२३, २४१
 खंगार जगमालोत प. ३०४
 खंगार तेजमाल रो दू. १२५
 ,, ,, ,, ती. ३७
 खंगार जांभण रो प. २४०
 खंगार शेपा रो प. ३६३
 खंगार मगा रो, भील प. ४७
 खंगार भाटी नरसिध रो दू. १०७
 खंगार राव दू. २०२, २३८, २३९, २५४
 खंगार रावत रतनसीमोत प. ३६, ६६
 खंगार राहिव रो प. ३५८
 खंगारसिध ती. २३१, २३२
 खंगारो हमीर रो प. १५
 खंगारो प. ३५२
 खंगारो थोरी ती. ५६
 खटवांग ती. १७८
 खड्गल तुंवर प. ३२०
 खड्गसिध ती. २३२
 खड्गसेन प. ३१२
 ,, ती. २२३, २२८
 खरहथ डूंगरसी रो प. ३२६, ३५६
 खरहथ बाला रो प. ३२६
 खलमल थोरी ती. ५६
 खवासण घाट भाई प. ७१
 खंडेराव प. ३३१
 खान दू. ३००, ३०१
 खांत खानो प. ३२५
 खान दोरो ती. २७८

खान नापा रो प ३३१
 खानजिहा प २६६ ३०५, ३२१
 ३२२, ३२६
 खान मिरजो ती ६६, ७०, ७१, ७२
 खान हबीब प ३०७
 खानजहा बे खानजिहा
 खापू घोरो ती ५६
 खाफरो खोर प २७२, २७३, २७४, २७५
 खिजरला लोदी ती १६१
 खिलचला ती १६१
 खिलजी प ६, १४
 खींदो प १६६
 „ ती १४५ १४६
 खींदो गोयब रो प १६५
 खींदो बारहट्टू ११८
 खींदो बेरा रो प ३४१, ३४३
 खीमरो बुजणसाल रो प ३५५
 खीबकरण प ३२५, ३२८
 खीबराज प १६३
 खीबराज खिडियो प २०, ४८, ६६
 खीबराज घघवाडियो प ६०, १८०
 खीबती राणी मणसली रो प ३४६, ३५२
 खीबती मुरतानोत प ३४३
 खीबो प १९, ६१, ६२, १०१, १४५,
 १५१, १५३, १६०, १६६, १७१,
 १६५, २०७
 „ डू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३,
 १६६
 खीबो करण रो प ३६०
 खीबो जसहट्ट रो प ३४७
 खीबो जेठवो डू २२१
 खीबो राव डू १८४
 „ ती ३७
 खीबो रावत सेवावत डू १२१
 खीबो वरजागेत डू १६२
 खीबो सोढो प ३६१
 खीबो सोनमरो डू १२७

खीटवाळ डू १. ६
 खीमवाळ ती २१६
 खीमराज बे खेमराज
 खीमरो प ३५५
 खीमो ती २३५
 खीमो ऊदावत ती १००, १०१
 खीमो मुहतो ती ६५, ६८, ६९
 खीमो राव पोकरणी ती १०३, १०४,
 १०७, ११०, १११, ११२, ११३,
 ११४
 खीर डू १
 खीरपुर प ७८
 खीरज प ७८
 खुधु प ७३
 खुमानसिध रावळ प ७६
 खुरम प २४, २६, २८, २९, ३०, ४८,
 ५३, ५६ ५८, ५९, ३०१
 खुरम साहजाबो डू १४८, १५२, १५६,
 खुयरो बे खुसक सुलतान
 खुसक सुलतान ती १६१
 खूट (चारण) डू २०२, २०३
 खूमान रावळ बापा रो प ४, १२ ५६,
 ७८
 खेकादित्य प १०
 खेद्यो बानर प २५०
 खेतसी प १५, २३६, ३४३
 „ डू ८५, १०४, १०५, १०६, १८५
 खेतसी भरठकमलोत ती १६, १७
 खेतसी ऊदा रो प. २४१
 „ = „ डू १७३
 खेतसी किसनदासोत डू १८७
 खेतसी जाडेचो डू २०६
 खेतसी जीसघबे रो प ३५२
 खेतसी तेजसी रो प ३५७
 खेतसी घाघू प १५२
 खेतसी नेता रो प ३५२
 खेतसी भड्डोको रो डू १२१

खेतसी महीरावण रो प. ३६०
 खेतसी मालदेओत दू. ६, ६३, ६४, ६५,
 ६६, ६७
 खेतसी मालदेओत ती. ३५, २२०
 खेतसी रांणो प. १५
 खेतसी रांम रो दू. १४१
 खेतसी राण दू. १३२
 खेतसी साबूळोत दू. १६८
 खेतसीह रतनसीहोत प. ६७
 खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८
 खेतो प. ६, १५, १६, ५६, २५०
 ,, दू. ७५, ७७, ८१, १४३
 खेतो कांपलियो प. २४६
 खेतो तेजा रो प. ३५२
 खेतो परघत रो दू. ८१
 खेतो भाडी दू. ६६
 खेतो रांणो प. ६
 खेतो रांणो दू. ३२५
 खेतो सहसमल रो प. ३५२
 खेमघन प. ७८
 खेमघुनी ती. १७८
 खेमराज प. २५६
 ,, ती. ४६
 खेम सर्मा प. ६
 खेमादित्य प. १०
 खेमो किनियो-चारण ती. ६१
 खेजूजी ती. २७६
 खेराज खरह्य वाला रो प. ३२६
 खैराज रावत कीलणवे रो प. ३३१
 खोखर दू. ३१०
 खोटीवाळ दू. ६
 खोहराव प. १६५

ग

गंग ती. १५३
 गंग रांणा बाहू रो दे. घणसूर
 गंगादास प. ४३, ४६, ३५८
 ,, दू. ८०, १६८
 गंगातप्त खेरसल रो प. ३५३
 गंगादित्य प. १०
 गंगाचरादित्य प. १०
 गंजमादित्य प. १०
 गंद्रपसेन राजा ती. १७५
 गंधपाळ प. २६०
 गंधर्वसेन दे. गंद्रपसेन राजा
 गंद्रपसेन प. ३३६, ३६८
 गजनीखान दू. ६७
 ,, ती. १२४, १२५
 गजनी पातसाह दू. ३३
 गज सर्मा प. ६
 गजसिध प. १६, २६, २७, ६८, १३३,
 १६१, १६७, २२७, २३३, २४७,
 २६६, ३००, ३०१, ३०८, ३१५,
 ३२८, ३४२
 ,, दू. १३४, २५७
 ,, ती. २२१, २२५, २२६, २२७
 गजसिध केसोदासोत प. ३१०, ३११
 गजसिध कुंवर दू. १५५, १६६, १६४
 गजसिध जोषा रो प. ३५६
 गजसिध महाराजा (जोधपुर) दू. ११०
 ,, ,, ती. १८२, २१४
 गजसिध महाराजा (बीकानेर) ती. ३२
 १८०, १८१, २०८
 गजसिध राजा प. ३२५, ३४२
 गजसिध राजा दू. ८१, ६८, १५६
 गजसिध हरनाथोत प. ३२३
 गजू श्रवताशदे रो प. ३५५, ३५६
 गजंसी प. ३४२
 गजो भाभा रो प. १६२

गजो रिणमत रो प १३६
 गङ्ग प १६
 गणेशदास राव लो ३६
 गदाकर प २६२
 गयासुदीन तुगलक साह लो १६१
 गयासुदीन बलबड लो १६१
 गयासुदीन बलबड (बलवन) दे० गया-
 सुदीन बलबड
 गरीबदास प ३१, १२८, ३२५, ३२८
 , दू. ६२
 गरीबनाथ जीगो दू २०६, २१०, २११,
 २१२, २१४
 गहनपाळ प १३०
 गहर राव दू २०२
 गहरवार प. १२८
 गागो प ७६, १३७, १४१, १४६, ३४३
 ,, दू ७५, ८१, ८८
 गागो किसनाथत दू १६७
 गागो लोर्व रो दू. १२१, १२२
 गागो गोयब रो प ३९६
 गागो चापा रो (झोपा रो ?) प ३५५
 ३५८
 गागो झगरसीप्रोत लो. ८४
 गागो नरसिध रो प ३४३
 गागो नींबाथत दू. १५४ १६१
 गागो भाखरसी रो प ३६३
 गागो भाटी वीरभदेप्रोत दू १००
 गागो भैरवदास रो प २४१
 गागो राव लो ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८, ८९ ९०, ९१,
 ९२, ९३, ९४, १८२, २१५
 गागो रावळ प ७६
 गागो वरजाप्रोत दू १६२
 गागो हमीर रो प ३५८
 गाडण सहजपाळ प. २२५
 गाग्रद प ५, ७६

गारियो दे० गाहरियो
 गालन राव प २५३
 गालवदेव सर्मा प ६
 गालव सर्मा प ६
 गालवसुर सर्मा प ६
 गाहड दू २, ३३
 राजा गाहडदेव (गाहडदे) लो. ४६
 गाहड राव दे० गहर राव ।
 गाहरियो दू २०२, २०६
 गिरधर प २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,
 ३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,
 ३४३
 ,, दू ८८, ९५, ९७, १२२, १२३
 गिरधर धवलदास रो प ३०७, ३२५,
 ३२७
 गिरधर कृभार प ३५३
 गिरधर बादावत लो २४६
 गिरधरदास प ३२६, ३४३
 गिरधरदास दू १८५
 गिरधरदास नराइनबासोत प ३०५,
 ३२६
 गिरधरदास माधोदासोत दू १४६
 गिरधरदास रायसलोत प ३२१, ४४३
 गिरधरदास सुरजनोत दू १८५
 गिरधर भाटी गोवरधनोत दू १०६
 गिरधर राजा प ३२६
 गिरधर रावळ प ७६
 गौडो प. २५३
 गोमन राणा दू २६५
 गुणरग मडळीक प १२३
 गुमानसिध लो २२७, २३१
 गुरुक्षिप लो १७६
 गुरु गोरख दे० गोरखनाथ
 गुरुप्रिय दे० गुरुक्षिप ।
 गुलालसिध सिरवारसिध रो प १२१
 गुहादित्य प ३, ७

ગૂંગો જગદેવ રો પ. ૩૩૭
 ગૂંડરાજ પ. ૨૫૬
 ,, તી. ૪૬
 ગૂંડો પ. ૧૨૭, ૧૨૮, ૧૩૧
 ગૂંડલરાય લીંચી, પ્રયોરાજ રો સાંવત
 પ. ૨૫૧, ૨૫૨, ૨૫૩
 ગૂંડસિંધ ધાણંદસિંધોત તી. ૨૦૮
 ગંધંવ પ. ૩૩૮, ૩૩૯
 ગંમલ ગજસિંધોત તી. ૨૦
 ગંહુલકો પ. ૩૩૭
 ગોંધંવવાસ દે. ગોંધંવવાસ ।
 ગોકલ ધૂ. ૧૪૦, ૧૭૪
 ગોકલદાસ પ. ૨૬, ૬૬, ૨૦૮, ૨૦૯,
 ૩૦૯, ૩૧૨, ૩૧૬, ૩૨૫
 ,, ધૂ. ૬૭, ૧૨૦
 ગોકલ પંવાર પ. ૩૪૩
 ગોકલ પતાવત ધૂ. ૨૦૦
 ગોકલ રતમૂ' ધૂ. ૬, ૩૧
 ગોકલ સીંહો પ. ૩૬૧
 ગોગ રાંણો ધૂ. ૨૬૫
 ગોગદે કમળનોત તી. ૩૧
 ગોગાલેજી પ. ૩૪૭, ૩૪૮, ૩૪૯, ૩૫૦
 ગોગાદે ધીરમોત ધૂ. ૩૦૪, ૩૧૨, ૩૧૭,
 ૩૧૮, ૩૧૯, ૩૨૦, ૩૨૧, ૩૨૨,
 ૩૨૩
 ગોગાદે ધીરમોત તી. ૩૦
 ગોગારાંમ પ. ૩૨૩
 ગોગો પ. ૧૩૫
 ગોગોજી હાલુધાંણ તી. ૬૨, ૭૨, ૭૩, ૭૪,
 ૭૫
 ગોતમ ધૂ. ૬
 ગોતમાદિત્ય પ. ૧૦
 ગોદમ પ. ૩૩૬
 ગોદસીદિત્ય પ. ૧૦
 ગોદસીસ સર્મા પ. ૬
 ગોદો રાજસિંધોત તી. ૩૦
 ગોપાલ પ. ૧૭, ૩૨૬

ગોપાલ ધૂ. ૭૮
 ગોપાલ કાંનહા રો પ. ૩૫૨
 ગોપાલ છેતસી રો પ. ૩૬૦
 ગોપાલદાસ પ. ૨૬, ૬૮, ૧૬૧, ૨૩૬,
 ૩૦૧, ૩૧૩, ૩૧૭, ૩૪૩, ૩૬૨
 ,, ધૂ. ૮૧. ૯૧, ૯૨, ૯૩, ૯૫,
 ૧૦૮, ૧૨૨, ૧૨૮, ૧૬૧, ૧૬૭
 ,, તી. ૨૩૦, ૨૩૧, ૨૩૨
 ગોપાલદાસ ધાસાવત ધૂ. ૧૪૫, ૧૪૬
 ગોપાલદાસ ઝહુર પ. ૨૪૩
 ,, ,, ધૂ. ૬૬, ૧૦૦ ૧૦૨,
 ગોપાલદાસ કલ્યાણમલોત તી. ૨૦૬
 ગોપાલદાસ કિસનદાસોત પ. ૧૫૨
 ગોપાલદાસ ગિરધર રો પ. ૩૨૨
 ગોપાલદાસ ગોડ પ. ૩૦૧
 ,, ,, તી. ૨૭૨
 ગોપાલદાસ જોસાવત ધૂ. ૧૪૬
 ગોપાલદાસ ધનરાજોત ધૂ. ૧૨૨
 ગોપાલદાસ નાયાવત પ. ૨૬૦
 ગોપાલદાસ પ્રયોરાજ રો પ. ૩૦૬
 ગોપાલદાસ ભાટી ધાસાવત પ. ૧૬૧
 ગોપાલદાસ ભીંવોત ધૂ. ૧૬૪
 ગોપાલદાસ માંડનોત ધૂ. ૧૬૭
 ગોપાલદાસ મેરાવત ધૂ. ૧૮૮
 ગોપાલદાસ રાંણાવત ધૂ. ૧૬૮
 ગોપાલદાસ રાઠોડ ધૂ. ૨૦૧
 ગોપાલદાસ સહસમલ રો પ. ૩૧૪, ૩૧૭
 ગોપાલદાસ સાંવતસીમોત પ. ૨૩૧
 ગોપાલદાસ સુંદરદાસોત ધૂ. ૧૫૨
 ગોપાલદાસ સુરતનોત ધૂ. ૬૮
 ગોપાલદાસ સુજાવત તી. ૨૭૪
 ગોપાલદે પ. ૩૪૬
 ગોપાલદે સીંધલ પ. ૨૫૭
 ગોપાલ રાવ પ. ૧૫૩, ૨૫૬
 ગોપાલસિંધ પ. ૩૦૧
 ગોપાલ સુજા રો પ. ૩૨૫, ૩૨૬
 ગોપિલ પ. ૩૩૬

गोपीचन्द्र राजा तो १८६
 गोपीनाथ प १२०, ३०५, ३१५, ३१६,
 ३२६
 गोपो प १६
 „ दू १२, १७५
 गोपो धर्मेन्द्र राज रो प २३८
 गोपो गंगादास रो प ३५३
 गोपो देवडो दू १००
 गोपो रामा रो प ३५७
 गोपो रामल प १६, ७६, ८६
 गोपो शिव धीरू पुर तो ३६
 गोपो रिणमलोत्त दू १४१
 गोपद प १२, १७, ७८, १६५, १६५,
 १६६, ३२६
 „ दू ७७, ८०
 „ ती ११४
 गोपद ऊवा रो प ३६०
 गोपद ऊहू दू, १००
 गोपद कूपायत ती १२३
 गोपद खगार रो प ६६, ६२, ६३
 गोपददास प ६६, १६५, १६५, १६७,
 २३४, २३८, २३९, २४३, ३०८
 „ ८८, ६५, १२२ १२३, १२५,
 १८३, १८६, १८८
 गोपददास दासकरणीत्त दू १३६
 गोपददास ईसरदास रो प ३५४
 „ ईसरदास रो दू १०६
 गोपददास उग्रसेनीत्त प २५६, ३२०
 गोपददास कितभायत दू. १६७
 गोपददास जेसायत दू १५०
 गोपददास तेजसी रो प ३५४
 गोपददास देवडो देवीदास रो प १४३
 गोपददास पचाइणीत्त दू ११६
 गोपददास प्रताप रो प १५६
 गोपददास धलभद्रोत्त प ३०७
 गोपददास भाटी दू ८१, १००, १५०,

१५५, १५६, १५७,
 १५८, १७४, १८६, १८७
 १८६

गोपददास मानायत दू १५४
 गोपददासे लखायत दू १६१
 गोपददास सहस्रमल रो दू ६६
 गोपददास सूरजमलोत्त दू १२८
 गोपददास हमीरोत्त दू. १८०
 गोपद देवडो दू १००
 गोपद राजधर रो प ३५६
 गोपदराज सोलकी प २८१
 गोपदराव प २५१
 गोपद रावल प १२, ७८
 गोपद सवितती रो दू ७८
 गोपद हमीर रो प ३५८
 गोपदराज (कतर) ती २२७
 „ (गंडाप) ती २२७
 गोपदराव दू २११, ३२०
 „ ती ७६
 गोपदधन निरधर रो प ३२२
 गोपदधन रामसिध रो प ३४३
 गोरो प २५२
 गोरो राधायत पंडितार प १५२
 गोरो सोनगरो ती २८०, २८६ २६०,
 २६१
 गोवर्धन रावत खगार रो प ६२, ६३
 गोवर्धन प ६८, १६०
 „ दू ६५, १२२, १२३, १८६
 गोवर्धन कूमा रो प ३५१
 गोवर्धनदास प ३१६
 गोवर्धन समो प ६
 गोवर्धन सुंदरदासोत्त प ११७, १२५
 गोवर्धन सोढो प ३६१
 गोवर्धनादित्य प १०
 गोविंद कवियो चारण ती २७०
 गोविंदचंद राजा ती १८६

गोविन्ददास प. ३०४, ३०८, ३१६, ३२६

„ ती. २३१, २३२, २३४

गोविन्ददास उग्रसेनोत्त प. ३२०

गोविन्ददास बलभद्रोत्त प. ३१८

गोविन्ददास भाटो दू. २५३

गोविन्दपाल राजा ती. १८८

गोविन्द राजा ती. १८६

गोविन्द सम्राट् प. ६

गोविन्ददत्त प. १०

गोशील दे० गोशील रांगो ।

गोशील रांगो ती. १७५

गीतम प. २६३

ग्यान्तिघ प. ३००

ग्रहादित प. ३, ७८

ग्रहाविषय प. १०

घ

घड़सी प. २३१

घड़सी रत्नमसीधोत्त दू. २८८

घड़सी राबल दू. १०, १३, ५२, ५३,

५४, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१,

७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३,

२८५

„ ती. ३४, २२१

घड़सी रायमलोत्त दू. १८६

घड़सी धीकावत ती. २०५

घड़सी सोढो प. ३६१

घणर दे० घणसूर

घणसूर (रांगा चाहुदरो बेटो) ती. १५३,

१६६

घनादित्य प. १०

घाघड़दे (राजा) ती. ४६

घाघड़दे ती. ४६

घोघो अक्षतरदे रो प. ३५५

च

चंडो प. १६

चंद प. २८७

चंद उधरण रो प. ३१३

चंदगिर प. २६०

„ ती. ५०

चंद रांगो परमार ती. १७५

चंदराज प. ३५८

चंद राजा प. ३१३

चंदराव दू. ७६

चंदेल घुंघमार रो ती. २१८

चंदो प. २६, १४२, १७३

चंदो राव ती. २४८

चंद्रपाल राजा ती. १८८

चंद्रभाण प. ३२७, ३२८

चंद्रभाण जेतसी रो प. ३१५

चंद्रभाण दुरजनसाल रो प. ३०५

चंद्रभाण परसोत्तम रो प. ३२३

चंद्रभाण रांमतिधोत्त प. ३२०

चंद्रभाण सांवलदासोत्त प. १०२

चंद्रभाण हिरवैराम रो प. ३२४

चंद्रमिण प. १३०

चंद्र राजा प. १३०

चंद्रराव प. २५१

„ दू. १६८

चंद्र राबल प. २०४

चंद्रव रतन-वारहूठ दू. ५४

चंद्रसेन कवि ती. २६६

चंद्रसेन ती. २३०

चंद्रसेन राव प. २३, ७८, १६४, १६८,

२०८, २३७, २३९, २४३, २६०,

३५६

„ राव दू. ६७, ११६, १२७, १३२,

१४५, १६१, १६३, १६७, १६८,

१६९, १७५, १८६, १८४

„ ती. १२८, १८२

चद्रसेन राजा उद्धरण रो प २६७
 चद्रसेन पता रो प. ३५५
 चद्रसेन प ७८, २६०
 चद्रसेन दू १३४
 चद्रसेन भालो दू २५६, २६३
 चद्रसेन भालो मानसिध रो दू. २५६
 चद्रसेन युधसेन रो प २६२
 चद्रसेन भगवतदासोत्त प २६१
 चद्रसन भाटो दू ८१
 चद्रसन राणो रायसिध रो दू २५४
 २५५, २५६
 चप ती. १७८
 चपक दे० चप ।
 चपतराय प १३१
 चवराय प ११६
 चकतो भोपत रो ती. ३७
 चक्रसेन प. १२७
 चतुरंग प २८६
 चतुरभुज जोगीदासोत्त दू १८५
 चतुरभुज रायसिधोत्त दू. १६४
 चतुरसिध प. ३२१
 चतुरसिध भगवत रो प. ३२६
 चतुरसिध (रावतसर) ती. २२६
 चतुरसिध रूपती रो प. ३०६, ३१२,
 ३२१, ३२३
 चतुरसिध हररामोत्त प. ३२४
 चतुर्भुज (रगाईसर) ती. २२६
 चतुर्भुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८,
 ३१८, ३२५
 चत्रभुज दयालदासोत्त ती. २१३
 चत्रभुज प्रथीराजोत्त प. ३११
 चत्रभुज मालदे रो प. ३१५
 चत्रसाल प. ३१५
 चरही ती. १४०
 चरहो चद्रावत दू. ३४२
 चट्टवाण प. ११६

चट्टवाण ती १५३, १६६
 चांदण प ३१५
 चांदण मिडियो दू ३३३, ३३४
 चांदण सोढो प ३६३
 चांदराज जोधावत ती ११६, ११७, ११८
 चांदराव चरदकमलोत्त ती १४०
 चाद, राव जोधा रो प ३५७
 चांदराव रतनती रो प ३५८
 चांदराव बाघोत्त दू १४६
 चादरो भीमती रो ती २३६, २४०, २४७
 चांदसिध प ३२३
 चांदसिध (साबिया) ती २५३
 चांदसिध सूरसिध रो प ३००
 चादसे (चद्रसेन) प. ७८
 चावो प १५४, १५५, १५६ १५७,
 १५८, १६४, १६८
 , दू ६५, ६६, १४२, १६७
 चादो लीची दू १८६
 चादो गागा रो प ३६३
 चादो छुडावत ती ३१
 चादो जगमाल रो ॥ ६८
 चादो घोरी ती ५१, ६१ ६३ ६५,
 ६६, ६८, ६९, ७०, ७१, ७५, ७६,
 ७७, ७८, १२१
 चादो नारण रो प ३५८
 चादो माडण प २४३
 चादो मेहबची दू ६५
 चादो रायमलोत्त दू. १२३
 चादो रावत दू १२२
 चादो विहड प २२४
 चादो सुजा रो प ३२५
 चानणदास (चादण) दासा रो प ३१४,
 ३१५
 चानण दास रो प ३१५
 चापो प १६३, १६७
 ,, दू १४४

चांपो गंगादास रो प. ३५३
 चांपो छेनो दू. १६
 चांपो तेजसी रो प. ३५७, ३५८
 चांपो पूना रो प. २००
 चांपो घालो दू. २०५
 चांपो भाखरसी रो प. ३५६
 चांपो रांगो दू. ६
 चांपो सामोर-चारण ती. १६८
 चांमुंडराय प. २५२, २५६
 चांघडदे दू. ३२
 चाच. प. २६१, २८०, २८८
 चाच दू. १५
 चाचग आसथान रो ती. २६
 चाचगदे प. ३६३
 चाचगदे करमसी रो, रावळ प. २०३,
 २०४
 चाचगदे कासण रो, रावळ दू. १०, ३८,
 ३९, ६२
 ,, कालण रो, रावळ ती. ३३, २२१
 चाचगदे वरसी रो दू. ११, ४२, ४३
 चाचगदे सोई रो प. ३५५
 चाचग वीरम रो प. ३४०
 चाच रांगो प. १२३
 चाच सोळंकी प. २६१, २८०, २८८
 चाचो प. १५, १६
 चाचो दू. ३३८, ३३९
 ,, ती. १३४, १३५, १३६, १३७,
 १३८, १४६
 चाचो काना रो प. ३५८
 चाचो फेल्हण रो दू. ११६, ११७, १२६,
 १३७
 चाचो पूना रो दू. ६६
 चाचो राव ती. ११३
 चाचो राव (पूगळ) ती. ३६
 चाचो रावळ ती. ३४, ३५
 चाचो रावळ वरसी रो दू. ११, ८०,

८२, ८३, ६२
 चाचो सिवा रो प. ३५१
 चाचो सोसोदियो ती. १३४, १३५, १३६
 चापोल्कट दू. २६६
 चामंडराज प. २५६
 चामंड राजा ती. ४९
 चामुंडराय ती. ५०
 चामुंडराय दाहिमो प. २५२
 चाय प. ११६
 चालुख्य दू. २६६
 चावंटराज प. २६६
 चावंडो प. २०४, २६०
 चावोटक दे० चापोल्कट ।
 चासळ थोरी ती. ५६
 चाह चहुवांण रो ती. १५३, १६६
 चाहडदे प. १८६
 चाहवांण प. ३६५
 चित्रप राजा ती. १८५
 चित्रसेन राजा ती. १८७
 चित्रांगद मोरी ती. २८
 चित्रांगद राजा परमार ती. १७५
 चिराई बारहठ आसराव रो दू. ७४
 चीगसलां दू. २०२
 चीवो प. १६६
 चीर सर्मा प. ६
 चूंडराव प. २५६; ३४३
 ,, ती. ४६
 चूंडराव देला रो प. ३४१
 चूंडो जसहड रो दू. ३०४, ३०५, ३०६,
 ३०७
 चूंडो राव प. १५, १६, ३४७, ३४८,
 ३५०, ३५३
 ,, राव दू. ६५, ८४, ११४, ११५,
 २८५, ३०८, ३०९, ३१०, ३११,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२४, ३२८, ३२९, ३३६

ઘુઠો રાવ તી. ૩૦, ૧૨૬, ૧૮૦

ઘુઠો સાપ્તાયત રાંણો પ. ૬૬

■ " " દુ. ૩૩૧, ૩૩૨,
૩૩૩, ૩૩૪

ઘુઠો હરભમ રો પ. ૩૫૧, ૩૫૨

ઘૂઠામનો દુ. ૧, ૧૬

ઘનંતિષ (કુંભાંણો) તી. ૨૨૮

ઘનંતિષ (ગંમત્યાવાસ) તી. ૨૩૫

ઘનંતિષ (ખેટ્ટ) તી. ૨૨૫

ઘોષો રજપૂત તી. ૧૨૬

ઘોરંગ રાવ પ. ૨૨૬

ઘોરાસો-મિલક પ. ૮૦, ૮૧, ૮૨

ઘોહપ પ. ૨૦૦

ઘોહિત સૂત્રપાર પ. ૩૫૩

ઘોહપ હંદો તી. ૧૩૩

ઘ્યવન પ. ૭૮

છ

છત્રાંતિષ ૩૦ છત્રાંતિષ (કતર) ।

છત્રપતિ શિવાજી પ. ૧૫

છત્રરાજ પ. ૨૮૬

છત્રાંતિષ પ. ૩૨૬

છત્રાંતિષ કલ્યાણી પ. ૩૧, ૩૦૫

છત્રાંતિષ (કતર) તી. ૨૨૭

છત્રાંતિષ માધોતિષ રો પ. ૨૬૬

છાત્રુ બદાયત તી. ૨૪૦, ૨૪૧, ૨૪૨,
૨૪૩, ૨૪૭

છાઠો રાવ તી. ૩૦, ૧૮૦

છાતાલ પ. ૩૧૦

છાહફ યરળીવરાહ રો પ. ૩૫૫, ૩૬૩

છાટ્ટર દુ. ૨૦૬

છોકળ દુ. ૧, ૧૧, ૧૭

છોતર ૫ ૬૨

છોતરદાસ પ. ૩૦૭, ૩૦૮

છોતરદાસ વળાલવાસોત દુ. ૧૪૬, ૧૪૭

છોતર નરા રો પ. ૩૧૩

છોતર પૂરળમલ રો પ. ૩૧૩

છેનો દુ. ૧, ૧૧, ૧૬

છોહિત રાજપાઠ રો પ. ૩૩૬, ૩૪૦

જ

જગજીવણદામ તી ૨૨૪

જગજીત જોસી પ. ૧૮૦

જગતમિષ પ. ૧૩૦

જગત્તિષ પ. ૬, ૧૫, ૨૨, ૨૫, ૩૧,

૩૩, ૩૫, ૪૫, ૬૮, ૮૬, ૧૧૭,

૧૨૧, ૨૦૬, ૨૬૧, ૩૧૦

" દુ. ૧૨૨, ૧૫૭

જગત્તિષ ઘચલ્લવાસોત દુ. ૧૫૬

જગત્તિષ ધમરાતિધોત પ. ૩૦૩, ૩૧૦

જગત્તિષ જસવત્તિધોત દુ. ૧૦૬

" " તી ૩૬, ૨૨૦

જગત્તિષ (જેસલમેર) તી. ૨૨૦

જગત્તિષ (નોર્બા) તી ૨૨૫

જગત્તિષ (નોર્બોલ) તી. ૨૩૬

જગત્તિષ (મલજાતર) તી ૨૩૦

જગત્તિષ મનંતિષ રો પ. ૨૬૧, ૨૬૭

જગત્તિષ (રાયતસર) તી ૨૨૬

જગત્તિષ (સાણુ) તી ૨૨૪

જગત્તિહ રાજા તી ૨૭૨

જગત્તિહર પ. ૧૨૭

જગદીશતિહ ગહલોત તી ૨૬૬

જગલે દુ. ૧૨૪

જગદેવ પ. ૩૨૨

જગદેવ પદાર (વરમાર) પ. ૩૩૬, ૩૩૭

" " " તી ૧૭૬

જગદેવ રાવ આસકરણ રો દુ. ૧૬૬, ૧૪૦

જગદેવ રાવ (પૂગલ) તી. ૩૬

જગધર પ. ૧૨૪

જગનાથ પ. ૨૭, ૬૭, ૬૬, ૧૧૩, ૧૬૫,

૨૩૬, ૩૦૬, ૩૧૬, ૩૬૨

" દુ. ૬૧, ૧૧૬, ૧૨૩, ૧૬૫,

૧૭૧, ૧૬૮

જગનાથ ધમરા રો પ. ૩૫૬

जगनाथ ईसरदासोत्त दू. ६४, १०६
जगनाथ उर्वेसिधोत्त प. ३०८, ३१४
जगनाथ कलावत दू. १६२
जगनाथ कल्याणदास रो प. ३४३
जगनाथ किसनदासोत्त दू. १८७
जगनाथ गोइंददासोत्त प. ३१७, २२५,

३२७

जगनाथ जसवंतोत्त प. २०६
जगनाथ देवडो प. १६५
जगनाथ नांवा रो प. ३५८
जगनाथ प्रणीराजोत्त दू. १६३
जगनाथ भाखरसीधोत्त दू. १६८
जगनाथ भारमल रो प. २६१, ३००,
३०१

जगनाथ भंडरदासोत्त दू. १६६
जगनाथ माधोदासोत्त दू. १६३
जगनाथ मुंहतो दू. १३१
जगनाथ राधोदासोत्त दू. १४८
जगनाथ राजा प. २६१, ३१४
जगनाथ राजा दू. १५५
जगनाथ राव दू. १६७
जगनाथ रूपसीधोत्त दू. १४७
जगनाथ विजा रो दू. १०४
जगभाण प. ३१०
जगमाल प. १८६, २३२, ३४३, ३६२
,, दू. ७७, ८४, ६४, १०७, १२१,
१२२, १२६, १२८, १५६, १६६
,, ती. २३४

जगमाल कल्याणदास रो प. ३४३
जगमाल चंद्रसेधोत्त प. २६०
जगमाल जेतिघदेवोत्त प. २४२
जगमाल देवडो प. १३६, १८०
जगमाल नेतसी रो प. २४०
जगमाल पंचाइलोत्त दू. १७७
जगमाल प्रणीराज रो दू. ६८
जगमाल भाटी खीवावत दू. १३२

जगमाल नारमल रो प. ३१७
जगमाल मालावत प. २४६, २५०
,, ,, दू. १३, १४, २४,
५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६,
२८८, २८९, २९०, २९१, २९७,
२९६, ३००
,, मालावत त. ३, ४, २५२, २५३, २५४
जगमाल रांखा उर्वेसिध रो प. २२, २३,
२४, २८, १६६
जगमाल रायमल रो प. ३२६
जगमाल रावत प. १४३
जगमाल रावळ उर्वेसिध रो प. ७०, ७१,
७२, ७३, ७४, ८७
,, रावळ उर्वेसिध रो ती. २६६
जगमाल राव साखावत प. १११, १३५,
१३६, १६०, १६१
,, राव साखावत दू. १६१
,, ,, ती. २१५
जगमाल रिणमलोत्त दू. १२, १४१
जगमाल वरजांमोत्त प. २३२
,, ,, दू. १६१
जगमाल वरसल रो दू. ११८, ११९,
१२०, १२७
जगमालसिध (भनाई) ती. २२४
जगमालसिध (सांडवी) ती. २२४
जगमाल सीसोदियो उर्वेसिध रो प. १५०,
१५१, १५२
जगमाल सीसोदियो घाघावत प. ६६
जगमाल हाडो प. ५०
जगरांम प. ३०२
जगरांम जवणसीधोत्त मोहिल ती. १६५
जगरांम (जुणलो) ती. २३६
जगरांम (नीवाज) ती. २३५
जगरांम (नीबोळ) ती. २३६
जगरांम (रास) ती. २३५
जगरूप प. २६, ६८
,, दू. १३४

जगह्व जगनाथ रो प ३०१
 जगह्व प्रतापतिथ रो प ३१५
 जगह्वतिथ तो २२४
 जगह्वतिथ परमार तो १७६
 जग सर्मा प ६
 जगसो मुख रो दू ३१
 जगसो सीधळ प २२६
 जगह्व खेतली रो व २४१
 जगह्व घूहरी रो तो २६
 जगह्व मेहाजळ रो प ३५१
 जगादित्य प १०
 जगो प ५१, ६७

.. दू ८८

जगो घासल रो प ३४३
 जगो घूहावत तो ४७
 जगो लाडलान रो प ३२१
 जगो सोळकी दू १०७
 जगो हुमीरोत दू ८०
 जजात राजा दू ६
 जतहर दे० जगतहर ।
 जदु राजा दू ६, १६
 जनकादित्य प. १०
 जनकार सर्मा प ६
 जनमेजय दे० जनमेज राजा ।
 जनमेज राजा प ८ १०

.. तो १८५

जन सर्मा प ६
 जनागर दू २०६
 जगदू प ७८
 जवदू प १०१
 जबो सींगटोत मोहिल तो १६५ १६६
 जमसो गहीर दू २२६ २२७ २२८
 जयचंद तो १८०
 जयदेव राजा परमार तो १७६
 जयवत घुघमार रो तो २१८

जय सर्मा प ६
 जयतिथ (कूटसू) तो २२६
 जयतिथ (बेसनसर) तो २२८
 जयतिथदेव सधु (गणहिलपुर) तो ५१
 जयतिथ (पातळासर) तो २३३
 जयतिथ महातिथोत प २६१
 जयतिथ राजा प २६१, ३१७
 जयतिथ (सखमणसर) तो २१३
 जयतिथदेव (गणहिलपुर) तो ५१
 जरसो, राय कीलखदे रो प ३३१
 जरसो रावळ प २६६
 जलदित्य प १०
 जलाल जलूकी तो ६६
 जलालदीन घकबर पातसाह तो १६२
 जलालदीन मुरतान प २०३
 जलालदीन मुलतान तो १६१
 जलालुद्दीन दे० जलालदीन मुलतान ।
 जलालुद्दीन घकबर दे० जलालदीन घक
 बर पातसाह ।

जलालुद्दीन मुलतान प २०३
 जवणसो कुसल रो प २६० २६५
 २६६ ३२६ ३३०
 जवणसो मोहिल तो १६५
 जवानतिथ (रात) तो २३५
 जसकर प ६
 जसकरण प १५, ३०६
 .. दू ६४

जसकरण (छिपियो) तो २३७
 जसकरण नरहरदास रो प ३०८
 जसकरण (बासो) तो २३७
 जसकरण भोम रो प १२१
 जसचंद घुघमार रो तो २१८
 जसपाल राणो तो १७६
 जसमाई प २६२
 जसराज (कल्याणसर) तो २२७
 जसराज रावळ कल्याणदे रो प २६५

जसवंत प. ६, २५, २७, २६, ६७, ७६,
 १६३, १६५, १६८, १८७, २०८,
 २१२, २८५, ३१३, ३२५
 ,, दू. ७८, ८८, ६१-६३, ११६,
 १२२, १२४, १२८, १२६, १४०,
 १७४, २५२, २६४
 जसवंत करमती रो प. १२०
 जसवंत फेसोदास रो प. ३१३
 जसवंत झंगरसीघोत दू. १५१
 जसवंत नारणदास रो प. ३५८
 जसवंत फरसरोम रो प. ३१६
 जसवंत भाटी दू. ७६, १०८, ११६,
 १२२
 जसवंत मदनसिध रो प. ३१७
 जसवंत मानसिघोत प. २१२
 जसवंत रावत नरहरोत प. ६६
 जसवंत रावळ प. ७६
 जसवंत रूपसीघोत दू. १४८
 जसवंत लूणकरण रो दू. ८१
 जसवंत बीजड़ देवड़ा रो प. १३४, १८१
 जसवंत (जसूत) बीरमदेघोत दू. ११७
 जसवंत घेरसलोत दू. ८०
 जसवंत साधूलोत दू. १६१
 जसवंतसिध प. २६, १३०, १७२, २११,
 २३४, २७६
 जसवंतसिध (फलासर) ती. २३०
 जसवंतसिध (पल्लू) ती. २२६
 जसवंतसिध (महाजन) ती. २२८
 जसवंतसिध महाराजा प. २११
 जसवंतसिध महाराजा दू. १०५, १०६,
 १०८
 जसवंतसिध महाराजा प्रथम (जोधपुर)
 ती. १८२, २१४, २१६
 जसवंतसिध राजा दू. १५७, २०२
 जसवंतसिध रावळ ती. ३६, २२०
 जसवंतसिध रावळ श्रमरसिघोत दू. १०६

जसवंतसिध (सांडवो) ती. २३२
 जसवंतसिध महाराजा प. २३४
 जसवंत हरीवाघोत दू. १६२
 जसवीर उर्वसी रो प. २०३
 जसहट्ट प. ३६३
 जसहट्ट श्रासकरणोत दू. ७४
 जसहट्ट (जसळमेर) ती. २२१
 जसहट्ट जमुख रो प. ३५५
 जसहट्ट पालहण रो दू. २, ३६, ४३, ५३,
 ५४, ५५, ६४, ६५
 ,, पालहण रो ती. ३४, २२१
 जसूत नापायत प. ३०६, ३१०, ३१३
 जसू प. ६६
 जसो प. ६६, १६७, २०१, २२६
 ,, दू. ३३, ७६, १६६
 जसो श्रमरा रो प. ३५६
 जसो कचरा रो प. १६६, १६७
 जसो जयनाथ रो प. ३०१
 जसो त्रिभणा रो प. २००
 जसो नापायत प. ३२७
 जसोयल्ल रावळ प. ७६
 जसो सोढो दू. १०३
 जसो हरषवळीत जाडुंची दू. २३६, २४४,
 २४५, २४६, २४७, २४८, २४९,
 २५०, २५६
 जहांगीर नूरबीन पातसाह ती. १६२
 जहांगीर पातसाह प. २४, २६, ३०,
 ५६, ६३, १३०, २५६, २७६,
 २८३, २६८, ३०३, ३३१
 ,, पातसाह दू. १५५, २५६
 ,, ,, ती. २१४, २१७, २३८,
 २७२, २७४, २७६, २७६
 जांभण दू. ३८, १४३
 जांभण पूजा रो प. ३५२
 जांभण वरसिध रो दू. १२७
 जांभण साजनीत ती. २४७

जानिहदे हणू रो प २६६
 जानसाखान (जानिसारखान) प २६
 जानि घाघोडी प ३५०
 जामनीभाण (यामिनीमानु) प १३३
 जाम रावळ दू २१०, २१३, २१५,
 २१७ २२०, २२१, २३६ २४७,
 २४६ २५०, २५४
 , रावळ ती २६
 जामळसिध (पडिहारो) ती २३३
 जाटव ती १५६
 जाटो डूम ती १५
 जादम दू ६
 जादुराय ती २७६
 जान कवि ती २७४, २७५
 जानिसारखा फोजदार प ६६
 (दे० जानसाखान)
 जावाल (प्रजापाल) प ७८
 जाय सर्मा प ७
 जालनसी राव (जोयपुर) ती २६, ३०,
 १८०
 जालप दू १४३
 जालपदास (खूहडी) ती २३१
 जालपदास धरावत मोहित ती १७१
 जालप राणी दू २६५
 जालप सिवदासीत दू १६७
 जालमसिध (पडिहारो) ती २३३
 जालमसिध (बीदासर) ती २३१
 जालमसिध (सिधमुख) ती २२४
 जालमालादित्य प १०
 जालाप प ३५२
 जावदोला ती २०७
 जिंदराव चहुवाण प ११६, १३५
 १८५ १८६
 जिंदराव हाडो प १०१
 जितमत्र प ७८
 जितमत्र (जितशत्रु) प ७८
 जिंदराव प १७२, १८७, २०० २३०

जिंदराव खोची प २५०
 ,, ,, ती ५६ ६४, ७५, ७६,
 ७७, ७८ ७९
 जिंदराव बोडो प २४७
 जिंदो जोधा रो प ३५६
 जीतमल प १०१, १११
 जीयो ई दो ती १३३
 जीवन भारण रो प ३५८
 जीवराज राजा ती १८७
 जीवो प ६८, २४३, ३५३
 , दू ७७ ७८, ६०, १४३, १५६,
 १६६
 जीवो गांगावर प २४१
 जीवो जगमाल रो दू १२२
 जीवो जेसा रो प १६६
 जीवो देवराज रो प १५७
 जीवो नरहरदास रो प ३६१
 जीवो भोजराज रो प ३५३
 जीवो रतनू धरमदासाणी दू २५३
 जीवो लूणकरण रो दू ८१
 जुगराज प १२८, १३०, १३१
 जुगलो भाभी ती १२१
 जुगलो कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।
 जुघसिध प ३१०
 जुघिछिर राजा ती १८५
 जूभारसिध प २६, २१२, ३०७, ३२६
 ,, ती २२०
 जूभारसिध चत्रमुजोत प ३११
 जूभारसिध जगतसिधोत प २६१, २६८
 जूभारसिध दळपतीत प २३४ २३५
 जूभारसिध परसोतम रो प ३२३
 जूभारसिध राजा परमार ती १७६
 जूभारसिध (सलो) ती २३२
 जूभो चौधरी ती २७४
 जेठी बाहू प ३४६, ३५०
 जेठी दू १६६

जेठो गंगादास रो प. ३५३
 जेठो मांडण रो प. ३५७
 जेसळ राघळ दू. १०, १५, ३२, ३४,
 ३५, ३६, ३७, ३८, ६२
 " " ती. २६, ३३, २२२
 जेसावर राजा ती. १८७
 जेसो प. २२६
 जेसो कलिफरण रो दू. १५२, १५३
 " " " ती. २१५
 जेसो जैता रो दू. २६४
 जेसो पतावत दू. २००
 जेसो भाटी दू. ६६, १६५, १८१, १८२,
 १८७
 " " ती. ७
 जेसो भैरवदासोत दू. १६४
 " " ती. २६६
 जेसो रायपाळोत दू. १४६
 जेसो राय (पूगळ) ती. ३६
 जेसो लाखा रो दू. २२४
 जेसो (लिणमी रो भाई) ती. १०५
 जेसो वजीर दू. २४०
 जेसो सरवहियो दू. २०२, २०६, २०७,
 २०८
 जेहो भारावत दू. २१५, २१६
 जैकिसन प. ३०८
 जैकिसनसिध प. २६८
 जैवंद दू. ६६, ७४
 " ती. २२१
 जैवंद लक्ष्मसी रो दू. २, ३६
 जैत दू. ४५, ५३
 जैतकरण येगू रो प. ३५२
 जैतकरण सीहूड रो प. ३४०
 जैत पंचार प. १८०, १८१
 जैतमल प. २२, २२५
 जैतमल सीहावत दू. १५२
 जैतमाल प. ६१, २४६

" दू. ८१, १६५
 जैतमाल गोयंदोत ती. ११४
 जैतमाल राजधर रो दू. ८०
 जैतमाल सलखावत दू. २८१, २८४
 " " ती. ३०
 जैतमाल सोढो ती. ३१
 जैतराय प. १०१, १८५
 जैतल दू. १४
 जैतल मलेसो रो प. २६४
 जैत लाखण रो प. २०२
 जैतसिध प. २२, ३०६, ३१५, ३१६,
 ३१६, ३२६
 " ती. २२५
 जैतसिध अग्रसेन रो प. ३२०
 जैतसिध घासकरण रो प. ३०३
 जैतसिध (करणीसर) ती. २२४
 जैतसिध (ट्रिपियो) ती. २३६
 जैतसिध (हुसारणी) ती. २३१
 जैतसिध द्वारकादास रो प. ३२३, ३२५,
 ३२६
 जैतसिध राजावत दू. ८१
 जैतसिध राय ती. १५२
 जैतसिध राय मोहनदासोत दू. १३७
 जैतसिध (सांडयो) ती. २३२
 जैतसो प. २३५, २४३, ३२७, ३४१
 " दू. ६२, १०२, १७१, १६१
 जैतसो अचळावत दू. १८६
 जैतसो अदावत प. २३८
 " " ती. ८१, ८२, ८३, ६५,
 ६६, १००, १०१
 जैतसो कूभा रो प. ३२८
 जैतसो जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
 जैतसो (जेसळमेर) ती. २२१
 जैतसो नागावत प. २३७
 जैतसो पीयावत दू. १६४
 जैतसो, राणा भोजराज रो प. ३४१

जंतसी राणो प ६

जंतसी राव दू. ६३, २२१

„ „ ती १६ १७, ३१, ८०, ६०,
६१, ६२, १८०, १८१

जंतसी राघत प. ६६

जंतसी राव भांगोत दू. १०७, ११६ १२१
१३४

जंतसी रावळ प १३, ७६

„ „ दू. ११, ८४, ८५, ८६,
८७, ८८, ६२, १००, १२१

„ रावळ ती ३३, ३४, ३५, २२१

जंतसी रावळ तेजराव रो दू. ४२, ४३

जंतसी रावळ घडो दू. १०, १४, ३६,
४४, ५१, ६२

„ रावळ घडो तो २२१

जंतसी राव (घोकूपुर) ती. ३७

जंतसी बीरमदे रो प ३५६

जंतसी सिध रो प ३१५

जंत सीतोदियो प ६८

जंतसी हमीर रो प २३७

जंतसेन दू ६

जंतुग दू १०७, ११३, १३४

जंतुग कोल्हावत दू ७२, ७४, ११२,
११३

जंतुग तणु रो दू १, १७

जंतो प १६४, ३६२

„ दू ५३, ६६, ७७, २००, २६४

जंतो ऊदावत दे० जंतसी ऊदावत ।

जंतो छोबोवत छोबो प १५३, १७०

जंतो छेता रो प ३५२, ३५३

जंतो जगमालोत दू. १२, १४१

जंतो जोगावत दू. १८७

जंतो जोधा रो ती ३७

जंतो देवडो प. २२४

जंतो मेहाजळ रो प १६१

जंतो रतनोत प. २४३

जंतो रायमल रो प ३६०

जंतो घाघेलो प. २२४

जंतो साधळदासोत दू १७६

जंतो सोढो प. ३६२

जंतू जाट ती २७३

जंपाळ प ८६

जंपाळ राजा ती. १८७

जंबहा प ३६३

जंभाण प ३२४

जंमल प. १११, १६६, ३६२

„ दू ६६, १६६

जंमल बखैराजोत प २०८, २१२

जंमल घासावत दू १७६

जंमल ऊहड दू १६७, २०२

जंमल किसना रो प ३५२

जंमल कृभा रो प. ३२८

जंमल जंसावत मुहतो प २२७

जंमल तिसोकसी रो दू १६२

जंमलवात ती २२७

जंमल दास रो प. ३१७

जंमल प्रधीराजोत प. १२५

जंमल भा० प १५२

जंमल भाटी कसावत दू १३२

जंमल (भेळू) ती २२६

जंमल मुहतो प २११, २२७

जंमल रतनावत प १६७, १६६

जंमल राणो प. २८१, २८२, २८३

जंमल, राम सोढा रो प ३५८

जंमल राठोड ती १८३

जंमल रायमलोत प १७ १८

जंमल रासावत दू १०७

जंमल रूपसोमोत प ३१२

जंमल बीरमदेमोत प ३२, ११२

„ „ ती. ११५, ११६

११७, ११८, ११६, १२१, १२२

जंमल बीरमदे सोढा रो प ३५८

જેમલ સાંગાવત પ. ૬૬
 જેમલ સાહુળી પ. ૧૩૮
 જેમલ સીસોદિયો પ. ૨૧
 જેમલ હરરાજ રો પ. ૧૬૩, ૧૬૪, ૧૬૮
 જેમાલ પ. ૧૧૭
 જેમુલ રાજવે રો પ. ૩૫૫
 જેરામ પ. ૩૦૭
 જેરિલ પ. ૧૨૨
 જેવરાય પ. ૧૩૫
 જેસા તી. ૧૮૭
 જેસિય પ. ૧૨૪, ૨૭૭, ૨૭૮, ૩૨૧
 ૩૨૨
 „ ફૂ. ૧૨૩, ૧૩૩, ૧૭૬, ૩૦૪,
 ૩૦૫
 „ તી. ૨૨૦
 જેસિય કરમચંદ રો પ. ૨૦૫
 જેસિયવે પ. ૧૪૨
 જેસિયવે કઢાવત પ. ૩૪૬, ૩૫૨
 જેસિયવે જોધા રો પ. ૩૫૬
 જેસિયવે રાથલ ફૂ. ૮૫, ૮૭, ૮૬
 જેસિયવે ઘરજાગ રાથ રો પ. ૨૩૨
 જેસિયવે સિયરાય પ. ૨૭૨, ૨૭૭, ૨૭૮
 „ „ ફૂ. ૩૩
 „ „ તી. ૨૬
 જેસિય મહાસિય રો પ. ૨૬૭
 જેસિય રાંળો પ. ૧૨૦
 જેસિય રાજા પ. ૨૫, ૩૦૬, ૩૦૬, ૩૧૦,
 ૩૧૧, ૩૧૫, ૩૧૭, ૩૧૬, ૩૩૦,
 ૩૩૧, ૩૩૨, ૩૫૬
 જેસિય રાથ પ. ૧૬૬, ૧૬૭
 જેસિય રાથ મોહનવાસોત ફૂ. ૧૦૭
 જેસિય રાથ (બીકૂંપુર) તી. ૩૬, ૩૭
 જેસિય વીરમજી રો તી. ૩૦
 જેસિય સિલાર રો પ. ૧૬૪
 જેસો લીંદા રો પ. ૧૬૫, ૧૬૬
 જેસો જગમાલોત પ. ૩૦૬

જેસો ખેરવવાસોત પ. ૨૧, ૨૦૭
 „ „ ફૂ. ૬૬
 જેસો માંડળ રો પ. ૩૫૭
 જેસો માલદે રો પ. ૨૦૫
 જેસો રાવ ફૂ. ૧૨૦, ૧૨૨, ૧૨૭
 જેસો રાથ ઘરસિય રો ફૂ. ૧૩૭, ૧૩૮,
 ૧૩૯
 જેસો સલાવત પ. ૩૬૦
 જોગરાજ પ. ૫, ૨૫૬
 „ તી. ૫૦
 જોગરાજ રાથલ પ. ૫, ૧૨, ૭૬
 જોગરાય પ. ૨૫૬
 જોગાફત ફૂ. ૧૨૩, ૧૨૮
 જોગાફત બેરસત રો ફૂ. ૧૧૮, ૧૨૦
 જોગાવિત પ. ૭૮
 જોગી પ. ૩૫૩
 જોગી ફૂ. ૧૬, ૨૦, ૨૩, ૨૪, ૨૫
 જોગીવાસ પ. ૧૬૬, ૩૧૮, ૩૫૬
 „ ફૂ. ૮૦, ૮૮, ૧૨૩
 જોગીવાસ કઢાવત પ. ૩૫૬
 જોગીવાસ કચરાયત ફૂ. ૧૭૪
 જોગીવાસ કાંધલોત તી. ૧૮
 જોગીવાસ ગોવંદવાસોત ફૂ. ૧૧૬
 જોગીવાસ ઠાકુરસી રો પ. ૩૬૦
 જોગીવાસ મેવાવત ફૂ. ૧૭૨
 જોગીવાસ વેરસીઓત ફૂ. ૧૮૫
 જોગીવાસ સીસોદિયો પ. ૬૨
 જોગી ઢૂહા રો પ. ૩૫૩
 જોગો પ. ૧૨૪, ૧૬૦
 જોગો અલેરાજોત ફૂ. ૧૮૭
 જોગો ગ્રાસાવત ફૂ. ૧૭૬
 જોગો મીડ તી. ૨૬૭
 જોગો જોધાવત તી. ૧૬૪, ૧૬૫
 જોગો બારહઠ ફૂ. ૭૪
 જોગો મયુરોત ફૂ. ૧૪૫
 જોગો માંડળ રો પ. ૩૫૭

जोजड प २६३
जोजळ साखण रो प २०२
जोध प १०१, २०६, ३१२
जोध गोपाळ रो प ६२, ६७
जोध गोयबोन प ६७
जोध मानसिधोत दू १८८
जोधरय राजा ती १८६
जोध बिहारी रो ती ३७
जोधसिध प ३०६
जोधसिध (जीळी) ती. २३३
जोध सीसोबियो प २७, ६३, ६४, ६५
जोधो प ३५६
= दू १७७
जोधो कबर राय रिणमल रो प १७
जोधो करमा रो दू ८०
जोधो कायळ रो प ३४१
जोधो तेजसी रो प ३५४
जोधो नारण रो प ३५८
जोधो भाटी दू १५३, १६४
जोधो मानसिध रो प ३५६
जोधो मेहराज रो प ३४८
जोधो मोकल रो ती ११६
जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१,
२२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०,
१५८, १५९, १६०, १६१, १६२,
१६३, १६४, १६६, १६७, १८०,
१८१, १८२, २३१, २३५
जोधो राव प. २०७, ३४६, ३५१, ३५३
, , दू ६६, ८८, ३३५, ३३६,
३४०, ३४२
जोधो लाडखान रो प. ३२१
जोधो लोलावत प. २३८
जोधो सहसा रो प ३५६
जोधो सागावत प ३६०
जोधो सिधावत प. २४३
जोधसाह राठीड ती २८०

जोबनारय प २८७
जोरावरसिध ती २२०
जोरावरसिध महाराजा (धीकानेर) ती. १२,
१८०, १८१, २११
जोवनजीत राजा ती १८७
जोवनार्य प २८७
जोवनाथ प ७८
ज्ञानपति ती १८०

झ

झरडो बूडावत ती ७६
झांझण पडिहार प. २२५
झांझण भडारी प २२५
झांझण भुणकमळ दू २
झांझणसी खडावत ती २३६
झांझो प १६२, २००
झांझण बीडू चारण प. ५५
झालक राजा ती १७६
झूटो घासियो ती. ८६
झूलो भाण प ८६, ८८
झूलो बद्रवात प ८६, ८८
झूलो साहयो प ८६, ८८
झेरडियो खूम प. २२८

ट

टॉड कर्तल ती. १६८, १६९
टोडरमत ती २७६

ठ

ठाकुर कचरा रो प १६६
ठाकुरजी प. २८६
ठाकुरसी प. १६७, १६४, २४८, ३२८
= दू ७७
ठाकुरसी आसावत दू १४८
ठाकुरसी करण रो प ३६०
ठाकुरसी करमसीघोत दू. १८६
ठाकुरसी करमा रो दू ८०

ठाकुरसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
 ठाकुरसी जगमालीत दू. १६२
 ठाकुरसी जंतसिघोत ती. १७, १८, १५२,
 २०५
 ठाकुरसी तेजमाल रो दू. १२४
 ठाकुरसी धनराज रो दू. १२२, १२३
 ठाकुरसी राणावत दू. १७२
 ठाकुर सेला रो प. २००

ड

डंडघर ती. १८७
 डंडवाल ती. १८६
 डांघियो ती. ७५, ७६
 डांघो धीरी ती. ७५, ७६
 डाभ रिय प. ३३७
 डाहलराय प. ५
 डाहलियो सिसपाळ रो ती. १५४, १५५
 डाह्याभाई पीतांबरवास देरासरी ती. २६३
 दूंगर देवड़ो प. १३६
 दूंगर भील प. ८२, ८३
 दूंगर माना रो प. २०१
 दूंगर रिणमल रो प. १६२
 दूंगर पोना रो प. २३१
 दूंगर सिवा रो प. ३५१
 दूंगरसी प. ६८, ७०, १५६, १६७,
 १६६, ३२८, ३४२
 ,, दू. १६८
 दूंगरसी आसावत दू. १४८, १७५
 दूंगरसी कल्याणमलीत ती. २०६
 दूंगरसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
 दूंगरसी धनराज रो दू. १२४
 दूंगरसी वाला रो प. ११६, १२०, १२१
 दूंगरसी मालदेओत दू. ६२
 दूंगरसी मेला रो प. ३५६
 दूंगरसी राव दुरजणसल रो दू. १२८,
 १२६, १३०, १३३
 दूंगरसी रावळ प. ७६

दूंगरसी (लखमणसर) ती. २३३
 दूंगरसी लूणा रो प. ३६१
 दूंगरसी सांकर रो प. १६४, १६६, १६६
 दूंगरसी (सांघू) ती. २२४
 दूंगरसी सुरावत दू. १७८
 दूंगरसी हरदासीत दू. १६५
 दूंगरसीह ती. ३६
 डूंगो प. २०५
 डेलहो आसकरणोत दू. ७४

ढ

ढाहर जाड़ेचो दू. २०६
 ढोल ख्यारी ती ७१
 ढेडियो मंगरियो दू. ३२
 ढोलो नळ रो प. २८६, २६३

त

तलक ती. १७६
 तपो प. २२३
 तणुं केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८
 तणुराय ती. २२१
 ततारखान प. ३२५
 ,, ती. ५३
 ततारसिध जगत्सिध रो प. २६१
 तप प. ११६
 तयेसरी चहुवांण रो प. ११६
 तयेसरी धुंध रो प. ११६
 तमाइची जाम रायसिध रो दू. २२४
 तमाइची जाड़ेचो रायवण रो दू. २०६
 तमाइची धीरमदे रो प. ३६१
 तामखान रायसल रो प. ३२३, ३२४
 ताड़जंघ प. ७८
 तातारखान प. ३२५
 तानसेन फलावंत प. १३३
 तारसिध अणवसिघोत ती. ६०८
 तिरमणराय रायसल रो प. ३२३
 तिलोकचंद प. ३१६

तिलोकदास प ३०४
 तिलोकराम प ११७
 तिलोकसी प २३६
 „ दू ८६, १२२
 „ ती २२१
 तिलोकसी बलावत दू १६२
 तिलोकसी जंतसिधोत ती. २०५
 तिलोकसी परयतोत दू १६२
 तिलोकसी फरसराय रो प ३२३
 तिलोकसी भाटी दू ३६, ४३, ५३, ५४,
 ५५, ५६, ५७, ५८, ६०, ६१, ६५
 तिलोकसी रूपसी रो प ३१२
 तिलोकसी वरजागोत दू १८०
 „ „ ती १०१
 तिलोकसी वरसलोत दू. १२०
 तिलोकसी बंशगर रो दू ११८
 तिलोकसीह ती १८४
 तिहुणपालदेव ती. ५१
 तिहुणपाळ राणो ती ५२
 तीडो राव दू २८०
 „ „ ती २३, २४, ३०, १८०
 तीहुणराव बारहुत रतन रो दू ७४
 तुगनाथ ती. १८०
 तुवर (ब्रूलहदेव रो भाणेज) प २६०
 तुगलकशाह ती. १६१
 तुगलसाह तुलसाण ती. १६१
 तुळछीदास प १०१, ३२३
 तुदसत प २८७
 तेजपाळ साह प १५६
 तेजमाल प ६१, १६३, १६६
 „ दू ६१, ६५, १२३
 तेजमान् भमरावत दू. १८६
 तेजमाल किसनावत दू १२४, १२५, १३२
 „ „ ती ३७
 तेजमाल गोपद रो ॥ २४०
 तेजमाल घना रो प २३६

तेजमाल (रोहीणो) ती २२६
 तेजमाल सूरजमलोत दू १२८
 तेजराव चाचगदे रो दू ३६, ४२, ४३,
 ६२
 „ चाचगदे रो ती ३३
 तेजल दू १४
 तेजनिध जसवतसिधोत दू १०६
 „ „ ती ३६
 तेजसिध (जंसलमेर) ती २२०
 तेजसिध माधोसिध रो प २६६, ३०५
 तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२ १६३,
 १६८, ३४१, ३४२, ३५८
 „ दू. ३८, ५३, ६६, ७३ ७४, ११२,
 १६७
 तेजसी केसोदास रो प ३१४
 तेजसी छहुवाण प १८३, २२७
 तेजसी चूडावत प ७०
 तेजसी दूगरसीघोत प ६२
 तेजसी भाटी केहर रो दू. ७८
 तेजसी भोजा रो प ३५४
 तेजसी रामावत दू १२०
 तेजसी राममल रो प ३२६
 तेजसी रावळ प ७६
 तेजसी रावळ देवीदास रो ३५
 तेजसी राव वरजाग रो प २३२, २४१
 तेजसी सूनकरणोत ती २०५
 तेजसी वणबीरोत दू. १६२
 तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४
 तेजसी सेला रो प २०१
 तेजसी सोढो घोसा रो प ३५५, ३५७
 तेजसीह प १८८
 „ ती १४०
 तेजसीह राव ती ३७
 तेजस्वी विजड रो प १३४
 तेजो प ६६, ६६, १०१, १६५
 तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रताप रो प. १५६
 तेजो भाटी हू. ६६
 तेजो रायमल रो प. ३६०
 तेजो वानर हू. ३२१, ३२२
 तेलोचन हू. ५६
 तंस्तितीरी डाँ० ती. १७३
 तोगो प. २००
 ,, हू. ८४, १४३
 तोगो कचरा रो प. १६५
 तोगो किसमावत हू. १६७
 तोगो बीबाण प. २०६
 तोगो सिवा रो प. ३५१
 तोगो सूरदास प. १५३, १६७, १७०
 तोडरमल भोजराज रो प. ३२२
 त्रभवणो प. २८५
 त्रसिध प. २६२, २६३
 त्रिदस ती. १७८
 त्रिदस्यु दे० त्रिदस ।
 त्रिधानव प. २८७
 त्रिद्वयन ती. १७८
 त्रिभणो करण रो प. १६६, २००
 त्रिभुवणसी कान्हडोत ती. २४
 त्रिभुवणसी, राघ तीडा रो हू. २८०,
 २८३, २८४, ३१४
 त्रिपारोन प. २८७
 त्रिलोचन हू. ५६
 त्रिसंकु प. ७८
 त्रिसाल प. २८७

थ

थानसिध प. ३१३
 थानसिध खांडेराव रो प. ३३१
 थाहरू प. ६१
 थाहरू सोदी-वारहठ प. ५६
 थिरो हू. ३८
 थिरो श्रयतारदे रो ३५५, ३६०

द

दंडपाल ती. १८६
 दंत सर्मा प. ६
 दधीच प. १२३
 दधीचि ऋषि प. १२३
 दधीचि ऋषि ती. १७३
 दयाच हू. २०२
 दयाळ प. ३२७
 ,, हू. ७७, ७८, १२४, २०२
 दयाळ डोड ती. १३१
 दयाळदास प. २३६, ३०६, ३२७
 ,, हू. ६०, १२३, १२४, १६२,
 १७०, १७५, १६७
 दयाळदास खेतसीघोत हू. ६३, ६४, १०४,
 १०६
 ,, खेतसीघोत ती. ३५, २१७
 दयाळदास गोयाळदासोत हू. १४६, १४७
 दयाळदास (छिपियो) ती. २३७
 दयाळदास (जंसलमेर) ती. २२०
 दयाळदास तेजसी रो प. ३४२
 दयाळदास वेईदासोत हू. १६६
 दयाळदास बळभरोत प. ३०७
 दयाळदास भाटी प. १६१
 दयाळदास (भादलो) ती. २२५
 दयाळदास भील प. ४६
 दयाळदास माघोदासोत हू. १४६
 दयाळदास (रायपुर) ती. २३६
 दयाळदास रायसल रो प. ३२४
 दयाळदास राव हू. १२१, १३०
 दयाळदास रावत हू. २६४
 दयाळदास राव (वरसलपुर) ती. ३७
 दयाळदास लिखमोदासोत हू. १८०
 दयाळदास सिद्धायच ती. २०६
 दयाळदास सिखरावत प. २३३
 दयाळदास सुभा रो प. २३१
 दयाळ सोढो प. ३६१

ददास रा' हू २०२
 दरमादि सर्मा प. ६
 दरियासर्मा प. ३२८
 दळकराण राघ ती ३५
 दलजी ती २३१
 दळपभन दे० गजसिध महाराजा ।
 दळपत प. २७, ६७, १६०, १६७, १८३,
 १८७, २३३, २३५, २४१, २८५,
 ३०६, ३०८, ३३१
 „ हू ६०, ६२, १०७, १२१, १३१,
 १३४, १३६, १५७, १८७, १८६
 दळपत झळसा रो प ३१५, ३८७
 दळपत कथर प. ३५४
 दळपत केसोबासीत हू १६५
 दळपत जगनाथोत प २०६
 दळपत जसधत रो प २८५
 दळपत नेतावत हू १६६
 दळपत पवार प १८३
 दळपत रामदास रो प ३३१
 दळपत राम रो प ३५८
 दळपत रामसिधोत प २१२
 दळपत राय प २८१
 दळपत लिखमीदासीन हू १८०
 दळपतसिध (कणवारी) ती २३२
 दळपतसिध (महाराजा कीका०) ती ३१
 १८१
 दळपतसिध रायसिधोत ती २०७
 दळपतसिध राय हू १४८
 दळपन सीसीदियो प १४८
 दलराय प १३५
 दलसिध (अजीतपुरी) ती २२३
 दलसिध (मेळ) ती २२५
 दलियो गडलोत हू ३०३
 दलोप प २८८
 दलू प १६६
 दलो ॥ २०५, २६४, ३५२, ३६०, ३६१

दलो हू २०६
 दलो घासियो प १७१
 दलो जोईयो प ३४७
 „ „ हू २६६, ३००, ३०२,
 ३०३ ३१७, ३१८
 दलो भुजवळ रो प. १६५
 दलो राजधर रो प २०५
 दलो राजदे रो प २६४
 दलो विजा रो प ३५८
 दशरथ दे० दसरथ ।
 दशमनसांन प ३०८
 दसरथ प ७८, १७८, २८८, २६२
 दससक माघो ती १६०
 दससेन ती १८६
 दसाक हू ३
 दान (देवीदान) हू ७८
 दानसिध (पडिहारी) ती २३३
 दानसिध (पातलासर) ती २३३
 दानसिध (साडवो) ती २१२
 दानो भाटी हू ५७
 दामो नेता रो प ३५२
 दाऊदखान प २२३, २६९
 दामोजी हू २३७
 दामोदरसेन ती १८६
 दाराशाह दे० दारासाह ।
 दाराझिकोह दे० दारासुकर ।
 दारासाह ती. १६२
 दारासुकर ती १६२
 दासु वहुणीवाळ ती १५
 दासो प. १६३, १६८, १६६
 दासो नरु रो प ३१३, ३१४, ३१५
 दासो पातळोन हू १७६
 दिनकर दाणो प ६
 दिनमिषदास प ३३१
 द्वितराम प. ३२१
 द्विलोप प. ७८, २८८, २६२

दिलीप ती. १७८
 दिवाकर प. १६२
 दीत प. १०
 दीत ब्राह्मण प. १०
 दीपचंद नाराणदास रो प. ३२६, ३२७
 दीपसिंघ प. ३१४, ३१६
 दीपसिंघ (अजीतपुरी) ती. २२३
 दीपसिंघ (कणवारी) ती. २३२
 दीपसिंघ (कुसारणो) ती. २३१
 दीरघबाहु प. २८८, २६२
 दीर्घबाहु ती. १७८
 दुजण जोघावत दू. १६४, १७४
 दुजणसल प. १६६, ३६३
 „ दू. ६३, ६५, ६६
 दुजणसल धारावरीस रो प. ३५५
 दुजणसल राव वरसिंघोत दू. १२७, १२८,
 १२९
 दुरजणसल लूंगकरणीत दू. ८६, ६०
 दुरंगदास दे० दुर्गादास (साहोर)
 दुरंगदास भाटी दू. ६०, ६६, १०८,
 १२२, १२३, १३१, १३२
 दुरंगदास (भावळी) ती. २२५
 दुरंगदास मेघराजोत दू. १४५
 दुरंगदास सहसमल रो प. ३१४
 दुरगो प. ६२, ६५, १०१
 „ दू. ८६, ६१, २००
 दुरगो राव ती. २४०, २४६, २४८
 दुरगो सेखा रो प. ३२७
 दुरगो हमीर रो प. ३४३
 दुरजणसाल राव (वीकूपुर) ती. ३६
 दुरजणसाल प. २८१, ३२५, ३२६
 „ ती० २२६
 दुरजणसाल नाराइणदासोत प. ३०४
 दुरजणसाल वळभद्रोत प. ३०७
 दुरजणसाल महळू रो प. २८१
 दुरजणसिंघ प. २०६, ३२४

दुरजणसिंघ मानसिंघोत प. २८१, २६८
 दुरजणसिंघ (सांखू) ती. २२४
 दुरजनसिंघ प. २१, २५
 दुरजो दू. ६५
 दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०
 दुरजोघन प. १३३
 दुरवासा प. १२२
 दुरसदास प. ४०
 दुरसो आढो प. १७०
 दुर्गादास राजोट ती. २१३, २२६
 दुर्गादास (वैणातो) ती. २३१
 दुर्गादास (साहोर) ती. २३०
 दुर्जनमल राजा ती. १६०
 दुर्जनशाल दे० दुजणसल ■ दुरजणसल ।
 दुर्लभराज ती. ५१
 दुलराज प. २६३
 दुलह प. १६
 दुलहराम प. १२६
 दुलेराय काराणी दू. २१४, २३७
 दुमाभ जैतकरण रो प. ३५२
 दुसाभ रावळ दू. १, १०, १५, ३१, ३२,
 ३३, ३४, ३५
 „ रावळ ती. २२२
 दूमइजी ती. ४६
 दूदो प. १५०, १६६, ३१६, ३४३
 „ दू. ८१, १२४, १६८
 दूदो अडवाल रो प. ३६१
 दूदो आणंदोत दू. १५४, १५६, १६२
 दूदो कान्हावत दू. १८१
 दूदो चौवो प. १५६
 दूदो जैमल रो प. १६७
 दूदो जोघावत ती. ३८, ३९, ४०
 दूदो नीवावत दू. १६७
 दूदो प्रथीराजोत दू. १६३
 दूदो प्रागदासोत दू. १८३
 दूदो भांता रो प. ३६०

द्वो भीष रो प ३२७
 द्वो माना रो प. २०१
 द्वो मेहरावत प १६८, १६९
 द्वो राजपर रो प २०५
 द्वो राव भल्लराज रो प. १३५, १३७,
 १४०, १६१
 द्वो रावत प ५०, ६६
 द्वो रावत जगपर रो प १२४, १२५,
 १२६
 द्वो राव नगा रो ती २४६
 द्वो रावळ दू. ३६, ४३, ४४, ५१, ५३,
 ५४, ५५, ५६, ५७, ५८, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५
 " रावळ ती. ३४, १८४, २२१
 द्वो राव सुरजन रो ती २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७०, २७१, २७२
 द्वो सकडखान रो प १११, ११२
 द्वो चरसल रो प ३५३
 द्वो सकतसिधोत दू १६५
 द्वो सहसमल रो प ३१४
 द्वो सागावत प ६८
 द्वो सुरजन रो प ३१५, ३१६
 दे० द्वो राव सुरजन रो ।
 दलहदेव प. २६०
 दलहराव सोडल रो प २६५
 दुल्लराव लूणकरण रो प ३१६
 दुसळ दू ५८
 देईदास प २४२, २४३
 " दू १६६, १६८
 " ती २३४
 देईदास कानावत दू १६५
 देईदास जैतावत दू १६२, १६३
 देईदास तेजा रो प ३५२
 देईदास पतावत मेहबचो दू १७५
 देईदास भानीदास रो दू १०४
 देईदास भायल प १६४, १६८, २४०,
 २४१

देईदास भोपत रो प ३१७
 देईदास मनोहरदासोत दू १७०
 देईदास महकरणीत प २३३
 देईदास माधोदासोत दू १८८
 देईदास घोरावत दू १७७
 देईदास सहसमल रो प. ३१४
 देव दू १५
 देवत दू १४
 देवो प १६८
 देरो दू १०७, १२४
 देरो चहुवाण बागडियो प ११६, १७२
 देरो भंरवदासोत दू १७८, १८०
 देरो रतनू-भारहूत दू ७४
 देरो रावळ प ७६
 देरो वणवीरोत प २४२
 देरो सीहूट धमराज रो दू १०४
 देरो सोळकी दू १०७
 देरो हुमीर रो प २३७
 देपाळ प २३२, २६१, २८०
 देपाळ जोईयो दू ३०४
 देपो प ३६३
 देपो प २०५
 देतण काकिल रो प. २६४, ३३२
 देतो प ३४१, ३४३
 देतहो दे० देतो ।
 देवकरण बीवाण गोपाळ रो प ३१०
 देवकरण राजा ती १७५
 देवनीक ती १७८
 देवराज बीदावत ती १५७
 देवराज प १५७, १६८, २३६, २६१,
 २८५, ३६०, ३६१, ३६२
 " दू ५८, ६३, १०४, १६६,
 २०१, ३०४
 देवराज आसराव रो प ३६३
 देवराज कापळ रो दू १४५
 देवराज मूलराज रो दू १०, ५३, ७३,
 ७५, ८२, १४४

देवराज मूळराज रो ती. ३४, २२१
 देव राजघर रो प. ३५६
 देवराज भोहा रो प. ३३६
 देवराज भांडण रो प. ३५६
 देवराज घाघेलो प. २६१
 „ „ ती. ५०
 देवराज विजैराय चूडाळा रो
 दे० देवराय विजैराय चूडाळा रो ।
 देवराज घीफा रो ती० २०५
 देवराज घोरमोत ती. ३०
 देवराज घीसा रो प. १६६
 देवराज सांखली प. ३५३
 देवराज सातलोत दू. ८४
 देवराज लीहड़ रो प. ३४०
 देवराजादित्य प. १०
 देवराय विजैराय चूडाळा रो दू. १०,
 १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४,
 २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१
 देव सर्मा प. ६
 देवसिंघ प. ३०४
 देवानी प. २६३
 देवादित्य दू. १६
 देवाणिक प. ७८
 देवादित्य प. ३, १०
 देवादित्य दे० देवादित्य ।
 देवानीक प. २८८
 देवाघर प. १६२
 देवियो घोरी ती. ५६
 देवीदान दू. १०८, १६८
 देवीदान सोम-भाटी दू. ७७
 देवीदान सांघतसी-भाटी दू. ७७
 देवीदास प. १६, ३३, १४३, १६३, २११
 „ दू. ८२, १०२, १२३, १३०, १६७
 देवीदास (फणवारी) ती. २३२
 देवीदास चाचा राखल रो दू. ११, ८३, ८४
 „ „ „ „ ती. ३५

देवीदास चूडासमा रो दू. १
 देवीदास जेतावत प. ६१, ३५४, ३५७
 देवीदास (जैस०) ती. २२१
 देवीदास भाटी दू. ८५
 देवीदास सकर्तसिघोत दू. ६५
 देवीदास सुजावत राय प. ५०, २५६
 देवीसाह प. १२६
 देवीसिंघ प. ३०६
 देवीसिंघ (ऊडसर) ती. २२६
 देवीसिंघ करणसिघोत ती. २०८
 देवीसिंघ (जंतपुर) ती. २३०
 देवीसिंघ (भनाई) ती. २२४
 देवो ऊदावत प. १५२
 देवो त्रिभणा रो प. २००
 देवो विक्रमादीत रो दू. १४४
 देवो हाडो (बांगा रो) प. ६७, ६८, ६९,
 १००, १०१
 देवो हिमाळा रो प. २४४
 देसपाल ती. १८८
 देसल दू. १०, ३२
 देसाघर राजा ती. १८६
 देसावल भाघो ती. १६०
 देहड़ मंडलीक प. १२३
 देहु रांणो प. १५
 देहुल विजैराय राखल रो दू. ३३
 देहो दू. १२६
 दोदो सुंमरो ती. ६२, ६७, ६९, ७१,
 ७२, ७३
 दोराव रांणो प. १२३
 दोलतखान प. १०१
 दोलतखान भाटी दू. २, १०, १२२
 दोलतखान भोजू दू. १८६
 दोलतखान कवि ती. २७५
 दोलतखान ती. ६०, ६१, ६३, २३०
 दोलतखान वहियो ती. २६८, २६९,
 २७०, २७१

दोलतसिध प. ३२२

दोलतसिध (कल्याणसर) ती. २३४

दोलतसिध (खनायडी) ती २३६

दोलतसिध गजसिधोत भाटी ती २१३

दोलतसिध (तिहाणवेसर) ती. २२७

दोलतसिध (नीबाज) नी २३५

दोलतसिध (वाप) ती. २२३

दोलो गहतोत दू ३१४

द्यास दू २०२

द्रढहास प. २६२

द्रढास ती १७७

द्रोण दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।

द्रोणघिर प २६०, २८०

द्रोणाचारज दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।

द्रोणाचार्य महर्षि ती. १५३, १५४

द्वारकावास प ३०६, ३२२, ३२३, ३२७

द्वारकावास गिरधरवास रो, राजा प.

३२१, ३२७

द्वारकावास नरसिधवास रो प ३२०

द्वारकावास नाया रो प ३११, ३१२

द्वारकावास पतावत दू १७१

द्वारकावास भाटी दू ६४, १०६, १३१,

१३२, १६७, १८८, १६७

द्वारकावास मनोहरवासोत दू १२०

द्वारकावास मेढतिमो दू. १७७

द्वारकावास मेहाजळ रो प १६०

घ

घनसुर दे० घनसुर ।

घनपालसेन ती. १८६

घनकपाळ प २८६

घनराज प १६७

„ दू. ८१, ६३, १२१, १२२,

१२४, १२८, १३८

„ ती २३१

घनराज खेतसीप्रोत दू ६६

घनराज गोयवदासोत दू. १८०

घनराज जेतावत दू २००

घनराज नेतावत दू. १०७

घनराज धोकावत दू १७३

घनराज सावळदासोत दू १८१, १८२,

१८४

घनराज सीहूड उधरणोत दू १०३, १०४

घनराज हरराज रो प १६३, १६४

घनालसेन ती १८६

घनुद्वंद प ७८

घनो घासावत दू १७७

घनो गौड ती २७०

घनो जोमा रो प ३५७

घनो मांडणोत प. २३६

घनो बीसा रो प १६६

घरण सा प. ३६

घरणीबराह प ३३७, ३३८, ३५५, ३६३

„ ती १७५

घरमसद प. ३२६

घरमदेव प ३३७

घरमानद प. २७

घरमो दू १४३

घरमो धोडू प ३४७

घरमोस प २६२

घर्म सर्मा प ६

घर्मागद राजा ती १७५ (दे० घरमानद)

घर्मादि प. २८८

घषळ जाडेचो दू २२५

घवळोनी राय डोंवो दू ३१०

घांघळ ती २६, ५६

घांघू प ३३७

घाऊ भेछळो दू. ६०, ६१

घारगिर राजा ती १७५

घारदे दे० धोरदे जोईयो ।

घारदे मवोत जोईयो ती. ३०

घार घवळ दे० धोर घवळ ।

घारावरीस सोमेसर रो प. ३५५, ३६३
घारु आनळोत प. २५३, २५४, २५५,
३४०

„ आनळोत ती. २८६

घारो देवडो प. १५६

घारो सोडो प. २२५

घाहड राजा ती. १७५

घिलनाइय प. ७८

घिपताइय दे० घिलनाइय ।

धीरजदे दे० धीरदे जोईयो ।

धीरतसिध (सांडवो) ती. २३२

धीरतसिध (तिरंगसर) ती. २२४

धीरतसिध (हरदेसर) ती. २३२

धीरदे जोईयो दू. ३१७, ३१८, ३१९,
३२०

धीरघळ ती. ५३

धीर राठोड ती. २१९

धीरसेन राजा ती. १७५

धीरो जैसिघदेघोत प. २३२, २३६

धीरो देघराज रो दू. २०१

धीरो मालक रो प. ३३१

धुंभाळक परमार ती. १७६

धुंघ प. ११९

धुंघमार प. ७८, २८७, २९२

धुंघळ प. १७२

धुंघळियो साहणी प. २२६

धुंघुमार ती. १७७, २१८ (दे० धुंघमार)

धुवसय प. २८८

धुंघळीमल जोगी दू. २०९, २१०, २१२

धूमरिख ती. १७५

धूमरुपि दे० धूमरिख ।

धूमरुवालक दे० धुंभाळक ।

धूहडजी राव ती. २९, १८०

धृतस्यंद ती. १८५

धोधादास दू. ८१

धोवो दू. ८०

घोम ऋषि प. ३३७

घोमरिख प. २८०

घोमरिख प. २६१, ३३७

घोमारिख प. ३५४

ध्रुवसंघ ती. १७९

ध्रुवसंघि ती. १७९

ध्रुवसिंघु ती. १७९

न

नंदराय प. ४७

नंदराय बालणोत प. २७९

नंदियो प. १७४

नंदो प. २७९

नकोदर पांटे रो ती. १४, १५

नगजी राय चंदे रो ती. २४८, २४९

नगराज खोदि रो प. ३४१

नगो प. १७, २२, २७, ६७, १६६,

१९८, २०५

„ दू. ७७, ७८, २६४

नगो भारमलोत ती. ११७, ११८, ११९,

१२०, १२१

नगो सवरा रो प. १६७

नवो सोडो दू. २२१, २२३

नयपाल राजा ती. १८८

नरदेव प. ५, २९०

नरनाथ सर्मा प. ९

नरपत जांम दू. २०९

नरपति रांणो प. ६

नरपाळ प. २८९

नरबद प. ४९, ५०, १०९, ११०, १२५,

१२६

„ दू. १९७, १९९

नरबद मेघावत मोहित ती. १६१, १६२,

१६३, १६४, १६६

नरबद सत्तावत दू. ३३६

„ „ ती. ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४,

१४५, १४६, १४७, १४८, १४९

नरविद्य रावळ प. १२

नरवर्म रावळ प. ७६

नरवर्मा रावळ दे० नरवर्म रावळ ।

नरवाहन प. १२३

नरवाहन रावळ प. ७६

नरवाहन रावळ प. ५, १२

नरवीर रावळ प. ७६

नर सर्मा प. ६

नरसिंघ प. १२६, १६३, १६६, १६७,
२००

„ दू. ६६, ८१, १०७, १२०, १६०,
२००

नरसिंघ जर्दकरणीन प. २६०, २६५,
२६७

नरसिंघ ऊवावत दू. १७३

नरसिंघ खीदावत ती १४१

नरसिंघ गोयदासोत दू. १८०

नरसिंघदास प. २३६, ३०४, ३०५,
३२०, ३२४, ३२५

„ दू. १८४

नरसिंघदास ईसरदास रो प. ३५४

„ „ „ दू. १६१

नरसिंघदास कल्याणदासोत दू. १५८

नरसिंघदास छीसरदास रो प. ३०८

नरसिंघदास जाट ती १४, १५

नरसिंघदास देवीदासोत दू. ५५, ८७, ८६

नरसिंघदास (नीलोळ) ती २३६

नरसिंघदास फरसरास रो प. ३१६, ३२४

नरसिंघदास भाखरसीधोत दू. १५२

नरसिंघदास (मेळू) ती. २२५

नरसिंघदास मानसिंघ रो प. ३२६

नरसिंघदास मुहता नैमलोत प. ७७

नरसिंघदास रावत प. ४६, ६३, ६६

नरसिंघदास (रोणवो) ती. २२६

नरसिंघदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२०

नरसिंघदास सावळदासोत दू. १७४,

१८२

नरसिंघदास सोंघळ ती ३८, १४१,

१४३, १४४, १४५, १४६

नरसिंघ देवडो तेजा रो प. १६५

नरसिंघ बापा रो प. ३४३

नरसिंघ भाणोत दू. १५१

नरसिंघ राजा ती १६०

नरसिंघ घाघावत दू. १६२

नरसिंघ सीधळ प. २२६ (दे० नरसिंघ-
दास सीधळ)

नरसिंघ सोडो प. ३६१

नरहर प. १२, १३३

„ दू. ८८, ९०, ९४, १२३, २००

नरहरदास प. २७, ६७, १०२, १११,

१२५, १५६, १६१, १६५, १७८,

२१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६

३२५

„ दू. १७४, २६४

नरहरदास ईसरदासोत दू. १५५, १५६

नरहरदास केसोदासोत दू. १७

नरहरदास गोयदासोत दू. १५०, १५५

नरहरदास दुरगावत प. ३४३

नरहरदास पचाइण रो प. ३०७

नरहरदास भानीदासोत दू. १६६

नरहरदास भैरवदासोत दू. १६६

नरहरदास रामोत दू. १२०, १२२

नरहरदास रायसिंघोत दू. १६४

नरहरदास सावळदासोत दू. १७६

नरहरदास सोडो प. ३६१

नरहर रावळ प. १२

नराइण जोधावत दू. १७३

नराइणदास प. ६७, ६९, २१०, २११,

३२०

नराइणदास आसावत दू. १४७

नराइणदास खंगारोत प. ३०४

नराइणदास हाडो प. १०४

नरु प. १५, ३१८

नरु मेहराज रो प. ३१३

नरो प. २०५, ३५७

„ दू. ८१

नरो अजायत दू. १४४

नरो राजा चंद रो प. ३१३

नरो घोकायत ती. २०५

नरो सजायत ती. १०३, १०५, १०६,

१०७, १०८, ११०, १११, ११२,

११३, ११४

नळ प. २८६, २६३

„ ती. १७८

नलनाभ प. २८८

नवखंड रावळ प. १३

नवघण प. २४६, २४७

„ दू. २०२

नवग्रहा प. ११७

नवलसिध (खूहरी) ती. २३१

नवलसिध (गोरोसर) ती. २३१

नवलसिध (साखू) ती. २२४

नवतहसो दे० मालदेव राव ।

नवसेरीखान प. २५७

„ दू. २६२

नस्ता (नरु) रावळ प. ७६

नांगड़ बुगणसाल रो प. ३५५

नांदण दू. ६६

नांदो विजा रो प. ३५८

नांग घावडो दू. ३११

नांगवे प. १३०

नागवे प. १२६

नागवाळ राणो प. ६, १५

नागावित प. ३, १०

नागावित्य दे० नागावित ।

नागारजन छूट रो दू. २०२, २०३

नागार्जुन दे० नागारजन ।

नागोरीखान ती. १२६, १३२

नाटो प. १५६

नाटोर्जय प. ७८

नाथ ती. १०८

नाथू प. २०५

नाथू भाला रो दू. १७८

नाथू रतनसी रो प. ६७

नाथू रिहमलीत दू. ११६, १४३

नाथो प. १२१, २३६, ३१६, ३२१

„ दू. ७५, ७६, ८८, ९०, १२३,

१२५, १८४, १८७, १६१, १६६,

२६४

नाथो खंगारोत ती. ३७

नाथो गोपाळदास रो प. ३१०

नाथो घाय-भाई दू. १८०

नाथो पतावत दू. १७१

नाथो भाटी किसनावत दू. ७८

नाथो ह्यसी रो दू. १६६, १६७, १६८,

१६९

नाथो लिखमीदासोत दू. १६६

नाथो लूणा रो प. ३२७

नाथो घोरम रो प. १६७

नाथो सिध रो प. ३१५

नादो दू. १४३

नादो रायचंदोत भाटो दू. ६६, १००

नापो प. १०१

„ दू. १४३

नापो घोरा रो प. ३३१

नापो मांगकराव रो प. ३४६, ३५३,

३५४

नापो रिणधीरोत ती. १३०

नापो घरजांग रो दू. १६८

नापो सांखलो ती. ५, ८, ९, ११, १६,

२०, २१

नाभंगराय प. २८८

नाभ प ७८

, ती १७८

नाभसुत (नाभसुत) प ७८

नारण प १०१, २३५

दू १४१ २६४

नारण जोधावत दू १६४

नारणदास प २७ ६३ १६५, ३२७

, दू ८१ ६६, १६२, १८६

नारणदास भर्खेराजोत दू १८८

नारणदास ईसरदासोत दू १८६

नारणदास पातावत प ३१

नारणदास भाडा रो प १०२

नारणदास भर्नीदास रो प ३४३

नारणदास भर्नीसिध रो प ३२६

नारणदास बाघोदास रो प ३५८

नारणदास बालदेवोत दू ६२

नारणदास रायसिधोत दू २५५ २५६

नारणदास रावळ जैतसी रो दू ८५

नारणदास साईदास रो दू १७६

नारणदास साबळदासोत दू १७६

नारणदास सुजावन दू १६०

नारसिध ती २२८

नाराइण गोयड रो प ३५८

नाराइणदास प ३२०

नाराइणदास जमसोत प ६६

नाराइणदास पचाइणोत प ३०६

नाराइणदास भाणोत प २१०

नाराइणादित्य प १०

नाराणदास बोडो प २४६ २४७

नाराणदास घाघावत प २४७

नारायण प १६७ १६६ २३७ २४२

३३१

नारायण ती २२०

नारायणदास भासकरणोत दू १३६

नारायणदास (करेम्भो) ती २२७

नारायणदास (तिहोणदेसर) ती २२७

नारायणदास (भळ) ती

नारायणदास (भरवदासरा)

नारायण भूहणोत प १६६

नारायणदास (मेवसर) ती

नारायणदास रावळ प ६२

नारायण रायसिधोत दू १८१

नारायणसन राजा ती १८

नास प २८८

नाहो सीहड रो प ३४१

नासरदीन सुलतान ती १६१

नासर संव ती २७३, २७५

नासिर संव दे० नासर संव ।

नासिरदीन दे० नासरदीन सुलतान ।

नाहिराव पडिहार ती २८

नाहर दू ६५

नाहरखान प २७, ६५ ६६, ११७

१४२, १५४, १५५ १५८, ३२५

नाहरखान दू १०८, १३०, १५६

१८८, २६३

नाहरखान धोकळदास रो प २०६

नाहरखान नाराणदास रो प ३५८

नाहरखान राघोदास रो प २८३

नाहरसिध (जाकरी) ती २३३

नाहरसिध (रावतसर) ती २२६

निकुभ प १२२

ती १७३, १७७

निकुभ श्रुति वे निकुभ ।

निख प ७८

निपम राजा ती १८६

निर्जाम साह ती २७६

नित्यानंद सर्मा प ६

निरघोस प ६

निधगराह प २८८

निपय ती १७८

नीबो प ७०

नीबो भाणोत दू १५४, १६०

नीबो कांघळोत ती. १६, २१
 नीबो जैसिघडे रो प. २३२
 नीबो जोघावत ती. ३१
 नीबो मुहतो दू. १३५
 नीबो राव महेसोत दू. १८२
 नीबो सिधदास रो दू. १६७
 नीबो सोमाळोत दू. ४१, ४२
 नीभड़ पोहड़ दू. १३
 नीतपाळ प. २८६
 नीत राजा ती. १८६
 नील प. ७८
 नूचहीन जहांगीर वादसाह दे० जहांगीर
 नूरदीन पातसाह ।
 नेतसी प. १६६
 " दू. १६२, १७४
 नेतसी छजावत दू. ८०
 नेतसी दुजणोत दू. १७५
 नेतसी भा० प. १५२
 नेतसी मालवेओत दू. ६६
 नेतसी मेहरांजण रो प. ३६१
 नेतसी रामोत दू. १२०
 नेतसी राब दू. १२१
 नेतसी धीरमोत प. २४०
 नेतसीह राब (वरसलपुर) ती. ३७
 नेतो दू. १६८
 नेतो चाचा रो प. ३५१
 नेतो जंमलोत दू. ६६, १६६
 नेतो परधत रो दू. ८२
 नेतो पिजा रो दू. ११७
 नेमकाविस्थ प. १०
 नेणसी मुहतो प. ८८, १७२, २७६
 नेणसी मुहतो ती. ४६, १६८, १७३,
 १७४, १७७, २१४, २१६, २६४
 नेणसी सिधराज रो प. ३५६
 नौघण रा' दू. २०२
 न्यामतसां कधि ती. ३७४

प

पंच दे० चंप ।
 पंचाइन प. २२, २५, १०६, १६५, ३०६
 " दू. ६६, १२०, १४२, १५१
 " ती. ६६, ६७, २२०
 पंचाइन कचरा रो प. १६५
 पंचाइन खेतसी रो दू. ६३, ६५
 पंचाइन जैतसीओत दू. १६६
 पंचाइन जोघावत दू. १६४, १७७
 पंचाइन पंचार प. १४१
 पंचाइन प्रथीराजोत प. २६०, ३०७,
 ३०६
 पंचाइन भगवानदासोत दू. १५२
 पंचाइन मूळावत दू. १६०
 पंचाइन मेहाजळ रो प. १६१
 पंचाइन राणा भोजराज रो प. १७२
 पंचाइन रुपसी रो प. ६७
 " " " दू. १४८
 पंचाइन हुमीर रो प. २३७
 पंचायण दे० पंचाइन ।
 पंचायण राधत ती. १७६
 पंजुन सामंत प. २६०
 पंजू प. २२०, २२१
 पंजू पायक दू. ४१, ४२, ६१
 पंडरिष्य प. २८८
 पंडवो प. १६
 पंवार प. ३३६
 पताई रावळ ती. २५, २६
 पताळसिध दे० पातळसिध राजा ।
 पतो प. २७, ११६, १६८, १६८, ३३०,
 ३५८, ३६२
 पतो दू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४,
 १६७
 पतो बांगा रो प. ३५५, ३५६
 पतो प्यारण प. १३६
 पतो चीबो प. १४८

तो जंमल रो दू. १४५
 तो जौगोदास रो दू. ११६
 तो बहियो प. २२६
 तो देवडो सांवतसोघोत प. १५३
 तो नगावत दू. १८१
 तो नींवावत दू. १५४, १६०
 तो मदा रो प. १६७
 तो महनसी रो प. १३५
 तो महिपा रो प. ११६
 तो मूळावत दू. १६०
 तो राणावत दू. १५१, १७१
 तो रांगो प. ३५८
 तो राजघर रो दू. १७७
 तो रायमल रो प. १६
 तो राव कला रो प. १६०
 तो रूपसी रो दू. १६६, १६७
 तो सिधावत प. २४३
 तो सिखरा रो प. १६५
 तो सोधल प. २२५
 तो सोसोदियो प. ३२, ६७, १११,
 ११२
 , " तो. १८३
 तो सुरताणोत दू. ६६, १०८
 तो सूजा रो प. २३६
 तो सूरु देवडा रो प. १७०
 अत्रेष्ट प. ७८
 इमपाळ प. २८६
 इम राणो दू. २६५
 इम रिख दू. ॥
 इमसिध दू. ६३
 इमसिध कारणसिधोत तो २०८
 इमसिध (जोळी) तो. २३३
 इमसिध (जिसळमेर) तो. २२०
 इमसिध (जंतपुर) तो. २३०
 इमसिध भाटो दू. ११०
 इमसिध (भादलो) तो. २२५

पदमसो प. १६३
 पदमसी कांनडदेघोत दू. २८३, २८४
 पदमसी राखळ प. ७६
 पदमसी विजंसी रो प. २३०, २३१
 पदमादित्य प. १०
 पदमो सेठ तो. २१५
 पदारथ तो. १८०
 पध ऋषि दू. ६
 पधनाभ कवि प. २०४, २१५
 , , तो. २६३
 पखो जाड़ेखो दू. २५३, २५४
 पमार डाहळियो तो. १५४
 पमो घोरघार तो. ५८, ६०, ७८, ७९
 परताप प. ११७
 परतापसिध मानसिधोत दू. १६३
 परतापसी खूनकरणोत तो. २०५
 परपाळ राजा ती १८५
 परवत प. ३६१, ३६२
 परवत घाणंबोत दू. १५४, १६२
 परवत केहर रो दू. ७८
 परवत गांगा रो दू. ८१, ८२
 परवत रावत प. ७१, ७२
 परवतसिध प. ४०, १७४
 परवतसिध मेहाजळ रो प. १६१
 परवतसिध सोसोदियो प. १५५, १५६,
 १५७
 परवत सेला रो प. १६८
 परमपथ राजा तो. १८६
 परमार प. ४
 परवेज साहिजादो प. ३२१
 परसराम प. ६८
 परसराम भारमलोत प. २६१
 परसराम रायसलोत प. ३२३
 परसराम (हरदेवर) प. २३२
 परसोतम प. ३२३
 परसोतमसिध प. २६८, ३२२, ३२३

पराछित ती. १८६
 परियाल ती. १८५
 परियत्रराइ प. २८८
 परीआइत दू. ६
 परीक्षित ती. १८५
 परीकृत प. ८, १०
 परीक्ष्यत राजा प. १०
 परुपत प. २८७
 परुरव पैघार रो प. ३३६
 परुराई ती. १७५
 पबन्ध प. ७८
 पसायत गाडण दू. ११८
 पसी प. २१
 पहपलकराज प. २८८
 पहलादसिध प. ३११
 पहाडसिध ती. २२४
 पहाडो ती. २३४
 पहाड दू. १७ दे० पाहोड
 पांचो दू. ८१, १६६
 पांचो नगा रो प. १६७
 पांचो माना रो प. १६८
 पांचो बीला रो प. १६६
 पांडव ती. १५३, १५४
 पांडो गोवा रो ती. १३, १४
 पांणराज प. २८८
 पातळ किसनावत दू. १६४
 पातळ तोमावत दू. ८४
 पातळ घरसिध रो दू. १२७
 पातळसिध राजा ती. १७६
 पातो लोवी प. १४६
 पातो जमवणा रो प. २८५
 पातो फरास प. १४५
 पातो भरमा रो प. १७२
 पातो रावत दू. ६७
 पातो बीकमसी रो प. २३१
 पातो सांगा रो प. १७२

पावुची ती. ४०, ५८, ५६, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ७९
 पायक प. २८८
 पारजात प. ७८
 पारारिख प. १२२
 पारियात्र ती. १७६
 पाल उदैचंघ राजा रो प. ३३६
 पालण कातहणोत दे० पाल्हण कातहणोत
 पालण पंवार प. १८१
 पालणसी छोहिल रो प. ३४०
 पालवेव सर्मा प. ६
 पाल्हण कातहणोत दू. २, ३६, ५४
 " " ती. ३४, २२१
 पासनजित प. २८७
 बाहडसिध प. १३०
 बाहुण ती. २२१
 बाहु बापा राव रो दू. १, १०, ३३
 बाहु जेठी प. ३४६, ३५०
 बाहोड दू. १ दे० पहाड
 पिथुराव दू. ७७
 पिथोरो राजा ती. १६०
 पिराण जांभणोत प. २३८
 पिरामदास प. ३२३
 " दू. १३३
 पिरामदास बीरमदेवोत दू. १७१
 पिरामा भाटी दू. ६६
 पिरोजशाह दे० पीरोसाह ।
 पीच सर्मा प. ६
 पीत सर्मा प. ६
 पीताम्बरदास वेरासरो ती. २६३
 पीथड घूहड रो ती. २६
 पीथम राव प. ३६२
 पीथमराव तेजसोयोत प. २३२, २४१
 पीथळ दे० प्रिथोराव कल्याणमलोत ।

पृथुश्रवा प. २८८

पृथ्वीराज कुंवर ती. २४७

पृथ्वीराज चौहान प. २६६

पृथ्वीसिंघ (लोचो) ती. २३२

पेयङ्ग प. ६, १४, १५

„ दू. १००

पेनली घोरी ती. ५६

पेनसिंघ प. ३०८

पेनसिंघ छत्रसिंघ रो प. २६६

पेनसिंघ (नीचां) ती. २२५

पेनसिंघ (लाधिपा) ती. २३५

पेनसिंघ (धाप) ती. २२३

पेरजखान जोगा रो प. १२४

पेरोसा सुरतांग दू. ५०

पैनाखान प. ४६

पैरोज प. ३२८

पैहळाव प. ३२१

पोलस्त अगस्त रो प. १२२

पोलियो नाई ती. २१४

पोहङ्ग दू. ११, १२, १३, १४

पोहपसेन प. १२४

„ ती. १७५

प्रद्येमघवा पी. २८८

प्रजापाल प. ७८

प्रणव ती. १७८

प्रतफ प्रवेस प. २८६

प्रतबिब प. २८६

प्रताप (चंडावी) ती. २३४

प्रतापचंद प. ३१६

प्रतापमल राम रो प. ३१४

प्रताप रांणो प. ६, १५, २१, २८, ३०,

३६, ३६, ४८, ७४, १०६, २०८

प्रताप रावळ प. ७३

प्रताप रिणधीर रो प. १४२, १५६

प्रतापसुद्ध प. १२६, १३०

प्रतापसिंघ प. ६८, ३०५, ३११

प्रतापसिंघ कछवाहो दू. १५२

प्रतापसिंघ कल्याणमलोत दू. २७६

प्रतापसिंघ कुंवर ती. १५२

प्रतापसिंघ (गोरोसर) ती. २३१

प्रतापसिंघ (छिपियो) ती. २३७

प्रतापसिंघ जसकरण रो प. १२१

प्रतापसिंघ भगवंतदासोत प. २६१

प्रतापसिंघ भगवंतदास रो प. ३००

प्रतापसिंघ भाटी कुरतांगोत दू. १००

प्रतापसिंघ मनोहरदासोत प. ३०५, ३११

प्रतापसिंघ (महाजम) ती. २२८

प्रतापसिंघ मालदे रो प. ३१५

प्रतापसिंघ राजा (किशनगढ) ती. २१७

प्रतापसिंघ रावत प. ६६

प्रतापसिंघ (सिधमुख) ती. २२४

प्रतापसी प. १११

„ दू. ८८, २५६

प्रतापसी चहुवाण, राव ती. १८३

प्रतापसी रावत दू. २६४

प्रतापादीत प. १३३

प्रतापी रावळ प. ७६

प्रतिस्योम ती. १७६

प्रतीक प. २८६

„ ती. १७६

प्रथम रांणो प. ६

प्रथमवा प. २८८

प्रथीचंद मनोहर रो प. ३१६

प्रथीदीप भारमल राजा रो प. २६१

प्रथीमल प. १८५, १८६

प्रथीमल प. १८६

प्रथीराज प. १७, १६, ५५, ५६, ६६,

१२५, १२६, १३०, १४४, २०६,

२४१, २५२, २८६, ३०७, ३११,

३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४

प्रथीराज दू. ८६, ६२, ६५, ६७, ६८,

१२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १९७, २०२, २६४
 प्रधीराज ती. ११६, ११७, ११८, ११९,
 १२०, १२१, १४०
 प्रधीराज चढणो-प्रसो प. १७, १९
 प्रधीराज कधरावत दू. १७४
 प्रधीराज करमचंद रो प. ३१५
 प्रधीराज राव, कल्याणमलोत बोकानेरियो
 प. २५६
 प्रधीराज कांहावत दू. १९३
 प्रधीराज गोयबदासोत दू. १५५, १५६,
 १५७
 प्रधीराज चद्रसेनोत प. २६०, २६७
 प्रधीराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१,
 २६६, ३३९, ३४४
 प्रधीराज जूझारसिंध रो प. २६८
 प्रधीराज जैतावत दू. २०१
 प्रधीराज भालो मानसिंध रो दू. २५६
 प्रधीराज देवडो सुजावत प. १५४, १५५,
 १५६, १५७, १६१, १६२, १६३,
 १६६
 प्रधीराज (भूकरी) ती. २२३
 प्रधीराज पातावत दू. १४९
 प्रधीराज बडूमोत दू. १७३
 प्रधीराज भोजराजोत दू. १२२, १३८
 प्रधीराज राजा कछवाहो ती. १५२
 प्रधीराज रायमल रो प. ६१, ६२,
 २८१, २८४
 प्रधीराज रावत, जैतावत प. ६०, ६६
 प्रधीराज राव दलपतोत दू. १३१, १३२,
 १४४
 प्रधीराज रावळ प. ७०, ७१, ७२, ७३,
 ७६
 प्रधीराज रावळ चंदसिंधोत प. ८७
 प्रधीराज राव (वंरसलपुर) दू. १२१
 प्रधीराज हरराजोत प. २५६
 प्रधीराज हाडो केसोबास रो प. ११७

प्रधीसिंधजी कंवर प. ३२२
 प्रधीसिंध परसोतम रो प. ३२३
 प्रधु प. २८७
 प्रदयन दे० प्रदुमन ।
 प्रदुमन प. ७८
 „ दू. १, १५, १६, २०९
 प्रघुन्न दू. ६, १५, २०९
 प्रघागदास ती. ११९, १२०
 प्रघातनु दे० प्रसयतु ।
 प्रसयतु ती १७९
 प्रसेनजित प. २८७, २९२
 „ ती. १७९, १८०
 प्रसेनपन्था प. २८८
 प्राग दू. ९
 प्रागवान ती. २३३
 प्रागदास प. २१२
 „ दू. १२०
 प्रागदास करमसोमोत दू. १६३
 प्रागदास कलावत दू. १६२
 प्रागदास दयाळदास रो दू. ६४
 प्रागदास सांवळदासोत दू. १८३
 प्राहित राजा ती. १८६
 प्रासेनजीत प. २८९ (दे० प्रसेनजित)
 प्रिधीचंव प. ३१९
 प्रिधीराज कल्याणमलोत ती. २०६, २०७
 (दे० प्रधीराज कल्याणमलोत)
 प्रिधीराज वीरसलपुर राव ती. ३७
 प्रियु प. ७८
 प्रेतारप दू. ६
 प्रेमचंद प. ३१९
 प्रेम मुगल प. २४४
 प्रेमसाह प. १३१
 प्रेमसिंध प. ३२१, ३२८
 फ
 फर्तसाह ती. २७६

कतैसिध प. २५, १३३, ३०६, ३११,

३१८

„ दू. ६५

„ ती. २२३, २२४, २२५, २३१,

२३२, २३३, २३४, २३५

कतैसिध कितोरदासोत प. ३०७

कतैसिध लाडखान रो प. ३१८

कतैसिध विजैसिधोत दू. ११०

कतैसिध हररामोत प. ३२४, ३३५

कदनखा ती. २७५

करसराम प. ६६, ३०७, ३२३

करसराम उदैसिधोत प. २१, ३०८

करसराम कचरावत प. ३१६

करसराम सिदावन रो प. ३०७

करसो प. १२१

करसो सुजा रो प. ११६

करीब खोल ती. २७६

करेखान (करेवान) प. २६२

कावंस ती. १७३

किरोजशाह बाबशाह दू. १०

„ „ ती. १८४

फुंदो कांघड़ प. २०३

फूल दू. २२२, २३३

फूल जाड़ेखी छाहर रो दू. २०६

फूल जाड़ेखी घवल रो दू. २२५, २२६,

२२७, २२८, २२९, २३०, २३१,

२३३

फुलाणी दू. २३३

ब

बंध प. ३३८

बंध राजा प. ३३६

बंधाहत प. ३३८

बंध दू. २१५

„ ती. १८०

बंभणिपो जाम दू. २२४

बंभ राजा (भारवणी रो बाप) प. २६३

बंभेसर दू. २१५

बहुर्व राजा ती. १८६

बद्री तिरमणोत प. ३२३

बद्रीदास प. ३०६

बल प. ११६, १३५, २४७

बलकरण प. १०१

„ ती. २२१

बलकरण जगनाथ रो प. ३०२

बलकरण नरहरदास रो प. ३०८

बलकरण पूरा रो प. ३४२

बलभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७,

३२६, ३५६

„ दू. ६०, २६४

„ ती. २२८

बलभद्र नरसिधदास रो प. ३२०

बलभद्र सारायणदासोत प. ३२४, ३२६,

३२७

बलराम प. २८, ३०६

„ ती. २३६, २३७

बलराज प. १००

बलराज तेजसी रो प. ३५७

बल राजा प. १६०

बल लाखण रो प. २५०

बलवीर प. १२६

बलसोही राव लाखण रो प. १७२, २०२.

बलाहक राजा ती. १८७

बलिकरन पुरावत दू. १७२

बलिपाल प. २८६

बलिभद्र प्रथोराज रो प. २६०

बलिभद्र बांकड़ो राजा प्रथोराज रो

प. ३०७

बलिराम करसरामोत प. ३१६, ३२३

बलिराम भगवंतदासोत प. ३००

बलि राजा प. १६०

बलि राव साखण रो प. २३०
 बली प १०० (दे बलि राव साखण रो)
 बलीराम नरसिंघदासोत दू. १८३
 बलू प २५, ६८, ३०७, ३०८, ३१२,
 ३२५, ३२६, ३४१
 , दू ६४, १२४, १२८, १२९, १३१,
 १३२, १४३, १४४, १७४
 बलू उर्दभांगोत देवडो प. ३२
 बलू कागहाबत
 बलू केसोत दू १८८
 बलू छहृषाण प. ६३
 बलू जसवंतोत दू १४८
 बलू जेमल रो प. ३१७
 बलू राव प २२७, २२८
 बलू सकताबत प. २७
 बलू साबतसीमोत प २३४
 " " ती २१७
 बलू साबलदासोत दू १७६
 बलू साङ्गोत दू १६४
 बलू सुरजनीत दू १८५
 बलू सुरतांगोत दू १५०
 बलू हुल प २७६
 बहलीम प २२८
 बहलील लोदी पातसाह ती. २७३
 बहलील सुलतांग ती. १६०
 बहवन मोलरा रो प. ३३३
 बहादर प ६२ दे० बाहदर
 बहादर पातसाह प २०, ४६, १०६
 " " दू. २६२
 " " ती ५५, ५६
 बहादर राजा प. २०, २६८
 बहादुर प २६२
 बहादुरसाह बाबदाह दे० बहादर
 पातसाह ।
 बहादुरसिंघ ती. २२३, २२७, २२९
 बहादुरसिंघ राजा (किशन०) ती. २१७

बहिराम सुलतांग ती. १६२
 बहुवं राजा ती १८६
 बांगण ती. २२१
 बागण जसहडोत दू ३६, ४३, ५४
 बांगो हाडा रो प. १०१
 बाकलियो दू २५७
 बागण दे० बागण ।
 बागुल घुघमार रो ती. २१८
 बाघसिंघ (नीवा) ती. २२५
 बापो लगा रो प. ३४३
 बापो राव ती. २२२
 बापो रावज प. ३, ४, ७, ८, ११, १२,
 ७८
 बापो रावज दू १, १०, ३३
 बाघर पातसाह प. १६
 " " दू २६२
 " " ती १६२
 बाबूराम रायसल रो प. ३२४
 बाजग पाच रो प २६१, २८०
 बाळनाय जोमी प ३५१
 " " ती १०३, १०७
 बाळप सोळकी प २८०
 बाळबघ सालवाहन रो ती ३७
 बाळव ती ३७
 बाळबघ नी. ३७
 बाळव भाट प ३६३
 बालहराव राणो मोहिल ती १७०
 बालो प ५० ६७, ११६
 बालो उदैकरणोत प. २६५, २६६,
 ३१३, ३१८
 बालोजी प २६४
 बालोजी जगनाथ रो प ३०२
 बालो भोजा रो प ११६
 बालो राव दू ६५
 बालो सेलहय प. १५३
 बाहड घरणीवराह रो प. ३३७, ३३८

बाहवर प. ३२८ दे० बहावर
 बाहुक तो. १७८
 बाहेली गूजर दू. ५५
 बिचपसाव रावळ प. १२
 बिजड़ प. १३५
 बीका राव } दे० बीको राव ।
 बीकाजी राव }
 बीज प. २५८, २६३, २६४, २६७,
 २६८, २६९
 बीज राजा तो. १८५
 बीबी प. १२४
 बीभी जांम दू. २५४
 बीरसीह रावळ प. १२
 बुकण भाटी-प्रभोहरियो दू. ३०२
 बुद्धसेन राजा तो. १७५
 बुध दू. १, ६, ११, १५, १६, १४०
 बुध ईश्व (बुधईस) तो. १७६
 बुधरांम प. ३०८
 बुधसिध प. ३०८
 " तो. २३२
 बुधसिध जगतसिध रो दू. १०६
 " " तो. ३६, २२०
 बुधसेन प. २६२
 बुलाकी प. २६८
 बुल्लो बारहुठ दू. ३८, ७४
 बुल्लो धांछोत तो. ५६, ६२, ६४, ६५,
 ६६, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९
 बुधनो दू. २५४, २५५
 बुहड़ मंडलीक प. १२३
 बुजो बूंडा रो प. ३५१
 बुटी दू. ६
 बुढी भाळरोत प. २४५, २४७
 बुढी रांणो तो. १५८, १७१
 बुहड़ बुठ दू. ६३
 बुहड़ सोलंकी प. २८०
 ब्रह्मदेव रांणो दू. २६४
 ब्रह्मरिष प. २६१

ब्रह्मान्य प. ७८
 ब्रह्मस (ब्रह्मश्व) प. २८७
 ब्रह्मानखां तो. ५७
 भ
 भईया दू. १, ११
 भगवंतदास प. ३२६
 " तो. २२६
 भगवंतदास राजा भारमलोत प. ११२,
 २६१
 भगवंत राव प. १३१
 भगवंतसिध प. १४, १५
 भगवंतसिध तो. २२५, २३३
 भगवान प. २६
 " दू. ७७, ८१, ८६, १२२, १२८,
 १७७
 भगवान किसनावत दू. १६१
 भगवान मेघराज रो प. ३५६
 भगवान सोढो प. ३६१
 भगवानदास प. १३०, १६०, १६३,
 १६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२९
 भगवानदास दू. ६८, १२६
 भगवानदास अलंराजोत दू. १५२
 भगवानदास कल्याणमलोत तो. २०६
 भगवानदास गोपाळवासोत दू. १८६
 भगवानदास दयाळदासोत दू. १४७
 भगवानदास नारणदासोत दू. १८७
 भगवानदास फरसरांम रो प. ३१६
 भगवानदास (भूकरो) तो. २२३
 भगवानदास रामचंदोत दू. १५६
 भगवानदास राजा फछवाहो दू. १४५
 भगवानदास राजा भारमलोत प. २६१,
 २६७, ३०२
 भगवानदास रायसिधोत दू. १२५, २५५,
 २५६
 भगवानदास लूणकरणोत प. ३२०
 भगवानदास धीरमदेओत दू. १६६

भगवानदास सीहावत दू १२४
 भगवान सकतावत प २७
 भगवान हरराजोत दू ६६
 भगीरथ प २८८
 भइ लखमसी राणो प १५
 भइसी कुतल रो, कछवाहो प २६५
 २६६ ३३०
 भइसूर रायल दू ७६
 भवो पचापलोत प २१, २०७
 भवो सावतसी रो प २००
 भरत ती १८०
 भरपरी प ३३६
 भरमो घाढो दू २४२
 भरमो बहुवाण प १७२
 भरह राणो प १२३
 भरक ती १७८
 भव ती १७६
 भवणसी जाभरण रो दू ३८
 भवणसी भूवर रो प १६
 भवणसी (भीमसी) राणो प १५
 भवणसी राणो ती २३६, २४७
 भवनो रतनू दू १४
 भवसी राणो प १५
 भवानीसिध ती २२३, २३२, २३७
 भाडो जैतावत दू ६६
 भाडो जैता रो प- १०२ १०६
 भाण प २२, १२०, १४१ १८६, २३५,
 २३७, ३६०
 , दू १२२, १४३
 " ती ८७, ८८
 भाण अखैराज रो प २०७ २०६, २१०
 भाण अभावत पडिहार प १५२
 भाण कल्याणमलोत ती २०६
 भाण खीवा रो प ३६०
 भाण जेसावत दू. १५० १५१
 भाण भूलो चारण प ८६, ८८

भाण तेजमालोत दू १२४
 भाण दुजणसाल रो प ३५५
 भाण दूदा रो प ३६१
 भाण नारणोत दू ६६
 भाण (भेऊ) ती २२६
 भाण मनोहरदासोत दू १६७
 भाण मोटल रो प ३४१
 भाण रायमलोत दू, १८६
 भाण रायसिधोत दू १६४
 भाणराव भोजराजोत दू १३७
 भाण रिणधीर रो प १४२, १५८
 भाणल दू ६१
 भाण वाडेल दू २२०
 भाण सकतावत प २६
 भाण बहुसावत दू १८६
 भाण साईदासोत दू १७६
 भाण तिघोत दू १६३
 भाण सीहावत दू १२४
 भाणौ बाणल प २२५
 भाणो मीसण-चारण प १०५, १०६
 भाणो सीसोदियो प १११
 भाण प्रतदिब रो प २८६
 भानीदास प २७६
 , दू ११, ८० ६२, ६३,
 १३६, १६३
 " ती २२०
 भानीदास कां ह रो दू ८८
 भानीदास दुजणसलोत दू १२८ १२६,
 १३२
 भानीदास घरनांगोत दू १६१
 भानीदास वीरमदेघोत दू १६८
 भानीदास (भवानीदास) वीरसलपुर राव
 ती ३७
 भानीदास हरराजोत ती ३५
 भानीदास हमीर रो प ३४३
 भानीसिध ती २२३, २२८ २३७

भांनो दू. १६६

भांनो खेतसी रो प. ३६०

भांनो जोगा रो प. ३५७

भांनो रावत प. २७, ६४, ६५

भांनो सोनगरो ती. ४१, ४२, ४३, ४४,

४५, ४६

भांमो साहू ती. १२३

भाखर प. २४१, २४७

„ दू. ७६, १६८

भाखर रानो प. १५, २३१

भाखरसिध ती. २३६

भाखरसी प. २७, १५६, १६६, ३६१,

३६३

„ दू. ११, १७८, १६६

„ ती. २३६, २४०, २४१

भाखरसी कल्याणमलोत् ती. २०६

भाखरसी खंगारोत् प. ३०६

भाखरसी जसवंत रो प. २०८

भाखरसी वासावत प. १६३, १६६, २३७

भाखरसी दूसावत दू. १६७

भाखरसी भांनीदास रो दू. १६८

भाखरसी महिकरन रो प. ३५६

भाखरसी रायपाळोत् दू. १५२

भाखरसी वैरसल रो प. ३६३

भाखरसी सावुळोत् दू. १६६

भाखरसी हरराज रो दू. ६८

भागचंद दू. ८०, १२४, १४२, २०१

„ ती. २२८

भागचंद जैतावत दू. २००

भागचंद हाडो प. १०१

भागस सकता रो प. १६८

नागादिष प. १०

भागीरथ प. ७८, २६२

„ ती. १७८

भाडी द. ६, १६

भाडी सालवाहन रो ती. ३७

भादू रावळ प. ५, १२

भादो नारणवासोत् दू. १८८

भादो भोजा रो प. ३५४

भादो मोफळ रो ती. ११६

भादो रावळ प. ७८

भाद्रावळ जोगी दू. २१६

भानू ती. १७६

भानुमान ती. १७६

भानाशाह दे० भांमो साह ।

भायसिंह ती. २२६, २२८, २३०

भारतसिध ती. २२६, २३५

भारथचंद्र राजा प. १२६

भारथसाह प. १२६

भारथसिध प. २६८

भारथी प. ३०७

भारद्वाज ती. १५४

भारमल प. १५६, १६६, १७१, २०५,

३०६

भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६

भारमल जयमालोत् ती. ३, ४

भारमल जोगावत ती. ३१

भारमल प्रथीराजोत् प. २६०, २६१,

२६७

भारमल भंक रो प. ३२५

भारमल राजा ती. २१७

भारमल राजा प्रथीराज रो प. २६१

भारमल रावळ प. ३५६

भारमल वीकावत प. २००

भारमल सांगावत प. ३६०

भारमल सेखा रो प. ३२८

भारमल सोम रो प. १६६

भारो दू. २०६, २१५

भारो साहिब रो दू. २५३, २५५

भालो रावळ प. ७६

भावसिध प. २७, १०२, ११३, १६०,

३०४, ३२४

भार्गसिध दू ६३, १६६, २६३
 ,, ती २३७
 भार्गसिध कान्होत दू १५०, १८४
 भार्गसिध मानसिध राजा रो प २६१,
 २६७, २६८, ३१०
 भार्गसिध राजा दू १४७
 भार्गसिध सेखा रो प ३१७
 भासादित प ७८
 भीमो प १६२
 भीम प २६, २७, ३२६, ३४१, ३४३
 , दू. १, ७७, ८१, ६६ ११६, १५१
 भीम करणोत प २३५
 भीम करमा रो प १६५
 भीम कल्याणदासोत दू १६६
 भीम कूभाबत प २३६
 भीम जगमाल रो प ३२६
 भीमड पुजन रो प. २६४, २६६ ३३२
 भीम डोडियो प ६२
 भीम दूबाबत दू १६३
 भीम देवडो प १६६
 भीम पचाइण रो दू २५५
 भीम प्रधीराज रो प ३१५
 भीम प्रागदासोत दू १८३
 भीम भगवतदासोत प २६१
 भीम राणाबत प १६६
 भीमराज दू १२४, १२८, १७८
 भीमराज प्रधीराज रो प ३०२
 भीमराज मेळाबत दू १६६
 भीमराज साबा रो प ३६२
 भीमराय प १३१
 भीम रावळ दे० भीम रावळ ।
 भीम रुघनामोत दू १६०
 भीम बाघ रो प २०८
 भीम साबतसोमोत प २३४
 भीमसिध परसोतम रो प ३२३
 भीमसी प २६०

भीमसी राणो दे० भवणसी राणो ।
 भीम सीहद रो प ३४३
 भीम सुरताणोत दू १७१
 भीम हमीरोत दू. २०६, २११, २१२,
 २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
 भीमो दू ७८, १६६
 भीमो साढाबत प २४३
 भीमो साहणी दू १६६
 भीमो प २०५, २६०
 भीम प ५७, ५८, ५९, १०६, १५६,
 २६०
 ,, दू २११
 भीम ईसर रो प १२१
 भीम खगार रो प ३६३
 भीमखद राजा ती १८८
 भीम खडोत (खूडाघत) दू ३१०, ३४२
 ,, ,, ती ३१
 भीम जसहडोत दू ७३
 भीम जेठवो दू २२०
 भीमदे प २६१
 ,, ती २२१
 भीमदे आसकरणोत दू ५७ ५६, ६०
 भीमदे नानग सुत प २६०
 भीमदेव लघु ती ५१
 भीमदेव बृद्ध ती ५१
 भीमपाल प २६०
 भीमपाळ छत्रमणोत ती २१३
 भीम मेघराज रो प ३५६
 भीम राणो आसो दू २६४
 भीमराज ती २२५
 भीम राजा प ३०
 ,, , ती ५२
 भीमराव जैनसिधोत ती २०५
 भीम रावळ हरराजोत दू १, ६, ११,
 १४, १५, ६४, ६८, ६९, १००,
 १०१, १०२

भीम रावळ हरराजोत ती. ३५
 भीम बडो दू. २०६
 भीमसिंघ ती. २२५, २२८
 भीमसिंघ महाराजा ती. २१३
 भीमसिंघ रावळ प. ८७
 भीमसी रांगो दे० भवणसी रांगो ।
 भीमसोळकी प. २८०
 भीमो दू. ३४२
 भीमो रावत दू. ८६, ८७
 भूहसाजळ साहजी प. १५
 भुजबळ रतना रो प. १६४, १६५
 भुजो संधायच दू. ३३६
 भुटो दू. २१, २२
 भुणंगसी रांगो प. ६
 भुणकमळ दू. २, ३८, ३९
 भुधनसिंघ प. ६
 भूधर दू. १६८
 भूपमीच प. २८६
 भूमानि प. २८६
 भूषड राय ती. ५१
 भूवर प. १६
 भोटो दू. ८१
 भैरव प. २३२, ३१३
 भैरव दू. ६६, ६७
 भैरव कवि प. ७
 भैरवदास प. २१, १११
 „ दू. ८८, १२४, १८२, २००
 भैरवदास जेतावत दू. १५३, १७८, १६२
 भैरवदास देवडो प. १५३, १५४, १५५
 भैरवदास मरोटघाळो दू. १२०
 भैरवदास मेळावत दू. १६६
 भैरवदास रांगो दू. ६४, ६८, ६९
 भैरवदास वेणीदासोत दू. १६८
 भैरवदास सोळकी नाथावत प. ५०
 भैरव देवडो प. १६६
 भैरव भांना रो प. ३६०

भैरव राव प. २३२
 भैरव प. ३१३
 भैरवदास जैसिंघदेवोत प. २३८
 भैरव सुजा रो प. ३२५
 भोंसला शाहजी दे० भूहसाजळ साहजी ।
 भोभो नाई प. २४८, २४९
 भोगादित प. ३, १०, ७८
 भोगादित्य दे० भोगादित ।
 भोज प. २८, ७६, १११, ११२, ११६,
 १५३, १६०, २०५, ३६२
 भोज दू. १, ३
 „ ती. २२१
 भोजदे प. २३१
 „ दू. ८२, ८३
 भोजदे गांगा रो प. ३५६
 भोजदे रावळ विर्जराव रो दू. ३३, ३४,
 ३५
 भोज पंधार प. २६३
 „ „ ती. २८, १७५
 भोज पंधार सिधलसेन रो प. ३३६
 भोजराज प. २१, १६३, ३०६, ३२३
 „ दू. १३८, १८६, १६६, २०६,
 २१५, २५६
 „ ती. २२५, २२६
 भोजराज अखैराजोत प. २०८, २१२
 भोजराज उर्देसिंघ रो प. २१
 भोजराज कांन्ह रो प. ३५३
 भोजराज चंद्रसेन रो प. ३५५, ३५६
 भोजराज जगनायोत प. २०६
 भोजराज खसंतोत दू. १७०
 भोजराज जीवा रो प. २४१
 भोजराज जैतसिंघोत ती. २०५
 भोजराज नीबावत दू. १५४, १६२
 भोजराज पंचाइन रो प. २३७
 भोजराज मालदेप्रोत दू. १७८, १६३
 भोजराज रानवे रो प. २६४, २६६,
 ३३२

भोजराज षाघोत दू १७६
 भोजराज राणो प १७२
 भोजराज रायसलोत प ३२१, ३२२
 भोजराज रूपसी रो प ३०५, ३१२
 भोजराज सावळदासोत दू १७४, १७६
 भोजराज साला रो प ३४१
 भोजराज सिघोत दू १६४
 भोज राव दू १७१
 भोज विजराय साजा रो ती २२२
 भोज सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८,
 २६९, २७२
 भोजादित प ३, ७८
 भोजा इत्य प १२
 भोजो प ११६, २४०
 „ दू ८०, ६६ १६४
 भोजो कूमा कापळिया रो प. २४६, २५०
 भोजो जोषावत दू १७७
 भोजो डेपावत प २८४, २८५
 भोजो साडा रो प ३५४
 भोजो सोढो प ३६१
 भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६,
 १६४, २३७, २३८, २४२, २६१
 „ दू ८१, ८२, १२३, १६६, २६४
 भोपत ऊहळ गोपाळदासोत दू. ६६
 भोपत कचरावत प ३१६, ३१७
 „ „ दू १८५
 भोपत चकतो ती ३७
 भोपत जसवत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०
 भोपत पतावत दू १६०
 भोपत भारनल रो प २६१, ३०२
 भोपत माडणीत प ३५४
 भोपत मोनावत दू १७६
 भोपत राम रो प ३५८, ३६०
 भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८
 भोपत रायसिघोत दू १०७
 „ „ ती. २०७

भोपन राहडोत दू ३२
 भोपत तिलमोदासोत दू १६६
 भोपत सहसावत दू १७६
 भोपत सावळदासोत दू. १७४
 भोपतसिघ प ३२२
 „ ती २२७, २३०
 भोपत सिघोत दू. १६३
 भोपत सोढो प ३६१
 भोपाळ प ६८
 भोपाळ दू ६१
 भोमपाळ राजा ती १८८
 भोमसिघ ती २२५, २२६, २३२
 भोमसिघ साडूळसिघोत ती. २१३
 भोवड प २५६
 भोवडराज प २५६
 „ ती. ४६
 भोवो बाई प २४८, २४९
 भोहो तेजपाळ रो प. ३३६
 भ
 भगळराय मन्मथराव रो दू ६, ११, १५
 १६, ३१
 भगळराय, रावळ वछु रो दू १४०
 भन्मथराव दू १, ६, ११, १५, १६
 १४०
 भडलीक दू ८८, २६३
 भडलीक बहुयाण ती ३
 भडलीक जगमासोत ती ३, ४
 भडलीक राव (वंरसलपुर) दू १२१,
 १२६, १३०
 भडलीक राव (वंरसलपुर) ती. ३७
 भडलीक सरवहिणो दू २०२, २०३,
 २०४, २०५, २०६
 भक राणो दू. २६५
 भजाहिक्ता प १३६
 भगुरादास प. ३०८
 भदनपाळ राजा ती. १८८
 भदनसिघ प. २५, ३१०

ती. २२३
 मदनसिंघ फरससिंघोत ती. २०८
 मदनसिंघ फरसरांन रो प. ३२३
 मदनसिंघ सेखा रो प. ३१७
 मदनो प. १४६
 मदनफरखान ती. ५३
 मदो रामदास रो प. १६७, १६८
 मधु दू. ३
 मधुकरसाह गतापद्ध रो प. १२६, १३०
 मधुकौटभ प. ४७
 मधुकौटभ दैत्य दे० मधु कौटभ
 मधु रांणो परमार ती. १७५
 मधु राजा परमार ती. १७६
 मधुवनदास प. ३१०
 मधुसूदन प. १३३
 मनदेव प. २८६
 मनमोहियो टुंम दू. २३२, २३३, २३४
 मनरदास ती. २२३
 मनरांम (खनावड़ी) ती. २३६
 मनरूप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६
 मनरूपसिंघ प. ३००
 मनरूप (हरदेसर) ती. २३२
 मनहरदास (फल्यांनसर) ती. २३४
 मनहरदास (जीळी) ती. २३३
 मनहरदास (जैतपुर) ती. २३०
 मनहरदास (लखमणसर) ती. २३३
 मनहरदास (सांठघो) ती. २३२
 मनु प. २८७
 मनोरदास नरहरदासोत प. २३८
 मनोहर प. २३, २७६, ३१६, ३४३
 " दू. ७८, ८५, ८८, ९०, ९६,
 १२२, १७६, १७८
 मनोहरदास प. ६, १६५, ३१८, ३२७,
 ३४२
 मनोहरदास दू. १२०, १२६, १६१,
 १६७, १८६, १९४
 मनोहरदास ती. २२३

मनोहरदास अखैराजीत दू. १५२
 मनोहरदास उर्वसिंघोत दू. १८८
 मनोहरदास फलावत दू. ६, ११, ६२,
 १०२, १०३, १०४, १८२, १८४
 मनोहरदास खंगारीत प. ३०५
 मनोहरदाम जसूतोत दू. १७०
 मनोहरदास नायायत प. ३१०
 मनोहरदास पातळोत दू. १६४
 मनोहरदास पिरागदासोत दू. १७१
 मनोहरदास रावळ प. ३५६
 " " ती. ३५
 मनोहरदास खर रो प. ३१६
 मनोहरदास सांघळदास रो प. ३४२
 मनोहर राव प. २७६, ३१६
 मनोहर रावळ दू. ७७, ८०
 मनोहर रूपसी रो प. ३४३
 मनोहर (सिंघराव-भाटी) दू. १०७
 मनोहर सोढो प. ३६१
 मनोहर प. २३७
 ममारखसाह सुलतांण ती. १६१
 नमूसाह अमराव प. २१८, २१९
 नयलसी रावळ प. ७६
 नरीच प. ७७, २८७, २९२
 नरीच रांणो दू. २६५
 नरीचि ती. १७५
 नर राजा ती. १७६, १८५
 नरदेव ती. १७६
 नरनादित्य प. १०
 नरकंवर ती. २७६, २७८, २७९
 नरलिक दू. ४८
 नरलिक अंवर दे० नरकंवर ।
 नलीनाथ रावळ ती. २७, ३०, २५१,
 २५२, २५५, २५६
 नलूकचंद राजा ती. १८८
 नलूखा राजा प. १३०
 नलेसी डोडियो ती. १३४, १३५

मलेती पुजनराय रो प २६०, २६४,
२६६, ३३२

मलो सोळकी प. ३४२

मलो सोळकी दू. १५३

मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ ।

मल्लीनाथ राव दू. २४८, २८१, २८२,
२८३, २८४, २८५, २८७, २८८,
२८९, २९०, २९१, २९६, ३००,
३०७, ३०८, ३०९

मल्लीनाथ रावळ दू. १३० (दे० मली-
नाथ रावळ)

महेंद्रराव प. १७२, २३०, २४७, २५०

महिकरण राणावत प. २३३

महड दू. २१५

महड कनड दू. २३८

महणती प. १३४, १३५, १६९, १८७

महेंद्रराव प. १०१

महेंदसी प ३४३

महपाळ राणो (परमार) ती. १७५

महपो पमार (परमार) दू. ३३८, ३३९,
३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)

महपो पमार (परमार) ती. १७६
(दे० महिपो पवार)

महमद प. २६२

" दू. ३४३

" ती ५४, ५५, ५७

महमद भालो दू. २५८

महमद पातसाह ती. १, २, २८

महमद बेगडो प २६२

" दू. २०२, २०३, २०४, २०५

" ती. २५, ५६

महमदअली सुलतान ती १९२

महमदखान ती. ५३

महमदसाह ती १९१

महमदी आदल सुलतान ती. १९१

महमूद प. २६२

महमूद बेगडा वादशाह—दे० महमद बेगडो

महर जाडेचो दू. २०९

महरावण प. ३६१ (दे० महिरावण)

महरावण तिलोकसी रो दू. १६२

महाजोष राजा ती. १८७

महानंद प ७८

महाबळ राजा ती. १८७

महामति प. ७८

महायश ती. १७८

महारिख रिखेस्वर प १९३

महार्तिष प. २८, ६६, ६६, १२५, ३२३,
३२८, ३२९

" दू. ६३, २६३

" ती २२०, २३६

महार्तिष ईसरदासोत दू. ६५

महार्तिष अग्रसेन रो प ३१९, ३२२,
३२४

महार्तिष कदनाही मानसिघोत दू. १३३

महार्तिष जगतसिघोत प २६१, २६७

महार्तिष राजसिघोत प. २०९

महार्तिष राव प. २८१

महेंद्रराव प २०२ (दे० महेंद्रराव)

महिकरण प. ३५७

महिकरण कूभा रो प ३५६

महिपाळदे ती ५२

महिपाळ राजपाळ रो ३४४

महिपाळ राजा ती १८८

महिपाळदे मोडो सला रो प २४७

महिपो बेल्हा रो दू. ११२

महिपो केहर रो दू. ७७, ७८

महिपो चहुवाण प ११९

(दे० महिपो चहुवाण ?)

महिपो पंवार प १६, १७

(दे० महपो पमार)

" दू. ३३८, ३३९, ३४०, ३४१

(दे० महपो पमार)

" ती १, २, १३४, १३५, १३८,
१३९, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)

महिपो भुवर रो प. १६

महिमडल-पालक ती. १८०

महियो चहुवाण प. १७२

(दे० महिपो चहुवाण ?)

महियो सीसोदियो प. ६२

(दे० महिपो सीसोदियो ?)

મહિરાંવણ દૂ. ૮૮ (વેં મહિરાંવણ)
 મહિરાંવણ જોધા રો દૂ. ૧૧૭
 મહિરાંવણ ઘાધેલો પ. ૨૨૬
 મહિલૂ પ. ૨૮૧
 મહીકરણ નારણ રો પ. ૩૫૮
 મહીવાસ પ. ૭૮
 મહીપાલ પ. ૨૮૬
 મહીપાલ રાજપાલ રો પ. ૩૩૬
 મહીવિષ પ. ૩૩૬
 મહીરાવ પ. ૧૩૫
 મહીરાવણ વૈરસલ રો પ. ૩૬૦
 મહેવર પ. ૪
 મહેંદરાવ પ. ૧૮૬ (વેં મહિંદરાવ)
 મહેંદ્રાવિષ્ય પ. ૧૦
 મહેસ પ. ૮, ૨૨, ૧૬૪, ૨૦૧, ૨૩૫,
 ૨૪૦, ૩૬૦, ૩૬૧, ૩૬૨
 મહેસ દૂ. ૮૪, ૧૦૦, ૧૦૪, ૧૮૩, ૧૬૭,
 ૧૬૬
 મહેસ કરમા રો દૂ. ૮૦
 મહેસ કલાવત પ. ૩૫૪
 મહેસ ઘડસી રો દૂ. ૧૮૬
 મહેસ જીવા રો પ. ૨૪૧
 મહેસ ઠાકુરસી રો પ. ૩૬૦
 મહેસવાસ પ. ૧૩૫, ૧૭૬
 „ દૂ. ૬૫, ૧૮૪, ૨૬૩,
 મહેસવાસ શ્રવલ્લવાસોત દૂ. ૧૫૬
 મહેસવાસ બ્રાહ્મી કિસનાવત દૂ. ૧૫, ૨૬૫
 મહેસવાસ કલાવત દૂ. ૧૮૪
 મહેસવાસ લેતસી રો દૂ. ૧૨૩
 મહેસવાસ ગોપંદવાસોત દૂ. ૧૫૦
 મહેસવાસ જગદેવોત દૂ. ૧૪૦
 મહેસવાસ વલ્લપતોત પ. ૨૩૪, ૨૪૬
 „ „ દૂ. ૧૭૭
 મહેસવાસ પીયા રો પ. ૩૩૦
 મહેસવાસ રાષ સૂરજમલોત દૂ. ૬૦
 મહેસવાસ રૂપસીમોત દૂ. ૧૪૮

મહેસવાસ લલાવત દૂ. ૧૬૧
 મહેસવાસ લૂંકરણોત દૂ. ૬૦
 મહેસ પ્રતાપસિધોત તો. ૧૫૨
 મહેસ ભૈરવ રો પ. ૧૬૬
 મહેસ માંનાસિધોત પ. ૩૫૬
 મહેસ સાર્દિવાસોત દૂ. ૧૭૬
 મહેસ સેલાવત દૂ. ૧૭૩
 માંલણ સંઘ પ. ૨૭, ૬૫
 માંગલ પ. ૨૬૩
 માંગલરાય પ. ૨૮૬
 માંજો ચૂંટાવત પ. ૬૬, ૭૦
 માંટણ પ. ૨૪૩, ૩૬૧, ૩૬૨
 „ દૂ. ૧૪૩, ૧૭૦, ૧૭૨, ૧૮૨,
 ૧૮૪
 માંટણ ઋહડ પ. ૨૪૩
 માંટણ ઋહડ ગોપાલવાસોત દૂ. ૬૬
 માંટણ કૂંવાવત દૂ. ૧૮૧, ૧૮૭, ૧૮૬
 „ „ તો. ૧૨૩, ૧૨૪, ૧૨૫,
 ૧૨૬, ૧૨૮, ૨૭૪
 માંટણ લાંટ તો. ૫૬
 માંટણ જોધા રો પ. ૩૫૭
 માંટણ રાંણાવત પ. ૨૩૬
 માંટણ રણાવત સાંલસો તો. ૩૧
 માંટણ વૈરસી રો પ. ૩૫૬
 માંટણ સકતાવત પ. ૨૭
 માંટણ સીહડ રો પ. ૩૪૧
 માંટણ સોહો દૂ. ૮૨, ૮૩, ૨૬૨, ૨૬૩
 „ „ તો. ૩૪, ૩૫
 માંહો પ. ૬૬
 માંહો જૈતસી રો, રાંણો પ. ૩૪૧
 માંહો મુંહતો દૂ. ૧૩૫
 માંહો હરમમ રો પ. ૩૫૨
 માંખકરાવ આસરાવ રો પ. ૧૦૧, ૧૭૨,
 ૨૦૩, ૨૩૦, ૨૫૦, ૨૫૧
 માંખકરાવ પુનપાલ રો પ. ૩૪૬, ૩૪૭,
 ૩૫૩

माणकराव राजो मोहित दू ३२२, ३२३,
३२५

„ राजो मोहित ती १५८, १७१

माणकराव तियराज रो प ३५६

माणकराव सोढो प ३६३

माणल देवाइत दू १६

माघाता बकई ती १७८

माघाता बकईती ती १७८

मान प १०१

मान लीमावत दू ६, १३६, १६१

मान चहुवाण प ७४, ७५, ७६, ७७

मान तुघर, राजा ती १८३

मानघाता प ७८, २८७

मान घुरा रो प १०६

मान रांलो प २३१

मान लणबायो प २२४

मान बीरभाण रो प १२०

मान सांखळदासोत प ७३

मानसिध प १६०, ३१६, ३२८, ३२९

„ दू ८८ ६५, १२२, १२६, १७०,
१६२, १६४

„ ती २३०, २३१, २३२

मानसिध अर्सेराजोत प २०७, २०८

मानसिध ऊबावत दू १७३

मानसिध कछवाही प ३० ३६, ४०,

४८, १३३, २५५, २५६, ३०८,
३१३

मानसिध करणोत प ६३

मानसिध कांह रो दू १३६

मानसिध गामावत प ३५८, ३५९

मानसिध जंतसिधोत ती २०५

मानसिध जैमलोत प ६६

मानसिध आलो दू २४५, २४६, २४९

मानसिध तेजसी रो प ३२६, ३५४

मानसिध दुरगावत प ३२७

मानसिध भगवतदासोत प २१५, २५६,

०६१ ०६१०

मानसिध भाणोत प २६

मानसिध भाखरतो रो प ३५६

मानसिध मेहकरणोत दू १६३

मानसिध राजा प २६१, ३०८, ३
३४२

„ „ दू १४७

„ „ ती २१७

मानसिध राव प. १४२, १४३, १

१५०, १६१, १६५, १६६

मानसिध रावत, सोसोदियो प ६६,
६८

मानसिध राव दूबा रो प १३५ १

१३८, १३९, १४०, १४१

मानसिध रावळ प ७३, ७४, ७५,
७७

मानसिध राव (बैरसलपुर) ती ३

मानसिध राव सीरोही प० २२, २३,

मानसिध लखावत दू १६१

मानसिध सांखळदासोत दू १७४

मानसिध हाडो प ११७

मानो प २६, १४६, १५६ १
२३८, ३१२

„ दू ६६, ७७, १४३, २६४

मानो केसोदासोत दू १८८

मानो जीगा रो प ३५७

मानो दू परसोभोत दू १७६

मानो देवराज रो दू २०१

मानो मरबद रो प २४८

मानो नीबावत दू १५४

मानो मदा रो प १६८, १६९

मानो महिपद दू ६२

मानो राव प १४३

मानो रूपावत ती ८४

मानो लखमण रो प ३४१

मानो बीसळ रो प २००, २०१

मानो साईदासोत दू १७६

मानो सिखरा रो प १६५

मांनो सिवदासोत दू. १४४
 मांनो हमीर रो प. ३५८
 माखनखां सैयद दे० सांखण सैद ।
 माघ राजा परमार ती. १७६
 मायुर दू. ३
 माघवदास केसवदासोत प. २११
 (वे० माघोदास केसोदासोत)
 माघवदे प. ३३६
 माघव ग्राह्यण प. २६२, २७७
 " " ती. ५०, ५१, ५३,
 १८४
 माघव माघो राजा ती. १६०
 माघवसेन ती. १८६
 माघवाहित्य प. १०
 मावू भाटी दू. ५८
 माघो प. १६६, १६७, २४२, ३४७
 माघो काना रो प. ३६०
 माघो गिरधर रो प. ३४३
 माघोदास प. ३१३, ३२५
 " दू. ६०, ६२, ६६, १२२,
 १२३, १२५, १७०, १८४, १६१,
 २६३
 माघोदास कलावत दू. १६२, १८४
 माघोदास कान रो प. ३१४
 माघोदास केसोदासोत दू. १६३
 (वे० माघवदास केसवदासोत)
 माघोदास गोवालदासोत दू. १४६
 माघोदास छोटतरदास रो प. ३०८
 माघोदास नारणदासोत दू. १८८
 माघोदास राघोदास रो प. ३२८
 माघोदास धांकीदास रो प. ३५८
 माघोदास सुरताणीत दू. १७२
 माघो रिणमलोत दू. १६१
 माघो लाढखान रो प. ३२१
 माघोसिध प. २२, २५, ६८, ३०६,
 ३२६

माघोसिध ती. १७६, २२८, २३३
 माघोसिध कछवाहो दू. १५१
 माघोसिध जसवंत रो प. २०८
 माघोसिध जोधा रो प. ३५६
 माघोसिध भगवंतदासोत प. २६१, २६६
 माघोसिध मालदे रो प. ३१५
 माघोसिध सीसोदियो दू. २६३
 माघोसेन राजा ती. १८६
 माहू राणा रावळ रो प. १६६
 माल प. ३४३
 माल दू. २१५
 मालक खंराज रो प. ३३१
 मालण कचरावत प. ३५७
 मालण जैसा रो दू. १८१
 मालदे वे० मालदेव राव
 मालदे कचरावत प. ३१५, ३१६
 मालदे जैतसिधोत ती. २०५
 मालदे नाराइणदासोत प. २११
 मालदे (जीळी) ती. २३३
 मालदे परमार ती. १८३
 मालदे (पल्लू) ती. २२६
 मालदे भाटी दू. ६०, ६२, १०२, १३३
 मालदे मूखाळो सांवतसी रो प. २०४, २०५
 मालदे राव (राव मालदे राठोड़) प.
 ६०, ६२, १६८, २०७, २३३,
 २३८, २६७, ३१६
 " राव (राव मालदे राठोड़) दू. १६, १४,
 ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१,
 १६२, १६३, १६४, १७४, १७७,
 १८०, १६०, १६२, १६४
 " राव (राव मालदे राठोड़) ती. २८, ८६,
 ८७, ८३, ८४, ८५, ८७, ८८,
 ८६, १०१, १०२, ११४, ११५,
 ११६, ११७, ११८, ११९, १२०,
 १२१, १२२, २१५
 मालदे रावळ लूणकरणोत दू. ११, १३,
 १४, ८६, ८१, ८७, १०६

मासदे रावळ सुनकरणोत्त ती ३५
 मासदे राव (बंरसलपुर) दू १२१, १२२
 १५४
 „ राव (बंरसलपुर) ती ३७
 मासदेव राजा परमार ती १७६
 मासदेव राव गांगावत दू १३७, १३८,
 १५४
 मासदे सोडो प ३६१
 मास पवार प २८०
 माळीबास करणसिधोत्त ती २०८
 माळुजी ती २७६
 मालो प २७, ५०, १६८, १६९
 „ दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२
 मालो किसनावत दू १२४, १२५
 मालो चारण प १८४
 मालोमी रावळ दे० मलीनाथ रावळ
 मालो जोधावत दू १७७
 मालो देवराज रो दू १०४
 मालो रतनू-बारहठ दू ५४
 मालो रावत वृदा रो प १२४
 मालो रावत हांमा रो प १४६
 मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ
 मालो सिध रो दू २६२, २६४
 मालो सिलार रो प १६५
 मालो सुजावत प १४४
 मालो सेखा रो प १६५
 माल्हण सूर दू १५३
 माधल धरसडो दू २३२, २३३
 माहगराव गोदा रो प २५३
 माहप प. ५, १३, १४, ७०, ६०
 माहिसिध प ११६
 मित्राधरण प १२२
 मिरजो खान दे० खान मिरजो
 मिलक केसर दे० केसर मिलक
 मिलक खान प १४६, १४७
 मिलक खान हेतावत प २४६

मिलक बेग दू २६०
 मिलक भीर प. २३१
 मोर्या प १०१
 मोर गामरु प २१८, २१९
 मोर मलिक प २३१
 मुगवराय प १३३
 मुजपाळ हेमराजोत्त ती ३०
 मुघ प ११६
 मुघपाळ प ११६
 मुघ राणो दू २६५
 मुघ रावळ देवराज रो दू १०, १५,
 ३१, ३२
 मुकव प १६, २०
 „ दू ६६, १२३, १८० १६६
 मुकव ईसरबासोत्त दू ६४
 मुकवदास प १२५, २११, २१२, २३३
 ३०८, ३२०
 „ दू ८८, १७०, १६०
 „ ती २३५, २३६
 मुकवदास कचरावत दू, १७४
 मुकवदास जंतसिध रो प. ३०३
 मुकवदास नरसिधोत्त दू १८३
 मुकवदास भोपन रो प ३१७
 मुकवदास भाघोदासोत्त दू १४६
 मुकवदास सावळबासोत्त दू १७४
 मुकवदास सोसोदियो प १४८
 मुकवदास सुरताणोत्त दू १६०
 मुकवदास हरदासोत्त दू १६५
 मुकरवला ती २७७
 मुकुवसिध प. ११५
 मुकुद सुरताण रो प ३५६
 मुन्नपाळ प २६०
 मुगटमिण ताजखान रो प ३२४
 मुगलखान हसमाहसखा रो दू १०४
 मुथरादास प २५, ३१०
 मुथरो दू. १३२, १४२

मुखरो राणा रो दू. १०४
 मुखरो रायमसीत दू. १४४
 मुखरो हरायत दू. १४४, १४५
 मुदकर प. २६२
 मुदकरखान प. २२३
 मुद्राकर प. ११६, २६२, ३०२
 " दू. २४१
 " ती. ५५
 मुराद प. ३०५
 मुरादखान प. ३१
 मुरादवात प. ३०६
 " दू. १४६
 मुहमुद्दीन आदिल ती. १६१
 मुहम्मदशाह ती. १६१
 मूजो प. ३४६, ३४७, ३५२
 मूलक ती. १७८
 मूलदेव प. २६१, २६०
 मूलदेव लघु ती ५२
 मूलपसाव दू. २, ३६ ४३
 " ती. २२२
 मूलराज दू. ६२, १०६, १४४
 मूलराज बालुवय दू. २६६
 मूलराज बावडी दू. २६७, २६८
 मूलराज रावळ दू. १०, १४, ३६, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८,
 ७३, ७५, १०२, ११०, ११२
 मूलराज रावळ ती. ३३, ३४, १८३,
 २२०, २२१
 मूलराज लघु ती. ५१
 मूलराज वाघनाथीत ती. २६
 मूलराज वृद्ध ती. ५१
 मूलराज सोलंकी प. २६०, २६१, २६५,
 २६७, २६८, २६९, २७१, २७८,
 २८०
 मूलराज सोलंकी दू. २५८

" " (मूलदेव) ती. ४६
 मूलघो दू. २१५
 मूल सांगमरावोत ती. २८५, २८६,
 २८७, २८८, २८९, २९०, २९१,
 २९२, २९३
 मूल सेपटी प. २२६
 मूलो दू. १६८, २०१
 मूलो नीवायत दू. १५४, १६२
 मूलो प्रोहित ती. ६७
 मूलो रावत रिणघोर रो दू. ११७
 मूलो वंणावत दू. १६०
 मूसाखान दू. २५३
 मेघ दू. २०६, २६४
 मेघनाथ प. १०५, १०६
 मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०
 " दू. १२०, १६७, १७०, १८८,
 १८९, २०१
 मेघराज शर्खराजोत दू. १६२
 मेघराज गांगावत प. ३५८, ३५९
 (दे० मेघो गांगावत)
 मेघराज भालो-मकवाणी दू. २५६
 मेघराज दूवावत दू. १६२
 मेघराज राणो दू. २५७
 मेघराज रावळ दू. ६७
 मेघराज योरदासोत दू. १४५
 मेघराज हमीरोत दू. १७६
 मेघ रावत दे० मेघो रावत ।
 मेघवीसो ती. २०५
 मेघादित्य प. १०
 मेघो प. २०५
 मेघो कचरा रो प. १६६
 मेघो गांगावत दू. १००
 (दे० मेघराज गांगावत)
 मेघो नरसिंघदासोत ती. ३८, ३९, ४०
 मेघो भैरवदास रो प. २४१
 मेघो महेस रो दू. १०४
 मेघो राणा रो दू. १०४, १७२
 मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राय वसु रो ती १६१, १६६, १७१

मेढ कधवाहो प २६४

मेढारि राजा ती १८५

मेवनीमल प १२६, १३०

मेर प १७२

मेरादित्य प १०

मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५,
३५७

॥ दू ३३८, ३३९

॥ ती १३५, १३६, १३८ १४९

मेरो भ्रमच्छावत दू १८७, १८९

मेळो दू ८०

मेळो गजू रो प ३५६

मेळो सांगवत दू १६६

मेळो सेपटो ती २५८, २५९ २६०,
२६१, २६२, २६३, २६४, २६५

मेवादित्य प १०

मेहकरण प ३२०

मेहकरण तेजसीमोत दू १६३

मेहरो पालनसी रो प ३४०

मेहर वुरक दू ३१

मेहराज प २०

मेहराज धर्मेराजोत दू १७८

मेहराज गोपलदेमोत प ३४७ ३४८,
३४९, ३५०

मेहराज मंगळियाणी रो प ३४७

मेहराज बरसिध रो प ३१३

मेहराज साजलो ॥ ३१२, ३२६, ३२७

मेहराज सोढो प ३६१

मेहरो प. १६६, २००

मेहाजळ प १४५, ३६०

मेहाजळ केहर रो दू २, ६ ३८, ७८,
८१, १०७

मेहाजळ जगमाल रो प १६०, १६१

मेहाजळ नारणोत दू १७४

मेहाजळ रायपाळ रो प ३५१

मेहो प ३४१, ३४२, ३४३

मेहो तजसीमोत दू १६४

मेहो भागत रो प १६८

मंगळ प १६८

मंगळदे देवडो दू ६७ ६८

मंगळदे भाटो दू ५२

मंडो घोडा रो प ३४२

मंहदमती (महदमती) ॥ १५१

मंहपो राणी ती २३९

मंहरावण कांहावत प २३९

मंहरावण साईशासोत दू १७६

मोकळ प १०६, २०३

मोकळ (जेतळमेर) ती २२१

मोकळ वालें रो प ३१८ ३१९

मोकळ राणो प ६ १५, १६, ६१, ६२,
३४२

॥ राणो ती १२६, १३०, १३४,
१४१, १४६

मोकळ साळा राणा रो दू ३३४, ३३५,
३३७

मोकळसी जाडेचो ॥ २०६

मोकळ सोभम रो ॥ १००

मोलरो राजा प ३३५

मोजदीन सुतताण ती १६१

मोजदे जेंसिघदे रो प ३५२

मोदल प ३४१

मोटो राजा प

मोटो राजा ॥ ६०, ६३, ६६, १२४,
१२६, १३०, १३२, १४५, १४६,

१४४, १४५, १४७, १६३, १६४,

१६५ १६६, १७६, १७६, १८०,

१८१, १८२, १८४, २५६

(दे० जेंसिघ महाराजा)

मोटो दू ६६, १२३

मोड जाम दू २१४

मोडो रावन कुतल रो प १२४

मोडी मूळवांगी ती. ५, ६
 मोवर्तसिध ती. २२७
 मोरी प. ८, १२
 मोहकमसिध प. २४, २६, २६६, ३०५,
 ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४
 ,, ती. २३०, २३२, २३३
 मोहण प. २७, १६५
 ,, दू. ८८, ८९
 मोहण जोगा रो प. ३५७
 मोहण बहिषो ती. २७०, २७१
 मोहणवास प. ६६, १२५, १६७, ३०७,
 ३१६, ३२५, ३२७
 ,, दू. ६१, १२०, १३३, १६८,
 १७४, १७५, १७७, १६८
 ,, ती. ३६
 मोहणदास ईसरवासोत दू. ६४, १०६
 मोहणदास कल्याणदास रो प. ३१२
 मोहणदास गोपंदवासोत दू. १५५
 मोहणदास चतुरभुजोत दू. १८५
 मोहणदास जंतसी रो दू. १६४
 मोहणदास नरहरदास रो प. ३०८
 मोहणदास भगवानदास रो प. ३०२
 मोहणदास राजावत दू. ८२
 मोहणदास रूपसीओत दू. १४८
 मोहणदास सुरतांगीत प. ३०४
 मोहणसिध प. २५, २८, ६७
 मोहणसिध करणसिधोत ती. २०८
 मोहणसिध सुरते रो प. ३१
 मोहनराम प. ३१०, ३२०, ३२६
 मोहवतखान (मोहवतखान) प. २५, ३१,
 २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४,
 ३२१, ३२५
 ,, दू. ८०, ११६, १३१
 ,, ती. २४६, २७७, २७६
 मोहित रावळ प. ७८
 मोहिल प. ४५, ८६

,, ती. २५०
 मोहिल सुरजनोत ती. १५३, १५५, १५८
 मोजुद्दीन मुलतान दे० मोजुद्दीन मुलतांग

य

यमादित्य प. १०
 ययळ दू. १२४
 ययाति दू. ६
 यज्ञपाल रांगो परमार ती. १७६
 याकूतजा ती. २७६, २७६
 यादव दू. ६
 यामिनीभानु प. १३३ (दे० जांमणी भांग)
 युधिष्ठिर प. १६०
 ,, ती. १८५
 युवनश्व प. ७८
 युवनाश्व ती. १७७
 ,, द्वितीय ती. १७७
 योगराज ती. ४६
 योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २६२
 ,, ती. १७८
 रघोस प. २६२
 रजमाई प. २६२
 रजा वहादुर प. ३०४
 रत रावण इंद्रराय ती. १६६
 रणजय ती. १७६
 रणजीतसिध ती. २३२
 रणधीर प. १४२
 ,, दू. १७७, १६६
 रणधीर गाजणियो दू. २२१, २२२
 रणधीर चवंडे रो दू. ३०६
 रणधीर खाना रो दू. ११७
 रणधीर नायू रो दू. १६८
 रणधीर मूळावत दू. १३६
 रणमल जांम दू. २२४

रत्नमल नीचा रो दू. १६१
 रत्नमल बाघेलो दू. २५३
 रत्नसिंघ राजा ती. १६०
 रत्नसिंह दे० रंणसी राणो ।
 रत्नसोह दे० रंणसी राणो ।
 रत्न प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१,
 ३२३, ३२६
 „ दू. १४, ६०, ६५, ६७, १५७,
 १६६
 रत्न चारण दू. ३८, ७४
 रत्न जैतिघरे रो प. २३२
 रत्न बासे रो प. ३१५, ३१७
 रत्न महेसदासोत प. २४६
 रत्न राव प. ११३, २४६, २५६, २८३
 „ „ दू. १५८, १५९
 रत्न सुणोत बांभण दू. १६, २५, २६
 रत्न साँललो सीहद रो प. ३४२
 रत्नसिंघ ती. १८३, २२०, २२८, २३५
 रत्नसिंघ भाटी दू. ११०
 रत्नसिंघ महाराजा ती. १८०
 रत्नसी प. २७, १६५, १६६, १७२
 „ दू. ८०, ६३, ६८, १२४,
 १२६, १८५, १८८, २६३
 „ ती २२१
 रत्नसी अजैराज रो प. २०८, २१२
 रत्नसी अजैसी रो प. १४, १६, २०
 रत्नसी आलावत दू. १७६
 रत्नसी कमा रो प. ३५६
 रत्नसी गांगा रो प. ३५६
 रत्नसी चहुषाण ती १८३
 रत्नसी जंतसी रो दू. १८६
 रत्नसी नरहरदासोत दू. १५०
 रत्नसी नाढावत सीपळ ती. ४१
 रत्नसी भोंवरज रो प. ३०३
 रत्नसी भोंवसी रो प. २६०
 रत्नसी भोंघोत दू. १८३

रत्नसी महकरणोत प. २३५
 रत्नसी माला रो दू. १७८
 रत्नसी रांणो प. १६, २०, २१, १०४,
 १०५
 रत्नसी रांणो ती. ३४
 रत्नसी रांणो अमरा रो प. ३१
 रत्नसी रांणो जंतसी रो दू. ३, १०,
 ३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१,
 ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
 रत्नसी राजा प. २६०
 रत्नसी राव प. ६२, २६७
 रत्नसी राव काथळोत प. ६६, ६७
 रत्नसी रावळ प. ७६
 रत्नसी रावळ पवमणीवाळो प. १३
 रत्नसी राव साखण रो पीतरो प. १७२
 रत्नसी सुणकरणोत ती. २०५
 रत्नसी बीजा रो प. ३५८
 रत्नसी सांगावत प. १०२, १०३
 रत्नसी सिंहराज रो प. ३५६
 रत्नसी सोसोदियो प. ५०, ७४
 रत्नसी सीहद रो प. ३४०
 रत्नसी सेखा रो प. ३२७
 रत्नसी सोढो प. ३६१
 रत्नसेन प. १२६
 रत्नसेन रांणो ती. १८४
 रत्न हमीरोत प. ३०५
 रत्नो दू. १४५, १८८
 रत्नो गांगा रो प. ३४३
 रत्नो पीयावत दू. १६३
 रत्नो घोरम रो प. १६४
 रत्नो घोसा रो प. १६६
 रत्नो चंणा रो प. १६६, १६७
 रत्नो सकरोत प. २४३
 रत्नो साखलो प. १८, २८२, २८३
 रत्तो दू. १४३
 रत्तो पिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प. ६, १४
 रत्नसिंह रावल प. ६
 रत्नादित्य ती. ४६
 रनजीत प. १२६
 रनधीर प. १२६
 रनादित्य प. १०
 रत्नादित्य ती. ४६
 रववंत प. २६२
 रघो सुरतांगियो धारहठ डू. २०२
 रसखंडवीज राजा ती. १८७
 रांणगवे राव डू. ११४, ११५, १३८,
 ३१२, ३१३, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२४, ३२७
 रांणक राय प. २८६
 रांणगवे प. ३४८, ३४९, ३५०
 रांण घरजांगीत ती. ३०
 रांणादित्य ती. ४६, ५०
 रांणो प. २४०
 „ डू. ६४, १०४, १२८, २५६
 „ ती. २२१
 रांणो अर्जुनराजोत प. २१
 रांणो तेजमालोत डू. १२४
 रांणो बूढावत डू. ६५
 रांणो नरवद रो डू. १६७
 रांणो नींवावत प. २३३
 रांणो नेता रो प. ३५२
 रांणो भींवावत प. २४३
 रांणो रंमिंवात डू. १६४, १७१
 रांणो रायपालोत डू. १५१
 रांणो रावळ रो प. १६६
 रांणो राहड़ोत राहड़-घोषो डू. ३२
 रांणो सहसावत डू. १७६
 रांम प. १३०, १४२, १५४, १५५,
 १५६, १७२, २३७, ३६४
 „ डू. ७७, ८६, १४१, १६०
 रांम उर्वेसिंघ रो प. ३१३

रांम सरजण रो प. ११०
 रांम कंवर प. ३१५
 रांम कंधरावत ती. २१५
 रांम कूंभावत डू. १७६
 रांम खेराटो प. २७६
 रांमचंद प. २७, ६३, १११, ३०७,
 ३०८, ३०९, ३२८
 „ डू. ७७, ८८, ६२, १०५, १२१,
 १२२, १२४, १२८, २००
 „ ती. २२१
 रांमचंद डूंढो ती. २८२, २८३, २८४,
 २८५
 रांमचंद करमसी रो प. ३२५, ३२६
 रांमचंद गोपाळवासोत डू. १०६
 रांमचंद गोयंबवासोत डू. १७५
 रांमचंद जसवंत रो प. २०६
 रांमचंद नरहरवासोत डू. १६६
 रांमचंद फरसरांम रो प. ३१६
 रांमचंदर प. २६८
 रांमचंद राजा धीरभांण रो प. १३३
 रांमचंद राव प. १०१
 रांमचंद राव जयनाथोत प. ११३
 रांमचंद रावळ डू. २००
 रांमचंद रूपती रो प. ३१२
 रांमचंद धाधावत डू. १६२
 रांमचंद वेणावत मोहिल ती. १७२
 रांमचंद सिंघोत रावळ डू. ६३, १०३,
 १०४, १०५, १०८
 „ „ रावळ ती. ३५
 रांमचंद सुरतांगीत डू. १५८
 रांमचंद्र दसरथजी रा प. ७८, १२६
 (दे० श्रीरांमचंद्रजी अवतार)
 रांमचंद्र राजा ती. १८८
 रांमचंद्र रायमलोत प. ३१८
 रांम चवंडे रो डू. ३१०
 रांम जगमालोत डू. १६१

राम जादव ती. १८३

रामण प १६०

रामदास प. १२४, १२५, १६४, १६६,
३१७

„ दू. ८०, ६६, १२३, १४७,

१८१, १८४, १८६, १६६

रामदास ईसरदास रो प. ३५४

रामदास ऊदावत प. ३०२, ३३१

रामदास केसोदासोत दू. १८८

रामदास खांदावत दू. १५८, १६६

रामदास देवा रो प. १६८, १६९

रामदास नाथा रो दू. ७५

रामदास भासरसीभोत दू. १५२

रामदास माल्हुण रो दू. १५३

रामदास मेहाजळ रो प. ३५१

रामदास राजसिध रो प. ३०३

रामदास राजसी रो प. १६७

रामदास वणवीर रो प. ३३१

रामदास सुजावत दू १६०

रामदे पीर प. ३५०, ३५१

रामदेव राठोड ती. १६६, १६७

राम नारणोत प ३५८

राम पचाइण रो दू ११६

राम मालदेभोत दू. १६७

राम रतनसोभोत प. १५१

राम रांगो दू २६५

राम राव प. २१२

राम रावळ जंतसी रो दू. ८५

राम रावळ देवीदास रो दू. ८४, ८५

राम मूणकरणोत ती. २०५

राम वरजाग रो प २३२

राम सहस्रमन् रो प. ३१४

रामसा (रामस्या) दू. ४८, ४९

रामसाह प. ३०८, ३१०

रामसाह नाथावत प. ३१०

रामसिध प ६६, १५६, १६३, १६४,

१६५, २००, २११, ३०७, ३२४,
३२७, ३२८, ३६१

„ दू. ८५, ८८, ६२, ६५, ६६,
१२२, १२३, १२४, १६५, १७०,
१७१, २६३

„ ती. २२३, २२५, २२७, २३०

रामसिध बख्तराभोत प. ३६०

रामसिध बर्भराम रो प. ३०२, ३०७

रामसिध बर्भरसिधोत दू. ११०

रामसिध ब्रासावत प. ३४३

रामसिध उग्रसेण रो प ३१६, ३२०

रामसिध कवर जंसिधोत प. २६८

रामसिध करमसेनोत प. ६६

रामसिध कल्याणमलोत ती. २०६

रामसिध कान्हू रो दू. १३६

रामसिध बीडो प. १७४

रामसिध अजमाल रो प २३

रामसिध तेजसी रो प. ३२६

रामसिध नरसिधदासोत दू. १८३

रामसिध पचाइणोत दू. १०५, १०८

रामसिध बलू रो प ३२६

रामसिध भीबोत दू. १७०

रामसिध भोवत रो प. ३२८

रामसिध महासिधोत प २६१

रामसिध मानसिध रो प. ६८

रामसिध मेहाजळोत दू. १७४

रामसिध राजा प. १३०

रामसिध रावळ प. ७६

रामसिध घाघेलो प. १७२

रामसिध घोकावत दू १७३

रामसिध वीरमदेभोत दू. १६७

रामसिध सिखरावत प. २३३

रामसिध सुजरमलोत दू १८६

राम सुजावत प. ३५६

राम सोडो प. ३६४

रामेश्वर राजादे रो प. २६४, २६६

रांमो प. १६, २४२
 ,, दू. ६६, १२६, १६७
 रांमो चारण प. १११
 रांमो जांभण रो प. २३६
 रांमो जोधावत दू. १६४
 रांमो देवहो प. १५५, १५६, १५७,
 १६५, १७६
 रांमो नोयू रो दू. १६६
 रांमो वारण रो प. ३५८
 रांमो भाखरसी रो प. ३५६
 रांमो मांडण रो प. ३५७
 रांमो माघा रो प. ३६०
 रांमो लूणावत प. २३५
 रांमो सोहड़ ती. १०६, ११०
 रांमो हाढो प. ११८
 रांमण प. ४७, ११६, १६० (दे० रांमण)
 रा' दयात दू. २०२
 रा' नोवण दू. २०२
 राइसी (रांसी) राघळ प. ७६
 राखाइच दे० राखायच सोळंकी ।
 राखाइत दू. २६६, २६६, २७०, २७१,
 २७२, २७३, २७४
 राखायच सोळंकी प. २६५, २६६,
 २६६, २७०, २७१
 राखो दू. १०४
 राघवदास प. ११७
 राघवदास दू. १२८
 राघवदास कल्याणमलोत ती. २०६
 राघवदे प. १६
 ,, दू. २६४
 राघवदे घरजांग रो प. २३२
 राघवदे सोसोदियो-लाखावत प. ५३, ५४
 राघो प. २०५
 = दू. ८५, १६०, १६७, १६६, २१५
 राघो किसना रो प. ३५२
 राघोदास प. १६०, १६७, २३३, ३२७,
 ३२८

राघोदास दू. ८६, १२२, १७७, १८८
 ,, ती. २२६
 राघोदास अर्खराजोत दू. १५२
 राघोदास उर्वसिघ रो प. ३१२
 राघोदास खंगारीत प. ३०५
 राघोदास झुंगरसीओत दू. १४८
 राघोदास तिलोकसी रो दू. १६२
 राघोदास देवहो जोमावत प. १५७
 राघोदास धीरावत दू. २०१
 राघोदास फरसरांम रो प. ३१६
 राघोदास महेसोत प. २०१
 राघोदास रांम रो प. ३१४
 ,, ,, दू. १६१
 राघोदास धोळवात रो प. ३०८
 राघोदास धीरमदेओत दू. १७१
 राघोदास साहूळोत प. २८३
 राघो माथू रो दू. १६८
 राघो वालो ती. १२६
 राघो भाखरसी रो प. ३६१
 राज प. २५८, २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६७, २८०
 राजकुळ प. २६०
 राजचंद्र प. १२६
 राजदियो सूर-मातहण रो दू. ४२
 राजदे प. ३३२
 राजदे चावगदे रो प. ३५५, ३६३
 राजदेव प. २६०
 राजघर प. १६६
 ,, दू. २
 ,, ती. २२१
 राजघर घवंडे रो दू. ३१०
 राजघर जोधा रो प. ३५६
 राजघर भोजावत दू. १७७
 राजघर मानसिघोत प. ३५६
 राजघर रिणघीर रो प. २०५
 राजघर लखमण रो दू. ७६, ८०

राजधर वरसी रो प ३५६
 राजपाण भाट प २८७
 राजपाळ प २६०
 ,, ती २२१
 राजपाळ राणो धनु रो दू. १४०
 राजपाळ राणो सांगा रो दू १, ११,
 १२, १३, १६
 राजपाळ वरसी रो प ३३६, ३४२, ३४४
 राजमल उर्वसिध रो प ३१३
 राज राधळ दू ३
 राजरिल प १२२
 राज सर्मा प ६
 राजसिध प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३,
 ३०६, ३१६, ३१७
 ,, दू ८८, ९३, १२२, १४०,
 १६५, १७६, १८१, १८४, १८५,
 २६४
 ,, ती १८१, २२६, २३६, २३७
 राजसिध घातकरण रो प ३०३
 राजसिध करनोत प ६८, ७०
 राजसिध खींघावत दू १८२, १८४
 राजसिध गोपाळदासोत ॥ १०६
 राजसिध जसवतोत दू १४६
 राजसिध बप्पाळदासोत दू १४७
 राजसिध म० कुवार दू ११०
 राजसिध राणो प ६, १५, ३१, ३२,
 ४६, ५२, ५३
 राजसिध रामसिधोत प ३२६
 राजसिध राघोदास रो प ३१४
 राजसिध राजा ती २१७
 राजसिध रावत प ६६
 राजसिध राव सुरनाथ रो प १३६,
 १५३ १५४, १५८, १६१, १६३,
 १६४
 राजसिध सखावत दू १६१
 राजसिध वेणोदासोत दू १५७, १६८,
 १६१

० राजसिध हमीरोत प ३०५
 राजसिध हररांमोत प. ३२४
 राजसी प १६५, १६८, ३४३
 ,, ती २२२, २३६
 राजसी ववरसी रो, राणो प ३४६
 राजसी तेजसी रो प ३४२
 राजसी देवडो प १५७
 राजसी नाया रो प १६७
 राजसी भैरवदासोत दू १६६
 राजसी राधावत प १५३
 राजसी ह्रींगोल रो प १७२
 राज सीळकी प २६१, २६५, २८०
 राजावित प २५६
 ,, ती ४६
 राजादे धीजळदे रो प २६४, २६५,
 २६६
 राजा सर्मा प ६
 राजो प ३०८, ३०६, ३१०, ३११
 राजो ती २२६
 राजो जगमगावत ती २५२
 राजो करण रो प ३५२, ३५३
 राजो काधलोत ती २१
 राजो (बाहडमेरी रो) दू ८८
 राजो राणो दू २६२, २६५
 राजो धीकाजो रो ती २०५
 राज्यासिध राजा ती १६०
 रामनारायण ब्रूयड प १३४
 रामग्राह दे० रामसा ।
 रामादित्य प १०
 रायकवर प ३१५, ३१७
 रायकरन दू १२३
 रायचंद माटी दू ६६, १००
 रायचंद मनोहर रो प ३१६
 रायधन दू १, २०६, २१५, २१६,
 २५४
 रायधन हमीर रो २०६, २११

रायघवल ऊगमणावत ती. २५२
 रायपाळ तेजसी रो प. ३४१
 रायपाळ नावा रो प. ३५४
 रायपाळ राव ती. २६, १८०
 रायपाळ साहणी ती. ८४
 रायपाळ सिवा रो प. ३५१
 रायपाळ सीहावत दू. १४५
 रायभांण हाडो रायसिध रो प. ११७
 राय भूषड ती. ५१
 रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३,
 ३२६, ३२७
 ,, दू. ७८, ८१, १२८, १४३,
 १४५, २००, २६३
 ,, ती. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८
 रायमल अघळावत दू. १८५
 रायमल उर्वतिघोत दू. १४६
 रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२
 रायमल करमा रो प. १६५, १६६
 रायमल किसनावत दू. १२४, १२५
 रायमल गोयंददासोत दू. १७५
 रायमल दासा रो प. ३१८
 रायमल दुरजणसलोत दू. ६६
 रायमल देवावत दू. ७६
 रायमल घनराजोत दू. १२२, १२३
 रायमल महकरणीत प. २३५
 रायमल मालदेयोत ती. १५२
 रायमल राणावत दू. १५१
 रायमल रांगो प. १५, १७, १८, १९,
 ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१,
 २८१, २८४, ३५२, ३५६
 रायमल राव ती. २४६, २४७, २४८
 रायमल सिवराज रो प. ३५६
 रायमल सूरु रो प. ३६०
 रायमल सेजावत प. ३१६
 रायसल प. ३२२, ३२३, ३२४, ३५८
 ,, दू. ६६

रायसल खीची प. २५५, २५६
 रायसल दूवावत ती. ६४, ६७, ६८
 रायसल राजा परमार ती. १७६
 रायसल सूजा रो प. ३२०, ३२४
 रायसिध प. २२, २३, २५, ३१, ४७,
 ७४, १०१, ११७, १४२, १४६,
 १५१, १५२, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५८, १८६, १८१, १८२,
 १८४, १८६, २३७, ३५६
 ,, दू. ६५, ७७, १२४, १४३
 ,, ती. २३३, २३६
 रायसिध कछवाहो ती. ३२
 रायसिध कल्याणदास रो प. ३१२
 रायसिध किसनावत दू. १२५
 रायसिध गोयंददासोत दू. १५५, १५६,
 १५७
 रायसिध चंद्रसेनोत (चंद्रसेनोत) प. १५१
 १५२
 ,, ,, दू. १७५, १८६
 रायसिध जाम लाखा रो दू. २२४
 रायसिध जाळपोत दू. १६७
 रायसिध जेसावत दू. १५०
 रायसिध भालो दू. २४४, २४५, २४६,
 २४७, २४८, २४९, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६,
 २५८
 रायसिध ठाकुरसी रो प. ३६०
 रायसिध पंवार दू. २६०
 रायसिध पोथावत दू. १६३
 रायसिध भीमावत दू. १०३
 रायसिध भैरवदासोत दू. १६६
 रायसिध महाराजा ती. १८, ३१, १८०,
 १८१, २०६, २१०, २२४
 रायसिध मांडण रो दू. २६३, २६४, २६५
 २६७
 रायसिध मालदे रो प. ३१५

रायसिध राजा दू. ६४, १२८, १३२
१३६, १४६

रायसिध राय अर्धराज रो प १३५,
१३६, १३७, १४१, १६१

रायसिध धनवीरोत्त य २४२

रायसिध योसावत दू. १६४

रायसिध सूजावत य २४२

रायसिध हरदास रो दू. २६३

रायसी राणी महिपाल रो य ३४४,
३४५, ३४६

रातण काकिल रो य २६४, ३३२

रावत य ६५, ६६

॥ दू. ६१, १४३

रावत देवडो सेलावत य १४३, १५८,
१६३, १६४

रावत महकरणीत य २३५

रावतसिध य ६३, ६५, ६६

रावत हामावत य १४६

रावळ छुर्माण बापा रो य ४, १२,
५६, ७८

रावळ बापो य ३, ४, ७, ८, ११, १२,
७८

रावळो राणी, सजन रो य १६३, १६४

रासो दू. ८६, १६२, २००

रासो उर्वसिध रो दू. १३०

रासो धमराजीत दू. १००

रासो नरसिधदास रो दू. १८३

राहुड रावळ विजैराव रो दू. २, ३२
३३

राहुप राणी, रावळ करण रो य ५, ६,
१३, १५, १६, ७०

राहुप रावळ य ७६

राहिव दू. २०६, २३६

राहिव हमीर रो य ३५८

राहुड राजसी रो ती २२२

रिलीश्वर य. १०

रिली सर्मा य. ६

रिहमल सारगोत दू. १७४

रिणछोड मगादासीत ती २२०

रिणधवल य ३३६

रिणघोर य २०, १५८ १५६, २०५,
२०७, ३४८

रिणघोर चूहावत ती १२६, १३०,
१३२, १४०

रिणघोर सूरावत ती १४०

रिणमल य ३५७

रिणमल केलणीत दू. १२, ११६, १४०,
१४१

रिणमल बहुबाण य १२१

रिणमल देवडा सलला रो य १३५,
१३६, १६२, १८८

रिणमल नींवावत दू. १५४

रिणमल भाटी दू. ३, ७७

रिणमल राव राठोड (राव रिहमल)
य १५, १६, १७, २१, ५३, ५४,
२०६

॥ राव राठोड (राव रिहमल)

दू. ३८, ६६, ८४, १४५, ३०६,
३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
३२६, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४,
३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३४०,
३४१, ३४२, ३४३

॥ राव राठोड (राव रिहमल)

ती १, २, ३, ४, ६, ९, ३१, ८४,
६०, १२६, १३०, १३२, १३३,
१३४, १३५, १३६, १३७, १३८,
१३९, १४०, १४१, १४६, १८०,
२२६, २२६

रिणमल लाला रो य ३५२

रिणसिध य ३१८

रिणसी य १६६

रिप राजा ती १८५

रिसाळ राजा सालवाहन रो दू. ६
 " " " " ती. ३७
 रुकनदीन सुलतांण ती. १६०; १६१
 रुकनुद्दीन दे० रुकनदीन सुलतांण ।
 रुक्मांगदजी चंद्रावत दे० रुक्मांगदजी
 चंद्रावत ।
 रुक्मांगद चांदावत ती. २४६
 रुक्मांगदजी चंद्रावत ती. ३२
 रुक्माय प. ६६, ३२३, ३२५
 ,, दू. ६०, ६२, ६६, ६७, १०५,
 ११६, १२३, १२८, १३०, १६८,
 १८५, १८८
 रुक्माय ईसरदासोत दू. ६४, १०७,
 १३१, १३२
 रुक्मायदास प. २५
 रुक्माय पतावत दू. १७१
 रुक्माय भांणोत दू. १०४, १०८
 रुक्माय भोजराज रो प. ३२३
 रुक्माय राव दू. १२१
 रुक्मायसिध प. ३०६, ३१४
 ,, ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
 २२८, २२९
 रुक्मायसिध उपसेण रो प. ३२०
 रुक्माय सुरतांणोत दू. १६०
 रुक्माय सेणावत दू. १७३
 रुक्म ती. १८०
 रुक्मराय प. २८८
 रुक्मी प. १७२
 रुक्मी खवंडे रो ती. ३१
 रुक्मी देवडो तेजसी रो प. १६२, १६३,
 १६४
 रुक्मी राणा लाखा रो प. १६
 रुक्मवर प. ३१६
 रुक्मदास झूलो-चारण भांण रो प. ८६,
 ८८
 रुक्माय प. १६०

रुक्मसिध प. २१, २३
 रुक्मी ती. १७८
 रुक्म प. २६२
 रुक्म ती. १७८
 रुक्मचंद भारमलोत प. २६१, ३१४
 रुक्मडो रांणो पडिहार दू. १२, ५३, ७३,
 १४०, १४२
 रुक्म राघोदास रो प. ३१६
 रुक्मसिध प. २३, १०१, ३२०
 ,, ती. २२४, २३०
 रुक्मसिध भारमलोत प. २७६
 रुक्मसिध राजा (किशनगढ) ती. २१७
 रुक्मसिध राव भारमलोत दू. १०४, १०५,
 १०६
 रुक्मसिध रुक्मांगदोत ती. २४६
 रुक्मसी प. ३१२, ३१६, ३१८, ३१९,
 ३२६
 ,, दू. ११६, १७६, १८२, १८७
 ,, ती. २२१
 रुक्मसी आसावत प. ३४३
 ,, " दू. १४७
 रुक्मसी जसवंत रो प. ३१७, ३१८
 रुक्मसी जोषा रो प. ३५६
 रुक्मसी प्रचोराज रो प. ६७, १११, १६५
 ३१२
 रुक्मसी रायमल रो दू. १४५
 रुक्मसी रायसिधोत दू. १६८
 रुक्मसी लखमण रो दू. ७६, १६६
 रुक्मसी लूणकरणोत ती. २०५
 रुक्मसी वेंरामी प. ३१३
 रुक्मसी सोमोत दू. ७५, ७६, ७७
 रुक्मी प. १६७, २०१
 ,, दू. १४३
 रुक्मीखां करमसोओत ती. २१४
 रुक्मी घायभाई ती. ८३
 रुक्मीहीन प. २६०

रेणसो रांणो तो १५८, १७०
 रोमीजान तो ५५
 रोह रांणो प १२३
 रोहिताश्य तो १७८
 रोहितास प ७८
 रोहितास राजा हरिचद रो प २८७,
 २६२, २६३

ल

लकडजान प १११
 लक्ष्मणतिह प ६
 लक्ष्मीदास तो २२८, २३१
 लक्षण दू २१५
 लक्षणसेन दू २, ३६, ४०, ४१, ४२,
 ४३
 लक्षणसेन राव तो १५८
 लक्षणसेन रावळ दू ११४
 „ , तो ३३
 लक्ष्मीर प १८६
 „ दू २४१
 „ तो ३७
 लक्ष्मीरसिध तो २२६
 लक्ष्मण प ११७, १६१ २२६
 „ दू १४, ५२, १८८
 लक्ष्मण ईसरदासोत दू १७६
 लक्ष्मण केहर रो दू २, १०, ११, ७५,
 ७६ ७८, ७९, ८०, ८२, ११२
 „ तो ३४, २२१
 लक्ष्मण(लक्ष्मण)डोला रो प २८६, २८३
 लक्ष्मण नारणोत दू १६०
 लक्ष्मण भादावत प ६१
 लक्ष्मण रायत रिणधीरोत दू ११७
 लक्ष्मण रावळ दू १६६
 लक्ष्मण सातळ रो प ३४१
 लक्ष्मणसी भट म १४
 „ , तो १८४
 लक्ष्मणसेन रायपाळजी रो ती. २६
 लक्ष्मसी कालण रो दू २, ३६

सक्षमसी राणो प. ६, १४, १५
 „ „ तो १७६
 सक्षमसेन प्रमतेनोत चट्टवाण तो २६
 सक्षमीदास दू १२८, १३० १६१,
 १७०, १८३, १८५, २००
 सक्षमीदास धनराजोत दू १२४
 सक्षसेन राजा तो १७५
 सखो प १८७
 सखी दू १८७
 सखी धमरा रो दू १२२
 सखी जेनसी रो प
 सखी जगनाथीन ॥ १६६
 सखी नरवद रो प १२/
 सखी बोरो प २४७
 सखी मुहती दू ६
 सखी धीजद रो प १३४
 सखी धीरमदेवीत दू १६१
 सखपास राजा तो १८८
 सखमणसेन राजा ती १८६
 सखपाळ राजा ती १८८
 सखी दू १, ११, १७
 सखायान प ५६
 सख भाट प २७७, २७८
 सख रामचद्रजी रो प २६३
 सखकरी कामरा प. ३००
 सखुवो दू १, ११० १६
 सखल तो १८०
 सखा वलाय प ६१
 दे० पृथ्वीराज उडणो।
 सांय बाभण दू १६, २५, २६
 साखण पुत्तन रो प २६६
 साखण राखो परमार तो १७६
 साखण राव प ६७, १००, ११६,
 १३४, १३५, १७२, १८६, २०२
 २३०, २४५, २४७ २५०, २५१
 साखणसी दू १२४
 „ ती. २३२

लाखणसी मलेसी रो प. २६४
 लाखाईत प. २६६
 लाखो प. १८६, ३६१
 लाखो अजा रो दू. २२४, २२५, २४१
 लाखो अगमणावत ती. २५२
 लाखो गोपावत प. २३८
 लाखो जमला रो दू. २२८, २२९, २३०
 २३१, २३२, २३३, २३४, २३५
 लाखो जाहेंचो प. २६४, २६५, २६६,
 २६९, २७०, २७१
 " " दू. २५८
 लाखो जाम दू. २१७, २१८
 लाखो जाम मारु दू. २६६, २६७
 लाखो डूंगरसी रो प. १२१
 लाखो फुलाणी दू. २०६, २१६, २१७,
 २१८, २३६, २६८, २६९, २७०,
 २७१, २७२, २७३, २७४
 लाखो रांणी प. ६, १५, १६, ३४
 " " दू. ३३१
 लाखो राव प. १३५, १३६, १४२,
 १४४, १५८, १६०, २८४
 लाडक वजीर दू. २१६
 लाडखान प. २७, ३६१
 " दू. १२४, १७४, १८३, २०१
 " ती. ३७, २२७
 लाडखान ऊदा रो प. ३१८
 लाडखान किसनावत प. ६६
 लाडखान जेमल रो प. ३१७
 लाडखान भैरवदासोत दू. १६६
 लाडखान रायसल रो प. ३२१
 लाडखान रायसिधोत दू. १६४
 लाडखान बाघावत दू. १६२
 लाडखान स्यामवासीत प. ३०६
 लाधो प. १६८
 लालचंद दू. ६२
 लाल डूंगरसी रो प. १२०
 लालरंग प. २८६

लालसिध प. ५६, ११६
 " ती. २२३, २२४
 लालो प. १०१, २२६
 लालो चवडेंजी रो दू. ३१०
 लालो जेमल रो प. ३५२
 लालो मरु रो, राव प. ३१८
 लालो नाथा रो दू. ७५
 लालो साहणी दू. १६६, १६८
 लिखमण सोमत (—सोभावत ?)
 प. २२४
 लिखमसी दू. ८८
 लिखमीदास गोयंदवासीत दू. १८०
 लिखमीदास बेईशासीत दू. १६६
 लिखमीदास बाघोत दू. १६१, १६२
 लिखमीदास सेलावत प. २३६
 लिखमीदास हाडो मानसिधोत प. ११७
 लिताट सर्मा प. ६
 लीलामाघो राजा ती. १६०
 लूको ती. १०८, ११३
 लूको सेलोत प. २२५
 लूभो प. १८७, १८८, ३४८
 लूभो चवडेंजी रो दू. ३१०
 लूभो पता रो प. १३५
 लूभो विजड रो प. १३४, १६२, १८१
 लूणकरण प. ३२४, ३०२
 " दू. ८१, ८६, ९१, ९२,
 १०३, ११०
 " ती. २२०, २२७
 लूणकरण मदनसिध रो प. ३१७
 लूणकरण राव दू. ८५
 लूणकरण " ती. ३१, १८०, १८१,
 २०५, २२८
 लूणकरण रावळ प. २२
 " " दू. ११, ८७, ८८, ८९
 " " ती. ३५, १५१, १५२
 लूणकरण राव सुरतांणीत प. १५२
 लूणकरण राव सूजा रो प. ३१६

लूणकरण राय हमीर रो दू. १४५
 लूणकरण सोहृद रो प. ३४०
 लूण भाटो ऊदस रो दू. ५६, ७०, ७१,
 ७४

लूणराय दू. २, ३६, ४३
 लूणी प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३,
 १८७, ३१६

लूणी भज्जा रो दू. २६२
 लूणी उर्वसिध रो प. २२
 लूणी बहिषो प. ११६
 लूणी मोहित दू. १८, १६
 लूणी माणकराय रो प. ३६३
 लूणी मेहरावण रो प. ३६१
 लूणी राणावत प. २३५
 लूणी राम रो प. ३१३
 लूणी रामसिधोत दू. १६८
 लूणी रावत ती. ७, ८
 लूणी राय भोजा रो प. ३५४
 लूणी राहिय रो प. ३५८
 लूणी विजड रो प. १३४, १८१, १८२,
 १८१

लूणी बिजा रो प. १६३
 लूणी साईबास रो प. ३२७
 लूणी सीसोदियो प. ६६
 लूणी सूजावत दू. १५१
 लूणी हरराय रो प. १६४
 लूणी सर्मा प. ६
 लोडचद ती. १८६
 लोडचद ती. १८६
 लोवी जनागर रो दू. २०६
 लोली गोपावत प. २३८
 लोली धवडंजी रो दू. ३१०
 लोली राणा रो प. २०६, २०७
 लोली सोमवरो ती. १३३
 लोहचद राजा ती. १८६
 लोहृद प. १०१

लोहृद रांगो मोहित ती. १५८, १७०,
 १७१
 लोसत्य प. ७८

व

वंसीदास प. ३०८
 वलतसिध ती. २२५, २२८, २३२, २३५
 वलतसिध परमार ती. १७६
 वलतसिध महाराजा ती. २१३
 वल्लो प. ३५३
 वल्लराज रांगो मोहित ती. १५६, १६०,
 १७१
 वल्लराय दू. ६
 वल्लवराज प. २८६
 वल्लु, राणा सीहृद रो प. ३४३
 दे० वल्लो सीहृद रो ।
 वल्लु राय ती. १६१
 वल्लु रावत मूष रो दू. १, १०, १५,
 ३१, ३२, १४०
 वल्लो बबहू रो प. १०१, १०२
 वल्लो माला रो दू. १७८
 वल्लो सीहृद रो प. ३४०, ३४१
 दे० वल्लु, राणा सीहृद रो ।
 वल्लरदीप दे० वल्लरद्वीप
 वल्लरद्वीप प. २६३
 वल्लरध प. ७८
 वल्लरधोत दासराय रो प. २०८
 वल्लरधोत लखन रो प. २८८
 वल्लरनाथ प. ७८
 वल्लरनाथ ती. १७६
 वल्लरनाथ प्रदुतन रो दू. १, ६, १६
 वडगच्छो जती ती. १६
 वडसीस रावत प. १२
 वणराज घावडो ती. २६, ४६, ५०
 वणवीर प. १७, २०, २१, १६३, २७६,
 २६०, ३१३, ३३१
 , दू. १६
 वणवीर उधरण रो प. ३१३
 वणवीर कागहा रो प. ३५८

वणवीर जेसा रो दू. १५३, १६२
 वणवीर भानीदास रो प. २७६
 वणवीर मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
 वणवीर मेर रो प. १७२
 वणवीर राघ सांकर रो प. १६४
 वणवीर वरती रो दू. ८१
 वणवीर सिंघायत प.
 वणवीर हुरराज रो प. १६४
 वणसूर ती. १५३
 वरत ती. १७५
 वरत वृद्ध ती. १७६
 वनमाळीदास भगवंतदास राजा रो
 प. २६१
 वनराज चाओड़ी प. २५८, २५९
 " " दू. २६६
 (दे० वनराज चावटो)
 वनसर्मा प. ६
 वनसिंघ ती २३५, २३६, २३७
 वनो प. ३६१
 वनो गोढ़ ती. २७०, २७१
 वनो भाटो दू. ६६
 वनरसीह चावटो ती. ५०
 वरजांग प. १६८, २४४, ३६२
 " दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
 वरजांग कूडावत ती. ३१
 वरजांगदे प. २४४
 वरजांग पोकरणी ती. ११३
 वरजांग भीमावत दू. ३४२
 वरजांग भैरवांसोत दू. १६०, १६२
 वरजांग राघ दू. ११७
 वरजांग राव पाता रो प. २३१, २३२
 वरजांग हुमीर रो प. ३५६
 वरदायीसेन ती. १८०, १६३, २०४
 वरदेव सर्मा प. ६
 वरसिंघ प. १०१, १२७, १२८, १६५,
 २५६
 " दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

वरसिंघ
 वरसिंघ
 वरसिंघ
 वरसिंघ
 वरसिंघ
 वरसिंघदे
 वरसिंघदे
 वरसिंघ रांजो
 वरसिंघ रावट
 वरसिंघ राव ह.
 १२७, १२८.
 वरसो खाट ती. १
 वरसो हुरदास रो
 वरही प. २८६
 वरत तेजस राजा ती.
 वरही ती. १७६
 वरतभराज सोळकी प. २
 " " ती. ५६
 वरतभराज ती. २३६
 वरतभराज प. २८०
 वरसिंघ छवि (दे० वरसिंघ रिं.)
 वरसिंघ रिंसीस्वर प. १२४, २३६
 " " ती. १७५
 वरसुदान राजा ती. १८६
 वरसुदेव दू. ६
 वरसुदेव बाभण लूणोत दू. १६
 वरसु सर्मा प. ६
 वरसुपाळ इंद्रपाळ रो प. २६०
 वरसुती दू. १३०
 वरसुती सांला रो प. ३५२
 वह ती. १७६
 वांकीदास दू. २०१
 " ती. २२०
 वांकीदास जसावत दू. १०३
 वांकीदास जेमल रो प. ३५८

वाकीवेग मोहयतनां रो प ३०१

वाकी दू. ६०

वावर ती २२१

वागव देव दू १४

वागर दू २

वाक्पतिराज प १००

वाक्पति सर्मा प ६

वाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६,
१६५, १६७, १६८, ३४४

" दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२,
१३१, २६४

, ती २३०, २३१

वाघ अमरा राणा रो प ३१

वाघ काङ्गावत दू १६३

वाघ छोधी प २५६

वाघ छाहूड रो प ३६३

वाघ जसवत रो प २०८

वाघजी प ३०८

वाघ ठाकरसीप्रोत ती १८

वाघ तिलोकसीप्रोत दू १६२

वाघ पवार प ३३८

वाघ प्रद्योराज रो प. ३१२

वाघ फरसराज रो प ३१६

वाघ भारमल रो प ३२८

वाघमार घूहजनी रो ती २६

वाघ रतनसीप्रोत दू १७६

वाघ राणो दू २६५

वाघ राजा परमार जी. १७६

वाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४

वाघ रिणमलोत दू १६१

वाघ बीदा रो दू. २६३

वाघ साखलो प ३३८, ३४४

वाघ सांवळदासीत दू १६६

वाघ सिरग रो दू १२२

वाघ सुरताणोत प ३०४

वाघो प १६, २०, ५१, २४१, ३५६

, दू ६०, २०१

वाघो कांधलोत राठोड ती २१, १६२,
१६३

वाघो काङ्गा रो प ३५८

वाघो जीवा रो प २४१

वाघो प्रद्योराज रो प २४२

वाघो राठोड सूजावत ती ८६, १०५

वाघो राव दू ११६

" " ती २१५

वाघो रावत सूरमख रो प ५०

वाघो विजा रो प २४७

वाघो सूजावत प ३२०

वाघो सेखावत दू ११६, १२०, १२१,
१२४

" " ती ३७

वाटसन ती १७३

वाटळ सोमगरो ती २८० २८६, २६०,
२६१

वाय सर्मा प ६

वाळव ती ३७

वाळप प २८०

वालहर राणो ती १५८

वाळाववप ती ३७

वालो (वे० बालो)

वाळो प १२१

वासत सर्मा प ६

वाहूड प्रोहित ती २४

वाहनीपति ती १७६

विकुलि प ७८

विकुय प ७८

विक्रम प १६०

विक्रमचंद राजा ती १८८

विक्रम चरित राजा ती १७५

विक्रमपाल राजा ती १८८

विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३

विक्रमादित प २०, ५०, १०३, १०४,

१०८, १०९, ३०३, ३३६

विक्रमादित्य प १०, ३१६

र जेसा रो दू. १५३, १६२
 र भानोदास रो प. २७६
 र मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
 र मेर रो प. १७२
 र राव सांकर रो प. १६४
 र रंरसी रो दू. ८१
 र सिघावत प.
 ॥ हरराज रो प. १६४
 : ती. १५३
 ती. १७५
 ॥ ती. १७६
 ठीवाल भगवंतदास शाला रो
 ।. २६१
 न चाओड़ो प. २५८, २५९
 , , दू. २८६
 बे० वणराज चावड़ो)
 र्मा प. ६
 घ ती. २३५, २३६, २३७
 प. ३६१
 गीड़ ती. २७०, २७१
 माटी दू. ६६
 गीह चावड़ो ती. ५०
 ग प. १६८, २४४, ३६२
 दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १८८
 ग चूडावत ती. ३१
 गदे प. २४४
 ग पोकरणो ती. ११३
 ग भीमावत दू. ३४२
 ग भैरवासीत दू. १६०, १६२
 ॥ राव दू. ११७
 ॥ राव पाता रो प. २३१, २३२
 ग हसीर रो प. ३५६
 धीसेन ती. १८०, १६३, २०४
 । सर्मा प. ६
 व प. १०१, १२७, १२८, १६५,
 २५६
 दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

॥ ती. ३६, २२७
 वरसिघ उदैकरणोत प. २६५, ३१३
 वरसिघ खेतसीओत दू. १७३
 वरसिघ जोधावत ती. २८
 वरसिघदे द्वारकादास रो प. ३२२
 वरसिघदे घीरावत प. २३६
 वरसिघदे मधुकरसाह रो प. १३०
 वरसिघदे वाघेलो प. १३२, १३३
 वरसिघदे घीतलदे रो प. ११६
 वरसिघ रांणो दू. २६५
 वरसिघ रावळ प. ७६
 वरसिघ राव हरा रो दू. १२१, १२६,
 १२७, १२८, १३७
 वरसो खांड ती. ५६
 वरसो हरदास रो दू. २६३
 वरही प. २८६
 वतं तेजस राजा ती. १८५
 वही ती. १७६
 वलभराज सोळंकी प. २६०
 " " ती. ५१
 वलभराम ती. २३६
 वलभराज प. २८०
 वशिष्ठ ऋषि (वे० वसिष्ठ रिखीस्वर)
 वसिष्ठ रिखीस्वर प. १३४, २३६
 " " ती. १७५
 वसुदान राजा ती. १८६
 वसुदेव दू. ६
 वसुदेव बांभण लूणोत दू. १६
 वसु सर्मा प. ६
 वस्तपाळ इंद्रपाळ रो प. २६०
 वस्तो दू. १३०
 वस्तो खाला रो प. ३५२
 वह ती. १७६
 वांकीदास दू. २०१
 ,, ती. २२०
 वांकीदास जसावत दू. १०३
 वांकीदास जैमल रो प. ३५८

बाकीवेग मोहवतलो रो प ३०१
 बाकी दू. ६०
 बाबर ती २२१
 बांनग देव दू १४
 बांनर दू. २
 बावपतिराज प. १००
 बाबय समर्प प ६
 बाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १४६,
 १६५, १६७, १६८, ३४४
 ,, दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२,
 १३१, २६४
 ,, ती २३०, २३१
 बाघ बमरा राणा रो प. ३१
 बाघ काम्हावत दू १६३
 बाघ लोधी प २५६
 बाघ छाहू रो प ३६३
 बाघ जसवत रो २०८
 बाघजी प. ३०८
 बाघ ठाकरसीघोत ती. १८
 बाघ तिलोकसीघोत दू १६२
 बाघ पवार प. ३३८
 बाघ प्रथोराज रो प. ३१२
 बाघ फरसराज रो प ३१६
 बाघ भारमल रो प ३२८
 बाघमार घूहूजी रो ती २६
 बाघ रतनसीघोत दू. १७६
 बाघ राणो दू २६५
 बाघ राजा परमार नी. १७६
 बाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
 बाघ रिणमलोत दू १६१
 बाघ घोदा रो दू. २६३
 बाघ साखलो प ३३८, ३४४
 बाघ साबलदासोत दू. १६६
 बाघ सिरग रो दू. १२२
 बाघ सुरताणोत प ३०४
 बाघो प. १६, २०, ५१, २४१, ३५६
 ,, दू ६०, २०१

बाघो कांथलोत राठोड ती २१, १६२,
 १६३
 बाघो काम्हा रो प. ३५८
 बाघो जीवा रो प २४१
 बाघो प्रथोराज रो प २४२
 बाघो राठोड सूजावत ती ८६, १०५
 बाघो राव दू ११६
 ,, ,, ती. २१५
 बाघो रावत सूरमचंद रो प ५०
 बाघो विजा रो प २४७
 बाघो सूजावत प. ३२०
 बाघो सेखावत ॥ ११६, १२०, १२१,
 १२४
 ,, ,, ती ३७
 बाटसन ती १७३
 बावळ सोनगरो ती २८०, २८६, २६०,
 २६१
 बाय समर्प प ६
 बाळव ती ३७
 बाळय प २८०
 बालहर राणो ती. १५८
 बाळाबख्त ती ३७
 बालो (बै० बालो)
 बाळो प १२१
 बासत समर्प प. ६
 बाहूड प्रोहित ती २४
 बाहूनीपति ती १७६
 बिकुशि प ७८
 बिकुप प. ७८
 बिक्रम प १६०
 बिक्रमचंद राजा ती १८८
 बिक्रम चरित राजा ती १७५
 बिक्रमपाल राजा ती. १८८
 बिक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
 बिक्रमादित्य प. २०, ५०, १०३, १०४,
 १०८, १०९, ३०३, ३३६
 बिक्रमादित्य प. १०, ३१६

विक्रमादित्य राजा ती. १८८
 विक्रमादित्य सांगा रो, राणो प. ४६
 विक्रमादीत राव केल्हण रो दू. ११६,
 १४३, १४४
 विक्रमादीत राव मालदेशीत दू. ६०
 विक्रमायत भालो ती. ११
 विक्रमायत राजा प. ३१६
 विक्रसाज प. २८८
 विजड़ प. १८३
 विजड़ प्रोहित ती. २४
 विजपाळ दू. १५
 विजय ती. १७८
 विजयमल राजा ती. १६०
 विजय राजा ती. १८६
 विजयसिंघ महाराजा ती. २१३, २१५
 दे० विजैसिंघ महाराजा ।
 विजयादित्य प. १०
 विजलादित्य प. १०
 विजै प. ७८
 विजैचंद ती. १८०
 विजैदत्त प. २, ३
 विजैनित्य प. ७८
 विजैपान प. ६
 विजैपाळ प. १०१
 ,, ती. २६
 विजैपाळ राणो दू. २६५
 विजैरप प. ७८
 विजैराम प. ३२३, ३२६
 ,, ती. २३५, २३६
 विजैराम शर्मा राजा रो प. ३०२
 विजैराम उर्वेसिंघोत प. ३०८
 विजैराज दहियो प. २२६
 विजैराय प. २८८
 विजैराव दू. ६, ११
 विजैराव चूडाळो दू. १, १०, १७, १८
 विजैराव रावळ वल्लु रो दू. १४०
 विजैराव लांजी (—लंजी) दू. २, ३१,
 ३२, ३३, ३४
 ,, ,, ती. २२२

विजैराव लूणकरण रो दू. ६१
 विजैराव वीरभोत ती. ३०
 विजैवाह प. १२३
 विजै सर्मा प. ६
 विजैसिंघ प. ३२४
 ,, ती. ३६, २२०, २२६
 विजैसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 विजैसिंघ महाराजा दू. ११०
 दे० विजयसिंघ महाराजा ।
 विजैसी प. २२५, २३१
 विजैसी माल्हण रो प. २२६, २३०
 विजैसेन राजा ती. १८६
 विजो प. २२, २३, २७, २८, ३०,
 १६३, २००
 ,, दू. ७७, ७६, १०४, २००, २०८
 ,, ती. २२१
 विजो इंदो (कस्तूरियो मृग) दू. ३४२
 विजो ऊवावत ती. ११
 विजो करमा रो प. २४७
 विजो पूजा रो प. १७२
 विजो भांमीदास रो दू. १६१
 विजो भाटी दू. ३४२
 विजो रूपसी रो दू. १६६
 विजो वीरमदे रो दू. ११७, १२०
 विजो सोहड़ रो प. ३४१
 विट्ठलनाथजी गोस्वामी ती. २०६,
 २७५
 विथक दे० विश्वक ।
 विठ्ठरथ ती. १८१
 विठ्ठल राजा ती. १८६
 विनिर्जघि प. ७८
 विमळ राजा प. १२३
 विरदसिंघ राजा ती. २१७
 विरसेह (वीरसेन) रावळ प. ७६
 विराज सर्मा प. ६
 विराट सर्मा प. ६
 विराम साह ती. १६१

विलापानस प ७८

विलहण प १२२, १२४

विषसत प २६२

विषसान प २६२

विषस्वत दे० विषसत ।

विषस्थान दे० विषसान ।

विशक दे० विश्वक ।

विश्व प २८६

विश्वक ती १७६

विश्वनि (विश्वजित) प ७८

विश्वसवत ती १७६

विश्व सर्मा प ६

विश्वसह ती १७८

विश्वसिक्त ती १७६

विश्वस्त ती १७६

विश्वस्तक ती १७६

विश्ववसु प ७८

विष्णु दू ३

विसनवास प ३१७

„ दू १६४

„ ती २८१, २८२, २८५

विसनवास राम रो प ३१४

विसर्गसिध रामचरोत दू १५६

विसनो दू ८०

विसरजन दू ३

विस्तीर्णो चारण ती २८६, २८७, २८८,
२८९, २९०

विश्वसेन प २८८

विश्ववसु प ७८

विहारी प १२५, २३५, २४६, ३२७

„ दू १२३

विहारी कुर्म रो ती ३७

विहारीदास प २०८, ३०५

„ ती २२०

विहारीदास उप्रसेन रो प ३२०

विहारीदास दयालवासोत दू ६४, १०६

विहारीदास नाथावत प ३१०

„ „ दू १६६

विहारीदास रायसल रो प ३२४

विहारीदास सूरसिध रो दू १३३

„ „ ती ३६, ३७

विहारी प्राणदासोत दू १८४

वीजो वेणीवासोत दू १६८

वीरम प १६०

वीरमचित्र प. ३३६

वीरमसो प २३१

वीरमसो केल्हणोत दू २, ३६

वीरमसो सोहृद दू ४३, ४४, ४५, ५०

वीकाजी जोधावत प ३५३

वीकाविय प १०

वीकी प ३२७

„ दू ७६, १७०, १७४, १७८, १६२

वीकी ईदरियो दू २५४

वीकी कल्याणदास रो दू ६३

वीकी खेतसीसोत दू १७३

वीकी जयसिध रो प १६४

वीकी बहियो प २२६

वीकी भवा रो प २००

वीकी राव ॥ ८५, ८६, ६४, १२०,
१४५

„ „ ती १३, १४, १५, २०

२१, २२, २८, ३१, १६५, १८०,

१८१, २०५

वीकी रावत प ६२, ६३

वीकी वरसिध रो प २३६

वीजद प १३४, १६२, १८१, १८३,
१८७, १८८

वीजल प २६०

वीजल जगनाथ रो प ३०१

वीजलदे मन्वेसी रो प २६४, २६६

वीजल राव ती २२१

वीज सोलकी प २६३, २६४, २६५,
२६७, २६८, २६९

वीजो प. २४०

बीजो गोयंद रो प. ३५८
 बीठळ प. १६५
 ,, दू. ७८, १६६
 बीठळ गोयंदोत दू. ७६
 बीठळदास प. २५, ३१४, ३१६, ३१७,
 ३२३, ३२७
 ,, दू. ३, ८८, १०८
 बीठळदास फेलांदासोत दू. १६३
 बीठळदास गोपाळदासोत दू. १५०
 बीठळदास गीड प. ३०४
 बीठळदास नारणदासोत दू. १८८
 बीठळदास पंचाङ्गोत प. ३०८
 बीठळदास प्रागदासोत दू. १७१
 बीठळदास राजा प. ३०४, ३०६
 बीठळदास राठोड जैमलोत प. ३२१
 बीठळदास लखावत दू. १६१
 बीठळदास सहसमलोत दू. ६६
 बीठळदास सांवलदासोत दू. १८४
 बीठळदास हरदासोत दू. १६५
 बीणी जाळपदासोत मोहिल ती. १७२
 बीदो प. १६८, २४१, ३४१
 ,, दू. १४३, २६३
 बीदो छालत दू. १०७
 बीदो भासो प. ४०
 ,, दू. २६३
 बीदो तेजसी रो प. ३५७
 बीदो भारमलोत ती. ६५, १००
 बीदो राव ती. २८, ३१, १६५, १६६,
 १६७, २३१
 बीदो रावत दू. १२१
 बीदो राहड दू. १०७
 बीदो बीसळ रो प. २०१
 बीदो साह दू. ११३
 बीदो हरावत दू. १२६
 बीर ती. १७६
 बीरघन ती. १८७
 बीरचरित प. २६२

बीरड रावळ प. ७६
 बीरदास दू. ७८ ८०, ८१, ८८, ६१
 बीरदास नौसलोत दू. ७६
 बीरदास माना रो दू. २०१
 बीरदास रामा रो प. ३५७
 बीरघन राजा ती. १८७
 बीरघळ अवतारदे रो प. ३५५
 बीरघळ चारण लांगडिघी दू. २०६,
 २०७, २०८
 बीरघळ (राजा) ती. ५३
 बीरनरसिध रांणो प. ३४१
 बीरनाथ राजा ती. १८७
 बीरनारायण प. १८७
 बीरनारायण पंवार प. २०३
 बीरनारायण भोज पंवार रो ती. २८
 बीरवलसेन राजा ती. १८६
 बीरभद्र प. १३३
 बीरभाण प. ११६, १२०, १३३
 ,, ती. २३१
 बीरम प. १५, १६, १६६
 ,, दू. १७०
 बीरम ऊदावत प. २४०
 बीरम कुंभा रो प. १६७, १६८
 बीरम खावडियाणी रो प. ३४७
 बीरमजी राव ती. ३०, २१५
 बीरमदे प. १६७, २६१, २८५, ३४१
 ,, दू. ३२, ८८, ६४, ६६, १००,
 १२१
 ,, ती. २२८
 बीरमदे अवतारदे रो प. ३५६, ३६१
 बीरमदे उर्वेसिध रांणा रो प. २२
 बीरमदे कंधरीगुर, कांंहडदे रावळ रो
 प. २०४, २०६, २२१, २२२,
 २२३, २२४, २२५
 ,, ,, ,, ,, दू. ४०
 ,, ,, ,, ,, ती. २८,
 १८४

वीरमदे गोकुलवास रो प. २६
 वीरमदे घाचा रो प. ३५८
 वीरमदे जसवत रो प. २०८
 वीरमदे दूदावत ती १०४
 वीरमदे देवराज रो प. २८५
 वीरमदे, राणा जसिधदे रो प. ३५६
 वीरमदे रामायत दू. १६४, १६७
 वीरमदे राय ती. ८०, ८१, ८२, ८३,
 ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९४,
 ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००,
 १०२, ११५, १८०
 वीरमदे रायसिधोत दू. १२५
 वीरमदे रावत रिणघीरोत दू. ११७
 वीरमदे वरजागीत दू. १६१
 वीरमदे बाघेलो प. २६१
 वीरमदे सहस्रमल रो प. ३१४
 वीरमदे सूरजमल रो प. ३०
 वीरमदे हरदास रो दू. २६३
 वीरमपाळ राजा ती १८८
 वीरम माला रो प. १६६
 वीरम वीका रो प. १६४
 वीरम वेगू रो प. ३५२
 वीरम सलसावत दू. २८१, २८४, २८५,
 २८६, ३००, ३०१, ३०२, ३०३,
 ३०४, ३०६, ३१७, ३२०
 वीरम सोढल रो प. ३४०
 वीरम हमीर रो प. २३७
 वीर विक्रमादित्य राजा ती. १७५
 वीर सर्मा प. ६
 वीरसिध राजा ती १६०
 वीरसीह रावळ प. १२, ७६
 वीरसेह (वीरसेन) प. ७८
 वीरसेन राजा ती १८६
 वीर राजा गहरवार रो प. १२८, १३०
 वीरो दू. ८५
 वीरो भोजायत दू. १७७

वीर्यपाल ती १८८
 वीर्य सौभत प. २२६
 वीवर प. २८८
 वीरम रांगो दू. २६५
 वीरल प. २६१
 वीरल दू. २०३
 वीरल ठाकुर रो प. ३००, ३०१
 वीरलदे दूदावत दू. ६५
 वीरलदे मुषपाल रो प. ११६
 वीरलदे राव प. २६१
 वीरलदेव ती ५१, ५३
 वीरलदे सोलकी ती २८०, २८५, २८६,
 २८७, २८८, २९०, २९१
 वीरल साक्षण रो प. २०२
 वीरल साखलो ती. ३०
 वीरो प. २०५
 ,, दू. १००, २०६
 वीरो भावमम रो प. २००
 वीरो उधरण रो प. २३१
 वीरो जोषावत प. २४३
 वीरो पूना रो प. १६६
 वीरो वणघीरोत दू. १६४
 वीरो वीका रो ती. २०५
 वीरो वीरम रो प. १६८
 वीरो हमीर रो प. ३५५, ३५६, ३५७
 वृद्ध मेघराजोत ती २६
 वृद्ध ती १७८
 वृद्धपाल ती. १८८
 वृद्ध ती १७६
 वृद्ध प. २८६
 वृद्धल ती १७६
 वृद्धमानु ती १७६
 वृद्ध ती १७६
 वृद्ध ती १७६
 वृद्ध प. २८६
 वृद्ध ती १७७, १७८

बृहसत प. २८७
 बृहस्पल ती. १७६
 वेगड़ रांगो दू. २६५
 वेगड़ो भील प. ३३५
 वेग समी प. ६
 वेगू भोजदे रो प. ३५२
 वेगो रांगो मोहित ती. १५८, १७१
 वेण राजा प. २८७
 वेणादित्य प. १०
 वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३,
 ३२७, ३३०
 " दू. ६२, १२०, १४६, १८३,
 १६६, १६६
 वेणीदास केसोदासीत दू. १६८
 वेणीदास गोपंधदासीत दू. १५५, १५७
 वेणीदास जोगावत दू. १७७
 वेणीदास ठाकुरसीप्रोत दू. १४८
 वेणीदास दूदा रो प. ३६१
 वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०
 वेणीदास बलुप्रोत प. २३४
 वेणीदास सहसमल रो प. ३१४
 वेणीदास सिध रो प. ३१५
 वेणी देवावत दू. १६०
 वेणी रायमलोत दू. १२३
 वेद समी प. ६
 वेन प. ७८
 वेरड़ दू. ११८
 वेळावळ प. १२१
 वेसी प. १६६
 वेहाव्रभाज प. २८६
 वेजल रावळ ती. ३३
 वेजल सालघाहन रो दू. ३७, ३८
 वेणो प. १६६
 वेणो भ्रमरा रो प. ३५६
 वेणो मोहण रो प. ३५७
 वेणो राजघर रो प. १६६
 वेरड़ रावळ प. ५, ६

वरसल प. २४३
 " दू. ८८, ११८, १२०, ३४२
 वरसल कूपा रो प. ३६०
 वरसल खंगारोत प. ३०५
 वरसल गांगारो प. ३५६
 वरसल गोपाळ रो प. ३१०
 वरसल जसा रो दू. ३३
 वरसल जेता रो प. ३५२, ३५३
 वरसल प्रथीराजोत दू. १६७
 वरसल बलू रो प. ३४१
 वरसल भीम रो प. ३६३
 वरसल भोजावत दू. १७७
 वरसल माछ रो प. १६६
 वरसल राणावत दू. १५२
 वरसल रांगो ती. १५८, १६१, १६२,
 १६३, १६४, १६६, १७०, १७१
 वरसल राठोड़ प्रथीराजोत प. १५३
 वरसल राव घाचा रो दू. ११७, ११८,
 ११६, १२०, १२६, १३७
 वरसल राव (पूगळ) ती. ३६, ३७
 वरसल रूपसी रो प. ३१२
 वरसल सांकरोत दू. १८०
 वरसल हमीर रो प. १५
 वरसिध राजा ती. ४६
 वरसी प. ३१८
 " दू. ८२, ६२
 " ती. २२७, २२८
 वरसी नारणोत प. ३५८
 वरसी रांगो प. १२३
 वरसी रायमलोत दू. १८२, १८५
 वरसी रावळ प. ५
 " " दू. २, ८१
 " " ती. ३४, २२१
 वरसी लखमण रो दू. ११, १४, ७६, ८०
 वरसी लूणकरणोत ती. १५२, २०५
 वरसी घाघावत प. ३३८, ३३६, ३४४
 वरसी हमीरोत प. ३५६

चैरागर दू ११८

चैराणी प ३१३

चैरीताल प २५

, दू २२८, २३२, २३६

चैरो प १०१, १०२, १०६, २८१

३४३

चैरो भीव रो प ३४१

चैवस्वत प ११६

चैवस्वत मनु प ७८

चोटी दू १

चोडो-रावण, दोदो दे० दोदो सूमरो ।

चक्षीत प २८८

चहदा प २८६

चहान चितती पीर प ३१८

चहा प (ग्रह्याय) प ७८

विदायनदास प ३०७

श

शभुपाल राजा ती १८८

शत्रुजय राजा ती १८६

शत्रुघ्न राजा ती १८७

शत्रुजित दे० सलामीत ।

शम्सला दे० समसला ।

शम्सुद्दीन दे० समसदीन मुलतान ।

शलावित्य ती ४६

शहरयार दे० साहयार पातसाह ।

शहरयार शाहजादा दे० सहरियाल

साहिजाबी ।

शादमा प ३००

शालिवाहन दे० सालवाहन ।

शालिवाहन परमार राजा ती १०५

शावस्त ती १७७

शाह घालम प ५६

शाहजहा दे० साहजहा पातसाह ।

शाहजहाँ शहाबुद्दीन दे० साहजहाँ

सायबदीन ।

शाहजी भोंसला दे० भुहसाजळ साहजी ।

शाहबुद्दीन बादशाह दे० साहिबदी

पातसाह ।

शिवधन प २६२

शिवब्रह्म कछवाहा प ३२६

शिवाजी छत्रपति प १५

शिविर राजा ती १७५

शिंगुपाल ती १५४

शीघ्र ती १७६

शुद्धोद ती १७६

शुद्धोदन ती १७६

शेल पीर बुरहान चिटती प ३१८

शेल फरीद ती २७६

शरशाह सूर बादशाह दू १५४

श्यामदास प १४४, १५६

श्याम ती १७६

श्यावस्त दे० शावस्त ।

श्रीकरण रावळ ती २३६

श्रीपाल प २८६

श्रीपूज रावळ प ५

श्रीमोर ती १५५

श्रीय ती १७६

श्रीवद्य प २६२

श्रीवस्त ती १७७

श्रुत ती १७८

य

यटम प २८८

यटवाय प २८८

, ती १७८

स

सकर दू ८४, ८८

सकरदास प १२१

सकरदास रामोन दू ८४, १२०

सकर माधो ती १६०

सकर साला रो प १३६

संकर सिंघावत प. २४३
 „ „ दू. १००
 संकर हींगोळ रो प. २३५
 संकमाघो ती. १६०
 संग्रामसाह प. १२६
 संग्रामसिंघ ती. २२६
 संग्रामसिंघ हररांमोत प. ३२४
 संग्रामसी दुरजणसाल रो प. ३५५
 संघदीप प. २८८
 संजय ती. १७६
 संडोब राजा ती. १८६
 संसन बोहरो ती. १५७
 संतोष प. २६२
 संभराण प. १०१
 संभूसिंघ ती. २३५, २३६, २३७
 संमत प. ७८
 संसाद प. २८७
 संसारचंद प. २०५
 „ ती. २३१
 संसारचंद अघळावत दू. १८१, १८२,
 १८४, १८५
 सद्यो बांकलियो ती. २५, २६
 सकत प. ७८
 सकतकुमार रावळ प. ५, १२
 सकतसिंघ प. १११, १३१, २११, २३४,
 ३०३, ३११, ३१४, ३२०
 सकतसिंघ दू. १६६
 सकतसिंघ आसकरण रो प. ३०४
 सकतसिंघ उर्देसिंघोत प. २१२
 सकतसिंघ जेतसीओत दू. ६३, ६४
 सकतसिंघ तेजसी रो प. ३२६
 सकतसिंघ मानसिंघोत प. २६१, २६८
 सकतसिंघ राव दू. १६४
 सकतसिंघ वेणीदासोत प. २३४
 सकतसिंघ त्रिदावन रो प. ३०७
 सकतसिंघ सुरतांणोत प. ३०४

सकतसिंघ हमीरोत प. ३०५
 सकतसिंघ हरदासोत दू. १६५
 सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८
 „ दू. १७४, २६४
 सकतो गोयंद रो प. १६६
 सकतो रायमलोत दू. १४५
 सकतो घोरमदेओत दू. १७०
 सकतो वीरसल रो दू. ८०
 सक्षितकुमार रावळ प. ७८
 सगण ती. १७६
 सगतसिंघ ती. २२०, २३२
 सगतो दू. १८०
 सगर प. ३०, ७८, २८८, २६२
 „ ती. १७८
 सगर रांगो प. ६२, ६५
 सगर रांगो उर्वसिंघ रो प. २२, २३,
 २४, २५, २७
 सगरांसिंघ प. २६८
 „ ती. २२३
 सगरो बालीतो प. ६७
 „ „ ती. ४१, ४३, ४७, ४८
 सजन भायल प. १६३
 सजो राजा रो दू. २६२
 „ „ „ ती. २१४
 सजोसराय (सुजसराय) प. २८६
 सभो राजावत वे० सजो राजा रो ।
 सत राजा परमार ती. १७५
 सतीदान रूपावत ती. २२५
 सतो प. ६६
 „ दू. २. ५३
 „ ती. २२१
 सतो खीमराज रो प. ३५५
 सतो चूडावत दू. ३००, ३०६, ३१०,
 ३३६, ३३७
 सतो चूडावत ती. ३०, १२६, १३०,
 १३२, १३३

सतो जाम दू २०५, २३७, २४०, २४१,
२४२, २४३

सतो जोषाषत प २४३

सतो समाइचो रो प. ३६१

सतो देवराज रो प ३६२

सतो भाटी सूनकरणोत ती. १४०

सतो रांगो दू २६५

सतो शंभाषत प १६६

सतो राव प १५, १६

सतो रावत रतनसी रो प ५०

सतो रिणमलोत दू २२३, ३४२

सतो सूनकरणोत दू. १४५

सतो लोला रो प २०७

सत्यव्रत ती १७८

सत्यव्रत हरिश्चन्द्र ती १७८ दे०

हरिश्चन्द्र ।

सत्रजीत प १२६

सत्रसात (सत्रसाल्य) प. १२०, २०६

" " दू १५६, १६५,

२६४

सत्रसात नराङ्गदासोत प ३०५

सत्रसात राव दू १२३

सत्रसात सूरसिघोत ती. २०८

सत्रसिघ दू ६६

सत्राजित दे० सलाजीत

सत्यात दू ३

सवरघराज प. २८८

सन्न राजा ती १८५

सबळसिघ प २५, ३१, ६८, ६९, ७०,

२३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०,

३२५, ३२८,

सबळसिघ दू १, १२०, १३१. २००

" ती २३०

सबळसिघ ईसरदासोत दू १८६

सबळसिघ कवर प. ३०८

सबळसिघ किसनसिघ रो प ३०६

सबळसिघ धतुरमुनीत पूरसिघो प ६६

सबळसिघ पूरावत प २६

सबळसिघ प्रणीराजोत दू १५७

सबळसिघ प्रागदासोत दू १८३

सबळसिघ फरसराम रो प ३२३

सबळसिघ मानसिघोत प. २६१, २६८

सबळसिघ राजावत दू १५०, १७०

सबळसिघ रावळ दयाळदासोत दू. ६३,

६७, १०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, १०९

सबळसिघ रावळ दयाळदासोत ती ३५,

३६, २२०

सबळसिघ शिवावमदास रो प ३०७

सबळो प १५८, २०६

" दू ८८, १२१, १६६, १७१, २६४

सबळो साबुलोत प ३६०

समपू प २८६

समरसी प. १०१

समरसी कीनू रो प १६६, २४७

समरसी रावळ प १३, ७६, ८०, ८१,

८२, ८७, २०३

समरो प १३४ १६५ १८७

समरो देवढो प १४४, १४५, १४६, १४७,

१५१, १८१

समरो नरसिघ रो प १६६

समसला ती २७४

समसदी दू ६६, ७१

समसदीन सुलताण ती. १६०

समसदीन दे० समसदी ।

समुद्रणाल राजा ती १८८

समो बलोच दू १३०, १३६

सरखेतला ती ८५, ८८, ९०, ९१

सरदारसिघ ती २२०, २३१

सरदारसिघ महाराजा (बीकानेर) ती १८०

सरफराजखी ती २७७

सरवासु प. २८७

सराजदी दू. ४८, ४९
 सराजुद्दीन दे० सराजदी ।
 सरूपसिंघ प. १३३
 ,, ती. २२८, २३०
 सरूपसिंघ अनोपसिंघोत ती. २०८
 सर्वकाम ती. १७८
 सलखो प. १६
 ,, दू. २८०, २८१, २८४
 सलखो देवराज रो प. ३६३
 सलखो राव तोडै रो ती. २३, २४, २६,
 २७, ३०, १८०
 सलखो लूभावत देवडो ती. २६
 सलराज प. २८८
 सलाजीत (सत्राजित = शत्रुजित) प. ७८
 सल्लूणो प. २२५
 सलेमखां दू. ११५
 सलेमसाह पातसाह ती. १६२
 सलेहदी राजा भारमल रो प. ३०२
 सलैदी सुरतांणीत दू. १५२
 सलो राठोड़ प. २२५
 सलो सेपटो प. २२५
 सलहदी प. २६१, ३३१
 सलहदी गिरघर रो प. ३२२
 सलहदी रतनसो रो प. ३५६
 सलहदी राजावत प. ३२१
 सलहदी सांगा रो प. ३२५
 सघरो प. १६६, १६७
 सघीर प. ७८
 सवाईसिंघ ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
 २२९
 सवाईसिंघ रावळ दू. १०६
 सहंस राजा प. ३३६
 सहजईंद्र राजा प. १२८
 सहजग प. १३०
 सहजपाळ राजा प. १२८
 सहजपाळ गाडण प. २२५

सहजसेन दू. ६
 सहजपाळ ती. २६
 सहदेव प. २८६
 ,, ती. १७६
 सहदेव सकतावत प. ३०४
 सहूरियाल साहिबादो दू. १५६
 सहबानखां प. २१०
 सहवण (सहवणं) प. ७८
 सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४,
 १८८, १८९, २३१, ३६१
 ,, दू. ६२, १४३
 सहसमल चवडै रो दू. ३१०
 सहसमल खानण रो प. ३१४
 सहसमल खूँडावत ती. ३१
 सहसमल दुसाऊ रो प. ३५२
 सहसमल देवडो ती. २६, ३१
 सहसमल मालदेवीत दू. ६६, ६७
 सहसमल रायमल रो प. ३२५
 सहसमल रायसिंघोत दू. १२५
 सहसमल राव प. १३५, १३६
 सहसमल रावळ प. ७४, ७६
 ,, ती. २६६
 सहसमल बीसळ रो प. २०१
 सहसमल सोम रो दू. ७६, ७७, ११६,
 ११६
 सहसमल हाडो प. ११०
 सहसमान प. २८६
 सहसो प. २४३, ३६१
 ,, दू. १२०, १३०, १७०, १६८,
 २००
 ,, ती. २२०
 सहसो ऊदावत दू. १७६
 सहसो खरहण रो प. ३५६
 सहसो ठाकुरसीधोत दू. १८६
 सहसो ब्याळदासोत दू. १६६
 सहसो प्रताप रो प. २८

सहसो मोकल रो प. ६२
 सहसो सृजा रो दू. १६१, १६२
 सहस्रार्जुन दू. ६
 सहस्वान ती १७६
 सहाबुद्दीन गीरी प. १८०
 सहिसो ती. ६५
 साइयो भूलो चारण प. ८६, ८८
 साईवास प. १११, १४२, २७६, ३२३
 साईवास अभा रो प. ३२७
 साईवास तिलोकसी रो दू. १६२
 साईवास प्रधीराज रो प. २६०
 साईवास भाटी दू. ६६
 साईवास राजसोमोत दू. १७६
 साईवास रावत प. ६६
 साईवास हरदासोत दू. १६०
 साकर चाँपा रो प. २००
 साकर पीयावत दू. १६३
 साकर प्रधीराजोत दू. १६३
 साकर भुवबळ रो प. १६४
 साकर सूरवात दू. १८०
 साखलो प. १८, ३३७, ३६३
 सागण प. १६६
 „ दू. ३६, ४३, ५४, ८४
 „ ती. २२१
 सांगम मगळराव रो दू. १६
 सांगमराव खोवी प. २५१
 सांगमराव राठोड ती. २८०, २८१,
 २८२, २८३, २८४, २८५, २८६
 सांगी रवारी दू. १६, २०
 सांगो प. २८०
 सांगो दू. ८१, ८८, १४४
 „ ती. २३१
 सांगो ऊदावत प. ३६०
 सांगो करमा रो प. १६५
 „ „ „ दू. ८०

सांगो खटेर दू. १०३
 सांगो खोबा रो दू. १२१
 सांगो गोपदोत दू. १७६
 सांगो पीयावत दू. १६०
 सांगो प्रधीराजोत प. २६०, ३०७, ३१४
 सांगो बोहड सोळकी रो प. ३८०
 सांगो भाटी ती. १७
 सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५
 सांगो मन्मतराव रो दू. १, ११
 सांगो राणो प. ४६, २८६
 „ „ दू. २६२, २६४
 „ „ ती. २४८
 सांगो रांगो माणकराव रो ती. १५८,
 १७१
 सांगो रांगो रायमल रो प. ६, १५, १८,
 १९, २०, २१, २३, १०२, १०३,
 १०४, ११६, १२०
 सांगो रावळ बछु रो दू. १४०
 सांगो बडवज प. १५६
 सांगो वणवीर रो ॥ १७२
 सांगो विजावत दू. १६६
 सांगो सिधोत प. ६८
 सांगो सुत्ताव राजा ती. १६०
 सांगो सेलार प. २२५
 सांगो हिमाळा रो प. २४४
 साधण रावत ती. १७६
 साडो डोडियो प. ३६
 साडो पुनपाळ रो प. ३५४
 साडो राणपाळोत ती. २६
 साडो साखलो ती. ८४
 साडो सिधोवत प. २४३
 सांवू प. १११
 सामतसिध ती. २२६
 साम दू. १, ६, १६
 साम उदैसिधोत प. २२
 सामतसी रावळ प. ७६

सामदास दू. ७८, १०, १२६
 सामदास अमरा रो दू. १२२
 सामदास खेतसीधोत दू. ६५
 सामदास गोपाळदासोत दू. १०७
 सामदास जोगा रो प. ३५७
 सामदास जोगीदासोत दू. १८५
 सामदास नाथावत प. ३११
 सामदास भांगोत दू. १६४
 सामदास मेघराज रो प. ३५६
 सामपत जाम दू. २०६
 सामर्तसिध प. २६, ३२४, ३२७
 सामो प. ३६१
 सामो दू. ८०, २००
 साम्ब दे० साम ।
 सावत प. २४७
 सावत करमचंव रो प. २०५
 सावतसिध प. ३२८
 सावतसिध ती. १२६, २३२, २३५,
 २३७
 सावतसिध चावडो दू. २६७
 सावतसिध सेलावत ती. ३२
 सावतसिध सोनगरो ती. २६१, २६२,
 २६३
 सावत सिढायच-चारण ती. २८०, २८१
 सावतसी प. १६७, १८७, २१३, २८५
 ,, दू. २, ४, ७७, ७८, १०३
 सावतसी केहर रो दू. ७७
 सावतसी चौबो प. १३८, १३६
 सावतसी महफरणोत प. २३३
 सावतसी रांगो ती. १५८
 सावतसी रायमल रो प. २८४, २८५
 सावतसी रावळ चाचगदे रो प. २०४
 सावतसी वीकावत दू. १७३
 सावतसी वीसा रो प. २००
 सावतसी सावळ रो प. १६४
 सावतसी सुरा देवडा रो प. १७०

सावतसी सोनगरो रावळ ती. २३
 सावळ प. २६, १६५, ३३६
 ,, दू. ७७, ८४, १६६
 सावळदास प. २७, ६७, ७०, १०१,
 १०२, ११५, ११७, १२०, १२५,
 १६८, २०८, ३०६
 ,, दू. १२५, १२६, १६१, १६१,
 २६४
 ,, ती. २२७
 सावळदास कलावत दू. १६२, १७४
 सावळदास दुंगरसीधोत दू. १७५, १७६
 सावळदास देवकरण रो प. ३१०
 सावळदास नारजदास रो प. ३५८
 सावळदास पंचाङ्गोत प. ३०६
 सावळदास बळकरण रो प. ३४२
 सावळदास भांनीदासोत दू. १६६
 सावळदास भाटी गोपाळदासोत दू. १०७
 सावळदास मेहकरणोत दू. १६३
 सावळदास रायमल रो दू. १२३
 सावळदास रावळ प. ७०
 सावळदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२२
 सावळदास संसारचंव रो दू. १८१, १८२
 सावळदास हमीरोत प. ३४३
 सावळ सांडणोत प. २३६
 सावळ भावबवे रो प. ३३६
 सावळसुध रोहडियो-चारण दू. २३६, २३८
 सावळो प. १६४
 सांसतप प. २८७
 सागण ती. २२१
 सागर रांगो दू. १५८
 साजन ती. २३६, २४७
 साड जाम दू. २१४
 सातळ प. १६३, २२५
 ,, ती. १८४
 सातळ अखा रो प. ३४१

सातळ केहर रो दू ७७
 सातळ घडवांग दू ५८
 सातळ भाटी दू ८४
 सातळ रांगो दू २६५
 सातळ राध जोपायत ती ३१, १०४,
 १८२
 सातळ वरसिध रो दू. १२७
 साबमत प ३००
 साबमो सुलतान प. ३००
 सादूळ प २२, २७, ११७, १६४, ३०६,
 ३१३, ३२८ ३४३
 , दू ७८, १६८, २००, ३२७, ३२८
 सादूळ कचरावत दू १८४
 सादूळ कितनावत दू १६४
 सादूळ छेतसी रो प ३६०
 सादूळ गोपाळदासोत दू १०५
 सादूळ गोयबोत दू १७५
 सादूळ जगहय रो प २४१
 सादूळ जाळण रो प २४०
 सादूळ जुजगसल रो दू ६०
 सादूळ दूदायत दू १६७
 सादूळ नरहरोत प ६६
 सादूळ भानीदास रो दू १२८
 सादूळ भाखरमीप्रोत दू १६६
 सादूळ भारमलोत प २६१, ३०२
 सादूळ भनोहर रो प ३४३
 सादूळ मानावत दू १६०
 सादूळ मालदे रो प ३१५
 सादूळ शणावन ॥ १५२
 सादूळ शणो सूजा रो प. २७१
 सादूळ रामावत प १६६
 सादूळ रावत परमार ती १७६
 सादूळ राव महेसोत प १५२
 सादूळ बीठळदासोत प ३०६
 सादूळ साकर रो प १६४
 सादूळ सावतसीप्रोत प २३४
 सादूळसिध ती २२५, २२६

सादूळसिधोत दू १७६
 सादो दू ३२७, ३२८
 सादो कुवर दू ३१२, ३२५, ३२६, ३२७,
 ३२८
 सादो देवराज रो प ३६१, ३६२
 सादो रांगदेवोत प्रोटीट प ३४८,
 ३४९
 साबर ती २७८
 सायबसिध ती २२३, २२८, २३०
 सायब हमीरीन दू २४४, २५० २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६
 सायर प ३६२
 सारग ईसर रो प ३५१
 सारगखान ती २१, २२, १६३, १६४
 सारगदे जैमल रो प २१२
 सारगदेव वाघेसी ती ५१
 सारग मारणोत दू १७४
 साल काल्हण रो दू २
 सालवाहण प ६६
 " दू १५, ३८
 सालवाहण राजा परमार ती १७५
 सालवाहण रावळ प ७८
 सालवाहन प १२३ १३५ २५६, ३३६
 " दू २ ३६, ३७
 सालवाहन अरघसिध रो ती ३७
 सालवाहन चपनराय रो प १३१
 सालवाहन राजा प २५६
 सालवाहन राजा दू ६
 सालिवाहन रावळ प ५, १२
 " " दू १०
 " = ती ३३, २२१
 सालो सोहड रो प ३४०, ३४१
 साल्ह दू ३६
 साल्हो सोभम रो प २३० २३१
 सावत हाढो प ११७

सावटू भाटो दू. ३१६

सावर प. १२२

साहजहां पातसाह प. ४८

„ „ दू. १०५

„ „ ती. १८, १६२, २३८,

२४६, २७७, २७८

साहजहां सायबदीन पातसाह ती. १६२

साहली ती. २७७

साहणवाळ रांणो मोहिल ती. १५८, १७०

साहणमल दे० साहणवाळ रांणो मोहिल ।

साहयखान प. २२

„ दू. १३४

„ ती. २७७

साहयार पातसाह ती. १६२

साहरण जाट ती. १३

साहरण घद्या रो प. १०१, ३३८

साह, रांणा उर्दसिध रो प. २२, २५

साहिजहां पातसाह दे० साहजहां पातसाह

साहिध प. २७

„ दू. २०६, २१६, २२२, २२३

साहिधखान प. १५७, २७६

साहिधखान बेणीदास रो प. ३३०

साहिध गांगा रो प. ३५८

साहिबदी पातसाह ती० १८३

साहिल प. ११६

साहुर अमरा रो प. १६५

सिध प. २३, १६०, २१२, २५६, ३०४,
३२८

„ दू. ११, ६०, १००, १०३, १०४

सिध झालो, अजा रो प. ५१

„ „ „ = दू. २६२, २६३,
२६४

सिध करमचंद रो प. ३१५

सिध कांधळोत प. ६७

सिध कांन्हावत दू. १६३

सिध खेतसीघोत दू. ६५

सिध जैतमालोत दू. १८७

सिध ठाकुरसीघोत दू. १८६

सिध देवकरण रो प. ३१०

सिध भांनोदासोत दू. ६३

सिध रतनसिघोत दू. १७६

सिध राय प. ११६

सिध राव प. १३५

„ दू. १, १०

„ ती. २२२

सिध रावत प. ६५

सिध रूपसीघोत दू. १४७

सिधलसेन राजा परमार प. ३३६

„ „ „ ती. १७५

सिधसेन राजा दे० सीहोजी राव ।

सिधो घाघावत प. २४२

सिधराज प. २८६

सिध राजा ती. १७६

सिधु ती. १७६

सिधु प्रसयतु का पुत्र ती. १७६

सिहबल राजा ती. १८५

सिहल कवि दू. ७५

सिफंदर प. २६२

„ ती. ५५, १७१

सिफंदर सोदी ती. १६२

सिखर प. १६

सिखरो दू. ३०७

सिखरो ऊगमनावत दू. ३१४, ३१५, ३१६

„ „ ती. २५०, २५२,

२५३, २५४, २५५, २५७, २६०,

२६१, २६२, २६३, २६४, २६५

सिखरो बोडो प. २४७

सिखरो भुजवळ रो प. १६५

सिखरो महकरण रो प. २३३

सिखरो रतना रो प. १६७

सिद्धराज सोळंकी प. २७८

सिद्धराव प. ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिघडे ती २६, ५१
 सिधगराय प २८८
 सिधराज प २८६
 सिधराय प २७५, २७६, २८०
 (दे० सिद्धराय)
 सिधराव जैसिघडे प २६०, २७४, २७७
 (दे० सिद्धराव जैसिघडे)
 सिधराव सोळकी करम रो प २८०
 सिरग जेतसोघोत डू १२२, १२३
 सिरगजी ती २२३
 सिरग जैसिघोत ती २०५
 सिरग डूगरसोघोत डू १०७
 सिरदारसिध प १२०
 सिरदारसिध प्रसापसिध रो प १२१
 सिरपुज रावळ प १३
 सिरवान भाटी ती ५७
 सिलावत प ३
 सिलार रावळा रो प १६४ १६५, १६७
 सिधर्वासिध ती २२३, २२८
 सिधदास डू ८०, १५१
 सिधदास नाथू रो डू १६७ १६६
 सिधघात प २६२
 सिधबहा प २६५, २६६
 सिधबहा कछवाहो राजा उदकरण रो
 प ३२६
 सिधर प १२३
 सिधर राजा परमार ती १७५
 सिधराम प २६ ३०७
 सिधराम उदैसिघोत प ३०८
 सिधराज डू ३४२
 सिधराज राजा प २६२
 सिधसिध प २६८
 „ ती २३७
 सिधसेन राजा ती १८६
 सिधो प १५, १६०, १७२, १६७, १६८,
 २००

सिधो डू १४३
 सिधो कंसवेचो डू १००
 सिधो मोहित प ३३५
 सिधो पूजा रो प ३५१
 सिधो राव छाजू रो ती २४१, २४२,
 २४३, २४४ २४५, २४६, २४७
 सिधपाळ प २८६
 सोंगट मोहित जगरामोत ती १६५
 सोंघळ नीवावत प २०७
 सोंघो प ३२७
 सोंघो नाथा रो प ३२७
 सोगळ कच दे० सिंहल बधि
 सोमाळ डू ४१ ४२
 सोयळ पवार डू ६
 सोल प ७८
 सोहड डू ३६ ४३
 सोहड काव्हण रो डू २
 सोहड चावण रो रागो प ३४० ३४२
 ३४३
 सोहडवे रावळ प ७६
 सोहड भाटी डू ६४
 सोहड रावळ प १२
 सोहड साखलो प २५३
 , , ती १४०, १४२ १४३
 सोहपातळो प २१७
 सोहमाल ती १२५
 सोहा राठोड प ३३३
 सोहेंड रावळ प १२
 सोहो प १ २४८
 , डू १०८ १२२, १८६
 सोहो गोविंद रो डू ७७ ७८ १०६ १०७
 सोहो जगमाल रो डू ८४
 सोहोजी राव डू २५८ २६६ २६७
 २६८, २६९, २७१, २७२ २७३
 २७४ २७५ २७६
 „ „ ती २६ १७३, १८०
 सोहो घनराज रो डू १२३

सुरपुंज रावळ प. ७६

सुवचंद ती. १६०

सुविधि राजा ती. १८५

सुसिध प. २६२

सुस्तराज प. २८६

सुप्रो प. १६

सुजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,

१०२, ११६, १२१, १२४, १६१

२४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२

„ हू. १६६

सुजो आसावत प. ३४३

सुजो करणोत प. १६८

सुजो छेतसी रो प. ३६०

सुजो जगमालोत हू. १६१

सुजो जसूतोत हू. १७०

सुजो जैसा रो प. १६६

सुजो देईदास रो प. ३१७

सुजो देवदो प. १५६, १६४

सुजो पतावत हू. १५१

सुजो पूरणमल रो प. ३१३

सुजो प्रागदासोत हू. १८३

सुजो भाटी हू. ६६

सुजो भारमलोत प. २००

सुजो भुजवळ रो ॥ १६५

सुजो महीकरण रो प. ३५६

सुजो मांडणोत प. २३६

सुजो रांणी प. २३१, २३५

सुजो रांमावत हू. १६१

सुजो रायमलोत प. ३१६

„ „ हू. २००

सुजो राव प. ३६१

„ „ हू. १५३, १७८

सुजो राव, जोधावत ती. ३१, ८६, १०५

सुंदर ११४, १८२, २१५, २१६, २३५

सुंदर २. रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८

मुकर सोळी गधीर रो प. २४२

सुजो बीजा रो प. ३५८

सुजो वेणावत हू. १६०

सुजो सितार रो प. १६७

सुमरो हू. २३८

सूर प. १७८, १८८, १६०, २६२

(दे० सूर मालण)

सूरज प. ७८, १२५, २६२

सूरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६९, ७३,

७४, ७५, ७६, ७७, ८१, ८२, १०२,

१०३, १०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, १०९, ११०, १२०, २०६,

२११, २१२

सूरजमल हू. ७८, ८०, ८०, ८४, १२३,

१२४, १२८, १३६, १५६

सूरजमल ती. २२७

सूरजमल श्रमरा रो प. ३०, ३५६

सूरजमल किसनावत हू. १६६

सूरजमल फेसोदास रो प. ३१४

सूरजमल गोपाळदासोत हू. १८६

सूरजमल चांया रो प. ३५६

सूरजमल बालासो ती. ४१

सूरजमल लूणकरणोत हू. ६०

सूरजमल हाडी प. २०

सूरजसिध प. ५३, २४७

सूरजसिध राजा हू. ८१, ८६, ११६,

१५५, १५८

सूरजसिध राव हू. १३१, १३२

सूरजसिध प. १२०, २६६, ३०७, ३०८

„ ती. २२१, २२४, २२६, २२६

सूरजसिध महाराजा (बीकानेर) ती. ३२,

१७७, १८०, १८१, २०८

सूरदास प. २३२

„ हू. १६४

सूरदेव ती. २१६

सूर नरसिधोत प. १५३

सूर नाहरदास प. १५३

पातसाह दू १७७, १८०, १८०,
१८२
पाळ प. २८६
मचद प ५०
माघवदे रो प ३३६
मालण (सूरमाल्हाण) दू ४०, ४१,
४२, १५३, १७८
र राणो दू २६५
रसिध प २५, २६, २८, १५३, १६१,
३०३, ३०५, ३०६, ३०८, ३११,
३२०, ३२२, ३२६, ३२८
रसिध दू १५८
रसिह ती २३०
रसिधजी राजा प. ३२३
रसिध करसराम रो प ३२३
रसिध भगवतदास रो प २६१, ३००
रसिध महाराजा (जोधपुर) ती १८२,
२१४
रसिध महाराजा (बीकानेर) दू १११
रसिध मानसिधोत प ३२७
रसिध रायसिधोत महाराजा (बीकानेर)
ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
२१० (३० सूरसिध महाराजा
बीकानेर)
रसिध राव दू १३०, १३१, १३२,
१३३, १३६, १४४
रसिध वर रो प ३१६
रसिध बीकूपुर राव ती ३६
रसिध सुरताण रो प १५८
रसिध दू ३, ६
" ती. २३१
रसिध उपसेन रो प २६२
रसिध राजा ती. १८६
रसिध प ७०
" दू ८४, ८८, १७८, १८६
रसिध कलावत प. १६६

सुरो कायलोत ती. २१
सुरो काना रो प ३६०
सुरो डूगरसी रो प. १२०
सुरो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १४८,
१७०
सुरो नरबद रो प २४८
सुरो नरसिध देवडा रो प १६५, १६६,
१६७
सुरो मरवदासोत दू १७८
सुरो माधा रो प. ३२१
सुरो सोलावत प २३८
सुरो वगू रो प. ३५२
सुरो सोडो प ३६२
सुरपाळ पदमपाळ रो प २८६
सुरपाळ भीमपाळ रो प. २६०
सेख फरीद ती २७६
सेखो प ६७ ३२७
" दू. १४२, १४३, १६८
सेखो खारवारा रो राव ती ३७
सेखो खेतसीधोत दू १७३
सेखो चहुवाण भाभूणोत प १५२, २३६
सेखो प्रताप रो प २८
सेखो माकळ रो प ३१८, ३१९
सेखो रतना रो प ३१७
सेखो राणो बोला रो दू २६५
सेखो रामावत प १६८
सेखो राव दू. ११०, ११८, ११९, १२०,
१२४, १२६, १३७
" " ती १६, ३१, ३६
सेखो रुदा रो प १६१
सेखो सावत रो प २००, २०१
सेखो सुजावत प २४१, २४२ ३६०
" " ती ८६, ८८, ८९, ९०,
९१, ९२
सेतराम दू २६८

सीहो रामदासोत द्व. १६६
 सीहो राजावे रो प. २६४
 सीहो रायमल रो प. ३२७
 सीहो रावळ प. ५, ७८
 सीहो रुदा रो प. १७२
 सीहो सींथळ द्व. १८७
 " " ती. १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२७, १२८
 सुंदर प. ३४३
 " द्व. ८६, ६५, १२३, १७७, १६६,
 २००
 सुंदर कचरावत प. ३५७
 सुंदरचंद राजा ती. १८८
 सुंदरदास प. २६, ६६, १२५, १७३,
 १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१,
 ३४३
 सुंदरदास द्व. ८१, ८८, ६०, ६३, १२६,
 १५८, १५९, १६४, १८३, १६२
 सुंदरदास ती. ३७, २२५, २२६, २५७
 सुंदरदास गोयंददासोत द्व. १५०
 सुंदरदास गोड प. ११७
 सुंदरदास देवराज रो द्व. १०४
 सुंदरदास भगवानदासोत द्व. १५२
 सुंदरदास भारमल रो प. ३०२
 सुंदरदास भीषोत द्व. १७२
 सुंदरदास मुंहणोत प. १६७
 सुंदरदास लाठखान रो प. ३२१, ३२५,
 ३२७
 सुंदरदास सुरतांण रो प. ३०४, ३१२
 " " " द्व. १५६
 सुंदरदास सूरजमलोत द्व. १८६
 सुंदर भारमलोत प. २६१
 सुंदर सहसावत द्व. १७६
 सुंदरसी मुंहतो ती. २१४
 सुंदर सोढो प. ३६१
 सुकर सोळंकी प. २६१, २८०

सुकव प. ७८
 सुकायत राजा ती. १८७, १८८
 सुकृत दे० सुकव ।
 सुकृत सर्मा प ६
 सुखचंद भाषो ती. १६०
 सुखरामदास ती. २२६
 सुखसिंघ ती. २२४
 सुखसिंघ सूरजमलोत ती. २१७
 सुखसेन राजा ती. १८६
 सुगणी मुंहतो प. ३३८
 सुचंद भाषो ती. १६०
 सुजत प. ७८
 सुजन अर्जुनोत मोहिल ती. १६६, १७०
 सुजय प. ७८
 सुजाण प. २७
 " द्व. ६२, १२३
 सुजाणराय प. १३१, २७८
 सुजाणसिंघ प. २२, ३०, ६७, १३०,
 २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८,
 ३१०, ३२८
 सुजाणसिंघ द्व. ६५, ६६, २६४
 " ती. २२४
 सुजाणसिंघ परसोतम रो प. ३२३
 सुजाणसिंघ महाराजा (घोकानेर) ती. ३२,
 १८०, १८१, २११
 सुजाणसिंघ भाषोसिंघ रो प. २६६
 सुजित प. ७८
 सुंदरसण प. ३२७
 " द्व. ८८
 " ती. ३६
 सुंदरसण भाटी मानसिंघोत द्व. १३२
 सुंदरसण राव जगदेव रो द्व. १३६
 सुदर्शराज प. २८८
 सुदर्शन प. ७८
 सुदर्शन ती. १७६
 सुदर्शन प. २८८, ३२७

सुदास ती १७८
 सुदेव ती १७८
 सुदसेन ती २३०
 सुधन राजा ती १८६
 सुधन्व प २८८
 सुधन्वा दे० पुष्पन्वा ।
 सुधानेव प. २८७
 सुधियन्त्या प २६३
 सुधोम ॥ २८६
 सुनगराम प २८८
 सुप्रतिकाम दे० सुप्रतिकान्त ।
 सुप्रतिकान्त ती १७६
 सुबाहु प २८८
 सुबुद्ध तर्मा प ६
 सुभकरण प. १२७, १३१
 सुभराम ती २३५
 सुभाहय तर्मा प ६
 सुमत दे० समत ।
 सुमल प. १२३
 सुमित्र ती १८०
 सुमित्र माण्ड्य रो प २६३
 सुमेधा प ७८
 सुरचद माधो ती. १६०
 सुरजय प. ११०, १११, ११२
 सुरजन प ३०६, ३१५, ३२८
 सुरजन आसावत ॥ १४६
 सुरजम ऊगा रो दू ८१
 सुरजन कधरावत ॥ १८४
 सुरजन जंतसिधोत ती २०५
 सुरजन राणो ती १५३, १५५, १५८
 सुरजन रायपाळ रो प ३५४
 सुरजन राव ती २६६, २६८
 सुरजन सीहड रो प ३४०
 सुरतराज प. २८६
 सुरतसिध प. ३०८
 सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०,

१०६, ११०, १३५ १३६, १४१,
 १४२, १४३, १४५, १४६, १४७,
 १४८, १४९, १५०, १५१, १५२,
 १५३, १५८, १६०, १६६, १६७,
 १६८, १७१, २००, २१०, २३६,
 २८१, २८३

„ दू ११, ८०, ८५, ८८, ८९, ९८,
 ९९, १०४, १०८, ११६, १२४,
 १३६, १४३, १५८, १५९, १६१,
 १६५, १६७, १६८, २००

„ ती २८७

सुरताण कल्याणमलोत ती २०६
 सुरताण कीटशिरो दू. १००
 सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८
 सुरताण चवडे रो दू ३१०
 सुरताण जाभ्य रो प २४०
 सुरताण जैमलोत ती १२०
 सुरताण आलो प्रधीराजोत दू २५६
 सुरताण आलो सिध रो दू २६२ २६३
 सुरताण ठाकुरसी रो दू १६२
 सुरताण दुरगावत प ३४३
 सुरताण प्रधीराजोत प ३०४
 सुरताण भाखरसीघोत दू १५२
 सुरताण मानावत दू १५४, १५७, १७६
 सुरताण रतनसीघोत दू १८६
 सुरताण राणावत दू १७१
 सुरताण रायमल रो प ३२७
 सुरताण रायसिधोत दू १५०
 सुरताण राव प २८१
 सुरताण राव भाणोत प २४६
 सुरताणसिध प ३२३

„ ती २२४, २२७, २३५

सुरताणसिध ठाकुर परमार ती १७६

सुरतो प. ३१

सूरय प ७८

„ ती १८०

सुरपुंज रावळ प. ७६

सुवचंद तो. १६०

सुविधि राजा तो. १८५

सुसिध प. २६२

सुस्तराज प. २८६

सुप्रो प. १६

सूजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,

१०२, ११६, १२१, १२४, १६१

२४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२

,, दू. १६६

सूजो खासावत प. ३४३

सूजो करणोत प. १६८

सूजो खेतसी रो प. ३६०

सूजो जगमालोत दू. १६१

सूजो जसंतोत दू. १७०

सूजो जैसा रो प. १६६

सूजो देईवास रो प. ३१७

सूजो देवढो प. १५६, १६४

सूजो पतावत दू. १५१

सूजो पूरणमल रो प. ३१३

सूजो प्रागदासोत दू. १८३

सूजो भाटी दू. ६६

सूजो भारमलोत ॥ २००

सूजो भुजवळ रो प. १६५

सूजो महीकरण रो प. ३५६

सूजो मांडणोत प. २३६

सूजो रांणो प. २३१, २३५

सूजो रांमावत दू. १६१

सूजो रायमलोत प. ३१६

,, ॥ दू. २००

सूजो राव प. ३६१

,, दू. १५३, १७८

सूजो राव, जोधावत तो. ३१, ८१, १०५

११४, १८२, २१५, २१६, २३५

सुंदर ६ रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८

सुकर सोळी रो प. २४२

सूजो घोडा रो प. ३५८

सूजो वेणावत दू. १६०

सूजो सिलार रो प. १६७

सूमरो दू. २३८

सूर प. १७८, १८८, १६०, २६२

(दे० सूर मालण)

सूरज प. ७८, १२५, २६२

सूरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६९, ७३,

७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,

१०३, १०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, १०९, ११०, १२०, २०६,

२११, २१२

सूरजमल दू. ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,

१२४, १२८, १३६, १५६

सूरजमल ती. २२७

सूरजमल घमरा रो प. ३०, ३५६

सूरजमल किसनावत दू. १६६

सूरजमल केसोदास रो प. ३१४

सूरजमल गोपाळदासोत दू. १८६

सूरजमल चांपा रो प. ३५६

सूरजमल बालासो ती. ४१

सूरजमल लूणकरणोत दू. ६०

सूरजमल हाडो प. २०

सूरजसिध प. ५३, २४७

सूरजसिध राजा दू. ८१, ६६, ११६,

१५५, १५८

सूरजसिध राव दू. १३१, १३२

सूरतसिध प. १२०, २६६, ३०७, ३०८

,, ती. २२१, २२४, २२६, २२६

सूरतसिध महाराजा (बोकानेर) ती. ३२,

१७७, १८०, १८१, २०८

सूरदास प. २३२

,, दू. १६४

सूरदेव तो. २१६

सूर नरसिधोत प. १५३

सूर नाहरखान रो प. ११७

सूर पातसाह दू. १७७, १८०, १८०,
१८२

सूरपाळ प. २८६

सूरमचद प. ५०

सूर माधवदे रो प. ३३६

सूरमालण (सूरमात्हण) दू. ४०, ४१,
४२, १५३, १७८

सूर रांगो दू. २६५

सूरसिध प. २५, २६, २८, १५३, १६१,
३०३, ३०५, ३०६, ३०८, ३११,
३२०, ३२२, ३२६, ३२८

सूरसिध दू. १५८

सूरसिंह ती. २३०

सूरसिधजी राजा प. ३२३

सूरसिध फरसराय रो प. ३२३

सूरसिध भगवतदास रो प. २६१, ३००

सूरसिध महाराजा (जोधपुर) ती. १८२,
२१४

सूरसिध महाराजा (बीकानेर) दू. १११

सूरसिध मानसिधोत प. ३२७

सूरसिध रायसिधोत महाराजा (बीकानेर)
ती. ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
२१० (वे० सूरसिध महाराजा
बीकानेर)

सूरसिध राय दू. १३०, १३१, १३२,
१३३, १३६, १४४

सूरसिध रुद्र रो प. ३१६

सूरसिध धीकूपुर राय ती. ३६

सूर सुरताण रो प. १५८

सूरसेन दू. ३, ६

„ ती. २३१

सूरसेन उग्रसेन रो प. २६२

सूरसेन राजा ती. १८६

सूरो प. ७०

„ दू. ८४, ८८, १७८, १८६

सूरो कलावत प. १६६

सूरो कायलोत ती. २१

सूरो काना रो प. ३६०

सूरो झगरसी रो प. १२०

सूरो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १४४,
१७०

सूरो नरवद रो प. २४८

सूरो नरसिध देवडा रो प. १६५, १६६,
१६७

सूरो मंरवदासीत दू. १७८

सूरो माधा रो प. ३२१

सूरो सोलावत प. २३८

सूरो बगू रो प. ३५२

सूरो सोढो प. ३६२

सूर्यपाळ पदमपाळ रो प. २८६

सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २६०

सेल फरीद ती. २७६

सेलो प. ६७ ३२७

„ दू. १४२, १४३, १६८

सेलो खारबारा रो राय ती. ३७

सेलो खेतसीधोत दू. १७३

सेलो बहुवाण भाभणोत प. १५२, २३६

सेलो प्रताप रो प. २८

सेलो मोकळ रो प. ३१८, ३१६

सेलो रतना रो प. ३१७

सेलो राणो घोला रो दू. २६५

सेलो रामावत प. १६८

सेलो राय दू. ११०, ११८, ११६, १२०,
१२४, १२६, १३७

„ „ ती. १६, ३१, ३६

सेलो रुद्रा रो प. १६१

सेलो सावत रो प. २००, २०१

सेलो सूजावत ॥ २४१, २४२, ३६०

„ „ ती. ८६, ८८, ८९, ९०,
९१, ९२

सेतराम दू. २६८

सेतरांम वरदायीसेनोत ती. १८०, १८३,
१८४, १८५, १८६, १८७, १८८,
२०१, २०२, २०३, २०४

सेनजित ती. १७७

सेन राजा ती. १८५

सेरखान रतनसी रो प. ३५६

सेरमर्दन राजा ती. १८७

सेरसाह पठाण पातसाह ती. १८२

सेरसिध ती. २२६, २२८, २२९

सेवो सांणलो दू. २६१

सेहराच वेदा रो प. ११६

सैहसो चानणदास रो प. ३१४

सैहसो प्रणीराज रो प. २६०

सैसमल रावळ प. ३६

सोढ उर्त राजा रो प. २६३

सोढ देव प. २६०

सोढल राजा प. २६३

सोढो छाहृद रो प. ३६३

सोढो बाहृद रो प. ३३७, ३३८, ३५५

सोनग सीहोजी रो ती. २६

सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५

„ „ „ ती. ३०

सोभ हरभम रो प. ३५३

सोभो रामा रो प. ३५७

सोभो रावत प. १६६

सोभो राव लाखा रो प. १५८

सोभो रिणमल रो प. १३५, १३६

सोभो होमाळा रो प. २४४, २४५

सोभ्रम प. १६६, २३०, २३१

सोम प. ११६, १६६, १६३

„ ती. १८४

सोम केहर रो भाई दू. ११६

सोमचंद व्यास प. २२५

सोम चहुवाण दू.

सोम चंडावत प. ३४१, ३४३

सोमवत्त प. ३

सोम भाटी दू. ७५, ७६, ७७

सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१

सोमसी दू. ३

सोमेस प. २८६

सोमेसर जसहृद रो प. ३५५, ३६३

सोमो प. ३४३

सोमो राफसियो दू. ३१२

सोहृद प. ११६

सोहृद साहू सूरदास ती. ३०

सोहित प. १००, १०१

सोही प. ११६, १३५, १८६, २३०,
२४७, २५०

सोहर जाट ती. १५

स्याम प. २७, १२५, १२६

स्याम कुंभावत दू. १७६

स्याम जगावत दू. २६३

स्यामवत्त ती. २२५

स्यामदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८

„ द. ६२, ६३, १८८, १९०,
१९७, १९८, २६४, २६८

„ ती. २२५

स्यामदास भगवानदासोत दू. १५२

स्यामदास रावळ प. ७६

स्यामदास चीठळदासोत प. ३०६

स्यामदास सीतोदियो प. १४८

स्याम देदा रो दू. २६३

स्यामरांम प. ३२३

स्यामरांम शर्लराज रो प. ३०२

स्यामसिध प. २३, १६७, ३०६, ३०८,
३१६, ३२२

स्यामसिध दू. ६३, १७०

„ ती. २३२

स्यामसिध जसवंत रो प. २०६

स्यामसिध पता रो प. ३३०

स्यामसिध परसोतम रो प. ३२३

स्यामसिध मनोहरदास रो प. ३४२

स्यामसिध मानसियोत प. २६१, २६६

स्यामसिध मानसिधोत वू. १६३

स्यामसिध राजा रो प ३०८

स्यामसिध राव प २८१

सतनख प ३३६

ह

हदायळ वे हदाळ ।

हवाळ प ३००

हसन घसु प ७८

हसपाळ पबिहार प ३३३, ३३४

हसपाळ मेहदा रो प ३४०

हस राजा परमार ती १७६

हस रावळ प ५, १२, ७६

हसी तीहळ रो प. ३४०

हईहप प ७८

हवीसिध ती २२६, २२७

हवीसिध राव ती २४६

हनुमान प २६०

हणू तसिध ती २३१

हणू राजा, प २६३, २६४, २६६

हणू राजा, काकिल रो प ३३२

हरनेत्र प ७८

हरो वू १७८

हरो गागा रो प ३५६

हरो मानारो प ३४१

हनु प ७८

हबीबखान प ३०७

हबीब पठाण वू २५४

हमाळ पातसाह प २०, ३००

“ ” वू ८०

“ ” ती १६, १८३, १६२

हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६

“ वू ३, ८०, २१५, २१७, २१८

हमीर अपतारदे रो प. ३६०

हमीर आसावत वू १७६

हमीर एको वू १३१, १३२

हमीर करमा रो प. १६५

हमीर कुनत रो प २६५, २६६, ३३०

हमीर खमारोत प ३०५

हमीर खीवावत प ३४१, ३४३

हमीर गोयदरो ती ११४

हमीर मोहिल प ३३५

हमीर यिरा रो प ३५६

हमीर बहियो प ११७, १२५

“ ” ती २६७, २६८, २६९,

२७०, २७१, २७२

हमीरदे छटवान प. २२०

“ ” वू ५८

“ ” ती. १८४

हमीर बेवराजोत वू ५३, १४४, १४५

हमीर बीजो वू २०६

हमीर भीम रो प ३३५

हमीर, रतनसी रांगा रो वू ३६

हमीर राणो प ६, १४, १५

हमीर राव ती २८

हमीर रावत, परमार ती १७६

हमीर साखारो प १३६, १६१

हमीर बडो वू २०६, २१३

हमीर वणवीरोत प ३५८

हमीर बीकावत प २३७

हमीर सांक्रोत वू १८०

हमीर सोढो प ३३८

हमीर हरा रो वू १२१, १२६

हमनर राजा ती १८६

हर प. ११

हरकरण प ३२६

हर करमसीप्रोत प ३५१

हरख सर्मा प ६

हरचंद दे० हरिचंद

हरचंद रायमलोत वू १४५

हरजस प २८७, २६२

हरणनाम प २८८

हरदत्त राणो, मोहिल ती १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१
 „ डू. ७७, ७८, १०७, १२३,
 १६२, १६६, २६३
 हरदास धजा रो डू. ८०
 हरदास अहद, मोकळोत ती. ८५, ८७,
 ८८, ८९, ९०, ९२
 हरदास कानावत डू. १६५
 हरदास डंगरसीधोत डू. १७८
 हरदास पतावत डू. १६७
 हरदास भगवंतदासोत प. २६१
 हरदास भाटी डू. १७६
 हरदास महेसोत प. २३७, ३४१
 हरदास लूणकरणोत डू. ९०
 हरदेव प. ३२२
 हरधवल प. १२२
 „ डू. २२०, २३६
 हरनाम प. २६२
 हरनाथ प. ३०८, ३२०, ३२२
 „ डू. ६०, ६६, ११६
 „ ती. ३७
 हरनाथसिध ती. २३२
 हरनाथसिध तोडरमलोत प. ३२२
 हरपाळ प. २६०
 हरपाळ रांगो डू. २६५
 हरभम डू. १५३
 हरभम कैलुणरो डू. ११६, १४३
 हरभम राव डू. ११६
 हरभम सांखलो मेहराज रो प. ३५०,
 ३५१
 हरभाण प. ३२२, ३२४
 हरभीम राजा ती. १८६
 हरभू पोरा प. ३४८
 हरभी मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३,
 १०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो
 मेहराज रो)
 हरराम प. २७, ३०६, ३०८, ३१२,
 ३२०, ३२७

„ डू. १२२, १५१, १८७
 हरराम जसवंत रो प. ३१७
 हरराम रायसल रो प. ३२४
 हररामसिध ती. २२५
 हरराज प. २२, ६६, १००, १६३, १६४,
 २८१
 „ डू. १७८
 „ ती. २२०
 हरराज करमसी रो डू. १६०
 हरराज जैतसी रो प. ३१५
 हरराज ठाकुरसी रो प. ३६०
 हरराज देवडो प. १४५
 हरराज नरवद रो प. १०६
 हरराज नारण रो प. ३५८
 हरराज मातदेवोत, रावळ डू. ६२, ६७,
 १०२
 हरराज रावळ डू. ११, ६२, ६७, ६८,
 ६९, १०२
 „ „ ती. ३१, ३५
 हरराज समरसी रो प. १०१
 हरराज सोळकी, दुरजणसाल रो प. २८१
 हर सर्मा प. ६
 हरसिधवे प. १२६
 हरसिध राव (पूगळ) ती. ३६
 हरसूर रांगो प. १५
 हर हारीत प. ११
 हरिअश्व ती. १७७
 हरि कांहा रो प. ३५२
 हरिचंद (हरोचंद, हरिचंद्र) दे०
 हरिचंद्र राजा ।
 हरिजस प. ३१६
 हरित प. २८८
 हरिताश्व दे० हरिअश्व, हरियश
 हरिदास प. १६६, २३३, ३२६
 हरिदास अमरा रो प. ३५६
 हरिदास फरसरांम रो प. ३१६
 हरिदास वीठळदास रो प. ३०८

हरिदास तिलरावत प. २३३
 हरियश ती. १७७
 हरिमो घोरी ती. ६२, ६३, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७५
 हरिवंश राजा ती. १७६, १८७
 हरिश्चंद्र राजा प. ४२, ४७, १६०,
 २८७, २९२, २९३
 " " ती. १७८
 हरिसिंघ प. २११, ३१५, ३२०, ३२५
 " दू. ६५, ६६, ११६, १२४
 हरिसिंघ अमरसिंघोत दू. १०६
 हरिसिंघ कित्तसिंघोत दू. १७५
 हरिसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 हरिसिंघ चांदावत ती. २४६
 हरिसिंघ नारणदासोत दू. ६२
 हरिसिंघ परसोतम रो प. ३२३
 हरिसिंघ भीमसिंघोत दू. १०७
 हरिसिंघ रतनसोमोत दू. १८३
 हरिसिंघ राजा ती. १६०
 हरिसिंघ राव प. ३०६
 हरिसिंघ सकतसिंघोत दू. १०६
 हरिसेन राजा ती. १८६
 हरिहर प. ७८
 हरीदास प. १६१
 " दू. १०५
 हरीदास कलावत दू. १६१
 हरीदास गोपाळदासोत दू. १६८
 हरीदास जोगीदासोत दू. १८५
 हरीदास दलावत दू. ३०४
 हरीदास पता रो प. १६०
 हरीदास पेरजखान रो प. १२४
 हरीदास भगवानोत दू. १६१
 हरीदास भाणोत दू. १६४
 हरीदास माधोदासोत दू. १७२
 हरीदास मोहन रो प. ३५७
 हरीदास रतनसी रो प. ३५६

हरीदास रामचवीत दू. १८३
 हरीदास रायमलोत दू. १७५
 हरीदास बाघोत दू. १७६
 हरीदास मुरतांगोत दू. १६०
 हरीदास सोढो प. ३६२
 हरी नाथा रो दू. ७५
 हरीपाळ राजा ती. १८८
 हरी भाखरसी रो दू. १६७
 हरी रांगो दू. २६५
 हरीराम प. २५
 हरीराम रायमलोत ती. २१७
 हरीसिंघ प. २४, ३०२
 " ती. २२१, २३६
 हरीसिंघ जसवतसिंघोत ती. २१७
 हरीसिंघ रावदास रो प. ११७
 हरीसिंघ रावत प. ६४, ६६, ६७
 हरीसिंघ बीरमदे रो प. २०८
 हरो दू. १५, ८१
 हरो राठोड दू. ५८
 हरो सेता रो दू. १२०, १२१, १२४,
 १२६, १२७, १३७, १४१
 हर्षमावित्य प. १०
 हर्जनकार सर्मा प. ६
 हर्जनर सर्मा प. ६
 हर्षेश्व ती. १७८
 हांमो प. १०१
 हांमो काळोली दू. २४०
 हांमो रतनावत प. १६५
 हांस रावळ प. ७६
 हांसू ती. २२१
 हांसू पडोहियो दू. ३१७
 हाजीखान प. ६०, ६१, ६२
 हाजो प. २४७
 हाजो काठी दू. २२०, २३६
 हाडो प. १०१
 हाथी प. २६, १०१

हाथी अभा रो दू. १४१
 हाथी ईसरदास रो दू. १३०
 हाथी भाटो दू. ६६, ११६
 हाथी घाळा रो प. १२१
 हाथी सुरतांग रो दू. २६३
 हापो प. ११६, २३१
 हापो रावत परमार ती. १७६
 हापो रावळ दू. ८४
 हारस चारण दू. २३७
 हारीत ऋत्नीश्वर प. ३
 हारीत ऋषि दे. हारीत रिख ।
 हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२
 हालो हमोर रो दू. २०६, २१५, २१६
 हावसिद्ध प. ७८
 हिगोळो आहाडो प. १११
 हिवाल प. ३००
 हिदुसिध प. ३०६
 हिदुसिध माघा रो प. ३२१
 हिमत्सिध प. ३०६, ३११, ३१७, ३२६
 हिमत्सिध फछवाहो ती. ३१
 हिमत्सिध परसोतम रो प. ३२३
 हिमत्सिध मानसिघोत प. २६१, २६६
 हिरण्यनाभ प. २८८
 हिरण्यनाभ ती. १७६
 हिरवैनारायण प. ३०४, ३१०
 हिरवैरांम प. ३०८, ३२४
 हिरवैरांम अर्खराज रो प. ३०२
 हिरन प. ७८

हींगोळ प. १७२, २३५
 हींगोळदास दू. ८१, १०४
 हींगोळदास सुरतांगीत दू. १७२
 हींगोळो पोपाडो ती. १२०
 हीमत्सिध ती. २२४, २२६, २३०, २३३
 हीमतो दू. ६५
 हीमाळो, राव वरनांग रो प. २३२, २४४
 हीरसिध ती. २३६
 हुमायु बाबशाह दे० हुमाऊ पातसाह ।
 हुमायु पातसाह प. १६ (दे० हुमाऊ
 पातसाह)

हुवरड बनो दू. २०
 हुसंग गौरी पातसाह ती. २४३, २४७
 हुन राजा प. २५५
 हुंफो सांदू दू. ६२
 हुवैनारायण ती. २३६
 हुवै सर्मा प. ६
 हुडाऊ दू. २१६
 हेमराज दू. १२३, १६६
 हेमराज खोदावत प. १६६
 हेमराज पडिहार दू. १४०, १४२
 हेमवर्ण सर्मा प. ६
 हेमादित्य प. १०
 हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९२,
 २९३, २९४, २९६, २९७, २९८
 हिय प. ७८
 होरलराउ प. १२६

[२] स्त्री - नामावली

[स्त्री नामावली में पुल्लिङ्ग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिङ्ग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं। उनकी स्त्रीलिङ्ग-रूप विलक्षण व्यञ्जना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूँढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहां दिये जा रहे हैं।]

झांणी — कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामों के अन्त में लगने हैं स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय। जैसे—खावडियाणी, जोईयाणी इत्यादि। पुरुष नामों के अन्त में यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ में बदल जाता है। जैसे सासो फूलाणी।

झोळगण, झोळगाणी — १. गायिका। यह प्रायः ढाढी जाति की होती है। राजस्थान के साचोरी प्रदेश में और उत्तर गुजरात में महतरानी को 'झोळगाणी' और महतर को 'झोळगाणो' कहते हैं।

कुवराणी — कुवरानी।

कुवर, कुवर — कुवरि, कुवरी। जैसे—आसकवरबाई, उमेदकुवर इत्यादि।

खवास — १. राजा की दासी २. खेल ३. सेविका।

खवास-विणियाणी — बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो।

खालसा — १. राजा की एक विशेष दासी. २. एक खेल।

खीचण — खीची-क्षत्री वंश में उत्पन्न स्त्री।

चहुआण, चहुवाण (-जी) — चौहान क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के समुराल का उपनाम तथा संबोधन।

चारण — चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री। चारणी भी कहा जाता है।

ची — कतिपय नगर या प्रदेश नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति।
जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि।

चूडावत (-जी) — चूडा के वंश में उत्पन्न कन्या के समुराल का उपनाम और संबोधन।

छोकरी — दासी।

जोगण, जोगणी — १. योगिनी. २. योगी (जोगी) की स्त्री।

ठकुराणी — ठाकुरानी।

डू'मणी — डाढिन, गायिका।

दे — देवी का संक्षिप्त रूप। जैसे—अतरगदे, उछरगदे इत्यादि में। पुरुष नामों के अन्त में यह 'देव' शब्द के संक्षिप्त रूप में भी प्रयुक्त होता है। जैसे—कान्हूदे, गोगादे इत्यादि में।

नाचण — नाचने वाली, नृत्यकी।

पंवार (-जी) - पंवार (परमार) क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम या संबोधन ।

पासर्वाँन - राजा की एक पर्दायत दासी ।

पूतल छोकरे (-छोरी) - दासी ।

बा - १. माता. २. राजरानी. ३. राजमाता ।

बाई - १. स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इंद्रावतीबाई, रांमीबाई इत्यादि ।
२. पुत्री. ३. बहिन. ४. बच्ची, कन्या ।

बैर - १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुआ (-वा) - फूफी ।

भाजी - १. राजमाता. २. माता. ३. बुद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (-जी) - राठीड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का ससुराल पक्षीय संबोधन श्रीर उपनाम ।
राठोड़णीजी, राठोड़ांणीजी, राठोड़णीजी (राठीड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय - १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—गुमानराय पातर, गुलाबराय खवास इत्यादि । पुरुष नामों के श्रंत में भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुंडराय, रामराय इत्यादि ।

बजीरण - १. बजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान में जागीरदार के दास की बजीर भी कहते हैं ।

बडारण - ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती - १. शक्ति, देवी. २. देव्यांसी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री. ४. भोपी ।

सहेली - १. साथिन. २. दासी ।

सेखावत (-जी) - १. सेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का ससुराल पक्षीय उपनाम तथा संबोधन ।

स्त्री - नामानुक्रमणिका

अ

अतरगदे तुवर ती २०६
अतरगदेजी पवार ती २०६
अखेकुवर बेरावरी ती २११
अजबदे घनराजोत भटियाणी ती २१०
अजादे बहियाणी प ३४४
अजेंदे बहियाणी प २५२
अजैमाळा पातर ती २१०
अतभागदे राणी (अजवरजी) ती ३२
अनारकली पातर ती २०६
अमैकुवरजी ती २११
अमोलकदे भटियाणी ती २१०

आ

आद्यान ती २८१, २८२, २८३ २८४,
२८५
आधी शाहजादी ती १६१
आसकवर बाई, (राजा भार्गसिध री राणी)
प २६६
आसकवर बाई (राजा भार्गसिध री राणी)
प २६७
आसारण प. ६३

इ

इद्रकुवर (कस्तूरदे राणी) ती. ३२
इद्रावती बाई (आसकरण री राणी)
प ३०३

ई

ईंदी ती १०७ १०८
ईंदरची दू ८७
ईहडदे ती २५८

उ

उधरगवे ईंदी ती २६
उदकुवर चहुवाल ती २१५
उमादेची भटियाणी ती २१५
उमरकुवर तुवर, राणी ती. २११, २१२

ऊ

ऊधळ (कानडदे री बेंटी) दू ४१
ऊमादे (कानडदे री राणी) प २२५

ओ

ओळगाणी दू ३३६
" गी. २५८

क

ककाळी प ३३६
कवळदे राणी प २२५
कवळावतीबाई, (गोरघन री पत्नी) प. ३०३
कवळावती, (बीबा री बर) प १२४
कनकावतीबाई, राणी प २६७
कनकावती (राव भोज री पत्नी) प १११
कपूरकळी खालसा ती. २०६, २१२
कमोदकळा खवास ती २११
कमोदी खवास ती २०६
करणा री मा प १६२
करमा खवास प ३१२
करमती बाई (मेहराज री पत्नी)
दू १७८
करमती हाडी राणी प २०, ४६, ५०,
६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४,
१०८, १०९
करमती हाडी राणी दू २६२
" , , ती. ५५

कल्याणदे (राजा गजसिंह री रांणी)

प. ३०१

कल्याणदे देवड़ी ती. २६

फसतूरदे रांणी (इंद्रकुंवर) ती. ३२

फसमीरदे रांणी ती. ३१

फामरेखा पातर ती. २१०

फामसेना पातर ती. २१०

किसनवाई प. १६७

किसनराय ती. २११

किसनार्ह खवास ती. २११

किसनावती बाई प. ३१२

कुंजकळी पातर ती. २११

कुमरदे दू. २८०

कूंभारी दू. २६६

केर बा दू. २१६

केसर ईंदी ती. ३१

केसरदे फडवाही ती. २१४

केसरदे लरुकी प. ३१५

कोटेची ती. २५०, २५१, २५२

कोडमवे धीकूंपुरी ती. २११

रस

खवास (गोकळदास री मा) प. ३१६

खातण (मेरा री मा) प. १५, १६

खावडियांणी प. ३४७

खितुवाई (राव सूजा री येटी) प. १०२

खितु राठोड़, माजी प. १०७

ग

गंगाजी रांणी (सोभागदे) ती. ३१

गवडराय पातर ती. २११

गवरां ती. २११

गाने री मा ती. ८०

गायडदेवी सीसेदणी ती. २१४

गाहिडदे रांणी ती. ३२

गोंदोली दू. २८७

गुणकळी पातर ती. २१०

गुणजोत घडारण ती. २१२

गुणजोत सहेली ती. २०६

गुणमाळा खवास ती. २११

गुमानराय पातर ती. २११

गुमांनी पातर ती. २१२

गुलाबराय खवास ती. २०६

गुलाबराय पासवान ती. २१३

गुलाबा पातर ती. २११

गोकळदासरी मा, खवास प. ३१६

गोड़ रांणी प. २६८

गोपाळदे सोधळ प. २५७

गोरज्या गोहिलांणी ती. ३०

गोरां पातर ती. २११

च

चंद्रकुंवर, रांणी (जोधपुर) दू. ११०

चंद्रकुंवर, रांणी (वीकानेर) ती. ३२

चंपाकळी ती. २११

चंपावती पातर ती. २११

चतुरसिधरी मा मैणी प. ३१२

चहुआंणजी ती. ६३

चहुवांण } ती. ३
चहुवांणी }

चांदकी प. १३३

चांदण ती. ३०

चांद बा सोही दू. २०६

चांद बीबी ती. २७२

चांया बाई प. १३७, १४१, १६३, १६७

चांपादे, (राठोड़ पृथ्वीराज री पत्नी)

ती. २०६

चावडी रांणी दू. २७४, २७५, २७६

चावोड़ी (भूळराज री मा) प. २६४,

२६५

चैनसुखराय खालसा ती. २११

चोवरण ती. १४, १५

चोहान रानी ती. ३

ज

- जसमावे, (महाराजा रायसिंह की रानी)
 ती. २०७
 जसमावे हाडी (राय जोषा की रानी)
 प. १०१
 जसमावे हाडी (राय जोषा की रानी)
 ती. ३१
 जसमावे हाडी ती. २१६
 जसवंतदे रानी ती. ३१
 जसहृदवाई भागलियांणी दू. ३०४, ३०६
 जसोदा (जैसा भैरवदास की बेटो) प. १११
 जसोदावाई (मोटा राजा की बेटो) प. ३००
 जसोदा (भाडी भानीदास की बेटो)
 दू. १३२
 जाणवे रानी ती. ३०
 जाणावे हुलणी ती. ३१
 जाटणी (धावूराम की मा) प. ३२४
 जाड़ेची (रालाद्वय की मा) प. २६५,
 २६६
 जीऊ पातर ती. २१०
 जीवी, जीवू ती. २१०
 जेळू प. १२४
 जेसलमेरी रानी, रतन कथरजी ती. २०६
 जैतलदे, कामदेवी की रानी प. २२५
 जैमाळा पातर ती. २०६, २१०
 जोईयांणी, (सलखेजी की रानी) ती. ३०

झ

- झाली कथराणी, (कुं० जोगे की बहू)
 ती. १६५

ड

- डगली खवास ती. २०६
 डाहो डूमणी दू. २३०, २३१
 डाहो घाय दू. १८
 डोकरी ती. १०१, १२६
 डोड मेहली ती. ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

- तनतरंग पातर ती. २११
 ताज बीबी ती. २७५
 तारावे रानी, चहुवाण (तीरे की अतेवर)
 ती. ३०,
 तारावे, (राय सुरताण की बेटो। प्रयीराज-
 उदण की अतेवर) प. १७, २८१
 तारावे (हरिचंद की रानी) प. २६३
 तुवरबी अंतरंगदे ती. २०६
 तुरकणी ती. २७८

द

- दमपतीवाई प. ३१२
 दमोतीवाई (मोटा राजा की बेटो)
 प. ३१२
 दुरगावतीवाई (राजा भगवानदास की
 रानी) प. २६७
 दूडी बाघण प. ६६
 देवडी (घापा सांघल की बेट) प. १६३
 देवी सोनगरी प. १५
 द्रोपदा चहुवाण ती. २६
 द्रोपदा तुंवर ती. २१०

ध

- धण (जाड़ेचा फूल की रानी) दू. २२८,
 २२९, २३०
 धनाई राठोड़ (राणा सांगा की रानी)
 प. १६, २०, १०२
 धायजी ती. ६६
 धारू पातर ती. २१६
 धारू की मा प. २५४
 धीरवाई प. २२

न

- नवरंगदे साखली, रानी ती. ३१, १६५
 नाई की बेट प. ३२१
 नागही घारण दू. २०२, २०३, २०४
 नारंगी पातर ती. २०६
 नैणजवा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।

नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पंगळी घेटी प. ३४०

पंधार रांणी प. १०७, १०८

पत्ती, (जंतमाल री घेटी) प. २४६

पदमणी प. १३, १४

॥ दू. ४२, २०२, २०३, २०४,
२६६

पदमणी ती. २५८

पदमां देवडी (मालदेवजी री मा) ती. २१५

पदमां बिजियांणी; खवास प. ७३

पदमां (भांतीवास री मा) दू. ६२

पदमावती पातर ती. २१०

पदमावती रांणी दे. परमावती रांणी ।

पदमावती रांणी, (राणा सांमा री कन्या)
ती. २१५

परमावती रांणी ती. १८६

पांगळी घेटी प. २५३, ३४०

पातसाह री सहली दू. ७०

पारवती भटियांणी दू. ६६

पुणपकुंवरि दे. पोहपकुंवर माजी

पूतळ छोकरी प. २०

पूरांवाई सहवची दू. १५६, १५७

पेमांवाई ती. ५६

पेमावती पातर ती. २११

पोहपकुंवर. (अजीतसिधजी री माजी)
ती. २१३

पोहपराय श्रोळगण ती. २१०

पोहपावती, (मोटा राजा री रांणी)
दू. १२८

प्रतापदे लेखावत, रांणी ती. २११

प्रेमकळी ती. २११

प्रेमकुंवर भटियांणी, रांणी ती. २१०

प्रेमलदे दू. १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११

फत्तू सहली ती. २१२

ब

बहुळी जोगणी प. २०४

बाबूरांम री मा जावणी प. ३२४

बातबाई बीकानेरी प. २६०

बाहदमेरी प. १४३, १४८

बाहदमेरी दू. ८६, ८८

बिरवडी, चारण-काळेती ती. ७६, ७७

बुधराय पातर ती. २१०

बूंद पदमणी (राजा मोक्षरा री घेटी)

प. ३३३, ३३४

भ

भगतांवे रांणी ती. ३१

भटियांणी (जोधाजी री रांणी) ती. १५८

भटियांणी रांणी ती. ३१

भांणवती ती. २१०

भांणवदे ती. २१०

भांणीबाई (भांण जेसावत) दू. १५१

भाटियांणी (रावळ केहर री घेटी) दू. ३२

भानुदेवी ती. २१०

भानुमती ती. २१०

भारमल घांघी प. ३४६

भारमली प. ३४६

भावळवे, (कान्हडदे री रांणी) प. २२५

म

मनरंगदे भटियांणी, रांणी ती. २१०

मनसुखदे घोकपुरी, रांणी ती. २११

मलकी वैहणीवाळ ती. १३, १४

महताब पातर ती. २१२

महेशची दू. ८४

मांगळियांणी, (ऊर्दे की घेर) प. ३४७

मांगळियांणी (घोरमजी की स्त्री)

दू. ३०३, ३०४

मांणल देवाहत दू. १६

मांणवती पातर ती. २१०

मांगवदे सोडी, रांणी ती. २१०
 मारवणी प. २६३
 मालवणी प. २६३
 मीराबाई प. २१
 मृदंगराय पातर ती. २११
 मेघमाळा खवास ती. २११
 मेलनवे रांणी, खोचण प. २६४
 मैणी, चतुरसिध री भा प. ३१२
 मोतीराय सहेली ती. २०६
 मोहनी पातर दू. ८१
 मोहिल कुबरानी दे० मोहिल रांणी ।
 मोहिल राणी दू. ३१२, ३१३, ३१४,
 ३२५, ३२८, ३२९
 मोहिलांणी (बीदे री ठकराणी) ती. १६६
 मोहिलानी दे० मोहिल राणी ।
 अघावतीबाई (राजा जसिध री रांणी)
 प. २६७

य

यशोबा (राजा रायसिंह की रानी)

दू. १३२

र

रगनिरत पातर ती. २११
 रगमाळा पातर ती. २१०
 रगराय पातर प. ६१
 " " ती. २०६, २१०, २११
 रंगादे भटियांणी ती. ३१
 रभा दू. ३७
 रभावती (मोटा राजा री बेटी) दू. ६३
 रतनकवर जेसळमेरी ती. २०६
 रतनकुवर रांणी ती ३२
 रतनादे (किसनदास री बेटी) दू. ६०
 रतनादे भटियांणी, राणी ती २६
 रतनावत राणी ती. ३१०
 रतनावती (पोहपसेन री बत्नी) प. १२४
 रघाय दू. १६, २०, २३, २५
 राणादे, जसहङ्ग-भटियांणी ती. ३०

रांणीबाई (राज भालदे री रांणी) दू. ६१
 रामकंवर (कला री बेटी) दू. ६८
 रायकंवर भटियांणी, रांणी ती. २०६
 राममोत खालसा ती. २१२
 रांणीबाई ती. १३३, १३४
 रांमोती खवास ती. २११
 राईकवरबाई (राजसिध री रांणी)

प. ३०३

राजकवर, मोटा राजा री बेटी प. २६
 राजबाई दू. ७२, ८५
 राजबाई भटियांणी प. २६
 राजा पातर ती. २१२
 राठवड दे० राठोड सती ।
 राठोड (राठोडजी) ती. ६३
 राठोड सती दू. ३२४, ३२५
 रायकवरबाई (सबळसिध री बर) प. २६८
 राही ब्राह्मणी ती. २१२
 राह सहेली ती. २१२
 रत्नमावती बाई, राजा महसिध री राणी
 प. २६७

रुठी रांणी दे० उमादेवी भटियांणी
 रूपकळी खालसा ती २०६, २११
 रूपमवरी पातर ती. २१०
 रूपरेखा सहेली ती. २०६, २१०
 रुपादे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मीदेवी ती २१५
 लला मांगळियांणी राणी, दू. ६१
 लजसो (तेजसो री बर) प. १८३
 लवणकवरजी ती. २१०
 लग्न सगती ती २२२
 लाछ सगती ती २२२
 लाछाई बी ती. ३०
 लाछा देवडी दू. ७५, ७६, ७७, ७८
 लाछा भटियांणी, रांणी ती. ३०
 लालदे ती. २०६

सालां देवडी, रांणी ती. ३१
 सालां मांगळियांणी, रांणी ती. ३०
 लिखमां दे भटियांणी ती. २१५
 लिखमी ती. १०४, १०५
 लिखमी रांणी प. ३६१
 " " दू. १५३
 लीलादे मेहवर्ची दू. ७५, ७८
 लूंगकुंवर, रांणी ती. २१०

व

वटकुंवार वेटी दू. २२७, २२८
 वटकुंवार ती. २५०
 वनां पातर ती. २११
 वडूजी ती. ८०
 वाघेली ती. ६३, ६६
 वारू पातर प. २१६
 विजनां ती. २१२
 विजी पातर ती. २१२
 विजकुंवर दू. ११०
 विनकुंवर दू. ११०
 विमळवे रांणी दू. ५३, ७३, ७४, ७५,
 २८५
 वीरां हुलणी, रांणी ती. ३०
 वेणीवाई दू. १५१
 वजवर (रांणी अतभागदे) ती. ३२

श

शेजावसळी ती. ६३
 शेजावस रानी प. ३२३

स

सकांमी सहेली ती. २१२
 सजन भटियांणी दू. ६०, ६८
 सजनांवाई दू. ६८
 सजनां (राव मालदेव री वेटी) दू. ६२
 सतभामावाई दू. २५६
 सदां खवास ती. २११
 सदांमी ती. २१२

सदांकुंवर ती. २७०, २७१
 सरकसळी ती. २०६
 सरकसळी पातर ती. २०६
 सरूपदे (कछवाही) ती. ३१
 सरूपदे गोहिलांणी, रांणी ती. ३०
 सरूपदे भाली ती. २१४
 सरूपदे रांणी दू. २६४
 सरुपां पातर ती. २११
 सांखली, सांखलास री वर दू. १८१
 सांखली ती. १४५
 सांखली, आना री वर प. २५४
 सांखली, सुरतांण री वर प. २८२
 साहमती कछवाही ती. २१४
 साहिबदे सुंवर, रांणी ती. २११
 साहिबदे (दलपत री मा) दू. १३४
 सिणगारदे जेतळमेरी, रांणी ती. २१०
 सींघळ, खीची वाघ री मा प. २५६, २५७
 सींघलियांणी प. २५६
 सीताई प. २२१
 सीतावाई बाहूमेरी दू. ८६, ८८,
 सीसोदणी ती. ८०, ८३, ८६
 सीसोदणी (राव मंडळीक री वर) दू. २०३
 सीहा री डोकरी ती. १२७
 सुंदर भुवा (मेचव री भुवा) प. ३३८
 सुखविलास पातर ती. २११
 सुगणां दे सोढी, रांणी ती. २११
 सुघडराय खवास ती. २०६
 सुजांणदे (राजा सूरसिंघ री रांणी) दू. ११६
 सुपियारदे ती. ३८, १४१, १४२, १४३,
 १४४, १४५, १४६, १४७, १४८
 सुभवितास ती. २११
 सुरतांणदे देरावरी, रांणी ती. २११
 सुघळी सीसोदणी ती. २३
 सुहवे जोईयांणी प. २५१, २५२
 सुहायण रांणी प. १३
 सूरजवे (राजा गजसिंघ री रांणी) प. २६६

सूरमदे साँलसी ती. ३०
 सेलावत प. ३२३
 सेलावत मोहल हू ११०
 संणी चारणी देवी प २०४
 सोढी हू ५८, ५९
 सोड (कुमा री बँर) हू २९७
 सोढी, पावुमी री ठकराणी ती. ७२, ७६,
 ७९
 सोढी राणी हू. ६०
 सोढी (रावळ सखनसेन री राणी) हू ४०
 सोढी (साखा री बँर) हू २३२ २३३,
 २३४, २३५
 सोनगरी प. २०६
 सोनगरी ती ७, ८
 सोनगरी (काँहडदे सोनगरा री बेटो)
 हू ४०, ४१, ४२
 सोनाबाई ती ५८, ५९, ६३, ६९
 सोना (मोहिल ईसरवास री बेटो)
 ती ३१
 सोभागदे चावडी (सोहोजी री भतेवर)
 ती २९
 सोभागदे भटियाणी, राणी (गगामी)
 ती ३१
 सोभागदे (दुरजनसाल री राणी)
 प. ३२४
 सोळकणी (ऊँदे री बँर) ती २५८,
 २५९, २६१

सोळकणी (जगमासजी री बँर)
 हू २८७, २८८
 सोळकणी (साँवतसिध सोनगरा री बँर)
 ती २९१, २९२
 सोळकणी (सोहोजी री भतेवर) ती २९
 सोहङ्ग रजपूतानी हू १४२
 सोहडा भटियाणी, राणी हू. ११९
 स्वाळल री जाडणी प ३२४

ह

हसबाई, (राँगा साखा री राणी) प १५,
 १६
 हसबाई (राज सुनकरण री पत्नी)
 प. ३१९
 हसावळी राणी प. १२३
 हरखरेखा ती २०९
 हरखा (मोटा राजा री राणी) हू १३२
 हरकोतराय बढारण ती २११
 हरमाळा सहेली ती २०९
 हररेखा ती २०९
 हसती (हसणी, हसणी) खालसा ती २११
 हासाँजी महलोत, राणी ती २०९
 हाडी करमेती प. ५०
 हाडी, कला जगमासोत री बेटो प ५०
 हाडीजी राणी ती १३५
 हाडी ठाकराणी प ७५
 हरद हू १९, २०, २४, २५

[३] अश्वादि पशु नाम



अमोलक घोड़ो दू. २०३
 अरवी घोड़ो प. ६६
 उचासरो घोड़ो (उच्चैश्रवा) दू. २०३
 उजाळो-घेरो प. २४६
 एकलगिङ्ग-वारगह प. १७०
 एकलवाहुचर प. १७०
 एकल-सूकर प. १७०
 ऐराली घोड़ो प. ६६, १०४
 " " दू. ७०
 " " ती. ४४, ११६
 कच्छी घोड़ी दू. २५७, २५६
 करहो-भीणो दू. २३३
 काछण-घोड़ी ती. २५७, २५६
 काछी खानाजाद (घोड़ी) ती. २५६
 काछी घोड़ो दू. २६४
 काळवी घोड़ी ती. ३४
 कोड़ीघज घोड़ो प. २७२, २७३, २७४,
 २७५
 " ती. ११०, १११
 खानाजाद काछी दे० काछी खानाजाद ।
 खासो ऊंड ती. १०६
 छुरीकार घोड़ो ती. ६६
 जूह बाकरो ती. २६०
 जेठी-घोड़ो दू. ३१४, ३१५, ३३५
 भामो-घोड़ो प. २०६
 भीणो करहो दे० करहो भीणो ।

तेजल-घोड़ो ती. ६४
 दरियाई घोड़ो ती. २८०, २८१
 दरिया-जोइस हाथी ती. ६१
 नीली घोड़ी प. २६३
 नीलो (घोड़ो) ती. १२०
 पट-हुसती दू. ४८
 पट्टाभरण दू. ५०
 पड़ोहियो घोड़ो दू. ३१८
 पांणीपंथो-घोड़ो दू. ५५
 पाटहड़ो-महुवो (घोड़ी) प. २७१, २७२
 बघिया रो घोड़ो प. २८१
 बांडो ऊंड ती. ७१, ७२
 बोर घोड़ी ती. २८१, २८३, २८४
 भुंवर घोड़ो ती. १५
 मृग घोड़ो (अग घोड़ो) ती. २६६, २७१
 मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६
 मोर घोड़ो प. ३४६
 " " दू. ३२५, ३२७
 सांप घोड़ी प. ३५०
 साछ घोड़ो दू. २०३
 लाल ससकर घोड़ो प. १०४, १०५, १०६
 लिखमो घोड़ी दू. २०३
 घटी घोड़ो प. २६३
 वेल भैंस दू. १३
 साहुलो भैंसो प. २१८
 सुपेद हाथी दू. ७०

२. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, आदि

अ

अंजार झ. २५५
 अतरगढी दे० आतरगढी ।
 अतरवेध प. ३३२
 अक्ली रो टुक प. ६६
 अंवाध प. ४६
 अकेली प. १७६
 अखासर झ. १११
 अखतगढ प. १७७
 अजमेर प. २४, ३७, ३८, ५२, १८६,
 १६८, २५२, २८०, २६६, ३०३,
 ३६२
 „ झ. १०२, १५१, १५५, १६२,
 १६३, १६७, १७१, १७४, १८०,
 १८८, १८९, १९३
 „ ती. ६५, ६६, ६७, १७४, १८४,
 २१५
 अजमेरगढ ती. १७४
 अजमेरपुर प. १८६
 अजीतपुर दे० अजीतपुरी ।
 अजीतपुरी ती. २२३
 अर्जपुर ती. २१६
 अजोध्या प. २६२
 अटक प. ३००, ३१४
 „ झ. १६८
 अटवड़ी झ. १४५
 अटरोह प. ११६
 अटाल चारणां रो प. १७६
 अटाल-भाटां रो प. १७६
 अटाली प. १८, २८२
 अणसलो (सिधाने का गढ) प.

अणबोर प. १६२, १७७
 अणघार प. १७६
 अणवांणो झ. १५७
 अणहलनगर प. २६१
 अणहलनगर दे० अणहलपुर-पाटण ।
 अणहलपुर पाटण प. २५८, २५९, २६०,
 २६१, २७१
 „ झ. २६६
 „ ती. २६, ४६, ५०, ५१,
 ५२, १७३
 अणहलवाड़ी दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहलवाड़ी-पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अर्भपुर ती. २१८
 अर्भीहर झ. १०
 अमनेर प. ३४०
 अमरकोट दे० अमरकोट ।
 अमरपुर प. ३१६
 अमरसर प. २८७, ३१८, ३१९, ३३२
 अमरा अहीर रो डांणी प. ३१८, ३१९
 अरजगियारी झ. ४
 अरजणी झ. ३६
 अरजियाणो प. १६५, ३३५
 अरटवाड़ी प. १६२, १७७
 अरटिमो झ. १६३
 अरणो प. ५२
 अरणोद प. १२८
 अरबह प. १८७, १८८, १८९
 अरोड़ झ. २८
 अर्बुद प. १८७

अवाहनो प. १२८

अवाहू दू. १४२

अवेळ प. १७७

अहनला दे० एहनळा ।

अहमंदाबाद दे० अहमदाबाद ।

अहमदनगर प. ३२६

" दू. १८४

" ती. २७२

अहमदपुरी दू. २४१

अहमदाबाद प. ३७, ६७, २०८, २६२

" दू. २०२, २०३, २०७, २०८,
२५३, २६०, २६१

" ती. ५३, ५६

अहवा दू. १२

अहाड प. ३३

अहिचावी प. १७६

अहिचावी-खुरद प. १८०

अहिलाणी दू. १५३

अहुर प. २४०

आ

आंतरगढो दू. १२, १४२

आंतरवी प. ११०

आतरी प. ४२

" ती. २३६, २४०, २४१, २४२,
२४३, २४५, २४६, २४७,
२४८

आनापुर प. १७६

आनावास दू. १६७

आनी प. २८५

आंबयळो प. १७४

आंवरी प. ३२

आंवलो दू. १७६

आंवार दू. १८५

आंवाव प. ४६, १५६

आंवेर दे० आमेर ।

आंवेरी प. ४४

आंवेतो प. १७७

आंबो दू. ८४

आंमरण दू. २४०

आउग्रो प. १७८

" दू. ८६

" ती. २१५

आउर नगर प. ५

आउवो दे० आउग्रो ।

आऊळ कोड-वंभणवाड दू. २३६

आऊळ कोड सांमई दू. २१८

आऊळ लास सांमई दू. २३७

आकडसावो प. २८२, २८३

आकडावास दू. १८०

आकळ दू. ४

आकुवाई दू. ४

आकेली प. १७६

आकेयळो दू. १११

आकोतो प. ४७, ५६

आखूना प. १७६

आगरियो प. २८५

आगरो प. १८, ११२, ३३७

" दू. १४७

" ती. २८, १६२

आघाट दे० आहाड ।

आघाटपुर दे० आहाड ।

आचीणो दू. १७२

आजोर दू. २५४

आभारी प. १७६

आभारी-वांभणां री प. १७४

आठकोट प. २७१

आठांणो प. ६६

आणंदपुर प. ७

आधोतर प. ३४६

आपुरी प. १७७

आवू प. १३४, १३५, १४१, १४४, १५१,
१७३, १७७, १८०, १८१, १८२,
१८३, १८४, १८७, २५८, २७३,
२७४, ३३६

,, दू ३४, ३८, ६८
 ,, ती १७४, १७५
 ग्रामव ती २४०, २४५
 ग्रामेर प २८७, २६०, २६३, २६४,
 २६५, २६६, २६७, २६८, २६९,
 ३२६, ३३०, ३३१, ३३६
 ,, ती २७२
 ग्रारली प १७६
 ग्रारम दू ६
 ग्रालमपुर-री मैडो प १२८
 ग्रालवाडो प १७५, २४८
 ग्रालासन प २४८
 ग्रालियो प १७७
 ग्रालोपो प १६२
 ग्रालठ कोट दे० ग्रालठ-कोट सामई ।
 ग्रालव सावड प ३६
 ग्रालल प १५८
 ग्रालनीकोट दू ४, ८, ९, १०, ३८
 ११२, ११३
 ग्रालनीकोनीट दू ४
 ग्रालपुर प ३८
 ग्रालरानडो दू १६०
 ग्राललकोट प २०२
 ग्राललवासी ती ५३
 ग्राललोई दू ४
 ग्रालावस प १८०
 ग्राला-री-नाडो दे० ग्रालरानडो ।
 ग्रालावाडो प १८०
 ग्रालेरगड ती १७३
 ग्रालो दू ४
 ग्रालोप प २४०,
 दू १५५, १५६, १५७, १७०
 ग्रालप दू ४
 ग्रालाड प ६, ३२, ३३, ४३, ८०, ८१
 ,, ती १७३
 ग्रालाडो दू ४
 ग्रालुर प २४०

ग्रालोर प ५, ७, ३६, ४२, २४०
 ग्रालोरगड ती २१८

इ

इछापुर दू १७२
 इद्रवडो दू १७८
 इद्राणो प २३६
 इकुवरडा प १७८
 इटाको (मेडता रो) दू १८६
 इणगार प ३३१
 इसलामपुर कोसीयल प ५२
 इसलामपुर मोही प ५२

ई

ईवावाडी दू ३०८
 ईकड दू ४
 ईडर प १, ३७, ३८, ३९, ४१, ४७,
 ५१, ८६, १४५, १४६, १५६, २४८,
 २८४
 ईडर दू ५०, ८९, ९२, १७०, १७२,
 २५६, २७६
 ईडरगड प ३७
 ईडयो दू १७६
 ,, ती ११५
 ईसवाल प ४१

उ

उठाळो प २७
 उडवाडियो प १७५
 उडवाडो प २४७
 उगरावण प ६५, ६६
 उगरास ती ११०
 उजीण दे० उजण ।
 उजण प ३७, ६७, २०६, २११, ३४३,
 ३६०
 ,, दू ६०, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६७, १८०, १८३, १८१

उज्जैन दे० उज्जैन ।

उड प. १७४, १७६

उड्यो प. १२७, १२८, १२९

उतोसा प. १७७

उत्तर-गुजरात दू. २६६

,, ती. २६

उत्तर प्रदेश प. २१०

उदयपुर दे० उदयपुर ।

उदरा प. १७३

उदलियावास दू. ३६

उदीवस दू. १७०, १७१

उदयपुर प. १, ५, ८, ११, १५, २१,

२४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५,

३६, ३७, ३८, ४०, ४१, ४२, ४३,

४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६,

५७, ६१, ६३, ६४, ८६, ८१, ८४,

८६, १२७, १५४, ३२२.

,, दू. ६५

,, ती. १७३

उदही प. २८७, ३०२, ३०६, ३११.

३२०

उनायो प. ४, १५

उनो दू. ८

उपमणो प. १७७

उमर प. ३३६

उमरकोट दे० ऊमरकोट ।

उमरणी प. १७८, २७२

उमरलाई दू. १८८

उरमाळकोट दू. २६२

ऊ

ऊंच-देरावर दू. १८

ऊंढाला दे० ऊंढाली ।

ऊंढालाव प. ५६

ऊंढाली प. ६६

ऊंढोळाव प. ३७

ऊंढाला दे० ऊंढालाव ।

ऊढसर ती. २२६

ऊदारो प. २५०

ऊदावतां-री-देवली ती. २३७

ऊपरमाळ परमनो प. ४४, ५२

ऊमरकोट प. ३३६, ३३८, ३५५, ३५८,

३५९, ३६०, ३६१, ३६३,

३६४

,, दू. ६, ११, ३१, ३२, ३८,

४०, ७८, ७९, ८२, ८३,

८४, २२१, २६२, २६३

,, ती. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०,

१११, २५०

ऋ

ऋषिकेश (श्राव, राजस्थान) प. १७८

ए

एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२, ३४,

३५, ४४

एलद्य प. १२७

एया-रो-परमनो प. ११५

एहनळा प. २१०

ऐ

ऐवही-भाटां-री प. १८०

ऐहमंवावा दे० अहमदाबाद ।

ऐहमदनगर दे० अहमदनगर ।

ओ

ओईसां प. २३३

,, दू. ६६, ६७, १५६, १७०,

१७१, १७४, १८८

ओगरास ती. १०८

ओमो-भीम-रो प. ३६

ओडवाडियो-चारणां-रो प. १८०

ओडवाडो दू. ६१

ओडीट दू. ३२५

ओडीसो प. ८

घोडू प १७७
 घोडो झ. ६
 घोयसा दे० घोईसा ।
 घोरीतो प १७८
 घोल् प ४१
 घोळवी झ १४६, १४६
 घोळो झ ६, ६७
 घोसिया प ३३७, ३३६
 घोहलाणी इग्रवडो झ. १७८

क

कपकोट दे० कापडकोट ।
 कपडकोट दे० कापडकोट ।
 कधार प १८७, ३११
 „ झ २, १०२
 कवळपुर ती २१६
 ककु ती २३३
 कच्छ प ३६१, ३६४, ३६५
 „ झ ३७, २०२, २०६, २१२,
 २१४, २१७, २३०, २३७, २४२,
 २४३, २४२, २६६
 „ ती १७४
 कछ दे० कछ ।
 कछडवी प १२७
 कटक प १८७, २२७
 कटखडो प ११०
 कटहड प ३०६
 कठाड प ४७
 कणवण-देवडीवाळी झ ३
 कणवार झ. १८७
 कणवारी ती २३२
 कणवारो ती २३२
 कणवीर प. ५३
 कणावद प २४७
 कणियागिर (जालोर) प. १८७
 कतर ती. २२७

कनकगिरि (जालोर) प १८७
 कनड ती २७६
 कनवज प ८
 „ झ २६६, २६७, २६६, २७४
 „ ती १७३, १८३, २०३
 कनवजगड दे० कनवज ।
 कनोडिया प ३५७
 कप्रीज दे० कनवज ।
 कपडवज दे० कपडविणज ।
 कपडविणज ती १७४
 कपासप प ३७, ५३
 कपासियो प १७४
 कपिलकोट प २६६ (दे० केलाकोट)
 „ झ २१६
 कपूरियो झ १५१
 कमळपुर ती २१६
 कमळापावा ती १२३
 कमळो झ. १२
 कसा-रो वाडो ॥ १८७
 कसोल प. ४२
 करडो सत्ता रो झ ३३
 करणाट प २२१
 करणावटी ती. १५४
 करणीसर ती २२४
 करणू झ. १३८
 करनवास प २८५
 करनवगड ती. १७४
 करमसीसर प २३६
 „ झ. १६४
 करमावत प. २८, १६६
 करलो (?) प १०६
 करहर प. १२८
 करहुटी प १७५
 करहेडो प. ३७
 करहेडोगड ती २१८
 कराडो ॥ १६७

करेझो तो. २२७
 करोली ह. १, १६
 कर्णटक प. २२१
 कलङ्गा प. ३२
 कलसकी ह. १११
 कलहटगढ तो. १७४
 कलाघी प. १७६
 कला-री-कोटही ह. १२७
 कलासर तो. २३०
 कलुंझो प. ४२
 कल्याणसर तो. २२७, २३४
 कलरला प. १७८
 कवळो ह. १३६
 कवीघो प. २२
 कसमीर प. ८ दे० कासमीर ।
 कलुंघी तो. १५७
 कांगड़ो प. ३१६
 कांगणी प. ३३६
 कांगळ ह. १७६
 काभरी ह. १८८
 कांगाळ ह. ४
 काणाणो तो. १२६
 काणावद ह. ४
 कापडकोट ह. २१४
 कानासर ह. ६, १२
 काप ह. १
 कापलो प. २४८
 कांघो तो. २१७
 काभड़ो ह. १६२, १६६
 कामसकराही प. ४७
 कामा-पहाडी-रो-सूवो प. ३१८
 काकरवो प. ४२
 काका ह. ३२
 काचालेडो ह. २२१
 काछ दे० कच्छ ।
 काछ-कालेर ह. २४३

काछो ह. २, ४, ७६, १८६, १६८,
 १६६
 काछोली प. १७४
 काठसी ह. १६६
 काठासी ह. १६३
 काठियावाड़ ह. २०२, २६६
 काठोपाड़ ह. २६०, २६१
 काठो ह. ३०७
 काणाणा तो. २२६
 कावल दे० कायुल ।
 काविल दे० कायुल ।
 कायुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०
 " ह. १५८, १६४, १६८
 काभड़ो ह. १७४, १६२, १६६
 कायलाणो तो. १४८, १४६
 कारोली-भाटा-रो प. १८०
 कालंवर प. १३२
 काळंदी प. १३६, १४३, १४७, १५८,
 १६७, २४६
 काळंधरी दे० काळंधी ।
 कालंवर ह. २४३
 काळधरी दे० काळंधी ।
 काळवास तो. २२८
 कालाणो ह. १२५
 काळाळ ह. ३०६
 काळिया-ठटो ह. १७६
 काळो-हुंवर ह. ४, १३, २७
 कासी प. २१६
 " तो. २६६
 कासमीर दे० कासमीर ।
 कासघरा प. १८०
 कासमीर ह. १५६ दे० कसमीर ।
 कासी दे० कासी ।
 काहूनी ह. ३१४
 " तो. ५
 किडाणो ह. १३६

किणमरियो प १२३
 किणसरियो ती १७३
 किरडो दू. ६८, ११४, १२७, १५२
 किरतावटी ती १५४
 किरवाड ती २६८
 किराडू प ३३७
 किलाकोट दे० केलाकोट ।
 किवाजणो प. २०
 किसमगड दू १७०, १७१, १७२
 „ ती. २१७
 कीभरी दू. १७४
 कीठणोद (कीटणोद) दू. १८२, १८३
 कीतेर प ४२
 कुकण प ८
 कुच म १२८
 कुड दू २३८
 कुडणो प २११
 कुडळ प १६६, २००
 „ दू १०६, १२१, १२६, १५४,
 १६४
 „ ती. ७८, २८१, २८३, २८४,
 २८५
 कुवीरोह प, ३४६
 कुभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६,
 ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६,
 १३८, २०७, २१०, २८४
 „ दू १६६, १६४
 „ ती ४७
 कुभांणो ती. २२८
 कुभाछत प. २४८
 कुभार-रो कोट दू ५
 कुछाऊ दू ४
 कुडकी प ३०३
 „ दू १४७
 कुडळें गुळाई दू २३८
 कुरडो प २५

कुराज प ४७
 कुळपांणो प १६३
 कुळदडो प. १७६
 कुळघर दू ८
 कुसमळो दू १०४
 कुहड दू १५१
 कुहाडिणो प. ४२
 कूझडी दू. ३६, ४३
 कूजावाडो प. १७६
 कूडळ दे० कुडळ ।
 कूडांणो दू. १८३
 कूडाळ प ४५
 कूडीरो दू २६३
 कूपडावात दू १५०
 कूपावात दू. १८२, १८३, १८४
 कूपासर दू. ७६, १३६
 कुमळमेर दे० कुभळमेर ।
 कुवीरो प ३४६
 कुचमो प. १७६
 कुडणो प. २०६
 कुडो प. ११६
 „ दू १६५
 कुवसू ती २२६
 केकडी प २७६
 केवार प ८
 केवार (केवारनाथ) दू २०४
 केरभट दे० करेभटो ।
 केरभटो दे० करेभटो ।
 केरडू ती ११०
 केराकोट प २६६ (दे० केलाकोट)
 „ दू-२१६ -
 केलखसर ती २२६
 केलवाडो प ४२
 केलवो दू. २२०
 केलाकोट दू २१६, २२५, २२६, २२८,
 २२९, २३१, २३३, २६६

केलावो दू. १५७, १५८, १५९
 केवडो प. ३५
 केसूली प. २८५
 केहरोर दू. १०, १७, ११५, ११७,
 १२०
 कैर प. १७४
 कैरलो प. २३५
 कंठ दू. १४२
 कौलवो प. ६, ४०, ६६
 ,, दू. २२०
 कौलावो दू. ८० दे० केलावो ।
 कौलाहकोड प. २६६
 कोजडो प. १७६
 कोटडो दू. ४, ७७
 कोटडो प. ३२, १७८, ३३४
 ,, दू. ५, ६, ८, ११, १३, ६७, ६८,
 ६९, १२६
 ,, ती. ३, ४
 कोटहडो दू. ११
 कोटा दे० कोटो ।
 कोटो प. ४४, १०१, ११०, ११४,
 ११५, २५३
 कोठारियो प. ३७, ४४, ४७
 कोठमदेसर ती. १६, १८१
 कोडियावास दू. ८
 कोडियासर दू. ६८
 कोडोवास दू. ६
 कोटणावाटी प. २४२
 कोडणो प. २४२
 ,, दू. ६६ १००, १०२
 ,, ती. ८७, २५६, २६१
 कोदमियो प. १०५
 कोरटो प. १६२, १७७
 कोरणो प. २३६
 कोलर दू. ३३०
 कोळियासर दू. ६३६

कोळीसिध प. १५१

कोळू दू. ४

,, ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७

कोसीयळ प. ५२

कोसीयूर प. १००

कोहर दू. ३२

,, ती. २२१

कोरपुर दे० खंड ।

ख

खंडरगढ प. ४७

खंडेलो प. ३२०, ३२१, ३२२, ३२३,
 ३२७

,, ती. २१७

खंडेलो-रवालो प. ३२०

खंडोळली दू. १३६

खंधार दे० कंधार ।

खंभणोर दे० खमणोर

खसर-भखर प. २६, ४६

खजवाणो दू. १२२

खजूरी प. ११७

खटखट प. ११३

खटोटी दू. ६६, १६३

खड्गळोदो प. १८०

खडाळ दे० खाडाळ ।

खडीण दू. ४, ५

खटोरां-री-गांध दू. ४

खत्रियावालो दू. ४

खनावडी ती. २३६

खमण प. ४१

खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८

खरणो दू. ८

खरड दू. ३, ११, १२, १६, ११३,
 ११६, १४०, १४१, १४३

खरड-केल्हणां-री दू. १६, १४२, १४३

खरड-मुधरो दू. ११, १६

खरडी दू. ६०

खरदेखलो-भाट-रो प ६१
 खघात-रो-गांव दू. ४
 खडिप दू १८७
 खाडापत-बाभगां रो प १८०
 खांडार दू ८
 खाण प १३६
 खाणा प १८०
 खांभल प. १७६
 खालरवाडो प. १७४
 खाटहडो दू ३१
 खाडू प २५१
 खाडाल दू ३, ४, ८, १७, १८, २६,
 २७, ३१, ३२, १०३, २६१
 खाडालो प १६४
 खाडाहल दे० खाडाल ।
 खाताखेडो प ११५, २५२
 खावड दू १२६
 खारडी प २४२
 खारवारो दू १११
 ,, ती. ३७
 खारवो दू १२५
 खारियो प ३६१
 ,, ती २३६
 खारींग दू ८६, ८७
 खारी प २४८
 ,, दू ४, ३१, १७४, १८६
 खारी खावड प ३३७
 खारो दू १०८, १४८
 खिणियो प ६०
 खिरालू प. २३६
 खोदासर दू ३६, १२३
 खोदलसर दू ४
 खोवलो दू. ८४
 खोवसर प. ३४१, ३४७
 ,, दू ६२, १४५, १४८, १६०
 खोवो दू ५

खोचवद दू ७७
 खोचोवाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५
 खोनावडो दू ८१
 खोमत प १७५
 खोरड दू ४
 खोरवारो दू ११
 खोरवो (खोरवो) दू १२, ११६, १४२,
 १४३
 खोरोहरी प २४०
 खुपु प ७३, ८८
 खुटहर रो मंडो प १२८
 खुडिपाळो दू १७१
 खुडियो ती १६
 खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १६१,
 ३३३
 ,, ती ५५
 खुराडो-भाटा-री प. १८०
 खुरासाण दे० खुरसाण ।
 खुरासाण दे० खुरसाण ।
 खुहियो दू ३१, ३२
 खुदलो दू १७१
 खुहडा. दू ४
 ,, ती २२२, २३१
 खेजडती प २३३
 खेजडलो दू. १४५, १४७, १४६
 खेजडियो प १६२
 खेड प ३३३, ३३४
 ,, ३८, १३०, २७८, २७९, २८०,
 २६०, २६१
 ,, ती १७३
 खेड-पट्टन दे० खेड ।
 खेड पाटण दे० खेड ।
 खेतपाळिया-रो गाव दू ६
 खतसी रो गुडो दू १७३
 खेतासर दू १५६, १७६
 खेरदो ॥ २२६, २२७, २३०
 खेरवरो प ४४

खैरघो दू. १६२, २६४

खैराबद प. ११०, ११४

खैराबाद ती. २१६

खैरीगढ प. २१०

खोखरांणो दू. १११

खोखरियो प. ६०

खोखरो दू. ६५

खोखरी प. १७६

खोखलो प. १२७

खोख प. २१०

खोखादरो प. १८०

खोखाबल दू. ६८

खोह प. ३०७, ३०६, ३२३

खोहरी प. ३२३

ग

गंगादास-री-सादग्री प. ४३, ४६

गंगारडो ती. ११६, ११८

गंगावाली दू. १६०, १६१

गजनी दू. १५, ३४, ३५, ६७

,, ती. १८३

गजसिंघपुरो दू. १५१

गजियो दू. ४

गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ ।

गढ बंधव प. १३२

गढ रिणवंभोर प. ३७

गढिया दू. ८६

गढी दू. १६६

गणकी-भाटां-री प. १८०

गणोडो ती. १६०

गमण प. ४१

गरभवास दू. २६१

गरघो प. २१

गलाणियो प. २११

गळथळू प. १७६

गलापडी दू. ५

गळिपोकोट प. ८४, ८५

गांगरडो प. ३०४

गांगाहो दू. १००

गांगुरण दे० गांगुरण ।

गांगेरो प. ७०

गांधवात दू. १७२

गांघी प. २८५

गामटाणो दू. १५१

गामरोनगढ ती. २०६

गामुरण प. ११३, ११५, २५२, २५६

गामूरण प. २५२

गादेरी (कवेरा री) प. २३८, २३९, २४०

गाहिङवाळो दू. २, ३३

गिरनार प. २२

,, दू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २२०, २४०

गिरराजसर दू. १३६

गिरघर प. १५८, १७४

गिरवार प. ३२

गिरघो प. २१, ३६, ६१, ६२

गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर

गींगोळ प. १७६

गींघाळो दू. १७६

गुड्यांण प. ११३, ११५

गुजरात प. १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२, ८६, १०६, १३२, १३६, १४२, १७२, १८५, २१३, २१५, २२७, २३६, २४४, २६२, २७६, २७८, ३००, ३०२, ३३१

,, दू. २६, ३८, १४६, १५८, १६३, १७६, १८२, १८८, २०२, २०४, २०५, २२०, २४०, २५७, २५८, २६६, २७६, २८७, २८९, ३०७

,, ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५, ५७, १३६, १७४, १८४, २८०, २८१

गुजरात (पंजाब) प. ३००

गुज्जर वू ३८
 गुडो ली. २२२
 गुडो प. ४२, २०६
 „ वू. ६४, १४७, २८४, ३००
 गुनोर प. १२७
 गुलाई वू. २३८
 गुलियो वू ८
 गुहोली प १७६
 गुगोर प ११५, २५२
 गुड प. १२८, १३१
 गुडसवाडो प १७५, १७६
 गुडो दे० गुड ।
 गुडघघ दे० गुडोव ।
 गुवावरो प. १७८
 गुवाली प ४२
 गुडोव प २११
 „ वू. १६३, २६३
 गुजर प. २७८
 गुजरखड प. १८७
 गुजरघरा प. २६०, २६१
 गुडो प. १६६, २५३, ३४५
 „ वू १४७, १६०, १८६, २८०, २८५
 २६६, ३००
 „ ली. १८
 गंङ्गाप ली. ३२६
 गंमलिवावात वू. २६४
 गंमहयावात ली. २३५
 गंहुतोडावाली वू. १३५
 गोमोड प. १२८
 गोखम प. १६०
 गोकर्ण दे० सारङ्गतिक नामावली में ।
 गोमलीसर वू. १३५
 गोवेलाव वू १६३
 गोठियो प. ६१
 गोठोळाव प. ६४
 गोडवाड दे० गोडवाड ।
 गोडो-भीम-रो प. ३६

गोडलो प. २८५
 गोडवाड प. ५३, ५५, २८५
 „ वू. १५३, १६८
 „ ली. १७३
 गोपावत वू १६३
 गोपडी (सिर्वाणा री) प २३८
 गोपलदे प. ११५
 गोपीमरियो वू. १६०
 गोपड वू. ४
 गोपडपुर प. १७६
 गोपड-रो-वाडो प २३३
 गोरहर वू. १२६
 गोरहरो वू. ६, ७७
 गोरोसर ली. २३१
 गोरीडी वू १६
 गोसाहसनी (गोसावातणी) वू. १६८
 गोवत प ३६०, ३६१
 गोवीत प. १८०
 गोहिल टोळो प. ३३५
 गोही वू ४
 गोहुवाळ ली. १३५
 गोहुवेस ली. २६६
 ग्यासपुर प. ६०, ६१
 ग्यावो वू ७६, ७७, १३६
 ग्यालियर प. १२८, १३१, २८६, २६०,
 २६३, ३०३
 „ वू. २५६
 „ ली. १८३
 ग्यालेर दे० ग्यालियर ।

घ

घटियाली वू. ४, १२, १४२
 घमोळ वू ७६, ६७
 घांघाणी ली. ६०
 घांणत प. १७४
 घांणेर प. ३६

घांजेराव दे० घांजेरो ।

घांजेरो प. ४१

घांजा प. १७८

घांजेरा ती. ४२

घांमट दू. ५

घांतिर प. ४१, ४७

घांघेडो प. १२८

घाटी प. ११४

घाटी प. ४०

घाटोली प. ११४

घीघालियो दू. १८०

घूंघरोट (घूंघरोट) प. १८४, १८५,

१८६

„ दू. २६०, २६१,
२६४

घोघूंघ प. ४२

घोघूंघो प. २६, ३०, ३५, ३७, ४२,

४६, ४८

घोडाहडू दू. १४८

घोटाहडो दू. ४

घोसमन प. ५३

च

चंग दू. ६६

चंगावडो दू. १७२

चंडालियो दू. १७०, १७२, १७३

चंडावळ प. २६

„ दू. १४६

चंडावी ती. २३४

चंदावतो प. ३६

चंदेरियां-रो-गांव दू. ८

चंदेरी प. २०

„ ती. २१८

चंद्रावतो प. १३५

चंवरागाट प. १२७, १२८, १३१

चनार प. १७४

चरहाडो प. १७७

चवदं-चाळ प. २८७

„ ती. १७०, १७१

चवदं-चाळ-दुंढाहडू प. २८७

चवदं-चेटी प. ३६४

चवरासी दे० चीरासी ।

चवरो प. २३४

चवाडी प. २३३

चांदण प. २४७

चांदरख दू. ११६

चांयण दू. ३६, ४३

चांयणो दू. ७४

चांपानेर ती. २५, ५५, १८३

चांशासर दू. ४, १४६, १६३, १७५

चांपोल प. १७५

चांविडियाळ दू. १६६

चांमू दू. ६७, ६२, १२५, १६०, १६७,
१७५

चाखू प. ३५०

चाखू दू. १२३

चाचरडो प. १७४

चाचरणी प. २५२, २५६, २५७

चाटलो प. ३५४

चाटसु प. २८७, २६२

चाडी दू. १२२, १३८, १४२

चारण-खेडो प. ६१

चारणवाळो दू. ३६

चारणां-चांभणां-रो-सातण प्रवेण प. १७३

चावंड प. ३५, ३७, ४३, ५७

चावंडेरो प. २८५

चावळो दू. १८१

चाहडू दू. ४

चाहिल ती. १७

चित्तोड दे० चीतोड ।

चित्तोडपड दे० चीतोड ।

चित्रकोट प. ८

चित्रांगलस दू. २५

चिनडी दू १७२ /
 चिहू दू १३६
 चीखलघो व. ३२
 चीताखेडो व. ६५, ६६
 चीतोड प ३, ५, ६, ८, ९,
 १२, १३, १४, १५,
 १६, १७, १८, २०,
 २१, २४, २६, ३०,
 ३२, ३७, ३८, ४४,
 ४८, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५६,
 ६२, ६६, ६७, ७०,
 ७६, ८०, ८१, ८१,
 ८२, ८८, १०२, १०३,
 १०४, १०५, १०६, १०७
 १०८, ११०, १११, १२०,
 १२५, १५६, १८६, २०५,
 २४३, २७६, २८०, २८१,
 २८२
 , , दू १४५, १५३, १५८, १८१,
 २६२, ३३१, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३७, ३३८, ३३९
 , , ती ५, २८, ५५ १३६,
 १४६, १७३, १८३, २४१,
 २८१

चीतोडगड व. १८६
 चीत्रोड दे० चीतोड ।
 चीत्रोडगड दे० चीतोड ।
 चीनडी प २४०
 चीन्हो दू ३१
 चीबागाव प १७७
 चीमणयो ती २३३
 चीरघो प ४४
 चीवळो प १७७
 चीहरडा प. १७८
 चीहळो प. ४७

घुडियाळो प १७६
 घुडासर प ३४७
 ,, ती १८१
 घुडो राणपुर दू २५६, २६०
 घुनाणो प. १७४
 घुनी दू १२
 घुहडसर दू १११, १२५
 चेढी दे० चवई-चेढी ।
 चेलावस प १७६
 चैराई दू ६५, १६८, १७०
 चोकीगड प १२७
 चोखावसणो दू १४८
 चोचरो दू ६
 चोटोती दू १३८
 चोपडा दू १५३
 ,, ती ८४
 चोपडो दू १४८, १६७, १७८, १८१
 चोरबाड दू. २०२
 चोळी-मणेर प ७६
 चोलेर प ४७
 चोहटण प ३६४, ३६५
 , दू ५, १२६
 चोहटण दे० चोहटण ।
 चोहडा दू १६४
 चीकडो दू १४८
 चीरासी प २५०
 चीरासी भाद्राजण री ती २५६, २६२
 चीरासी मिलक-री प ८०, ८१, ८२
 चीरासी रतनपुर-री प ४४
 च्यार-छपन प. ३६

छ

छडाणो दू १८२
 छतीस पवन प १२४
 छपन प ४३
 छपन-चावड (छपन-चावड) प ४३
 छपन रा-गाव प. ३६
 छमीछो ती. ५६

છાહોટળ દે. ચોહટળ ।

છાહ્યો દૂ. ૨૨૧

છાહીરલો પ. ૪૭

છાહ્યોઢાઈ દૂ. ૧૮૭

છાપર વૂ. ૩૨૪, ૩૨૫

|| તો. ૧૫૩, ૧૫૪, ૧૫૬, ૧૫૮,
૧૬૧, ૧૬૨, ૧૬૩, ૧૬૫,
૧૬૬, ૧૬૭, ૧૭૧

છાપરોલી પ. ૩૨

છાપુર દે. છાપર ।

છાલુ દૂ. ૧૨

છાઢી-પૂતઢી પ. ૩૮, ૩૯, ૪૩, ૪૭

છાઢી-પૂતઢી-રાનાં-રી પ. ૩૮, ૩૯

છાઢી-પૂતઢી-રા-મગરા પ. ૪૩

છાહોટળ દે. ચોહટળ ।

છિપિયો તો. ૨૩૬

છીલો દૂ. ૧૬૩

છેલપુર પ. ૨૫૩

છોડો દૂ. ૪

છોહલો પ. ૩૪૬

જ

જંગઢધર તો. ૨૦૭

જગડવાસ પ. ૩૨૮

જગતહર-રો-પરગનો પ. ૧૨૭

જગદેઘાઢો દૂ. ૧૧૧

જગનેર પ. ૪૩, ૪૭, ૧૧૦

જમિયો દૂ. ૪, ૫

જમૂ દે. ઋમૂ ।

જઢિયો પ. ૧૭૯

જતહર દે. જગતહર-રો-પરગનો

જવલો પ. ૬૫

જમલુદ તો. ૨૧૪

જયપુર દે. જેપુર ।

જરગો પ. ૪૨, ૪૩, ૧૧૬

જઠલેદ-પાટળ તો. ૨૧૮

જઘનપુર પ. ૧૮

જવાલ દે. જવાલ ।

જવાલ પ. ૩૮, ૪૩, ૪૭

જસલેદ-પાટળ દે. જઠલેદ-પાટળ ।

જસરાસર પ. ૩૪૯

જસવંતપૂરો પ. ૨૦૪

જસૂવેરો દૂ. ૧૩૬

જસોદરં પ. ૧૭૯

જસોલ તો. ૨૨૦, ૨૨૧

જસોઢાલ પ. ૧૭૬

જહાજપુર પ. ૩૮, ૪૭, ૨૭૯, ૨૮૦

„ દૂ. ૨૬૩

જહાંનાવાંદ દૂ. ૧૦૫

જાંગલુ પ. ૩૪૪, ૩૪૫, ૩૪૬, ૩૪૭,
૩૪૮, ૩૪૯

„ દૂ. ૩૦૦, ૩૦૧

„ તો. ૨૮

જાંઢોરો વૂ. ૬

જાંનાં તો. ૨૨૩

જાંનાવાંકો પ. ૧૭૮

જાંનદ વૂ. ૬

જાંનરો વૂ. ૬

જાંનો પ. ૪૩

જાંમ-રો-ગુઢો પ. ૩૫૦

જાંમ-ઘાઢોદ-રો-ગુઢો પ. ૩૫૦

જાંમેઢાલ વૂ. ૧૨૩

જાકરી તો. ૨૩૩

જાલબર પ. ૧૮૦

જાલોરો તો. ૪૧

જાલપુર પ. ૨૭૯, ૨૮૦

„ દૂ. ૨૬૩

જાજીવાલ વૂ. ૧૮૫

જાટીવાસ વૂ. ૧૭૩

જાટો દૂ. ૨૫૦

જાદયસ્થલ દૂ. ૩

જામનગર તો. ૨૯

જામોતર પ. ૧૭૭

જાયલ પ. ૧૮૦, ૨૫૦, ૨૫૧, ૨૫૨,
૨૫૩

जायलवांडो ती १७४

जोरोडो प. ३८

जालिधर प. ८

जालिना वू. १६३

जालसू ती. ११६

जालिधो वू. ५

जालोवाडी प. ३५७

जालेली वू. ६, १६३

जालोर प. १४, १७, २५, ३७,
६०, ६१, १३५, १३६,
१४६, १४७, १६१, १६२,
१७२, १७३, १७८, १८१,
१८७, १८४, १८५, १८६,
१८८, १८९, २०३, २०४,
२१२, २१३, २१६, २१७,
२१८, २२०, २२२, २२४,
२२६, २३०, २३१, २३४,
२३५, २३६, २३८, २४०,
२४१, २४५, ३३६, ३६१

„ वू. ३६, ४२, ६१, ६७,
१४६, १४८, १५०, २६०

„ ती. २८, १२४, १८४, २१४,
२८०, २८१, २८२, २८३,
२८४

जाहकडी प. १७६

जाहणी वू. १६३

जायब प. ४७

जायद-नवराय प. ४७

जावर प. २५, ४३

जावाळ प. १७६, १७७

जासातर ती. २३२

जाहडेवेटी प. १७६

जीजियाकी वू. ४

जीरण प. ५३

जीरावळ प. १७५

जीरोतरो प. ४७

जीतगरी प. ६०

जीतवाडी प. ३६, ४०, ४१, १११

जीळी ती. २३३

जीहरण प. २७, २८, ४८, ५३,
६२, ६३, ६४, ६५

जुट वू. ६६

जुहलो वू. १५०

जुडियो-तेवेडो वू. १३६

जुणतो ती. २३६

जुवावरो प. १८०

जूमणू ती. १६२, १६३, २७३

जूझी वू. १६६

जूडो प. ४६

जूड वू. १५६, १६६

जूनागड वू. १६

„ ती. १७४

जूनी प. ३३७

जेबाय वू. ३६

जेराइत वू. ४

जेसळगिर वे. जेसळमेर।

जेसळमेर प. २२, १४७, २०६, २०७,
२३२, ३३४, ३३५, ३४६,
३५२, ३५५

„ वू. १, २, ३, ४,
५, ६, ८, ९,
१०, ११, १२, १३,
१४, १५, १६, २७

२८, ३१, ३२, ३४,
३५, ३६, ३८, ३९,
४२, ४३, ४४, ४५,
४६, ४७, ५०, ५३,

५४, ५७, ५८, ६२,
६३, ६४, ६५, ६७,
७२, ७३, ७४, ७५,
७६, ७७, ७८, ७९,

८०, ८१, ८२, ८३,
८४, ८५, ८७, ८८,

૬૧, ૬૩, ૬૪, ૬૫,
૬૭, ૬૮, ૬૯, ૧૦૦,
૧૦૨, ૧૦૩, ૧૦૪, ૧૦૫,
૧૦૬, ૧૦૭, ૧૦૮, ૧૦૯,
૧૧૦, ૧૧૧, ૧૧૨, ૧૧૪,
૧૧૮, ૧૨૬, ૧૩૨, ૧૪૭,
૧૫૨, ૧૬૨, ૧૬૬, ૧૬૭,
૧૬૮, ૨૬૧, ૨૮૦, ૨૯૦,
૩૦૦

,, તી. ૨૯, ૩૩, ૩૪, ૧૮૩,
૧૮૪, ૨૦૬, ૨૧૫, ૨૧૭,
૨૨૦, ૨૨૧

જેસઢાં (જેસઢાં) કૂ. ૧૬૦

જેસાંજ, જેસાંજો દે. જેસઢમેર ।

જેસાવસ કૂ. ૧૭૩, ૧૮૭

જેમુરાંજો કૂ. ૪, ૮, ૧૨, ૧૪૪

જેતકોટ પ. ૨૦૨

જેતપુર તી. ૧૭, ૧૮, ૨૩૦

જેતપુરો તી. ૧૭

જેતવાડો પ. ૧૧૮, ૧૭૪

જેતારણ પ. ૬૨, ૮૬, ૮૮, ૨૬૪

,, કૂ. ૧૪૮

,, તી. ૩૯, ૧૪૧, ૧૪૫, ૨૩૫,
૨૩૬

જેતોવાસ કૂ. ૧૫૦

જેતુર પ. ૧૭, ૩૧૧

જેવાંવ દે. જેવાંવ ।

જેરાહત કૂ. ૪, ૧૦૦

જોગમ્પુર કૂ. ૬૫

જોગાત કૂ. ૬૧

જોગાવર પ. ૩૭, ૫૨, ૨૦૨

જોતપુર પ. ૧૭૫

જોવપુર પ. ૨૫, ૨૬, ૨૭, ૨૮,
૩૭, ૮૬, ૧૦૧, ૧૧૪,
૧૩૦, ૧૩૬, ૧૪૨, ૧૪૪,
૧૪૭, ૧૫૩, ૧૫૮, ૧૬૦,

૧૬૧, ૧૬૩, ૧૬૪, ૧૬૫,
૧૬૬, ૧૭૦, ૨૦૭, ૨૦૮,
૨૦૯, ૨૩૩, ૨૩૭, ૨૪૦,
૩૦૬, ૩૦૯, ૩૧૦, ૩૧૧,
૩૧૪, ૩૧૬, ૩૧૭, ૩૧૮,
૩૨૦, ૩૨૨, ૩૨૩, ૩૨૪,
૩૨૮, ૩૪૨, ૩૪૬, ૩૪૭

,, કૂ. ૩૩, ૩૮, ૩૯, ૫૩,
૬૬, ૭૭, ૭૯, ૮૦,
૮૧, ૮૪, ૮૬, ૯૦,
૯૧, ૯૪, ૯૭, ૧૦૦,
૧૦૫, ૧૦૬, ૧૧૦, ૧૧૧,
૧૨૨, ૧૨૩, ૧૨૪, ૧૨૮,
૧૩૮, ૧૪૫, ૧૪૬, ૧૪૭,
૧૪૧, ૧૪૬, ૧૬૧, ૧૬૪,
૧૬૫, ૧૭૩, ૧૭૪, ૧૭૬,
૧૭૯, ૧૮૦, ૧૮૨, ૧૮૬,
૧૯૦, ૧૯૪, ૧૯૬, ૨૬૩,
૨૬૪, ૨૭૭

,, તી. ૧૨, ૨૮, ૩૪, ૮૦,
૮૧, ૮૩, ૮૪, ૮૬,
૯૦, ૯૨, ૧૦૦, ૧૦૧,
૧૦૨, ૧૦૪, ૧૧૫, ૧૧૮,
૧૨૧, ૧૨૨, ૧૨૦, ૧૨૧,
૨૧૩, ૨૧૪, ૨૧૫, ૨૧૬,
૨૧૭, ૨૩૫, ૨૩૭

જોષદાવાસ કૂ. ૧૭૩

જોવનેર પ. ૩૩૦, ૩૩૧

જોલપો પ. ૧૧૬

જ્યાકરી તી. ૨૩૩

મ્તિ

મ્તિ કૂ. ૩૯, ૧૭૭, ૧૭૮

મ્તિ કૂ. ૩૨

મ્તિ પ. ૩૦૭

મ્તિ કૂ. ૪

મ્તિ-મ્તિ-તી પ. ૧૭૬

भांभण हू २
 भांभमो प ३३७
 भावडो प १७६
 भासनाळो प ४१
 भाडलड हू ३८
 भाडलूर हू १२, १४२
 भाडोल प ३६, ४२
 " हू २६३
 भाडोनी प ४६, १७३, १७७
 भात प १७६
 भालावाळी-सावडी प ५
 भालावाळो देलवाडो प. ४४
 भालायाड हू. २५८, २६२
 भालायाड-घोटी हू २६२
 भातल ती २२
 भोंपडो प २२३
 भुभुवाडो हू २६०
 भूपडालेडो प ४७
 भूठाडियो हू १८१
 भूरो घू ३६
 भेरडियो प २२८
 भोरा भगरा पट्टी प १७६
 भोरो प १७३, १७६
 ट
 टगरावती प ४२, ४६
 टमटमो प १७६, १७६
 टाकरो प १७५
 टावरियावाळो हू. १३३
 टोकली प ३२
 टोवडी हू १७३
 टोमो ॥ ६
 टोवरियाळो हू. ४
 टूक प ४७
 टेडयो दे. टंहिया ।
 टेहियो हू ४, ६, १०३
 टोकल प. १५८
 टोडो प १७, ४७, ६१

ठ

ठरडो घू ८४

ड

डमांथो प १७५
 डांगरा प. २४०
 डांगरी हू ६
 डावर हू ४, १५३, १६०, २६१
 डाक प १७५
 डावर प ४७
 डामडी हू. १५६
 डामसो हू. २, ४, १०
 दाहळ प ५
 डोघाडी प. १७७
 डोडलोड प १७७
 डोडवांथो प. ३२४
 " हू ६, ३०८, ३२८
 " ती. ६५
 डोडवाना दे. डोडवांथो ।
 डोवजाळ हू. १११
 डूगरपुट प. १४, २६, ३५, ३७,
 ३८, ३९, ४३, ४६,
 ५३, ७०, ७१, ७४,
 ७७, ८०, ८१, ८२,
 ८४, ८५, ८६, ८७,
 ८८, ११६ १२१
 " हू. १६३
 " ती २२६
 डूगरी प. १७६
 डूगरो-देस प ४३
 डेडुवा प. १७६
 डेह हू १५७
 डोमरी हू. ६७
 डोडवाडो प २५३
 डोडियाळ प १४७, १६०
 " ती. १२४, १२५

८

टाकसरी	प. ३४७
टाको	ती. १४
टाहो	प. २८, ३२३
दिलहो	प. १८
दिली	दे. दिली ।
होंकली	हु. ६६
होंगसरी	ती. २२५
हीरार्ह	हु. १६१, १६७, १७१
हुंहाह	प. १८७, २६३, २६५, ३४२
"	हु. ३१५, ३३५, ३३६
हुंहार	दे. हुंहाह ।
हुंहाहह	प. २८७
होल	प. ४२
होलांणो	प. २८५
होहो	प. ३२३

त

तई-घईतरो	हु. ४
तडुगी	प. १७४
तणमो	हु. ११६
तणुकोठ	हु. ३
तणुसर	हु. ४
तणोट	हु. ४, १०
तणोटकोठ	हु. १७
तलवाहो	ती. ३
तलावस	प. ११७
तांणो	हु. १४२, १४३
तांणो	प. ३७
"	हु. १५३, १८१
तांणो-सोळकी-मला घाळो	प. ३४२
तांणुवास	प. २३३
तांणुवास	प. २३८
तांणुहो	हु. १६६, १८२, १८५
तांणुतोली-तांणुणी-री	प. १८०
तालिवांणो	प. २४०

ताळो	प. ३१८
तिघरी	हु. १८६
तिघमो	प. १८०
तिमरणी	प. १६७, २३३, ६
"	हु. १४८
तिमरली	दे. तिमरनी ।
तिलंगाण	प. ८
तिलवाहा	दे. तलवाहो ।
तिलवाहा-फेयर	हु. २८४, २८५
तिलवाहो (मालांणी)	हु. १३०, २८५
"	ती. ३

तिलायली	प. ३४०
तिलाणिस	हु. १५६
तिसंगिहो	हु. ४१
तिहांगवेसर	ती. २२७
तोतरहो	प. ३२
तोतरी	प. १७६
तोस-रा वायडियां-वेवडां-रो-जसन	प. १७३, १७८
तुंड	प. २४७
तुघरां	हु. १४८
तेजसी-रो-गांव	हु. ४
तेलपुरो	प. १७३
तेसियांणो	प. २४०
तोठहो	प. २८०, २८१
तोडो	प. ४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१

"	हु. १५५
तोडो-नायरचाळ-रो	प. २८०, २८१, २८३
तोडो-नीव-रो	प. ३०१
तोसोणी	प. ३४३
अंबक	प. १, १२२

त्रिकुट झू. २४२
त्रिकोणगढ (सका) झू. ३६
त्रिगठी झू. १६६
अम्बक दे. अम्बक ।

थ

थटो प. ६०, २६२
,, झू. ३२, ८०, ८२
,, ती. २८०, २८१
थट्टा दे. थटो ।

थूकडो झू. १६०
थळ झू. २, ३१, २८५
,, ती. ६५, ६६, १०३

थळवट झू. ३२०

थळो प. १७५

,, झू. ३२३

थळुडो प. १६४

थहीयावत झू. ४

थान गांव झू. २८४, २८५

थालनेर प. १२९

थावर प. १७८

थाहर-वासणी झू. १८७

थाहरी झू. १६८

थिराव प. १७२

थूर प. ३२

थुळायो झू. ५

थोम झू. ६०

थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दतारखो प. १७८

दतोवाडो प. ३६२

दक्षिण (प्रवेश) प. १८५

दताणी प. २३, १५०, १६६, १७५

दवरेरो ती. ७२, २७३

दवरेरो दे. दवरेरो ।

दभोड प. १२८

दमोई प. १२७

दमोदर झू. ४

दत्तोस प. ३८

दत्तोस-कत्तोस प. ३८, ३९, ४३, ४७

दत्ताडो झू. २६१

दत्तोर प. ३७, ३८, ६४

दहवारी प. २२, ४३

दहियावत प. १८७, २४८

दहियावतरी दे. दहियावत ।

दहोपडो प. २३३

,, झू. १८२, १८३

दहीपडो दे. दहीपडो ।

दहीगांव प. २४७

दहोस्तोप झू. ६

दांतणियो प. २४१

दांतीवाडो प. १५१, १५२, १६२

,, झू. १४६

दांमण प. २१२

दागजाळ झू. ६

दिलण (वेश) प. २३४

दिलडो प. १८

दिली दे. दिल्ली ।

दिल्ली प. १८, ५८, ५९, ७०,

८२, १८०, १८५, २०४,

२२४, २६२

,, झू. १५, १६, ५६, ६५,

६६, ७४, ७५, २८२,

२८३, २८५, ३०२, ३०८

,, ती. ५३, ५५, १०२, १५१,

१६२, १७४, १८३, १८५,

१६२, २३८, २४३

दिहायलो प. १२८

दीव बदर ती. ५६

दुकोस प. २५३

दुजावर झू. ४

दुजासी झू. ४

दुण्यासर ती. २३०

दुणोद प. १७६
 दुरंगव ली. १७३
 दुसारणो ली. २३१
 दूगपुर कु. ६३, ३२३
 " ली. १०१, १५१
 दूववड प. ३१
 " कु. १५६
 दूघोद प. ३१
 दूनाडो प. २३३
 देछ प. २११, ३६२
 देवपुर प. १२८
 देवापुर प. १७३
 देवाहुर कु. १११
 देपारी कु. १३६
 देपारी प. १२४
 देरावर प. १२२, १२३, २५३
 " कु. १०, १८, ३१, २३,
 ३३, ५३, ६६, ३०,
 ७६, ६३, ६६, १०८,
 ११४, ११५, ११६, ११७,
 ११८
 " ली. ३४, १७४
 धेरासर कु. ४
 धिलवाडो प. ३४, ४४, १२८, १७७
 धेलाणी-भाटी-रो प. १८०
 धेलोद प. १७७
 धेव प. ४३
 धेव-गदावर प. ४३
 धेवको-भाटन दे. देव-रो-भाटन ।
 धेवलेत प. १७६
 धेवडी प. ३२
 धेवडो प. २४७
 धेवत कु. २६१
 धेवतफही कु. २६१
 धेव-पट्टन दे. देव-रो-भाटन ।
 धेव-रो-भाटन (देवको-भाटन) प. २१३,
 २१४, ३३५

देवलिप्यां-रो-भेरवाडो प. ४५
 देवलिप्यो प. १६, २७,
 ३८, ४५, ५
 ८६, ८८, ॥
 ६३, ६४, ६।
 ६७, १६४
 " ली. २१७
 देवली प. ४७
 " ली. २३७
 देवली ऊवावर्तो की ली. २३७
 देवसीवास प. २४८
 देवहर प. ४३
 देवाहस कु. १९, ११३
 देवीलिप्यो प. ११५, २०८
 देवो कु. ४, ६, १०३
 देसूरी प. ४१, २८४, २८५
 देसेहरो-वेस प. ४२
 देहेरे-भावाहर कु. १२६
 दोबोझई कु. १४७
 दोसा प. २८७
 दोनताबाव प. १३१, २३४
 " कु. १२२
 " ली. १८३, २४६, २७६, २७७
 दोसा प. २६७
 द्रम कु. ३१
 द्रमद प. ॥
 द्रमपुर दे. शोषपुर।
 द्रंघ प. ३५७
 " कु. १३, ३६
 शोषपुर कु. ६३, ६२५
 " ली. १०१, १५१, १५३, १५४,
 १५६, १६१, १६२, १६४,
 १६५, १६६, १६७
 शोषागिर दे. शोषपुर।
 शारकाली प. १११, २६३, २६४, २८६,
 ३३७

हारकाजी कू. २२५, २६६, २६७, २६८

„ ती. २६६

हारामती के हारकाजी ।

घ .

घपूको के घांपूको ।

घणलो कू ८४, ३२६

घनवाडो प. ६०

घनवो प २४८

„ कू ६, ८

घमारी प १७४

घनियावाडो प. १७५

घनेरियो प. ६०

घनेरी प. १५८, १७६

घमांगो प १२७

घमोतर प ६६

घरियाव प ३८, ४३, ४५, ६४, ६६

घवळको कू २६०

घवळपुर प ३१

घवळहुर कू २१५, २४०, २४६

घवळासर कू. १११

घवळेरो कू १७८

घवो कू. १५०, १५६

घामणिपो कू ७६

घांघपुर प १७५, १७६

घांपूको कू १, १६, २६०

घांपूसर ती २२६

घामेरा प. १७८

घामणिपो प २८५

घामणो प १२७

घाचरियो प १७६

घाट ती ७५ १७४

घाघोळाव कू १६८

घार प ४, ३२, ४३, ३३६

„ कू २६, २६, ३०३, ३१

घारगवाय कू १४८

घारता प. ६१

घारनगर ती. १७३

घारवा प १७८

घोंगांणो कू. १७०

घोणोद कू २१०, २१२, २१४, २२१

घोराव प ४५

घोरावाडगड ती २१६

घोवली प १७५

घुवावस प १८०

घूळकोट प ११३

घूळोप प ११६

घोष प ३३५

घोघुको प ३३५

घोरीनमो प २४८

घोलपुर प २०६, २३४

घोलहुर के घोळहुरो ।

घोलहुरो प २५

„ कू. १, २४०, २४४, २४७, २४८

„ ती ८४

घोळेरो प २५

घोलपुर के घोळपुर ।

न

नदराय प ४७

नदियो प १७४

नगरकोट प. ३००

नगरगाव १३६

नगर घट्टा प ८, ६०

नगर सांमई कू २३७

नगराजसर कू १११, १३६

नहियाद ती १७४

ननेठ कू. ६१, १२८, १३३, १३४

नरवर प. १२८

नरघरगड ती १७४, २१७

नरसांणो कू १४८

नरसांणो प ३०४, ३०५, ३३०, ३३१,

३५६

नराणो वे. नराणो ।
नराणो वे. नराणो ।

नरावस प. २३८

नळवर प. २६३, २६४, ३०३

नळघरगळ प. २८६, २६३, २६५, ३०३

नवकोट द्व. १४

नवदोप द्व. ३८

नवलपली प. १८६

नवलली-सिंध द्व. २३७

नवलाल-उहर प. १३२

नवसर प. २१०

" द्व. ६२

नवसरो प. १६०, १६५, २११

नधानगर द्व. १५, १६, २०५, २२०,
२२१, २२३, २२४, २३६,
२४०, २४१, २४४, २४७,
२४६, २६०, २६१

" ती. २६

नवोसहर प. २८०

नहवर द्व. ३२

नांदणो प. ११७

" द्व. १३

नांदियो द्व. १५०, १६६, १६७

नांदोती प. ३०६

नांनाजयो प. १७८

नांमी प. १६२, १७७

नाई प. ३२

नाउमो-घावरेडो प. ६६

नाकोडो प. ३३३, ३३४

नाणंजो कोट द्व. २२

नागडी द्व. १६०

नागण प. २४७

नागवहो प. १, २, ८, ११, ३५

नागरवाळ प. २८०

नागांणी प. १७७

नागांणी वे. नागो

नागो-जोगीकोट (वेरावर,
नागोर प. २४, १२५

२५३, २६७,

३४७, ३४८,

द्व. ५४, ६५,

११५, १३१, १

१५३, १५६, १

३००, ३०१, ३१

३१२, ३१३, ३१४

३२४, ३२६, ३२८

३३७

" ती. २६, ८५, ६०,

६७, १५४, १८२, १

नागोर-री-पट्टी प. २५०

नाचणो द्व. ८, १२, ११६, १

१४३

नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३५

१८१, १८६, १८७, १८८

२०२, २०६

" द्व. ३२६, ३२०, ३३१

" ती. ४८, १३३, १७३

नाडूलगळ वे. नाडूल ।

नाडूळी ती. १३४

नाडोळ वे. नाडूल ।

नाडोलगळ ते. नाडूल ।

नायवांणी ती. २२८

नायूसर द्व. ७५, १२३

नांदियो वे. नांदियो ।

नापावस द्व. १६३

नाभासर द्व. १२३

नारंगळ ती. १७४

नारणसर द्व. १३५

नारवणो प. १६२

नारवरो प. १७७

नारवोळ ती. १५१

नारायसो प. २६०

नाउ डू. १२८
 नासिक प १, १२२
 नाहरळाव प. १७८
 माहवार डू. १३
 माहेसर प ४२
 निरर्थागो प ३२०
 निवाई प. ३१४
 नींबडो डू. २११
 नींबलो प १६५
 „ डू. १२, १३४, १३५, १३७
 नींबी लो २२५
 नींबीवरी लो. २२५
 नींबाज प. ६०, १५७, १५६
 „ लो. २३५
 नींबाडो लो २३७
 नींबलाया डू. १२
 नींबालियो डू. १२
 नींबूडो प. १७५
 नींबोडो प. १७५
 नींबोळ प. ६२
 „ लो. २३६
 नींबोवरी लो २२५
 नीतोडो प १७४
 नीनरिया डू. ५
 नीभिया डू. ५
 नीमच हे नीमच ।
 नीमाळ हे. नीबाज ।
 नीलकठ प २३६
 नीलपो डू. ३२
 नीलाबो डू. १४८
 नीलिया प. ८६
 नीलेर प. १७५
 नीवाई प २८७
 नूहन प. १७६
 नेउवो प. ६२
 नेगरडो डू. ६

नेछवो प. ३५८
 नेझाण डू. ३६
 नेनरवाडो प १८०
 नेहवाई डू. ४, ६
 नेखवाप प. ११०, २८३
 नेणेर प ६४
 नेप डू. ३६, ११७, ११८, १२७,
 १३४, १३५
 नेख-चारखवाळो डू. ३६
 मोस-तेवडो डू. ११७, ११८, १२७, १३४
 मोहर प. १७६
 „ लो. १८

प

पंचळ वेत प. ४५
 पचाळ डू. ३७, २४२
 पजाव प ३००
 पई-मपारो प. ४३
 पसाळव डू. २२१, २५६
 पलेरीगढ प. २१०
 पछवाळो डू. ४
 पटाळ प. २४२
 पटून हे. पाटण ।
 पटूनखेड हे खेड ।
 पटून देवको प. २१३, २१४, ३३५
 पटून-प्रभास प २१३
 पटून-शिख प २१३
 पटून-सोमनाथ प २१३
 पठार प. ४४
 „ लो. २४०, २४१, २४७
 पढावळ प. ५४
 पडिहारो लो. २३३, २५०, २५१
 पघण प. १७३, १७४, १७५
 पडोळ्याया डू. ३०४, ३१७, ३१८
 पनवाड प. ३१५
 पनोतो डू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६
 पवई प. १२७
 पवउयो प. १२८
 पमांणा प. १७४
 परवतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६,
 ३१२
 पशवर गांध प. ३६०
 पळाहतो-हाटांवाळो प. ४४
 पलू (पळू) ती. २२६
 पल्लू ती. १७३, २२६
 पश्चिम-रेलवे वू. २६६
 पांचडो प. १७४
 पांचनडो वू. १८७
 पांचरवरो वू. १८६
 पांचलो प. १७५, १७८, २००
 ,, वू. १७०, १७५, १८७
 पांचाडी-भाहरो वू. ६५
 पांचाल प. ४५
 ,, वू. २४२
 पांडरी-भाटां-री प. १८०
 पांडवारी प. १२७
 पांणीपथ ती. १६
 पांवावाडो प. १७६
 पांलीलो प. २४३
 पांसयो वू. २५३
 पांसुवाळा प. १७६
 पाखंड ती. २
 पाटडी वू. २५८, २५९
 ,, ती. १७४
 पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०,
 ११३, १८६, २५३
 २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६६, २६७,
 २६९, २७१, २७२,
 २७३, २७४, २७५,

२७७, २८४, ३३६
 ,, वू. ३३, २३४, २५८,
 २५९, २६६, २६७,
 २६९, २७२, २७३
 ,, ती. २६, ४६, ५०,
 ५३, ५६, ५८,
 २८५
 पाटण (यूंदी) प. १०८, ११३
 पाटरिया (प्रवेश) वू. २५८
 पाटरी दे पाटडी ।
 पाटोटी (पाटोघी) प. ८६, २४३
 पाटरी वू. १८५
 पाडतोळी प. ४७
 पाडीव प. १५५, १७६
 पातंदर-वारणांरी प. १८०
 पातळसर ती. २३३
 पातळासर ती. २३३
 पाताळवेश प. १६२
 पात्रोड प. ४१
 पात्रोलायां दे. पात्रोळयां ।
 पाघोर प. १७६
 पाणीपत दे. पांणीपथ ।
 पानोरो प. ३८, ३९
 पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
 ,, वू. ३८, ५१, ५४, ५५,
 २१४
 पारसी (पारस) वू. २४२
 पाल वू. ३८
 पालडी प. ३२, १५६, १५८, १६२,
 १६८, १७५, १८०
 पालडी-वाहारली प. १७७
 पालडी-माहिती प. १७७
 पाळडी राधळां-री प. १८०
 पालसी प. १७८
 पाली प. २०७, २०८, २०९, २११,
 २१२, २३५, २३६, २४१

॥ १६६, १८०, २७७, २७८

" तो १३०, २३५

पालीताणो प ३३५

पावट दू. ३८

पावागढ ती २५

पाहरावगढ प १२७

पाहुवेरो दू. ११, १११

पिडरवाडो प १७४

पीडवाडो प ४१

पीगियो प १७६

पीछोली प ३२

पीठवाडो दू १११

पीढी प ८८

पीयापुर प १५८

पीयासर दू ७६, १३६

पीपोली प १७६

पीपल बडसायो दू ५३, ५४

पीपलबो दू ६

पीपलहडी प ४३

पीपलाई प ३२०

पीपली-रावला-री प. १८०

पीपलू प १११, १२४

पीपली दू ६५

पीपलोण प १६७

पीपाड प ११४, ३४१

, दू १५०, १८६ १६३

" तो ८८, ६४

पीरान पाटन दे पाटन (गुजरात) ।

पीलिपोलाळ प १६

= दू २६२

पीहलाप प ३४७

, दू. १२२

पुजूरो प ८६

पुनपुरी प १७६

पुर प १४, ३७ ४७, ५३

" दू १५१

पुकर प. २४

पुगळ दे पुगळ ।

पूजा-साठियारी-घरती प २७७

पुगळ प. २५३, ३४६, ३४८, ३४९,

" दू १०, ११, १२, ४२,

११०, १११, ११३, ११५,

११५, ११६, ११७, ११८,

१२०, १२२, ३१२, ३१८,

३२४, ३२७, ३२८

" तो. ३१, ३३, ३४, ३६

पुछणो दू १६४

पुनो प २०६

पुनासर दू ६६, १६३

पुनब रो सुयो प २६७

पेयापुर प १७५

पेयोडाई दू ६, ८

पेरवा प १७६

पेगावर प. ३०२

पेसवा खारणा रो प १७६

पेलाडतो प ११४

पेसोर प ३०२

पोकर दे पुकर ।

पोकरण प १८६, २३६, ३५७

पोकरण दू ६, ११, १६, ५३,

७४, ७५, ७६, ८०,

८४, ८७, ८८, १०३,

१०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, ११३, ११७, १३१,

१३२, १३८, १४४, १८३,

१८६, २००

" तो १०३, १०४, १०५, १०६,

१०७, ११०, १११, ११२,

११३, ११४

पोछीणो दू. ३३

पोटलियो दू ६

पोलावास प. २४०

पोसतरा प १७५

पोसांणो प. १६२
 पोसाळियो प. १७७
 प्रभासखेत्र दे. प्रभासखेत्र ।
 प्रभासखेत्र दू. ३
 प्रयाग प. १३२
 „ ती. २७६
 प्रोहितवाळो-गांव दू. १३५

फ

फतहगढ ती. २१७
 फतहपुर दे. फतपुर ।
 फतपुर प. ३१२
 „ ती. १६२, १६३, १६४, २७३,
 २७४
 फळवध प. १७७
 फळसूड दू. १०४
 फळोढो दू. ४
 फळोधी प. ६०, ३५०
 „ दू. ११, ६८, ७७, ६४,
 ६८, १०६, ११३, ११४,
 १२२, १२४, १२८, १२९,
 १३०, १३१, १३२, १३६,
 १३८, १४१, १४३, १४५,
 १५२, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६६, १७६,
 १७७, १८०, १८१
 „ ती. २८, १०३, १०५, ११४
 फागूणी प. १७६
 फारस ती. ५५
 फिरसुळी प. १७४
 फुलाज दू. १८६
 फूलसरेड प. १७६
 फूलियो प. २६, ३७, ४८, ११०, २७६
 „ दू. ६
 „ ती. २२२

ज

जंगल प. ३१६, ३३१

जंगल ती. १८६, २६६
 जंगळो दे. जंगळ ।
 जंठात प. ३१६
 जंघ दू. १११
 जंघटी दे. जंघडो ।
 जंघप प. १३२, १३३
 जंघचणट प. २०, १३२, १३३
 जंघघो प. २०
 जंघो ती. २२४
 जंभलवाङ-भ्राऊळकोण दू. २३६
 जंभारो प. ४५
 „ दू. २३६
 जंभोरी-रो-परगनो प. ११६
 जंभोरी प. ४३, ४५
 जग प. १७६
 जगडी प. ६०
 जगोवा (गुजरात) ती. २५
 जगोवो (सीरोही) प. १७५
 „ ती. २५
 जगनोर प. ५३
 जगजगो दू. ६६
 जगू ती. २३३
 जगुणो दू. २२०, २२६
 जगियाहेडो . ३३४
 जळदुरो प. १७७
 जळोर प. ६४, ६६
 जसाङ दू. ४
 जह दू. १३४
 जहसवो दू. १७१
 „ ती. २५०, २५१, २५२, २५३,
 २५५
 जांगो प. ६७, ६८, १०१
 जांट प. १७५
 जांडी ती. १७
 जाण्डो दू. ४, १११, १६३, १६४,
 १८६, १६५

बांधवगढ दे० बांधवगढ ।
 बांधव रो मुलक प १३५
 बांभणवाङ्ग प १७६
 बांभणहेरो प १७६
 बांभणीका पाँव (प्रदेश) दू ८
 बांभोतर प ६६
 बांभोरो प ४३
 बांसवाडा दे० बांसवाहळी ।
 बांसी सी २३७
 बांहाळी दू ४
 बाकरसी प ४७
 बाकारोळी प ६८
 बाघलप प. २३६
 बाघारावाळी दू २६०
 बाटवडोद प ८०
 बाटियो प १७६
 बाटमेर दे० बाहटमेर ।
 बाटेल बांभणी-रो प १८०
 बापडोनरो प २४८
 बापणसर दू ६
 बापला प १५८
 बार प २५२
 बारबरडी प ४३
 बार दू १२, १४०, १४२, १४३ दे० बार
 बार-छाहिण दू ५३, ७३
 बारघो प १७३
 बासपुर प २३७
 बासा दू १८३
 बालागो दू १४२
 बाला रो-गाव दू ४
 बालापुर प २६७
 " दू १८२
 बालाभेट प २५२
 बालो गूदोच रो दू १६३
 बालो भाद्रालण रो प २३६
 बालोतरा प ८६, ३३३

बालोतरा दू १३०
 " सी २२६
 बाहटमेर प १४३, १४८, ३३३, ३३७,
 ३३८, २६१, २६३
 " दू. १२६
 " सी. ३, ४, ११३
 बाहतर बड गूजरा वाळी दू १६२
 बाहरदो प ४३
 बाहरसी-वासडी सी १२४
 बाहरोड रो पचन प १७३, १७४
 बाहिरलो बास प २४७
 बाहुन प १७६
 बिटडयां सी. १०६, ११०
 बीकानेर दे० बीकानेर ।
 बीजवा प १८०
 बीजापुर सी २७७
 बीभीली प ४४
 बीड दू ६८
 बीसाडी ॥ १५०. १८७
 बीलेसर दू २२६
 बीलसपुर प ४५
 बुंदेलखंड प १२७
 बुगताग सी २१८
 बुचकठी दू ८
 बुज दू ७८
 बुजरो प ३२
 बुजेरो दू ४
 बुजकियो प. ३५७
 बुझण प १२८
 बुझारो दू १३६
 बुधेरो-दू १६
 बुधे रो-सरद दू ११, १६
 बुगटो मोईता-रो दू १७२
 बुगटो लवेरा रो दू १८६
 बुरहानपुर प २५ ७७, १२०, १३१,
 १६७, २००, २३४, २३५,
 २६८, ३१६, ३२१

ચુરહાંનપુર ઢ. ૧૫૬, ૧૫૮, ૧૭૦, ૧૭૨

ચૂંટેલી ઢ. ૧૮૦

ચૂંવી પ. ૨૬, ૩૭, ૩૮, ૪૪,

૪૬, ૫૬, ૬૭, ૬૬,

૧૦૦, ૧૦૦, ૧૦૧, ૧૦૨,

૧૦૩, ૧૦૪, ૧૦૬, ૧૦૭,

૧૦૮, ૧૦૯, ૧૧૦, ૧૧૧,

૧૧૨, ૧૧૩, ૧૧૪, ૧૧૫,

૧૧૭, ૧૧૮, ૨૮૦, ૨૮૩

„ ઢ. ૧૭૧

„ તી. ૨૪૧, ૨૬૬, ૨૬૭, ૨૭૨

ચૂંવેલી પ. ૧૬

ચૂંસાહો પ. ૧૭૬

ચૂંટ પ. ૨૭

ચૂંટણી પ. ૧૭૬

ચૂંટેલાય ઢ. ૧૭૭

ચૂંટહર ઢ. ૧૨

ચૂંરાલ પ. ૧૭૫

ચૂંસિયો પ. ૧૭૮

ચૂંપૂ પ. ૫૩

ચૂંટણી પ. ૧૨૮

ચૂંદલી પ. ૩૨

ચૂંટણી પ. ૪૧, ૧૭૬

ચૂંટિ સિલવાલી પ. ૧૧૫

ચૂંટણી પ. ૩૪૮, ૩૫૧, ૩૫૨

„ તી. ૭, ૧૦૩, ૧૦૫

ચૂંરાઈ ઢ. ૧૭૦, ૧૭૨, ૧૭૫, ૧૬૦

„ તી. ૬૦

ચૂંરાહી ઢ. ચૂંરાઈ

ચૂંક ઢ. ૧૬૮

ચૂંરોલ તી. ૨૩૬

ચૂંલણ પ. ૪૨

ચૂંટણી ઢ. ૧૮૦, ૧૮૧

ચૂંટણી (ચૂંટણી) ઢ. ૧૮૦

ચૂંવરી ઢ. ૫

ચૂંવરી પ. ૩૪૦

ચૂંલ ઢ. ૧૬૬

ચૂંલો ઢ. ૪

ચૂંટણી પ. ૩૬૦

ચૂંલો તી. ૬૮

ચૂંવરી પ. ૩૮

ચૂંટણી પ. ૧૬૨

ચૂંટણી પ. ૧૪૬

ચૂંટણી પ. ચૂંટણી

ચૂંટણી ઢ. ૨, ૪, ૩૬

ચૂંટણી પ. ૧૬૬

ચૂંટણી પ. ૧૭૪

મ

મંડળ ઢ. ૧૧૧

મંભારો ઢ. ૪

મંભારી પ. ૨૧૧

મંભારી પ. ૧૬૭, ૧૭૩, ૧૭૪, ૧૬૪

મંભારી પ. ૪૭

મંભારી પ. ૨૧૨

„ ઢ. ૧૬, ૧૨૨, ૧૨૩, ૧૨૪

„ તી. ૧૫, ૧૬, ૧૭, ૧૮,

૧૬૨, ૨૨૧

મંટિલો ઢ. ૧૦

મંટિલો પ. ૨૬૮, ૨૧૬

મંટિલો પ. ૨૬૮

મંટિલો ઢ. ૧

મંભારી પ. ૬૪, ૬૫

મંભારી ઢ. ૧૨

મંભારી પ. ૨૫૦, ૨૫૧

મંભારી પ. ૨૫૧, ૨૫૩

મંભારી પ. ૧૨૮

મંભારી-ચૂં-ચૂં પ. ૧૨૮

મંભારી પ. ૧૨૩

મંભારી તી. ૨૨૪

મંભારી (મંભારી) ઢ. ૧૬

મંભારી (મંભારી) ઢ. ૧૩૭

भव प. १६२
 भवर्णो प ३२
 भवराणो प २११, २३७
 , दू १६७
 भाँउडो दे० भाउडो
 भागेसर दू. १६४, १६७, १६४, १६७
 भाँडोतर प १७६
 भाँडोळाव दू १४१
 भागगढ प २६६
 भाँगल (?) दू ६१
 भाँमावास प २३६
 भाँनियो दू ६
 भाँभेरो दू. ६, ३८
 भाँभेळाई दू १५०
 भाँमरा १७८
 भाँमोळाव प ३६२
 भाँवरी दू ४
 भाँहरो दू १६६
 भाउडो दू १५३, १५८
 भालर दू ३१
 भालरी दू १७०
 भागवो प. २००, २०१
 भागीनडो दू. ६
 भागेसर दू १४६
 भाचराणो प २३६
 भाचाहर दू १११, १२६
 भाटराम प १७५
 भाटरो प ६१
 भाटवो प २४८
 भाटांणी प १७५
 भाटो प ३१५
 भाटोपा दू १५
 भाटोव प २४१
 भाटोवटी दू १५
 भाटेर दू. १६४
 भाटेवो (भाटो?) प २४८

भाटोद प ४१
 भाठवां ती १८
 भाडग ती १३, १४, १५
 भाडलो प. १७६
 भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७
 भावळो ती २२५
 भावासर दू. ४
 भावाजण प. १५८, १६०, २०६, २१०,
 २१२, २३६, २३७, २३८,
 २४०
 ,, दू १४६, १४७, १५८, १६३,
 १६७, १८१, १८६, २७८
 ,, ती. २५६, २५७, २५८
 भाड्रावळ दू २१६
 भाडेसर दू. २१६, २२०
 भास प १४७
 ,, ती १७३
 भारमलसर दू १०५, १३५
 भासाही दू. ६६
 भासिसरियो दू १८०
 भावी दू. १६४
 भाहरवो प १७४
 भाहळ प १७४
 भाहरो दू ६५, १८६
 भिनाय दे० भनाय ।
 भिगियाणो ती ११२, ११३
 भिरड ती २८
 भिरडकोट दे० भिरड ।
 भौव-रो तोडो प ३०१
 भौवासर दू ६८
 भोडवाडो प ३८
 भीतरोट प ४६ १५१, १५२, १७३
 भीतरोट-रो-मयग प १७३, १७४
 भीदासर दू १३५
 भीनमाळ प. १३६
 ,, ती. २३

भीमाणी प. १७४

भीमल प. २१

भीमडांमो प. १७६

भीमडियो प. ६०

भीमडो-नांहो प. १७६

भीममाळ दे० भीममाळ ।

भीमवण प. ७६, ७७

भुज प. ३६४

॥ ह. १५, १६, २१४, २१८,
२२०, २२५, २२८, २४४,
२५३

भुजनगर दे० भुज ।

भुवहड ह. १८२, १८३

भुरलिया प. ६१

भुङ्ग प. १६८

भुङेल प. ३४७, ३४८, ३५०

भुण ह. ६

भुणोव प. ४१

भुभलियागढ ती. १७४

भुभलियो प. ६०

भुभावडो प. २४१

भुकर ती. २२३

भुकरको ती. २२३

भुकररी ती. २२३

भुकांणी प. १७६

भुका दे० भुलो ।

भुलो प. ३५६

भुतगांव प. १७७

भुतेल प. २४१

भुमलियागढ ती. १७४

भुवो ह. ६

भेटनडो ह. ६०, १५६

भेटाळो प. २४७

भेट ह. ६५

भेळू ती. २२५, २८२, २८३, २८४

भेवो प. १७७

भेण्डेवो ह. १०

भेसडो ह. २, ३६, ६५

भेसरोड प. २०, २६, ३८, ४४,
४५, ४६, ५२, ६५,
६७, ६८, २८०

भेरवी-रांणा-री प. ६६

भोजनर प. ११७

भोजू ह. १८६

भोवाळ (?) ह. ६१

भोरक प. ४०

भोवाड ह. १६२

भोवादी ह. १६१

भोवाळ प. ३०६

,, ह. १६०

म

मंगलीका-पळ ह. ३१

मंचलो प. १६२

मंडळ प. ४३

मंडळगढ प. ५३

मंडळप ह. ४१, ४२

मंडावरो ह. १८६

मंडाहड प. १७३

मंडोर दे० मंडोवर ।

मंडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४,
३४८

,, ह. ६६, ३०८, ३०९, ३१०,
३३६, ३३७

,, ती. १०, १२, २८, १३०,
१३२, १३५, १४०, १४१,
१४६, १५८, १६०, १६१,
१६४, १६६, १७३, १८०,
१८२, १८४, २१३

मंडोहर दे० मंडोवर ।

मंडसोर प. २७, २६, ३७, ४६,
६४, ६५, ६६

मळ प. ११३, ११४, ११५, २५२,
२५६, ३६४

मऊ डू २६२
 मकरोडो प. १५८
 मकवाळ प. १७५
 मकावळ प. १७५
 मकावळो प. १७६
 मक्का डू. ४६
 मगराडो प. १७८
 मगरो प. १७३, १६३
 मगरो डू ३१४
 मगरो-भोरी प. १७३, १७६
 मगरोप प. ५६, ८८
 मगरोपगढ ती. १७३
 मचीव प. ४१
 मछवाळो डू १४४
 मटूण प. ३२
 मडलो डू. १६१
 मडलो प. ३६२
 मणोहरो प. १७७
 मतोडो डू १५६
 मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
 „ डू. ११, १६, १४०
 „ ती. २०६
 मवार प. ४१, ४७, ५३, १४५, १५७
 मवारडो प. ४१
 मवास डू. ३६
 मनवसोर प. ४६
 मनसोर डू २६३
 मनोहरपुर प. ३१८, ३१९, ३२६, ३३२
 ममणवाहण डू १०
 दे० मृमणवाहण ।
 मरुप्रदेश डू ३१, २६६
 मरुस्थल डू. ३१
 मरोट डू ११५, ११७, १२०, १३७,
 १३९
 „ ती. ३४, २२०
 दे० महारोठ ।

मरोठ दे० मरोट ।
 मलकातर ती. २३०
 मलार डू. १४७, १८५
 मलारणो ती. ६८
 मलोरणो प. ४७
 महार दे० मलार ।
 मवडो दे० मोडी ।
 मवडो-भाटा-री प. १७६
 महकर ती २१४
 महमदाबाद ती. २८
 महमना सफाण डू. २६६
 महाजन डू. १११
 „ ती २२८
 महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७
 दे० मरोठ, मारोठ, मारोठ, माहरोठ
 महियड डू. ३८
 महोबाठा डू. २७६
 महोनाळ प. ४४
 महेश डू १८७, १८८, १९०
 महेशो दे० मेहेशो ।
 महेशरी प. १७६
 महेशिमो डू १४६
 मांकडो प. ४३
 मांगळो डू. १५४
 मांगळोड प. २६३
 मांगळोर प. २६३
 मांवाळो प. १७७
 मांडणसर डू. १२६
 माडणी प. १७७
 माडळ प. ६८, १२४, १७६, ३०१
 „ डू. ३४२
 मांडळगड प. २६, ३७, ४४, ४७,
 ४८, २७६, २८०
 „ ती. १७३
 मांडली प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५,
५६, ८२, ८७, ८७,
६१, ६६, १०२, १२२,

„ वू. २६२, २८५

„ ती. १, १३६, २४०, २४३,
२४४, २४७, २४८

मांडवगढ ती. २

मांडवाहो प. १७४, १७७

मांडवो प. १७६, २३६

„ वू. १५०, १७१, १७४

मांडवहडगढ ती. १७३

मांडवो ती. १२३

मांडाळ वू. १३१

मांडावरो वू. १८६

मांडावाडियो प. १७७

मांडावाहो प. १७८

मांडाहडो प. १७५

मांडाहो वू. ६

मांणकळाव प. २४१

„ वू. १७६

मांणकियावास वू. १४६, १८६

मांणव प. ४३

मांणवी वू. १७५, १७६

मांणपुरो प. ३६, ३८, १७४

मांणिलोवास प. २४७

माण प. ४७

माणवणा प. १७६

माणवण प. १३६, १७६

माण वू. २१, २२, २५, ६३

माणपुरो प. २८५

माण-राठी बाळी वू. ३३

माडाळ वू. ४

मावको वू. २५६

मायासरो प. १६३

मावडी प. १६५

मावळियो वू. ७६, १६६

मावथी वू. ४

मारली प. ११५

मारवाड प. १५, १७, २१, २५,

३१, ३५, ३८, ५५,

६०, ६२, ८८, ८६,

६०, १२२, १२३, १४७,

१४६, १६४, १६५, १८७,

१६३, २०४, २०७, २०६,

२११, ३०३, ३०४, ३३३,

३३७, ३३८, ३६१

„ वू. १०५, ११०, १३०, १५८,

१७२, २६१, २६८, २७७,

२८०, ३४२

„ ती. १०, २८, ८३, ८८,

६५, ६६, १०५, १२०,

१२४, १७३, २१४, २२६,

२३७

मारेल प. १७५

मारोट वू. १०

दे० मारोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोट वू. ५३

दे० मारोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोली प. १७७

माळ प. १४६

माळकोट ती. २१५

माळगडो वू. ४

माळगढ प. ६०

माळणिमाळ वू. २५५

माळपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३,

२८०, २६६, २०६

माळव प. ४, ५३, ६४, १८५

माळवदेश ती. १७३

माळवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४

„ वू. १६३

माळांणी प. ३१, ३३३

„ वू. २१६, २८०

माताणी तो २८, २५६
 मातागाथ प. १७५, १६६
 माताजाळू वू १३०, २८४, २८५
 मातानी दे० माताणी ।
 मातावात प १८०
 माळियो वू २५३
 माळीगडो वू ३२
 सालेर प ३३२
 सालेरी प =
 माळुणसू प ४१
 माहरोठ प १२२, १२३, १२४, ३२१
 माहिडियाई वू ८
 माहोली प २१, २०७
 मिया रो गुढो प १०१, ११७
 मिलकापुर प ३०१
 मिलकी मभिरामपुर प ११४
 मिळसियाखेडी ती २४२
 मीया रो लेडो प. १०२
 मीठडियो वू १२५
 मीठोडो प १६६
 मीतासर वू ३२१, ३२२
 मीमच प ३७, ३८, ४६, ५३,
 ६२, ६३, ६५
 मीरसीप (मीरमीपहुवो) प. ४७
 मुगाह वू ४
 मुजपुर वू २५६
 मुडवाय वू १६५
 मुदरडो प १७४
 मुमणवाहण दे० मुमणवाहण श्रीर
 - ममणवाहण ।
 मुकुवपुर प १३३
 मुणावद प २८४
 मुयराजी दे० मयुरा ।
 मुरधराखड वू ३८
 मुलताण प ८, ३५३

मुलताण वू १२, २२, ११३, ११४,
 ११५, १२०, १३७, १४२,
 ३१३
 मुल्तान दे० मुलताण ।
 मुहार वू. ५, ६, ८
 मूठसी प १६५
 मूडसतोत प ३२
 मूडपळ प १५८
 मूडपळो प १७४
 मूडळवेत प ४३, ४५
 मूडळ मुनक दे० मूडळवेत ।
 मूडतो प ३८
 मूडेडी प १७७
 मूडेळाई वू १३२, १४४
 मुणावद प १७७
 मुयिवाड प ३३६
 मुमणवाहण वू १०, ११५, ११७, ११६
 मुसावळ प १५८
 मुळ दे० मूळी ।
 मुळपुरो प ३८
 मुळी वू २५८, २५९, २६०
 मुळी-रो परगनो वू २६०
 मुळ दे० मऊ ।
 मेघा रो गाव वू १३६
 मेडतो प १३, २६, २८, ३५,
 ६०, ६२, २३६ २४०,
 २४१, ३०२, ३०४, ३०६,
 ३२३ ३३६, ३५४
 " वू ६, ३१, ११६, १२५,
 १३८, १४७, १४८, १४९,
 १५०, १५१ १५३, १६०,
 १८७, १६२, १६३ १६८,
 १७३, १८६, १६६
 " ती २८, ६३, ६४, ६५
 ६८, १०१, १०२, ११५,
 ११६ ११७, ११८, १२०,
 १२१ १२२, २१५

मेड़ो प. १५८, २४७

मेढी-रो-माळ दू. ३४

मेवपाट प. ७

मेदसर ती. २२७

मेरता दे० मेड़तो ।

मेरवाडो प. ४५

मेरवाडो वड़ प. ४५

मेरियोवास प. ३४३

मेलांगरी प. १७४

मेवड़ी प. १७६

मेवरी दू. १५६, १५६, १६०

मेवल प. ४३

मेवल-मेरां-री प. ४५

मेवाड़ प. १, ३, ४, ६,

७, ११, १६, २४,

२६, ३६, ४०, ४२,

४३, ४४, ४७, ४८,

५५, ५६, ५८, ५९,

६४, ८६, ६०, ६१,

६६, १३६, १३७, १४४,

१८६, १८६, १६७, २३२,

२६५, २८२, २८४, ३४२,

,, दू. ३८, ६३, २६२, २६३,

३३५, ३४३

,, ती. ६, १०, १२, १३६,

१३६, १६२, १६४, २३६,

२४७, २६६

मेहगडो प. २३८, २३६

मेहर दू. ११

मेहलांगो प. २३८

मेहली प. २३६

= दू. १८५

मेहवानगर दे० मेहवो ।

मेहवो प. ३१, २४८, ३५६, ३६०

,, दू. ५४, ६८, ८४, ६०,

६६, १०४, १३०, १४१,

२८०, २८१, २८२, २८३,

२८४, २८५, २८६, २८७,

२८८, २८९, २९०, २९२,

२९३, २९४, २९७, २९८,

३००, ३०७, ३०८, ३२०

,, ती. ३, ४, ५, २३,

२४, २८, ५८, २५१,

२५२, २५६, २८०

मेहकोर दू. १२२, १२३

मेहानलहर दू. ७८

मेदानो प. २५२, २५६

मेहकर दू. १६०

मेकाडो प. १७४

मेकलनडी दू. १८३

मेकलाइत दू. ४

मेकीली प. ५२

मेलेरी दू. ६५, १६५

मेजावाद प. २८७, ३१४ दे० मेजावाद

मेदपुर प. ११६

मेटांग प. १८०

मेटातण प. १७६

मेटासर दू. ११, १११

मेटेळाई दू. १११

मेडो प. १७५

मेरवळो प. १८०

मेरवो प. ३५६

मेरवी दू. २१३, २१४, २६०, २६१

मेरवडा प. १७६

मेरवण प. ६३

मेरियांवाळो दू. १११

मेलेळो प. ४०

मेलेसरी प. १७६

मेहनी प. १२८

मेहारी प. ३१३

मेहित-मांकडो प. ४५

मेहित-मांकडा रो परगानो प. ४५

मोहिलावाटी ती. १५३
 मोहो प १७, ४७, ५२, ११६
 मोजावाड ती. ६८ दे० मोजावाड ।
 मोहो प. १६४, १६५
 भ्रिगासर ती. ४७

य

यादवस्थली दू. ३

र

रगाईसर ती २२६
 रडोव दू १५७
 „ ती. ६५
 रणचमोर दे० रिनचमोर
 रतनपुर प ४४, ६२, ६४
 रतनपुर-री-बीरासी प ६४
 रतनडो (रैवडो ?) प १६४
 रतलाम प ६४
 „ ती २५
 रबीरो दू. ४
 रबगियो दू १७५
 रहवाडो प. १६२
 राजकवाडो प. १७५
 राजपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६९
 राजाई प ५
 राजासर ती. २२६
 राजी गाँव (पारकर) प. ३६४
 राजोर-रायमल बाळी दू १२५
 राजिरी दू १३५
 राजेहर दू. ११, १११
 रामगढ प २५२, २७६
 रामडावास दू १८०, १८६
 रामपुरो प २६, ३८, ४५, ४६, ६५
 „ दू १७६
 „ ती २३६, २४०, २४६, २४७
 रामसर दू १३५
 रामसेण प १४४, १४६, ३३७

रामावट दू १६२
 रामित दू ३८
 रायण दू. १३८
 रावगियाणो दू १८७
 राहिन प २६, ३१५
 राकड्यो दू ३६
 राखानो प. २१६
 राजकोट प २७१
 राजगियावास दू १६१
 राजणीपलो प ८८
 राजतो-तेजा-रो दू १५०
 राजस्थान प ४८, १४७
 „ दू २५८, २६६, २७८, २८७,
 ३३२
 „ ती १४, १५५, १७३, १८१
 राजासर दू १११
 „ ती. २१
 राजोडो प १७८
 राजोव दू ११६
 राठ प १०५, १२७
 राठ कीरमियो प १०५
 राठधरो प २२८
 „ दू ६७, १७६
 „ ती २५६
 राठवरा प. १७७
 रातोकोट प ३३८
 राय कोहरियो दू १८८
 रायचणपुर (रायनपुर) प ३३७
 रायपुर प. ३१४
 „ दू. २६२
 „ ती २३६
 रायपुरियो प. १७५
 रायमलबाळी दू ११, १११
 रायमो प २३७
 रावतसर दू. ४
 „ ती २२६

रावर प. ४७, ३१५

रास ती. २३५

रासा-रो-गुढो वू. १३१

राहङ्ग वू. ३३

राहिण दे० राहिण ।

राहुचो प. १७५

रिख-विसळपुर प. ४५

रिखियो वू. ८

रिखो वू. ६

रिणधभोर प. ३७, १०३, १०४, १०८,
११०, १११, ११२, २७६,
३००, ३०१

,, ती. ६६, १८४

रिणधीरसर प. ३४६

रिणमलसर वू. ६२, ६६, १३८

रिणी प. २१२

,, ती. १५४

रिखडी वू. १४७

रिखद्र प. १७५

रिखियो प. १७६

रियोकेश (प्राङ्ग पर्वत) प. १७८

रीछडी प. १७६

रीछेर प. ४०

रीयां दे० रेयां ।

रीबां प. १३३

रीबी प. १७५

रुम्रां प. ३२

रुंग प. ३४२, ३४४

,, ती. ८, १४१

रुंगफोट प. ३३६

रुंगवाय प. ३३६

रुवियो वू. १६३

रुपजी प. ४०, ४१

रुपजी-वासरोड प. ४०, ४१

रुपनगर ती. २२०

रुपावास प. २३६

रुम-सूम वू. ४५

रेतळो ती. २८०

रेयां प. ३०२, ३१४

,, वू. २०१

,, ती. ६४, ६५, ६६

रेवडी प. १६४, २३७

रेवत वू. १५०

रेवती प. ४२

रेवाडी प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३,
३२४

रैतळो ती. २८०

रेयां दे० रेयां .

रैवासो प. ३२०

रोजेड प. १७६

रोखो ती. २२६

रोह प. १४६

रोहचो प. २३७

रोहडी प. १२३

रोहणवो वू. १६१, १७२

रोहाई प. १७३

रोहाई-भीतरोट प. १७३

रोहिडी प. ४२, ४७

रोहितगढ दे० रोहिरगढ ।

रोहितासगढ दे० रोहितासगढ ।

रोहितासगढ प. २६३

,, ती. १७४

रोहिरगढ ती. १७३

रोहिलगढ दे० रोहिरगढ ।

रोहिसो प. ३४०

रोहीडी प. १७४

रोहीणी ती. २२६

रोहीणी ती. २२६

रोही-भीतरोट प. १७३

रोहीसी प. १६३

रोहुरो प. १७६

रोहुरो प. १७५

ल

लका द्व ३६, २४२
 लकडवा प ३२
 लखमणसर ती २३३
 लखमेर प १७६
 लखानखेडी प १०१
 लदाणो प ३०७ ३११
 लदांण प ३०७
 लबीह द्व ४
 लदांण प २८७, ३०२
 लवागाण प ३३२
 लवाणो प ३३२
 लवेरो द्व १५०, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५८, १६०, १६१,
 १७४, १८६, १८८, १८९
 लगिरपूर प १२८
 लागेलो द्व ४, ८
 लांघियो ती १२१, २३५
 लाकडवाळो द्व १११
 लाखडी द्व २०६, २१०, २११, २१२,
 २१६
 लाखा रो घट द्व ३२
 लाखासर द्व १११, १३८
 लाखाहोळी प ३२, ४३
 लाखुटा (लाखोटा) नी पोळ ती १५
 लाखेरी ती. २६७
 लाखेरी गोडावाळी प ११३
 लाखे रो-गांव प ११०
 लाघुडी प २२८
 लाज प १७६
 लाठी प ३३५
 लाठी द्व ७६
 लाठीहर द्व २६१
 लाडणू ती १२४, १५७
 लाडेली प १७५
 लाघडियो ती १३, १४

लाया द्व ३२७
 लालसोट प ३१४
 लाताणो द्व १८५, १८८
 लालावर द्व १२१
 लास प १७७, २८४
 लास मुणावद प २८४
 लाहोर प २६३
 „ ॥ ५५, १४६
 „ ती २१४
 लिलमडी प ३८
 लिलमोवास प १७७
 लिलमेती द्व ६२
 लोकडो द्व १२
 लोकणो द्व १४२
 लूडवो प २५३
 लूडवो द्व ६, ८, १६, २६,
 २७, २८, ३३, ३४,
 ३५, ३६, ७६
 „ ती १७४, २२२
 लूगावाडो प ८६
 लूणोई द्व ३६, ६६
 लोईयाणो दे० लोहियाणो ।
 लोटाणो प १७४
 लोटीवाडो प १७७
 लोटोती प ६२
 लोठीधरी प ६२
 लोढरो प १७३
 लोसटो प ३३१
 लोलापुडी द्व ८
 लोलियाणो प ३३५
 „ द्व ६५
 लोवो ती २३२
 लोहगड प १८७
 लोहटवासी प १०१
 लोहडी द्व १४१
 लोहवागड ती १७४

लोहसिंग प. ४०, ४१
लोहावट दू. १६२, १६६, १८१
लोहिमांणी प. १४६, १६०

व

वकी प. ६०
वंगो दे० वांगो ।
वंसहीगढ ती. १७४
वगड़ी ती. ८१, ८३, १०५
वघरेडो प. ६६
वछणोट दू. १३
वजु दू. ७६, ७७, १३६
वडगावि प. ६६, १३६, १४६, १७७,

१७८

वडगिर दू. ६३
वडलो दू. १७२, १६४
वडवज प. १५६, १७५
वडवाळी प. ४३
वडांणी दू. ८५
वडी प. ३२
वडेरण दू. १११, ३०४
वडेर-रा-गावि प. ११५
वडोव प. ८१, २५२
वडोवती न१
वडोवो प. १७६
वडवाण दू. २५६, २६१
वणसेडो प. १११
वणहटो प. ३६४
" ती. ६८
वणहडो प. ४७
वणाड दू. ३३
वणाडो दू. ६७
वणोर प. ५३

वदनोर प. १७, १८, २६, ३७,
४७, ४८, ५३, ११०,
११६, १८६, २८०, २८१,
२८२, २८३, ३४०

वधनोर दे० वदनोर ।

वरकांणी प. १३७
वरजांगरी दू. १३६
वरजांगसर दू. १६६
वरणो प. ४१
वरवाडो प. ४१
वरवाडो प. ४१, ४७

" ती. ६८

वरसडो प. ३२
वरसलपुर दू. १०, ११०, ११६, ११७,
११६, १२०, १२१, १२६,
१३५

वरहीन प. १७६
वरियाहेडो प. ३३४
वरिहाहो दू. २५
वसाड प. २६, ४६, ५३, ६४
वसी प. ५१, ६६, १५१
वहवडो दू. १३६
वांकानेर दू. २५६, २६१
वांगो दू. २२६, २३१, २३२, २३३
वासडो प. २८५
वांसरोट प. २८५
वांसलो प. १

वासवाळो दे० वांसवाहळो ।

वांसवाहळो प. १४, २६, ३७, ३८,
३९, ४३, ४६, ५३,
६६, ७०, ७३, ७४,
७५, ७६, ७७, ८६,
८७, ८८, ८४

वासवाहळो ती. २६६

वासियो-मोपळियो प. ६४

वांसोर दू. ३२६

वांसोलो प. ६१, ६२

वागड प. ५, ७०, ८६, ८७,
८८, ११६

" दू. ३८, १६१, १६२, १६४

वागडियो प. १७८

वागोर दे० वाघोर ।

वाघरङ्गो प. १२

वाघसणी प. १७७

वाघार प. १६२

वाघाघात दू. १८८, १९८

वाघोर प. ४०, १७६, ३०२

॥ दू. १, १६, २३२

वाघोरिणो प. ३३८

वाघडा प. १७७, १७९

वाघडा-घोडो प. १७७

वाघडोल प. १७५

वाघण दू. २५९

वाघाहडा प. १७८

वाघेल प. १७५

वाजणो प. ६०, १०७

वाभनाइयो दू. ८

वाटेरो प. १७४

वाडो दू. १५०

वाणारती प. ११२, १२८

वाप प. २१२

॥ दू. १२, ११४, १२७, १३१,
२००

॥ ती. २२३

वाय ती. २२३

वारणाऊ दू. १६०, १७५

वाराहो दू. १२

वारु दे० वारु ।

वालजीसर दू. १९

वालरवो दू. १६४, १६५, १६७, १६८

वालिदा प. ६१

वाळसर दू. १२९

वाव प. १४९, १७२, ३६५

वावडी दू. १२, १४०

वासडेसो-भाटी-रो प. १८०

वासडो प. १६२

वासण प. १७७

वासणडो प. १७९

वासणपी दू. ४, ९, १०, ७२

वासणी प. २३९

॥ दू. १७५

वासणी-सवेरा-रो दू. १५४, १६०, १६१

वासधान प. १७८

वास-बाहिरलो प. २४७

वास-माहिलो प. २४७

वासरोज प. ४०

वासुदेव प. १७८

वासो प. १७४

वाहण दू. १४१

विकूकोहर दे० वीकूकोहर ।

विकूपुर दे० वीकूपुर ।

विआई दू. १४६

विजियावासणी दू. १५०

विमळोखो दू. १५९

विलायत दू. २३६

॥ ती. १९२

विल्हणवाटी प. १२२

विसळपुर प. ४५, ४७

विसाईण दू. १७९

वींभोराई दे० वींभोराही

वींभोतो दू. ४, ११

वींभोराई दे० वींभोराही ।

वींभोराही ॥ ६ ८४, ९७

वींढली ती. १५

वींठाडो दू. १०

वीकमपुर प. २५३

वीकानेर प. २५, ५१, ६०, १४९,
२१२, ३०२, ३४९, ३५४

॥ दू. १, २, ७, ११,
१६, ३३, ३९, ७५,
८५, ९२, ९४, ९६,
९७, ११०, १११, ११३,
११४, १२३, १२४, १३०,
१३१, १३२, १३३, १३७,
१३८, १४०, १४५, १६४,
१७७

घीकानेर ती. १५, १६, १७, १८,
१९, २०, ५१, ५२,
६०, १५१, १७६, १७७,
१८०, १८१, २०५, २०६,
२०७

घोकूकोहर प. ३५१

घोकूकोहर दू. १२२, १२८, १५७, १५९,
१७४

घोकूपुर प. ३४६

„ दू. ११, २, १०, १२,
२५, ३६, ७६, ७७,
१०४, १०७, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११६, ११७, ११८, १२१,
१२६, १२७, १२८, १२९,
१३०, १३१, १३२, १३३,
१३४, १३५, १३७, १४०,
१४१

„ ती. ३४, ३६, २६०

घीलरण दू. ३२

घीलवाड़ी प. १७८

घीलूंदो प. ४७

घीजळी प. २३७

घीझणो प. ६१, ६२

घीझणोट दू. १३

घीझळवाळी दू. १११

घीझवाडियो दू. ११९, १५१, १६०, १८७

घीझेवो प. १३७

घीझोलाई दू. ८

घीठणोक दू. ११३, १२५, १३०

घीवू दू. १८६

घीदासर ती. २३०

घीनावात दू. १८६

घीनोतो प. ६४

घीनणवो दू. १२३

घीरपुरी प. १५८

घीरमगांव (घीरमगांव) दू. २१३, २५८,
२५९, २६०,
२६१

घीरमो दू. ३२

घीरवाड़ी प. १७३

घीरांणी दू. ६०, १७४

घीराळियो-भाटां-रो प. १७४

घीरोळी-चांभणां-री प. १७६

घीरोळी-भाटां-री प. १७६

घीसळू प. २३५

जेकरियो प. ४१

जेधम प. २६, ३७, ४४, ४६,

६२, ६३, ६४, ६५,

६६, २८०

जेधू प. ५३

जेठवास दू. १६१

जेठुज प. ३३, ३५

जेणातो ती. २३१

जेरतलपुर दू. ११७, ११९, १२१, १२६,

१२९, १३०, १३५

„ ती. ३७

जेरागर दू. ३८

जेराट प. ३३२

जेपाशी दू. १४७

जेपासर रंभाशी प. ३८

जेमसर दू. ३६

जेमांण प. १७५

जेहमांण प. १४६

जेहानपुर प. ३१६, ३२१ दे० बुरहानपुर।

जेहनपुर प. ७७ दे० बुरहानपुर।

श

शचुंजय दे० सेत्रूजी।

शाहपुरा प. ३२४

शिलरगढ दे० सिलरगढ।

शिवपट्टन प. २१३

शेखावाटी दे० शेखावाटी।

शेखासर दे० शेखासर ।
 श्री महादेवश्री सारणेवरनी रा गोवां
 रो पण प. १७३, १७८
 श्रीमोर-वरगनी तो. १५५

स

सतपुरो प १७४
 सभर प. २५०
 सक्तोपुर प. २३१
 सकर प. १७६
 सकराणी प २१३, २१६, २१७, २१८
 सजडाऊ दू. ४
 सभाणी (सभाडी) प २४०
 सतापुर प १७७
 सतारी तो. १८१
 सतावतां रो-वास दू १७६
 सतिघाहो दू. १४२
 सतिहाहो दू. १२
 सतीही दू ७६
 सवांणी प २८२, २८३
 सपतबीप प. १७, १६०
 सपत पताळ प. १६२
 सपहर दू. ४
 समदडी प. २८, २३३
 समदडी दू. ३२
 समावळी प २३३, २४१
 " दू १६४
 समियाणी दे० तिबाणी ।
 समीची प ४१
 समूझो प १६४
 समेळ प. ३८, २०७
 समोगढ तो. १६२
 समोगर दे० समोगढ ।
 सरऊपर दू ११६
 सरकसर दू. ६७
 सरणुघो प. १८१, १८८, १८९
 सरनावडो दू. १६२
 सरेवो प. २७

सरोतरी प १४६
 ससलावातो दू. २८०, २८१
 ससास प. १६८
 सलूवर प. ३६, ३८, ३९, ४३,
 ६८, ६९
 सवराठ दू. १६६
 सवाळख दे० स्वातख ।
 सांकरगढ प. २७६
 सांखतो दू. ३१
 सांजू तो. २२४
 सांगण दू. ६ ३६
 सांगवाडो प १७४
 सांगानेर प. ३११, ३३१
 सांगोर प. ११४
 सांघोर दे० साघोर ।
 सांतीत दू. ३६
 सांडघो तो २३२
 सांडूघो प. १७५
 सांगपुर प. १७६
 सांतरयाडो प. १७६
 सातळपुर दू. सातळपुर ।
 सांघांणी प. २४८
 सावो प ३४६
 सांभर प. ५, १००, ११६, २५०,
 ३०३
 " दू ५६, २६६
 सांभई दू २१५, २३६, २३७, २३८
 सामरलो दू १८३
 सामळवाडो प १७८
 सामूजो प २४०
 सावडाऊ दू १७६
 सावत-कूधो दू १६६, १७१, १८१, १८६
 सावतसी-रो-गांव दू ४
 सांवरतो दू १८२
 सांवलतो दू. १६३
 साकवडो प १७६

साहोर प. १७८, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३२, २३४, २३६,
२४२, २४४, २४८

साठ-मंडाहड प. १७३

साठ-रो-पयग प. १७५

सातळपुर हू. २१४, २५३

सातळनेर ती. ११४, २२०

सातवाडो प. १७८

सातसेण प. १७६

सावाणी हू. १६०

सावडी प. ५, ५३, ५६, ४१,

४३, ४६, ५३, ६१,

६२, ६३

सावडी-भालावाडी प. ५

साविपाहेडो प. १०२

सापली हू. ४, १३

सापो प. २४१

सावो प. ३४६, ३५२

सायरी प. ४२

सारंगपुर प. २५२

सारंगरी प. ४३

सारण प. ३८

सारणेसर प. १७३, १७८

सारसी हू. २४२

साळ प. १७७

सालेर-मालेर प. ३३२

साळोडी प. ५३, ५४

साघड प. ८, ४७

सावडो हू. २, ३१, ८१

सावर प. १२२

सावरीज हू. १२५, १६५

साहडॉ प. ६६

साहपुरो प. ३२४

„ ती. २१७

साहरियांणी प. २३७

साहळो हू. ३२

साहिजिहानाबाद प. ५३

साहिजिहानाबाद-कणवीर परगनो प. ५३

साहिजिहानाबाद-कपासण परगनो प. ५३

साहिलगड ती. १७३

साहेलो हू. १४८

साहोर ती. २३०

सिघलवीप प. ८

सिघावासणी हू. १८८

सिघ प. ८, ६०, १८५, २६२

„ हू. १७, २१, २२, २५,

२६, ३१, ७६, ८१,

८६, ८७, १०६, ११६,

११७, ११८, २१५, २३१,

२३५, २३७, २३८, २६६

„ ती. १७४

सिघडी हू. २३१

सिघु हू. २४२

सिघुवीप ती. १७८

सिहलसी दे० सीहल ।

सिखरगड प. ३१८, ३१९

सिणगारी प. २०६

सिणली हू. १५०

सिणली प. २५

सिणवाडो प. १७४

सिणवार ती. १७३

सिणहडियो प. १२३, १२४

सिडपुर प. २५६, २७६, २७७

„ हू. २७२

सिधपुर दे० सिडपुर ।

सिधमुख ती. १४, १५, २३३

सिरंगसर ती. २२४

सिरड प. ३५०

सिरडियो हू. १०७

सिरवाज प. १२७

सिरवाड

सिरवो

सिरहडू वू ११४, १२८, १३०, १३४
 सिरहडू पट्टी वू १३६
 सिरांगो प २३६, २३६
 सिरिवाज प १३१
 सिरौहणी प १७८
 सिरौही दे० सिरौही ।
 सिध वू १३, ६६
 सिधपुरी प १८६, १६०
 सिवरटो प १७६
 सिवांगधी प १६३
 सिवाणी ती १४
 सिर्वांगो प २८, १६४, १८७ १६३
 २०३, २०४, २३६, २३६,
 २३८, २३६
 , वू १२१, १३४, १६१, १७३
 १८२, १८३, १८४, १८५
 १८८, २८४
 ,, ती २८, १८४, २१४, २२०,
 २७२
 सिवानधी पट्टी प १६३
 सिवाना दे० सिवांगो ।
 सिबियांगो दे० सिवांगो ।
 सींगडियो प ३६ ४३
 सीघाड प ४२
 सीघळावाटी ती ४१, ४८, १२५
 सीकरी प १६, ३००
 ,, वू २६२ २६४
 , ती २६७
 सीकरी पीळियो खाळ वू २६२
 सीकरी फतहपुर ती २६७
 सीघणोतो प १७४
 सीभातरो प १७६
 सीतडहार्द प ३३४
 सीतहार्द वू ६
 सीतहळ वू ४
 सीतहळार्द वू ८

सीताहर वू २६१
 सीधपुर प २५६ (दे० सिद्धपुर सिधपुर)
 सीघळां रो (बाभोरो ?) वू ६
 सीरोड प ४२, ४३
 सीरोडो प १७४, १७६
 सीरोडो द्रगडां रो प १७७
 सीरोही प २२, २३, ३७, ३६
 ४१, ४२, ४६, ८६,
 ८८, ६०, १३४, १३५
 १३६ १३८, १३९, १४०,
 १४१, १४२, १४५, १४६,
 १४७, १४८, १४९, १५०,
 १५१, १५३ १५४, १५६,
 १५७, १५८, १६०, १६२,
 १६८ १६९, १७२, १७३,
 १७८ १८०, १८१, १८४,
 १८१, १८२, १८५, २४५,
 २४६, २७२, २८४
 , वू १७५ १८६
 ती. २६, १६, ६४, ६८,
 ६९, ७५, ८६, २१५
 सीलघनी प १२७
 सीळवो वू ६७
 सीबळतो वू १५१
 सीबेर प १७३
 सीसारमो प ३२
 सीसोदो प १, ८
 ,, ती २३६
 सीहर्दाणो वू ३३
 सीहणवाडो प १७३
 सीहणळ प. २८५
 ,, वू १६, २५
 सीहराणो प २२७, २४८
 सीहवाग ती १७
 सीहवाडो प २२६
 सीहाणो वू १२३

सीहार दू. १६८
 सीहारो दू. १७३
 सीहो प. १७८
 सीहोर प. २७६, ३३५
 सधाली प. ६१
 सुईगांध प. १७२, ३६५
 सुगाळियो प. २३६, २३८
 सुणेर प. २६, ४६
 सुरडियो दू. ३२
 सुरताणपुरी प. १७४
 सुरवाणियो प. ३५४
 सुहागपुरी प. ६३, ६४
 सूळळ दू. २६२
 सुंम दू. ४५
 सूजेवो-वाभणीको दू. ७६
 सूरजवासणी दू. १५०, १७४
 सूरपुर ती. २१६
 सूरपुरो दू. १८३
 सूरसेन प. २५३
 सूरानी दू. १८०, १८८
 सूरचंव प. २२८, २३१, ३६४, ३६५
 सूरसर दू. १११
 सूवो प. ५३
 सुहडली प. १७६
 सुहतो प. २८३
 सेखवाट दू. २२४
 सेखावाटी ती. २७४
 सेखासर दू. ३, १२, १०६, १०७,
 १४२, १४३,
 सेणी प. २४५, २४६, २४७
 सेत दे० सेतुबंध ।
 सेतरावो ती. ७
 सेतुबंध प. ६
 „ दू. ३८
 सेतोराई दू. ११
 सेजुंजो प. २७६, ३३५

सेपटावास दू. १६८
 सेरडो ती. २१
 सेराणो दू. १४८
 सेरवो प. १७५
 सेलावट दू. ५
 सेलो ती. २३२
 सेवंत्री प. २८५
 सेवका ती. ६१
 सेवडो दू. १२७, १३४, १३५
 सेवना प. ६४
 सेवाडी प. ३८, ४१
 सेवा सांखला रो गांव दू. २६१
 सेसू-प्रिवाडियां-रो प. १८०
 सेहुरो प. १७७
 सेभर प. ५ दे० सांभर ।
 संगी प. २०४
 संवर प. ३७
 संसभारिजो प. ४७
 सोशाऊ दू. १०४
 सोजत दे० सोभत ।
 सोजेरो दू. ३६
 सोजेवो दू. ४३
 सोभत प. २३, २५, ३७, ५१,
 ११४, २३३, २४१, ३६१
 „ दू. ८४, ८६, १४७, १४८,
 १६१, १६३, १६४, १६५,
 १६६, १७७, १७८, १८१,
 १८३, १८७, १८८, ३१३,
 ३३१, ३३६
 „ ती. ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८,
 १२३, २१५
 सोभेवो दू. ४
 सोनगिर (जालोर) प. १८७, २३१
 सोनाणी प. १७६
 सोनागर दे० सोनगिर ।

सोनेही प. २०६
 सोमईयो प. ३३५
 सोमनाथ प. ३३५
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३
 सोयलो दू. १७१
 सोरठ प. ८, २२, १४६, २१३,
 २१५, २७१, ३३५
 " दू. १६, २५, २६, ६४,
 १६८, २०३, २०५, २२०,
 २४२, २६६
 " ती. २२०
 सोळकिर्पा-रो-उतन (भयग) प १७३
 सोळकिर्पा वाळो दू. १३६
 सोळसभा प. १७५
 सोलाबात प. १७६
 सोळियाई दू. ६
 सोलोई प. १७८
 सोवाणियो दू. १२४
 सोहडापुर प. १७६
 सोहलवाडो प. १७५
 सोराट्ट दे० सोरठ ।
 सोरो प. २१४
 स्याणो प. १४६
 स्यालकोट प. ३००
 स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर
 स्वाळल प. १८५, ३२४

ह

हस बाहळो प २६
 हसार दे. हासार ।
 हट हटारो दू. ३३
 हडफो दू. १२३
 हडयो दू. ६६
 हडेस दू. ४
 हणवतियो प. १७५
 हणाडो प. १७५
 हयणापुर दू. २४२

हयणापुर ती. १७४
 हयूडियो दू. १६१
 हुदी-रो-बात दू. ३६
 हुमीरपुर प. ५३, १७५
 हरढाणो प. २३६
 हरदेसर ती. २३२
 हरममजाळ प ३५०
 हरमूसर प. ३४७
 हरमाडो प. ६०
 हरपाडो ती. १०१
 हरवार प. ६६
 हरसोर प. १२२
 हरीगढ प. ११६
 हळवी-रो-घाटी प. २०८
 हळवव दू. २१४, २४५, २४६, २४८,
 २५०, २५३, २५४, २५५,
 २५६, २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२
 " ती. २२०
 हळोव दे. हळवर ।
 हळोद दे. हळवव ।
 हस्वो घाटी दे. हळवी-रो-घाटी ।
 हवेसी-मोकीसी परगमो प. ५२
 हवेसी-रा-नांव प. ४५
 हस्तिनापुर दे. हयणापुर
 हांसार ती २१, २२, २७३, २७४
 हासी प २७३
 हाडोती प. ४७, ११६, २०२
 " २६२
 " ती. २६८, २६९
 हाणळ प. १७६
 हापासर दू. ११, ११०, १११, १२०,
 १२१, १२४, १२५
 हाबुर दू. ४
 हारांणी-खेडो ती. १५
 हालार दू २२१

हालीवाडो प. १७६

हिंदुखान प. १८२, २१७, २१८, २८६

„ दू. १५ ३३१

„ तो. १६, १७२, १८२

हिसार दे. हांसार ।

हिरणांमो प. १०६

हिरमजगद तो. १७४

हिसार दे. हांसार ।

होंगोळां-रो-वासणी दू. १८८

होंडोळो प. १०६, ११७

होरादेसर प. २३५, २३६, २४०

„ दू. १६६

कुरड-वाहण दू. २०

कुरमभ दू. २३६

कुंगोरी प. २८३

कुण प. २३३

हेकल दू. ४

हेठामाटी प. १७७



२. भौगोलिक नामावली

[२] पर्वत जलाशयादि नामावली

[नामों को ढूँढ़ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ]

सरहट	— रहट ।	तलाई	— छोटा तालाब
सायावली	— सरबली पर्वत ।	तलाब	— तालाब
उनाब	— १. जलाशय । २. नीची भूमि ।	तली	— कुँआ ।
कुबो	— कुँआ ।	ब्रह	— १. पानी से भरा रहने वाला गहरा झीर बड़ा खड्ड । २. बिना बघा हुआ कुँआ ।
कूमो	— कुँआ ।	बली	— पर्वत ।
कोहर	— कुँआ ।	माल	— घाटी । पहाड़ी मार्ग ।
साम	— १. तलहटी । २. पहाड़ी ढलाव । ३. पहाड़ का भीतर घुसा हुआ भाग ।	माली	— नाला ।
गिर	— गिरि । पर्वत ।	पार	— १. कुँआ । २. छोटा तालाब । ३. राँव ।
घाटावली	— १. बड़ी घाटी । २. बिकट पहाड़ का बड़ा मार्ग । ३. एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाड़ी मार्ग ।	बासर	— पर्वत ।
घाटी	— पहाड़ी मार्ग ।	बासरी	— पहाड़ी ।
घाटो	— बड़ी घाटी ।	मगरी	— पहाड़ी ।
नाल	— पीलू वृक्ष ।	मगरो	— पर्वत ।
भालरी	— चारों ओर तीर्थों वाला कुँआ भयबा बड़ा कुँआ ।	बली	— पर्वत ।
दूक	— शिल्लर ।	बाय	— बापो । बावली ।
टोभो	— १. छोटा तालाब । २. बड़ा कुँआ ।	बावली	— बापो । बावली ।
दूगर	— पर्वत	बाहली	— नाला ।
दूगरी	— पहाड़ी	बेरो	— कुँआ ।
		सयब	— १. तालाब । २. भीत ।
		समुद्र	— १. तालाब । २. भीत ।
		सर	— १. तालाब । २. कुँआ ।
		सागर	— १. तालाब । २. भीत ।

पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

अंबली रो टूंक प. ६६
 अखा वेरो (कूप) ती. १३४
 अचलाणी तळाई दू. १३५, १४२
 अटक दू. १६८
 अर्नतसी-री-डूंगरी प. १४
 अमळकुंड-आवू प. १३४, ३३६
 अमजमाळ-रो-भाखर प. ४०
 अरवण-रा-मगरा प. ४४
 अरावली पर्वत प. ११३
 अषाह (कूप) दू. १४२

आ

आबाघ-रा-भाखर प. २७७
 आकळी (कूप) दू. १४२
 आठोवळी प. ३४०
 आठोवळी ती. १४०
 आवू पर्वत प. १३४, १३५, १४१, १४४,
 १४१, १७३, १७७, १८०,
 १८१, १८२, १८३, १८४,
 ३३६

आवड-सावड-रा-मगरा प. ३६
 आसल समुद्र (तालाव) प. २०२
 आहोरगढ-रा-मगरा प. ४२

इ

इरावती नदी ती. ७०

ई

ईसवाळ-रो-मगरा प. ४१

उ

उदेंसागर (तळाव) प. ३१, ३४, ३५,
 ४३, ४५, ४८
 उदेंसागर-रो-नाळो प. ४५

उनाव दू. ५

क

कनियागिर (पर्वत) प. १८७
 कनकगिरि (,) प. १८७
 कपूरदेसर तळाव दू. ३५, ३६
 कनड-रा-पहाड ती. २७६
 कानडिया-री-तळाई दू. १३५
 कामा पहाडी प. ३१८
 काक नदी दू. ४
 काका वेरो दू. ३२
 काळीभर मगरा प. ३६४
 काळी डूंगर दू. ४, १३, २७
 „ „ ती. १५३, १५४
 किडांणी कोहर दू. ११३, १३६
 कुंभमेर-रो-घाटो ती. ४७
 कुंभमेर-रो-मगरा प. ३५, ४१
 कुहाडियो नळो प. ४२
 कृपासर (कोहर) दू. १३६
 केरडू मगरा ती. ११०
 केवडा-री-नाळ प. ३५
 कीर डूंगर दू. १३१, १४४
 कीर-डूंगर-नाहळो दू. १४४
 कीलास पर्वत प. ३
 कोठणी-री-डूंगरी ती. १५४
 कोठणी रो तळाव ती. २६१
 कोनरो-भास नाळो प. ४१
 कोर डूंगर दू. ३
 कोलर रो तळाव दू. ३३०
 कोळियासर (कोहर) दू. १३६
 कोहर वलू रो प. २२७

ख

खमण-रो-मगरा प. ४१

खमणोर-री घाटो प ३५
साङ्ग रो भाखरो प. २५१
घारी नदी प. ४७
खीचिया बाळो कोहर डू १४२
खोरघो तळाव डू १४३
खुडिये-रो-जनाव ती १६
खेतपाळ रो दोभो डू. १३५
खेवू रो तळाई डू १४२

ग

गगा नदी प १६२, ३३२
गगाजी डू २०२
गगाबास री सावडी-रा-मगरा प. ४३, ४६
गगारडो तळाव ती, ११८
गाड भाहोर रो-मगरो प ४२
गणेशजी की वहाडी
दे० विनामक री डूधरी
गांगडी नदी प ८७
गागा-री-बावडी ती २१५
गावेळाव तळाव ती २१५
गिरनार पर्वत प. २२
" " डू. १, २०२, २०४,
२०५, २०६, २४०

गिरराजसर कोहर डू १३६
गिरवा रा-भाखर प. ३६, ४१, ६१, ६२
गिरसीन दे० सोनगिरि)
गौबागी तळाव प २५३
गीमळो कोहर डू १४२
गुडबाग-रो-भाखर प ११३, ११५
गुसाव सागर ती २१३
गुंजयो कोहर ती ७७
गंहुलोतां बाळो कोहर डू १३५
गोगलीसर कोहर डू १३५
गोदावरी नदी प १२२
गोघणली तळाई ॥ १३५
गोगळी तळाई डू १३४
गोमती नदी डू. २६८

गोपांजो भाखर ती. ७५६
गोरहर (जंजलघेर दुर्ग) डू. १२६
गोलीराव तळाव प. २६३

घ

घडसोसर तळाव डू ७३
" " ती. ३६
घांघरा-री-घाटो प. ३६
घांसार-री-मगरो प ४१, ४७
घांतेर रो-मगरो दे० घांसार-री-मगरो ।
घाटो ती ४७
घूयरोड रा-वहाड डू. २६०, २६१, २६४
" " ती १०१, १०२, १२८
च .

चंद्रमागा नदी ती ७०
चंद्राव-भाटो रो तळाई डू. १३४
चवत नदी दे० चांबळ नदी ।
चरला-री-डूधरी ती. १५४
चहुवाण तेजसी-री-बाय ॥ २२७
चाबळ नदी प ४५, ४७, ११४, ११६
" " डू १७३
चाडी कोहर डू १४२
चारण बाळो कोहर डू १३५
चावंड रा-मगरा प ३५
चावडा रा-मगरा प ५७
चित्रकूट (पर्वत) प ८
चित्रकोट (") प ८
चिनाव नदी ती ७०
चिसर-री-डूधरी ती १५४
चोरवा-री-घाटो प ४४
चेवळो भाखर प. १५६

छ

छफन सावड-रा-मगरा प ४३
छफन-रो-मगरो प ५८
छहोटीण-रा भाखर डू २
छाळो पूतली रा-मगरा प ४३, ४७

જ

જગમાલ-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૪૨
 જમુના નદી પ. ૧૩૨, ૩૩૨
 જરયા-રી-માલર પ. ૪૨, ૪૭, ૧૧૬
 જયળા રી તઢાઈ દૂ. ૧૦૬
 જલ્પી-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૪૨
 જલાદ-રા-મગરા પ. ૪૩
 જલૂંબેરી દૂ. ૧૩૬
 જાંજાઢી નદી પ. ૬૪
 જાલમ નદી પ. ૬૪
 જાલૂંબી સી. ૨૦૬
 જાલર-રી-જાળ, હપા રી પ. ૩૫
 જાલર-રી-નાઢ પ. ૩૫, ૪૩
 જીલવાડા-રી-ઘાટો પ. ૩૬
 જૂલઢ-રી-બેરી દૂ. ૨૬૧
 જૂહી નદી પ. ૪૧
 જોઢાંળી તઢાઈ દૂ. ૧૪૩
 જોઢાંળી નદી દૂ. ૨૬૦
 જોસઢૂંબેરી દૂ. ૩૫
 જોતા-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૩૪
 જોગી-રી-તઢાઈ પ. ૩૪૭
 " " દૂ. ૧૧૩

ઞ

ઞઢોલ-રા-મગરા પ. ૪૨
 ઞાંસ નાઢો-જોનરી પ. ૪૧
 ઞાઢોઢી-રા-મગરા પ. ૪૬
 ઞેલમ નદી સી. ૭૦
 ઞોદેઢાઈ તઢાઈ સી. ૨૫૨, ૨૫૩

ટ

ટગરાવટી-રા-મગરા પ. ૪૨, ૪૬
 ટાલરિયાંવાઢો ફોહર દૂ. ૧૩૫

ઢ

ઢૂંગરસર તઢાઈ દૂ. ૧૦૮

ઢ

ઢસ નદી પ. ૩૧
 ઢાકસરી-રી-ફોહર પ. ૩૪૭

ત

તળૂંસર તઢાઈ દૂ. ૨૭
 તિલાંળી તઢાઈ દૂ. ૧૩૪
 તેજસી-રી-વાય પ. ૨૨૭
 તોઢાઢ ફોહર (બોજો) દૂ. ૧૪૨
 ત્રિફુલ દૂ. ૨૪૨

દ

દઢપત ભાટી ઘાઢો ઘાવઢી દૂ. ૧૩૬
 ઢલોત-ફલોલ-રા-મગરા પ. ૪૩, ૪૭
 ઢહવારી-રી-ઘાટી પ. ૩૫
 ઢેરાંળી તઢાઈ દૂ. ૧૪૩
 ઢેરાંળી નદી દૂ. ૨૬૦
 ઢેયરાવસર તઢાઈ દૂ. ૨૭
 ઢેયરાસર તઢાઈ દૂ. ૩૨
 ઢેયહર-રા-મગરા પ. ૪૩
 ઢેવાડત-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૬, ૧૧૩
 ઢેયજી-રી-ઢૂંગરી સી. ૧૫૪
 ઢેવીલાસ-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૪૨

ધ

ધવઢાધિર પ. ૧૮
 ધાર-રી-વહાડ પ. ૪૩
 ધારા-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૦૬, ૧૪૩

ન

નગરાજસર (ફોહર) દૂ. ૧૩૬
 નરસિંધ ઘાઢો ફોહર દૂ. ૧૪૨
 નરાસર તઢાઈ સી. ૧૧૩
 નાંઢો ફોહર દૂ. ૧૪૨
 નાગનય નદી દૂ. ૨૨૦
 નાચળો ફોહર દૂ. ૧૪૨
 નાયાં-રી ફોહર દૂ. ૧૩૬
 નારણસર ફોહર દૂ. ૧૩૫
 નાઢ માલર પ. ૩૫
 નાહેસર-રા-માગરા પ. ૪૨, ૪૬
 નીંબલિયો તઢાઈ દૂ. ૧૪૩
 નીંબસી તઢાઈ દૂ. ૧૩૫, ૧૩૭

प

पध नद्य ती ६७, ७०
 पई मयारा रा-मगरा प. ४३
 पई-रा-डुगर प १६
 „ डू. ३३८
 „ ती १
 पगघोई नदी प. ४५
 पठार प ४४
 पवमसर तालाव ती २१५
 पडोलाई तलाई प ३४८
 पनोता रो बाहलो डू. १३०
 पनोर रा-मगरा प ४३, ४६
 पहियड (पर्वत) ती. १३६, १३७
 पही रो डुगर दे० पई-रा-डुगर ।
 पार डू १३६, १३७
 पार नदी प ११७
 पीडर भाप रो मगरा प ४१
 पीछोली तलाव प ३२, ३३, ३४, ४३
 „ „ ती १२
 पीयासर (कोहर) डू १३६
 पीपलहडी-रा-मगरा प ४३
 पुडण नदी प ११७
 पुनावे रो तलाई डू. १३५
 पोकरण रो बाहलो डू. ५३
 प्रोहितवालो कोहर डू १३५
 प

ख

खलतसागर ती २१३
 खनास नदी प. ४०, ४१, ४७
 खरडो डुगर डू २२०, २२६
 खसू रो-कोहर प २२७
 खह तलाई डू १३४
 खहवनसर तलाव प ३३३
 खांभणावालो सर डू १३७
 खांभणी नदी प ४५
 खारवरडा-रा-मगरा प ४३
 खालसीसर (तालाव) ती. २५७, २५६

खिव सरोवर प २७७
 खीयासर तलाव प १२४
 खोलेसर डुगर डू २२६
 खैराई रा गह ती ६०
 खाहणी दे० खांभणी नदी ।

भ

भडलो कोहर डू. १४२
 भपरी तलाई डू १३४
 भरोवर (कोहर) डू १३७
 भासर माळ प ३५
 भागीरथी ती २०६
 भाडेर-रा-मगरा प ४२, ४३, ४६
 भावर नदी प २७१
 भारमसर कोहर डू १३५
 भीयासर कोहर डू १३५
 भैरवी घाटो प ६६
 भैसे तिरा-री डुगरी ती १५४
 भीजासर तलाव डू १०६
 भोरड रो पहाड प ४०

म

मडलप तलाव डू ४१ ४२
 मवाकिनी ती २०६
 मछावलो मगरा प. ४०, ४१, ४२
 महिराजाणे तलाव प ३४७
 महिसा बाग रो भालरो ती २१३
 मही नदी प ६७, ८६, ८७, ८८, १२०
 मांभणी-रो तलो डू २६१
 माढाल तलाई डू १३५
 मांढावो घरहुड ती ८४
 माणघ-रा मगरा प ४३
 माणल देवाहत-रो तलाव डू १६
 मांनपुरे-रो घाटो प ३६, ३८
 मामा कुड प २१
 माछला रो-मगरा प ३२, ३३
 मोठडियो घेरो डू १४२

मुहार रं एलीण-रो-उवाव दू. ५

मेर (पर्यंत) प. १६२, २२६

„ „ दू. ५३

मेरगिर दू. १४, ५२

मेर-सिखर दू. ५२

मेरा-रो-तलाई दू. १४३

मेव दे० मेर। मेरगिर।

मेळू-रो-तलाई दू. १४२

मेवल-रा-मगरा प. ४३

र

राणा-रो-तलाई दू. ११२, १४२

राणाहल तलाव दू. १३४

राणीवालो तलाव दू. १३४

राणीलाव तलाव प. १२४

राजवाई-रो-तलाई दू. ७२, ७५, ८५

राठासन-रो-मगरा प. ४४

रायमल वालो तलाव दू. ६६

राय बलू-रो-कोहर प. २२६

राव-रो-तलाव दू. १२६, १४२

रावी नदी ती. ७०

राहुग-रो-मगरा प. ४१, ४२

रुंदियो कुवा प. २३८

रेयां री झुंगरी ती. ६५

ल

लखी जंगल दू. १६

लाखाहोली (पहाड़) प. ४३

लाखेलाव तलाव प. १३६

लाठीहर दू. २६१

लायां री मगरा दू. ३२७

लीकणो वेरो दू. १४२

लूमासर तलाव प. ३४७

लूडो-रामसर तलाई दू. १३६

लूणी नदी प. २८, २२८, ३३३

„ „ १३०, २८४, २८५

„ „ ती. १४७

लूनी नदी। दे० लूणी नदी।

लोहड़ी तलाई दू. १३४, १४१

व

वडगिर (जेसलमेर का पर्वत छोर किला)

दू. ६३

वडाणी तलाव दू. ८५

वरजांग-तलाई दू. १३४

वरजांगसर तलाव दू. १६०

वर नदी प. ४१

वरवाडो मगरा प. ४१, ४७

वलो (आडावलो) प. ११३

वसो-रा-मगरा प. ६६

वांसोर झुंगरवां दू. ३२६

वाणलवाली तलाई दू. १३५

वाघोर-री-खाम प. ४०

वालसीसर तलाव ती. २५६

वावडी तलाई बलपत री दू. १३४

विजैरावसर तलाव दू. २७

वितस्ता नदी ती. ७०

विनायक-री-झुंगरी ती. १५४

विपासा नदी ती. ७०

वीटलीगढ ती. ६५

वीका सोळकी-रो-तलाव दू. १३५

वीर समंद प. १३१

वेकरिया-रो-घाटो प. ४१

वेडव नदी प. ३३, ३५

वेत नदी ती. २४१

व्यास नदी ती. ७०

वैगण तलाव दू. १४३

वेरोलाई तलाव दू. १४३

श

शतद्रु नदी ती. ७०

स

संतन-रो-वावडी ती. १५७

सजन-री-गिडी प. १६३

सतलज नदी सी. ७०

सरणजमो भाखर प. ४१, १३५, १८१,

१८८

सरणुवो दे० सरणजमो भाखर ।

सरस्वती नदी प. २७६

„ „ डू. ३, २६६

„ „ सी. २६

सहस्रतिथ तलाव डू. ३३

साढीको-कोहूर डू. २८६

सावर-रो-घाटी प. ३६

सारण घाटावळ प. ३८

सालेर-री-डूगरी सी. १५४

साहवा-रो-तलाव सी २१

सिप नदी (हाकोसी) प १३३, ११५,

११६

सिधु डू. २४२

सिधु नदी सी. ७०

सिरहड तलाई डू. १३४

सिरहड लोहडी डू. १३४

सिरहड बडी डू. १३५

सोनडियो भाखर प ४३

सीताहूर डू. २६१

सीप नदी डू. २१८

सीरोड-रा-मगरो प ४३

सीसरवा-रो-मगरो प. ३३

सुघो भाखर प. २०३, २०४

सूर सावर प. ११३

सेलासर तलाव डू. १४२, १४३

सोनगिरी प १८७, २३१

सोनागर दे० सोनगिरि ।

सोप नदी प ३८, ८६

सोळकियावाळो कोहूर डू. १३६

सोहाण रो-भाखर डू. ३५

स्पाम नदी प ८७, ८८

खर्गंगिरि दे० सोनगिरि ।

ह

हरल तलाई डू. १३४

हरभम जाल प. ३५०

हरभूसर तलाव प. ३४७

हरराज रो-लोहडी (तलाई) डू. १३४

हळको-री-घाटी प. २०८

हल्दी घाटी दे० हळदी रो-घाटी ।

हिमास्य प. ६, १८, २७८

„ डू. २०४

हेम दे० हिमास्य ।

हेमराजसर कोहूर डू. १२, १४०, १४२

३. सांस्कृतिक नामावली

[१] ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

अ

अंगारो-लाग (बाहु-संस्कार) दू. २४६
अचर्दा-बोल दू. २६
अजित ग्रन्थ ती. २१३
अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३
अणहलवाड़ा-पाटणरी-बात (ग्रन्थ) ती. ४६,
५०, ५२
अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४
अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर (संस्था)
दू. ३१०
अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर (संस्था)
ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७,
२०७, २०८
अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४
अमर-काचली ती. ६६
अमल (अमल-पाणी) प. १३४
" " दू. २५१
अमल (अमल-पाणी) ती. ६२, १३४,
१६३, २५७, २८१
अमल-रो-पीतो ती. २६०, २६१, २६२
अमृत ती. ६
अरायो दू. २३
अलकल्ला की पंड़ी (ग्रन्थ) ती. २७५
अश्वमेध प. २३०
असत घान दू. ५१

आ

आकाश गंगा दे० पवारमय ।
आखड़ी प. ४६
आखाड़ी (नृत्य सभा) प. २७४

आखाड़ी (नृत्य सभा) दू. ३७
आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४
आयुष्मान् ती. ४६
आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४
आसन (स्थान) ती. १०७, १०८

इ

इंद्र विद्या (वि.वि.) प. १२८
इक-बंभियो महल ती. २१३

उ

उत्पादन-शुल्क दू. २५८

ऊ

ऊनाली हँसो (कर) प. ३६
ऊनाली-हँसो (कर) दू. =

औ

औहलरी (घात) दू. =

ओ

ओल प. १८२

क

कंकण-डोरदा दे० कांकण-डोरदो ।
कंसल-पूजा प. ३३६
कंधार-भाग (खगोल) दू. ६१
कंधार-सूँखड़ी (कर) ती. ५४
कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) प. २६६
कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) दू. २०६, २१४,
२३७
कटारी दू. २६६
कच्छी पलाण ती. ६७

कपाळीक (तांत्रिक) प. ३२२
 कपूर-वासियो-पांणी दू. ३३
 कराय वे० कमान
 कमान दू. ६६
 कर प. ६४, ७७, ६४, ११६, १२०, १७३
 कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८
 कर ती ५४,
 करइ घास दू. ८
 करमुक्त-जागोरी व. २८३
 करपत दू. ४५
 कळजुग प. ३१
 कलिपुग वे. कळजुग : कळ
 कळ ती. १८५
 कवार नी सूखडी ती. ५४, ५८
 कवि प्रिया (प्रय) प. १२८
 कस्तूरियो-निरघ (विशालिता की उपाधि)
 दू. ४१
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) प. ७३
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) दू. २६५,
 ३१८
 काधळी (पुत्री-नेग) दू. २४८
 काधळी (पुत्री नेग) ती ६६
 कादीवाळी लाग (कर) ती. ५४
 काजी नी लाग (कर) ती. ५४
 काहूडवे प्रवाय (प्रय) दू. २०४, २१५
 काहूडवे प्रवाय (प्रय) ती. २६३
 काळवी-ज्वार दू. ५१
 कालर दू. २५
 काष्ट-भक्षण ती. ३३
 किरमाळ दू. १०१, १२६
 कुवर मजराणो (कर) ती. ५४
 कुंघर-पट्टेवडो (कर) ती. ५४
 कुंघर-पामरो (कर) ती. ५४
 कुवर-माणो (कर) ती ५४
 कुवर सूखडी (कर) ती. ५४
 कुतवसाहो नांभो (मुद्रा) ती. ५३

कुतो दू. ५
 कुत (भुतक सस्कार) दू. २७१
 कुपि-कर दू. २६०
 कृष्ण स्तुति (प्रय) ती. २०६
 केसरिया ती. १११
 क्यामखां रासा ती. २७४
 खवार-मग दू. ६१
 ख
 खडाऊ ती. ५१
 खमा ती ४६
 खरक कूण (वि दि.) प. ३३, ३८, ४३
 खालसो प १७४
 खालसो दू. ४, ७
 खालसो ती. १८, ११५
 खेडा-री बाघण (पालेट) प २८४
 ग
 गगा स्तुति (प्रय) ती २०६
 गज उदार (प्रय) ती २१३
 गाय-दान दू. २६६
 गिरबी ती ५
 गोंदोली री बात (प्रय) दू. २८७
 गुण बूहा (प्रय) ती. २१३
 गुण सागर (प्रय) ती २१३
 गुरइ दू. २५२, २५३
 गुड प्रायना (प्रय) ती २०६
 गुळ-लाग (कर) दू. ७
 गेहर ती. ८५
 गोडो-घालणो ती ६७
 गोत्र-कदव दू. २६६
 गोहिल-टोळो (स्थान) प ३३५
 प्राप्त (कर) प. १४७, ३३५
 प्राप्त (कर) ती. ८६, १६७
 प्राप्तवेय (कर-कलह) प ६१, ११२,
 १५४
 घ
 घणदेवजी-रोटा दू. ३२६

घरवास ती. २८३

घरवासो ती. २३

घूँटी दू. ३१२

घूँघरियां ती. २६४

घोड़ा-चारण (कर) ती. ५४

च

चंबरी प. १३४, २३२

चंबरी दू. २८७, ३१०

चूंगी दू. २६०

चेटी (परिमाण) प. ३६४

चोटी-बढियो प. ६८

चौप (कर) प. ६३

चौप (कर) दू. २२१

चोहान कुल कल्पद्रुम (ग्रंथ) प. २२१

छ

छकड़ (मुद्रा) ती. ११२

छतीस-भास दू. १५

छत्र दू. ५६, ५७, ५८, ८३, २३७

छत्र ती. १७१

छत्र ११०

छाँट ती. ११०

छाँट धालणी ती. ११०

ज

जंज दू. ५७, २२५

जंज-बत्तीस दू. २३१

जंवर दे. जौहर ।

जजिया दे. जेजियो ।

जन्म घूँटी दू. ३१२

जवावि जलहर (जलक्रीड़ा) दू. ४१, ६८

जमहर दे० जौहर ।

जलालशाही-नाणो (मुद्रा) ती. ५३

जलाला (मुद्रा) दे० जलालशाही नाणो ।

जानी ती. ४५, ४७

जान्हवी-डा बूहा (ग्रन्थ) ती. २०६

जिगन दू. ८३

जिय-कुंड प. ११

जुंहर दे० जौहर ।

जेजियो (कर) प. ५५

जेजियो (कर) दू. ७

जैन दे० देवता आदि नामावली ।

जोगणी (शकुन) ती. ७१

जौहर प. ३३३

जौहर दू. ५६, ६०, ६१

जौहर ती. १७, २५, ३४, ५५

ज्युंहर दे० जौहर ।

ट

टंकसाळ (कर । मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८

टको (तोस । कर । मुद्रा) प. ६६, २६२, २८४

टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) प. ३१,

७३, ७५, १०६, ११०, ११२, १३७, ३५६

टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) दू. १०६,

११५, १४०, २०५, २१८, ३४२

टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) ती. ५३,

६८, ७२, ८१, ६५, १०५,

११४, ११५, १२६, १३२, १३३,

१३६, १४६, १६१, १८१, १८२,

२३८, २७६, २८५

ड

डंड (कर । शिक्षा) प. ७७

डंड (कर । शिक्षा) दू. ३१, २८२

डंड (कर । शिक्षा) ती. १६७, २७१

डांगरजंत्र दू. ५८

डाघी-पाघ ती. ७०

डोरडो दे० कांकण-डोरडो ।

डोली (दान की भूमि) दू. ३५

ढ

ढन्नुसाई पैसा (तोस । मुद्रा) दू. ३१२

ढोर नी चराई (कर) ती. ५४

ढोल (प्राक्मण-संकेत) दू. ३०२

ढोल (ब्राह्मण-संकेत) ती. १४७, २६२,

२८४

ढोल-रो-डमको प. २२३

ढोला-भारवण (ग्रंथ) प. २८६

त

तकियो प. ३१८

तर्पण प. १३२

तत्तार (कर) ती. ५४

तहड़ कृष्ण प. ८७

ताकूत दू. ४६, ५०, ५६

ताम्रयुग ती. १७३

तास (माप) दू. ३२३

तुरकाणी ती. ५३

तेल-घडो ती. ७५

तुलावट (कर) दू. ७

तोरण बाँवणो ती. ४२

तोला दू. ३१२

" , ती. १६३

त्याग (दान) इनाम) दू. ३२६ ३२७

थ

थडा ती. २१३

थापण ती. ५

थाळा लाग (कर) प. १६

द

दहव-रो फेर प. ७६

दत्त बायजो दे० बायजो ।

दयालदास री त्यात (ग्रंथ) ती. २०६

दळपत विलास (ग्रंथ) ती. २०७

दसरपराम उत्तर-राजूहा (ग्रंथ) ती. २०६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) प. ६६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) दू. २४

दसरावो (दसराहो) ती. ११६

दस्तूरी (कर) ती. ५४

दाण (कर। खेल) प. ८४, १५६, १५८,

१७३

दाण (कर। खेल) दू. ७, ४६, ७६, १२६,

३०१

दाण (कर। खेल) ती. ५४

दाणव दू. ५६

दाँन प. ३१

दाँन दू. १२०, २२३, २३६, २३७, ३२६

दाँम (मुद्रा। कर) प. ५२, २२८, २७६,

३३२

दाँम (मुद्रा। कर) दू. २६, २५८, २५६,

२७६

दांग (संस्कार) दे० दाह संस्कार ।

दापो (कर) प. २३२

दायजो दू. ३१०

दायजो ती. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२,

२०३, २७२, २७३, २८२

दाळ री लाग (कर) ती. २४०

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) प. १०८

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) दू. २४६

" " " ती. २६३

दीवाळी (पर्व) प. २, ७३, ६६, २७३

दीवाळी (पर्व) दू. ७, २४

दीवाळी-मिलण (कर) दू. ७

दुगाणी (कर। मुद्रा। गणित) दू. ७

दुहाय ती. १०५

दुहायण ती. १३६

देवघो दू. ४०

देवताघो को शासा (मंडोर) ती. २१३

देवाघा दू. ४०, ११६

देसवाळी लोग दू. ७, ८

देसोटो दू. १७७

दोदवाड कृतो (कर) दू. ५

द्रापर (युग) ती. १८५

ध

धजवद ती. १६७

धनुष दू. ६७

धरम द्वार दू. ६४

धर्म-भाई दू. ५१, ३०३

घारेचो दू. ११५

घारेचो ती. ५७

न

नगारा-नीसांण प. ३४०

नगारो (आक्रमण-संकेत) प. १५२

नगारो () दू. ३४, २४४,
२४५, २४६, २४७

नगारो (आक्रमण-संकेत) ती. १३२, १४३,
२७६, २८४

नवकुल भाग दू. २५२

नाव दू. २४

नालेर-वे० नालेर ।

नाल (अस्त्र) दू. २३

नालबंदी (कर) प. ६६

नालेर (वाग्दान-संस्कार) प. ७३, २०६,
३४५

नालेर (वाग्दान-संस्कार) दू. २६६, २६२,
३२४, ३३४

नालेर (वाग्दान-संस्कार) ती. ४१, ७२,
१०४, १४१, १६५

निवाज (नसाज) दू. ६७

नीसांण प. ३४०

नीसांण प. दू. ५६, ५७, २४२

नेग दू. ७२, ३२६, ३२७

नेगी दू. ७२

नैसारी स्थात ती. १७४, २०६, २०८,
२६४

न्याळा ती. १०८

न्योछावर दू. ३२७

प

पंच देवळियां ती. २१३

पंच प्रवर ती. १७३

पंचाच फूण (वि. वि.) प. ३६

पईसो (मुद्रा । तोल) प. ७७

पईसो (मुद्रा । तोल) दू. २७, २६, ७२,
१०५, २५८, २८२, ३०१, ३११,
३१२

पईसो (मुद्रा । तोल) ती. १६३

पटू ती. २६६, २६६

परवाणो दू. ५६

परवाह (दान । नेम) दू. ३२५, ३२७

पळी (माप । सफेद वाल) दू. ५५, ३११,
३१२

पळी (माप) दू. १५४

पसाइता प. २२८

पाखंड (स्थान) ती. २

पाघडी-बरोह (कर) ती. ५४

पाट प. ५, १३, १६, १६, १८६, १८८,
१८६, २०५, ३११

पाट दू. १०८

पाट ती. १६१

पायाळ प. २७८

पायडी ती० ५१

पितराई दू. २२२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८

पीडर-आप (संज्ञ) प. ४१

पीरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही-सिक्का ।

पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७

पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४,
१३६, १४२, २८६

पुराण (धर्म शास्त्र) प. २३०

पुरातत्त्व विभाग, राजस्थान (संस्था)
ती. १७३

पुरुष वे० पुरस ।

पूँखणो ती. ४६

पूँछी (कर) ती. ५४

पेरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही सिक्का ।

पेशकशी (कर) प. १४०

पेशकशी (कर) दू. ७, १०५

पेशकस (कर) वे. पेशकशी ।

पेशकशी वे. पेशकशी ।

पंसा दे० पईसो ।

पोतो धमल रो ती. २६०, २६१, २६२

प्रेम बोपिका (ग्रंथ) ती. २०६

फ

फदियो (मुद्रा) दू. ३१५
 फदियो (मुद्रा) ती. ४५, २६०
 फुरमांन दू. ५६, १०५
 फेरा दू. २७७
 फेरा ती. ७५

व

वरद्यो ती. १६७
 वल (कर) ती. ५४
 वलि ती. १७
 वल्लर उमराव ती. ५३
 वांकीबास की बात (प्रप) ती. २६६
 वांन दू. ४८
 वाजरियो ती. २६०
 वापीका दू. २२१
 वाव (कर) दू. ७, ८.
 वान्ने गंजेटियर (प्रप) दू. २६६
 वोडो दू. ६६, ७०, २३१, २६१
 बुडिसागर (प्रप) ती. २७५
 ब्रह्मब वीस दू. १६२
 ब्रह्मवाचा दू. २१

भ

भगवद् गोमडन कोश (ग्रंथ) प.
 भद्रजाती दू. ६५
 भरहेर कृण (वि. वि.) प. ३४
 भावीरपी रा दूहा (प्रप) ती. २०६
 भावर (भावरी) दू. २७७
 भावर (भावरी) ती. ७५
 भावा-भूषण (प्रप) ती. २१४
 भुवर होल (वाद्य) ती. ७
 भूमिया-वट दे० भोमिया-वट ।
 भेट (कर) ती. ५४
 भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७
 भेरी (वाद्य) दू. ४८
 भोग (कर) प. ३६; २५६
 भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६

भोग (कर) ती. ५४
 भोमियाघारो प. ३३१
 भोमिया-वट प. २८३, २८४

म

मगल-कल्ला ती. ४३, ४६
 मगलीक (कर । कर-मुवित) दू. ७
 मवाकिनी रा दूहा (प्रप) ती. २०६
 मज-बुडकाल (पोहित प्रजा) दू. ३२०
 मकर सजाति (पर्व) दू. ३२
 मण (भाप, तोल) प. १६२
 मण (भाप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४
 मदनभेर (वाद्य) ती. ५३
 मलबो-साग (कर) ती. ५४
 मलूक (सल-भीडा) दू. ४१
 मल्लेछ दू. ५६
 महमूवी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४
 महसू (कर) दू. १२७
 महापसाव दू. २३७
 महाभारत (धर्म-प्रप) दू. ३
 महिला-बाग ती. २१३
 मांगलिक सूत्र दू. २६५
 मांढी ती. ४५, ४७
 माणो (भाप) दू. २८
 मानसी सेवा प. ३८६
 मांमा कुट प. ५१
 मांमा बड़ प. ५१
 मातलोह प. २७८
 माप्यंदिनी शास्त्रा ती. १७५
 माफो (कर-मुवित) प. २२८
 मादवा-विद्व प. ३३५
 मालकोट ती. २१५
 मालगुचारी (कर) दू. ३०१
 मायलियाई माई दू. १६२
 मुकाती दू. २१६
 मुकातो (कर) प. ७४
 मुद्रा प. १८४, १८५

मुद्रा दू. २१०
 मुद्रा ती. २४
 मूंडका-वेरो ती. ५४
 मूळ, मूळो (आखिट-मंच) प. १०७, १०८
 मृत्युलोफ प. २७८
 मेखली दू. २४
 मेघाडंवर दू. ५६
 मोभ (कर) ती. १४
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प. २५४, २५५
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती. १४६

र

रवाव (वाद्य) दू. २३१
 रळतळी (तलवार) दू. ३१७
 रणाई रो विरव दू. ५१
 रानीपवो ती. १०५
 राजपुताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६
 राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
 ती. २७५
 राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
 राजस्व दू. २५८, २५९
 राय-भ्रांमण्य ती. ८९
 राहवारी (कर) दू. १२७
 राहावणी दू. १३१
 रंडनाळ दू. २४७
 रववावा दू. २१
 रपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) प. ५२, ५३,
 ११६, २३४, २५९, २७७, २७९,
 २८४, ३११, ३१९, ३२०, ३२२
 रपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) दू. २९, ४५,
 ६९, ७१, १६०, २५७, २५८,
 २५९, ३०१
 रपियो (मुद्रा। वंड। भेंट) ती. ८३, ९९,
 १००, १३०, १४९, १६५, १९६,
 २४२, २४५, २६७, २६८, २६७,
 २६८, २६९, २८३, २८६
 रुक ती. १६९

रुपारास कूण प. ३५, ३८
 रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७९,
 ३२०
 रेख (कर) दू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट वे० लाखोटो।
 लगान दू. ७२
 लगानवार दू. ७२
 लांचो (कर) ती. ५४
 लाख-पसाव प. १०६
 साल-लोपडी दू. ७
 लाखोटो (जल-मानक) प. ३
 लाग (कर) प. ३९, ६४, २३२
 लागत (कर) दू. ५
 लागवार दू. ७२
 लोफ प. ९९
 लोकाचार ती. ६९

व

वच्छस गोत्र ती. १७५
 वडी-तरवार प. २८३
 वधानणो-लाग (कर) ती. ५४
 वरकसी प. १४१
 वरलांग-री-चंवरी प. २३२
 वरतियो दू. २२५, २२६
 वरसाळो-हेंसो (कर) प. ३९
 वरहेडो ती. ४६
 वळ दू. ७३
 वळ ती. १९५
 वळ लाग (कर) ती. ५४
 वसवेरावचत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 वसी प. ४५, ६९, ८२, ९८, १३२,
 ४११, १४४, १४८, १५१, २०९,
 २८३, ३०९, ३२३
 वसी दू. १४५, १४६, १४९, १५३, १५७,
 १५८, १५९, १६०, १६१, १८१,
 २३६

यतो तो ८१, ८४, १३७, १६२ २४१
 वहतीयां (कर) दू ७
 वास (नाप) दू ५
 वासा शेष तो ७०
 बाडी साग (कर) ती ५४
 बात बाणहजवाडा पाटण री (ग्रन्थ) तो
 ४६ ५०

बातपोस तो ३८
 बावळ सहल प. ३३
 बाभीबध तो ७०
 विनाति पद्धति ती. १४
 विजयनाही (स्वर्ण, रौप्य मुद्रा) ती २१३
 विहुलनायकी रा वृहत् (ग्रन्थ) ती २०६
 विभोग प १५८, १७३, १७४
 विवाह ककण दू २६५ ३१८
 विवाह सूत्र वे० विवाह ककण ।
 वितथी (कर भाग) दू ३०१
 वोती तो १४
 वीटलो तो २१५
 वोघो प ११६
 वोण (वाद्य) दू २३१
 वेद (धर्म ग्रन्थ) प १६२
 वेलि क्रिसन रुक्मणी री, राठोड प्रिबीराज
 री कही (ग्रन्थ) ती २०६
 वेह तो ४३
 वंत (नाप) दू ४२
 वंहत (नाप) दू ४२
 व्रकुठ दू ७५
 व्पाज दू ८

श

शास्त्र प ३३६
 शास्त्र-पुराण (धर्म ग्रन्थ) दू ६१
 श्याम लता (ग्रन्थ) ती २०६

ख

खोडण महादान प १२६

स

सल प २७८ ३३६
 संख दू २२५
 सतनावा (ग्रन्थ) ती २७५
 सत्तर खान तो ५३
 सरय प ७, १६०, २७८
 सरय दू ५८, ५९, ६०, ६२, २६१
 सरगापुर दू ७५
 सरधानं (कर) ती ५४
 सवेरी प १६७
 सामेळो तो ४५
 सासन प १०६, १७४, १७६
 सासन दू ३८
 सांसल तो २८१
 साको दू ४४, ५६
 साठा (माप) दू ५
 सायरो दू १२०
 सायरो ती १२८
 साबुल रासल्यानी रिसर्च इगर्डीद्यूट,
 बीकानर ती २०७
 सायर महसुल दू ७
 सायद दू ४५
 सासल दू २३१
 सासतर दू ११५
 साहो प ६७
 साहो ती ७५
 सावको दू २४
 सिद्धांत बोध (ग्रन्थ) ती २१४
 सिद्धान्त-सार (ग्रन्थ) ती २१४
 सिरपाव दू २६
 सिरोपाव तो १६६, २४४, २४५
 सिम मारण दू ४५
 सीरावणी दू. २५१
 सुरणाई ॥ ६०
 सुरपोन प १८८
 सुरा गुर प ३५४

मुजंन-खरित (मंथ) ती. २६६
 मुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८
 मुहागण प. १३
 मुंलडी (कर) ती. ५४
 मूतग दू. २३६
 मेई (माप) दू. २१२
 मेर (मोल) दू. ८. ११८. ३१३
 मोठाळ-मव दू. १५
 मोनइयो (मुद्रा) प. ३, १२
 मोमधारिया-ममल ती. १३४
 मोळहु-भृंगार दू. ५८
 मोवस (मुद्रा) प. ७
 मोभाय-राशि प. १३४
 स्वर्ग वे० सरग ॥

ह

हरिवंश पुराण (धर्मशास्त्र) दू. १५
 हळगत (कर) ती. ५४
 हलांणी ती. ६२, ७६, १४४, १६६, २०२
 हासल (कर) प. ७४, ८७, ९९
 हासल (कर) दू. ५, ८, २५६, २६०, २७७
 हासल (कर) ती. १३०
 हासनीक दू. २५६, २६०
 हिंबवाणी ती. ५३
 होळी (पर्व) प. ७३
 होळी (पर्व) दू. ७
 होळी (पर्व) ती. ८४
 होळी-मंगळावणी ती. ८४
 होळी-मिलण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

अवाली प. २७७
अवाय प. ४६
अगल दू. २४६
अगम प. ६६
अग्नि दू. २७७
अग्निकुड दे० अमलकुंड ।
अजोण्या प. २६२
अमलकुड प. १३४, १८५, ३३६,
" ती. १७४, १७५
अनादि प. १८४. २६१
" दू. ५७
अयोण्या दे० अजोण्या ।
अरक प. १६०
अरणीह गोतमजी तीर्थ प. ६४
अलल ती. २६३
असंभ प. १८४
अमुर दू. ६५, ११८
अमुरा-गुर प. ३५४

आ

आबाई देवी प. १, २७७
आबाय प. ४६, २७७
आव दू. ५७
आव नारायण प. १२२, २६१, २८०
आव अनारायण प. २८७
" " दू. ६
आदि प. १८४. २६१
आदि देव प. ७
आदिनाथजी प. ३६
आदि पुण्य ती. १७५
आदि अनारायण प. ७७, २८७
" " दू. ६

आबू दे० ग्राम नामावली में
आयास दू. २५४
आयास ती. २८३
आयड प. ३६
आसापुरा देवी दू. २१७, २१८, २२०
आसापुरी देवी ती. १३४. २६२
आसावर (देवी) प. १८६

इ

इंदु प. १६०
इद्र प. १६२, २७५, ३३६
इकलिंग महादेव प. २३

ई

ईश्वर प. २२०
ईश्वर ती. १२१
ईत दू. २४६

उ

उज्जैन (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में ।
उमादेवी भटियांजी दे० हत्री नामावली में ।

ए

एकलिंग नाराह प. १७०
एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,
३४, ३५, ४४
एकलिंगदेव प. ७
एकलिंग महा देव प. ७
एकादश ज्योतिर्लिंग प. २७८
एकादश रुद्र प. २७८
एकादश रुद्र महालय प. २७८
एकावती दू. ६०

ओ

ओंकार प. १८४

क

- कंकाली प. ३३६
 कंधरुडा प. १८५
 कंचल दे० कमल ।
 कंचल-पूजा प. ५६, ३३६
 " " दू. १७
 कपाळीक प. ३२२
 कमल प. ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २८३
 कमल दू. ६
 कमल ती. १७५
 कमळा प. १८५
 करणोगर दू. २३७
 करतार दू. ४५
 कळा-पळा प. १८५
 कश्यप दे० कश्यप ।
 कश्यप प. ७८, २८७
 " ती. १७५, १७७
 कापालिक प. ३२२
 कालिका प. १८५
 काशी (कासी) दे० ग्राम नामावली में ।
 कासी-करोत प. २१६
 कुळदेवी दू. २६७, २७२
 कुळदेवी ती. १७५
 कुण्ण दे० श्रीकुण्ण ।
 कुण्णजी दू. १५, १६, ३५, ६३
 केदार(केदारनाथ) दे० ग्राम नामावली में ।
 केवायदेवी प. १२३
 " ती. १७३
 केसोरायजी प. १३१
 कंतास प. ८
 कोटेश्वर महादेव प. २, २७७
 कोमारी प. १८५
 कोरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।
 क्षेत्रपाल प. २६४
 " दू. २२
 " ती. १७

ख

- खुदा दू. ४७
 खेड-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।
 खेडा-देवत दू. २२
 खेतपाल दे० क्षेत्रपाल
 खेतल प. २४५
 खेतल-बाहुण प. २४५
 क्षेत्रपाल प. २६४, ३३२
 " दू. २२, १३५, २६७
 " ती. १७
 ग
 गंगदयामजी ती. २१५
 गंगस्वामी दे० गंगदयामजी ।
 गंगाजल दू. २०२
 गंगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२
 " दू. २०२
 गंगोदक प. २१३, २१४
 गंगोदक-कावळ प. २१३, २१४, २१५
 गणेशजी ती. १५४
 गवदेव दू. ५०
 गाय-दांग दू. २६६
 गिरनार प. २२
 " दू. १, २०२, २०४, २०५,
 २०६, २२०, २४०
 गुरद दू. २५२, २५३
 गुसाई-री-पोदुका प. ४२
 गोकर्ण तीर्थ प. १०७
 गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७
 गोकर्णीनाथ दे० गोकुळीनाथ ।
 गोकुळीनाथ प. २०४, २१३
 गोखंभ प. १६०
 गोमादे दे० गोमादेजी ।
 गोमादेजी प. ३४७, ३४८, ३४९, ३५०
 गोमादेती दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०
 ३२१, ३२२, ३२६
 गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती स्नान) दू २६८
 गोमती सगम प २८६
 गोरक्षनाथ जोगी दू ३२०
 गोरक्षनाथ जोगी ती ७६
 गोवरपननाथ प ८६
 गोविंद भगवान प १८४

च

चण्डेश्वर महादेव दू ३२
 चद्र (चव) प १८५ १६२, २७२
 चद्र (चव) दू ३७
 चद्र (चव) ती ५०, ५२
 चक्र प २८६
 चक्र तीर्थ (चक्र तीर्थ, चित्र तीर्थ) ती २७७
 चपळा (देवी) प १८५
 चाहीसी महादेव दू ३२
 चाव दे० चद्र ।
 चामुडा देवी दे० चावडाजी ।
 चारण देवी प ५६
 चालर रो पारसनाथ प ४७
 चावडाजी प २०४
 चौराती गण्य ती १६

ज

जगहता प १८५
 जमजाल ॥ १२५
 जमभूत दू ४६ २६८
 जमुना तीर्थ प १३२ ३३२
 जात (तीर्थयात्रा, वैष्णवज) प १, १११,
 १३२, २६३, २८६, ३३६
 जात दू १३, २३६, २४६, २४७
 जात्रा दू २६६, २६८, ३२५
 जात्री, तीर्थ प २८६
 जाम्ही ती २०६
 जिदो प ३३६
 जिय प ११
 जुगाद ती १७५
 जुगाद ग्रहा प २६१

जैन (धर्म) प ३३, २२७, २७६
 जैन (धर्म) दू ११३
 जैन (धर्म) ती १६, २८
 जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)
 जोतीबिष प १६०
 जोतिलिग दे० ज्योतिर्लिग ।
 ज्ञान दे० जैन ।

ज्योतिर्लिग प ११, २१३, २७८, ३३५
 ज्योतिर्लिग ओएकलिगती प ११

झ

झोटोलियो भूत ती २५४
 झोटिम भूत ती २५२ २५३, २५४, २५५

ठ

ठाकुर (धोकृष्ण) प, १३१, २१३, २८६,
 ३०३
 ठाकुर (धोकृष्ण) दू २२२, २४७, २७०
 ठाकुर (धोकृष्ण) ती २४६, २५०
 ठाकुरद्वारो प ८४

त

तीर्थ गुरु पुष्कर प २४
 तीर्थ यात्रा दू २६६
 तुलसीबल दू ५६
 तुलसी ती २६२
 तुलसी यात्री ती २६२
 तेलोचन दू ५६
 तेही भवन दू ५६
 तिलोचन दू ५६
 त्रिषदम दू ५६
 त्रिसूळ प ४० ४२
 त्र्यम्बक प १, १२२

द

दइय प ७६
 दइय दू ६३
 दईत ती २५१
 दत्तात्रयी प १८५
 दसर्भो साळगराम प २०४

वाणव प. २१३
 वाणव दू. ५६
 वांत दू. २२३, २३६, २३७
 वान-पुण्य प. १३६
 विल्लीधर ईश्वर प. २२०
 दुगापचा (दुगर माता, दुगाय माता)
 ती. २५७

दुगापचा दे० दुगापचा ।
 दुर्गा देवी ती. ५३
 दुर्गापंचा दे० दुगापचा ।
 देव दे० देवता ।
 देव-ऊठणी-एकावली दू. ३२२
 देव-ऊठणी-एकावली ती. २६५
 देवगति दू. २७१
 देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५
 देवता ती. ५७
 देवनीक ती. ७६
 देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५
 देवपाटन दे० देव-पट्टन ।
 देव-रो-पाटन दे० देव-पट्टन ।
 देवाण-विद्या प. १८५
 देवायर प. १६२
 देवी, (देवीजी) प. ११, १८५, २०२,
 २०३, २७३, २७४, ३३६
 देवी, (देवीजी) दू. १३, १७, १८,
 २२, २०३, २०४, २१७,
 २१८, २२०, २३७, २६७,
 २७२

देवी, (देवीजी) ती. १७, ६६, १५४, २६२
 देवोत्पान पर्व ती. २६५
 दैत प. ३३६
 दैत ती. २५२
 देवी-शक्ति दू. २०३
 देव्यांणी दू. २०३
 द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४,
 २८६, ३३७

द्वारकाजी (तीर्थ) दू. २२५, २६६,
 २६७, २६८

द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६

द्वारकानाथ दू. २६८

द्वारामती दू. २२५

ध

धनदाता देवी प. १८५

धरतीमाता दू. ३०४

धू प. ७, २२६

धू दू. ५२, ५३

ध्रुव दे० धू ।

न

नाग दू. २५२

नाग ती. ७४

नागही धारणी दू. २०२, २०३, २०४

नासिक-ग्रंथक प. १, १२२

नासिक-ग्रंथक दे० नासिक-ग्रंथक ।

प

पनय दू. २५३

परमेश्वर ती. १७५

परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५

परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२

परमेश्वर ती. ४, ५, ८८, ९४, १२०, २५५

पावणी दे० पुरष-नामावली ।

पारसनाथ प. ४७

पितर प. १६

पींडी (शिर्वालिग) प. २१३, २१५, २१६

पीकरजी (पुष्कर) प. २४

प्रवक्षिणा दू. २७७

„ ती. ८६

प्रभासखेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३

प्रभास-पट्टन प. २१३

प्रम प. १८४

प्रमहंस प. १८५

प्रयागजी प. १३२

„ ती. २७६

प्राग्वक् प. २२६

प्राची-माघव प. २७७

फ

फणइव (फणीव) प. १६०

ब

बभेसर दू. २१५

बभूत ती. २७

बहुली-जोगणी प. २०४

बावण-विसन प. १५

बिह-सरोवर (तीर्थ) प. २७७

ब्रह्मा वे० ब्रह्मा ।

ब्रह्म प. ७

ब्रह्मकोप प. २१५

ब्रह्मतेज प. २१५

ब्रह्मवाचा दू. २१

ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२,

१६२, २८०, २८७, २६२

ब्रह्मा दू. ६

ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३

„ दू. ३५, २४६, ३२०

भगवान राम प. ६३

भद्र ती. ५३

भद्रकाली ती. १७

भव (शंकर) दू. २४६

भागीरथी ती. २०६

भुवनेश्वरी प. १८५

भूत दू. ४६

भूत ती. २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगल (अग्नि) दू. २५२, २५३

मंत्र-प्रावाहन प. १

मंदाकिनी ती. २०६

मक्का दू. ४६

मधुरा (मयुराजी) प. १३१, १३२,

३१२, ३५६

मधुरा (मयुराजी) दू. ११, १६, १४०

मधुरा (मयुराजी) ती. २०६

मरोच प. ७७, २८७

मरुनायकजी ती. २१३

मह-मोहन (महा मोहन धीकृष्ण) दू. ६३

महाकाल प. १२५

महादेवजी प. ७, ११, १४४, १४५,

२१३, २१५, २१६, २१७,

२१८, २१९, २२०, २८६

महादेवजी दू. २६७, २७२

महादेवजी रो बीडी प. २१६

महादेवजी रो सिंग प. २१३, २१६

महादेव-सोमइयो प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७

महा रोच प. ६, १६१

महीनाल-सौर्य प. ४४

महेसुर प. १८५

मांतायेन प. १

मांमा-खेजडी प. २४७

मांमाजी (लोक-देवता) प. २४७

माताजी (देवी) दू. १८, ३६८

माया ती. ७१

मित्रावरण प. १२२

मुद्रा प. १८४, १८५

„ दू. २१०

„ ती २४

मेखली ती. २७

य

यद्र प. २७८

यमपाश प. १२५

यमुना वे० जमुना ।

यात्रा (तीर्थ) प. २८६

युगादि विष्णु ती. १७५

र

रणछोड़जी प. १११
 ॥ दू. २६८
 रामचंद्र प. ६२
 रामदे पीर प. ३५०, ३५१
 रामेश (रामेश्वर) दू. ३८
 राकस (राक्षस) प. १३४
 राकस (राक्षस) ती. १६४, १६५
 राक्षस वे० राकस ।
 राठासण देवी प. ११, १२, ३४, ४४
 राम भगवान प. ६३
 राजकुमारी देवी प. ३४
 रणछोड़जी वे० रणछोड़जी ।
 रिष प. २३१, ३५४
 रिपिकेश (आसू पर्वत पर) प. १७८
 रंडमाळ दू. २४६
 रघु प. १६२, २७७
 रघुनाथ प. १६०
 रघु महालय प. २७२, २७७, २७८
 रघुमाळो (डूंगरपुर-राजस्थान) प. ८५
 रघुमाळो (तिठवुर-गुजरात) प. २७२,
 २७६, २७७,

ल

लक्ष्मी दू. २७४
 लक्ष्मी ती. ५३
 लक्ष्मीनाथ ती. २२१
 लांग सगती ती. २२२
 लाछ सगती ती. २२२
 लाभधर्म दू. ११८
 लिंग प. २१३, २१४, २१६, २१६

व

वडगच्छ ती. १६
 वर दू. २६७

वर ती. १६५
 वरदान ती. १२०
 वर-वासण देवी प. ४७
 वाचाछळ देवीजी प. १३४
 वाणारसी वे. ग्राम मामावली ।
 वामन शयतार प. १५
 वासव प. २७८
 विधाता दू. २७४
 विनायक ती. १५४
 विष्णु वे० विष्णु-भगवान ।
 विष्णु भगवान प. १५
 विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५
 विसनर दू. २४६
 विह वे० विधाता ।
 वेद प. १६२
 वैवस्वत वे० वैवस्वत-मनु ।
 वैवस्वत-मनु प. ७८, ११६
 वैवसानर दू. २४६
 वैष्णव प. ३०३
 वैष्णव ती. २१३
 वल्लभ प. २७८

श

शंकर दू. २४६
 शंख प. ३३६
 शत्रुंजय प. ३३५
 शिव प. ८५
 शिव दू. २४६
 शिव ती. २८
 शिव-पट्टन प. २१३
 शिवलिंग प. २१३, २१५
 शेषनाथ प. ६
 शैव (सिख) प. ३३
 श्रीआविनायजी प. ३६
 श्रीआविनारायण ती. १७७
 श्रीकृष्णविहारीजी ती. २१३
 श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) कृ. १, ३, ६, १५,

३५, ६३, २०६, ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती १७५, २७५

श्रीगणपदयामजी ती. २१३, २१५

श्रीगोकुलनाथ (श्रीगोकुलीनाथ) प २१३

श्रीठाकुरजी प. १३१, २१३, २८६, ३०३

॥ कृ. २२२

॥ ती. १५७, २५०

श्रीपरमेश्वर कृ. ३२२

श्रीमगवान ती. २५०

श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी ।

श्रीमहादेवजी सारनेसरजी प. १७३, १७८

श्रीरघुछोडजी (श्री रघुछोडराय) प १११

॥ ॥ कृ. २४६,--

२४७, २६८

श्रीरघुछोडजी (श्री रघुछोडराय) ती १७६,

२६६

श्रीरघुछोडराय सेठ ती. १७३

श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २६२,

२६३, २६५

॥ ती. १७८, २४६

श्रीलक्ष्मीनाथजी (लक्ष्मीनगर) ती २२१

श्रीवाराहजी प. २४

श्रीविष्णु कृ. ३

स

सकर (शकर) कृ. २४६

सक्त प २७८, ३३६

सक्त (शक्ति) प. १८६

सच्चिदायदेवी (सच्चिदाय) प. ३३७, ३३६

॥ ॥ ती. १७५

सप्त पताळ प १६२

सरप प. ७, १६०, २७८

, कृ. २७३

सरस्वती प. १८५, २७७

॥ कृ. ३, २६६

॥ ती. २६, १७३

सहस्रसिग कृ. ३३

सारनेश्वरजी महादेव प. १७१, १७८

सारसत्त दे० सरस्वती ।

साळगरांय प २०४

सावळ प ३६, ४७

सिकोतरी ती. २

सिद्ध प २५४, २७८, २८५

॥ ती २७, ७६

सिद्धपुर प २७६, २७७

सिद्धपुर कृ. २७२

सिध दे० सिद्ध ।

सिध (सिधयम—श्रीय) प ३२

सिधपुरी प १८६, १९०

सीतळा कृ. १०६, १५५

सुर प २७७, २७८

सुरयान प. १८८

सुरा-गुर प ३५४

सुरज (सूर्य) प. १ ३, ४३, ७८, १६०, २८७

॥ कृ. ३७, ३०४

सूर्यवशा ती. १७७

सेत दे० सेतुबंध ।

सेतुबंध प ६, २७

॥ कृ. ३८

सेतुजी प. २७६, ३३५

सेत प, ६, २२६

सेणी चारणी देवी प २०४

सोमदयो प २१४, २१५

सोमदयो महादेव प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७, ३३५

सोमदयो महादेव ती. २६४

सोमदयो-सिग प २१३

सोमनाथ-पट्टन प. २१३

सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७, २१८,

२१९, ३३५

सोमनाथ महादेव, ती. २६४

सोरंभजो प. २१४

सोरो-घाट प. २१४

स्वर्ग प. ७, २७८

स्वयं प. १८६, २४५

स्वय-सातमों प. २४५

ह

हडद्वजी दे० हरभम पीर सांखली ।

हर प. ३४२, ३४६

हर बू. ३२०

हरभम दे० हरभम पीर सांखली ।

हरभम जाळ प. ३५०

हरभम पीर सांखली प. ३४८, ३५०,

३५१, ३५२

हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखली ।

हरि प. ३४२, ३४६



सम्पूर्ति

छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-संख्या

[नाम की पक्ति संख्या उस नाम का उस पक्ति में होना चाहिये बताता है]

पू को प पुरुष नाम

२	२	२२	१३६, १४१
३	१	६	मन्त्री प १६३
५	२	२०	३१, ३६१
७	२	२	आत्मसाह प ५६
८	१	४	३६१
८	१	१०	३६२
८	१	२	३६१
८	२	६	३२०
१२	१	७	कपट्टू २१४
१२	१	८	कपट्टनाथ योगी २१४
१३	१	११	५, ६, १३, १५, १६, ७०
१३	२	१०	करमचंद पत्तार प १२२
१४	१	३	१६६
१४	१	२७	१६५
१५	१	२	१५६
१६	२	२	काबो गडो प १३६
१६	२	१३	३१५
२०	२	५	३६३
२१	१	२४	३६१
२१	२	११	सोमो सकरोत ८४
२२	२	४	गगन घोषो प ५
२२	२	१३	३३८
२३	१	३	गडो काबो प १३६
२३	१	१६	३६३
२३	१	३४	३५६
२४	१	१२	गोकुल प ३६१
२७	१	३६	धवडो दे० चूडो ।

पू को प पुरुष नाम

३२	१	१४	३१८
३३	२	२८	३१०
३५	१	१३	४३, ४५, ४७, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५५, ६६, ६७, ६८
३६	२	११	१६४
४१	२	३१	३१७, ३१८
४४	२	१४	१६८, १६९
४७	१	२१	१६३
५८	२	६	१६६
४८	२	७	१६८
४८	२	अतिम	१६१
५०	१	२६	३५२
५०	२	३	११६
५४	२	३१	६७, १११, १६५, ३१२
५५	१	२६	१७
५५	१	अतिम	प्रयोराव प २४३
५७	१	२१	बहुन्नाल प. १८६
५७	२	३	६७, ६८
५७	२	२४	बालरव प. २८८
६५	२	२५	३४५, ३४६
६६	२	२७	२६४, २६५, २६७
७२	२	३	यशवर्तसिंह रावल दे० पताई रावल
७६	१	अतिम	३१६
७७	१	३५	१८६, १८०
८१	२	२६	सकरो कर्मरो प ३००
८६	१	४	१०१

पृ. कॉ. पं.	पुरुष नाम	पृ. कॉ. पं.	सांस्कृतिक
६८ १ ३	साहू बालम प. ५६	१७ १ ३१	किरियाणी (प्रसूता की
१०१ २ २६	२८३		पोष्टिक लाय-सामग्री
१०२ २ २३	१०२ से ११०		बू. २८०
	भौगोलिक	१७३ २ ६	कोइबांन बू. २२३
१२० २ ६	२३६	१७३ २ २५	गोडो माळणी बू. ११६
१२८ २ १६	४१	१७४ १ ७	३३६
१३२ २ १७	जाभोरो सीयळा रो बू. ६	१७५ २ ७	बॉम-पुन्य प. १३६. २६६
१४३ २ ३	पूछणो बू. १६४ वे० पूछणो	१७५ २ १३	बायजो प. ७६
	सांस्कृतिक	१७५ २ २५	बुहागण बू. १०
१७२ १ १६	अमल रो पोतो प. १०२	१७६ २ ६	पाणी बेगो बू. ३३७
१७२ १ २४	अलाह-यलाह प. १००	१७६ २ ११	पाघड़ी-भाई बू. ६६
१७२ २ ६	आहुलानो प. ८६	१७६ २ ३७	पोतो प. १०२
१७२ २ १३	१३४, २०६	१७६ २	अविम प्रळीवातार बू. १२०



परिशिष्ट २

भनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी रो हस्तलिखित ह्यात-प्रति में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुंडलियां भी ह्यात में उनके वरुण प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुंडलियां ज्योतिष-शास्त्र में रचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और रोचक की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुंडलियां केवल भनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की नैणसीरी ह्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही मिली हुई हैं। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ह्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाव देसने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थी; मत. यहाँ दी जा रही है—

राणा सांगा रो जन्मकुंडली

समत् १५३६ रा बैसाख वद ६ सांगा रो जनम। समत् १५६६ जेठ सुद ५ राणो सांगो पाट बैठो। (ह्यात पत्र ५ सू उद्धृत)

३	२ गु हु रा	१
४ वृ		१२ र
१	बी॥	११ व
६	८ के	१०
७ म. रा.		६

राणा उर्वसिध रो जन्मपत्री

राणो उर्वसिध, संमत् १५७६ भाद्रवा सुद ११ जनम। सं० १६२६ रा फागुण सुद १५ राणो उर्वसिध काळ प्राप्त हुयो। (ह्यात पत्र ६ सू उद्धृत)

६ गु के	५ र वु	४ मं
७		३
८ वं.	बी॥	९
६	११ रा	१
१० वृ		१२ रा

जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

सं० १६११ अत्ताळ वदी ५ रविवार री जनम (ख्यात पत्र ६ सूं)

४	३	२ बु
५ मं	सू	१ बु
६	रा	
	श्री॥	१२ ष गु
७	६	११ च
८	के	१०

सगर री जन्म

सं० १६१३ भादवा वदी ३ री सगर री जन्म (ख्यात पत्र ६)

३ मं	२	१ ष
४ र	रा	१२
५ बु	श्री॥	११ च
६ बु	८	१०
७	ह	९
	के	

महाराणा प्रताप री जन्मकुंडली

सं० १६६६ जेठ सुद ३ रविवार री राणा प्रताप री जन्म (ख्यात पत्र ७)

११	१०	६
१२ रा		८
१	श्री॥	७
२ र	४	६ मं ष के
३ बु. बु. चं.	५	५

राणा करन री जन्मकुंडली

जन्म स० १६४० सावण सुदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (श्यात पत्र ८)

३ के	२	१
४ र		१२ वृ.श.
५ शु. बु	भी॥	११
६ म	८	१०
७		६ रा व.

राणा जगतसिंह री जन्मकुंडली

जन्म स० १६६४ रा भादवा सुद १२, संमत १७१४ भा जेठ ग्राहं धवलपुर री सवाई काम आयी ।

६ शु व व	५	४
७	र	३
८	म	२
९ श	रा	१
१०	११	१२ व
	के	

परिशिष्ट ३:

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्टः

संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नासावली.

सं० — संज्ञा	प. — जैनियों की ख्यात का पहला भाग
ध.व. — यह ध्वन	द्व. — " " " " दूसरा भाग
वे० देखिये	ती. — " " " " तीसरा भाग

अखँसाही नाणो—जैसलमेर के राजा अखँसाह द्वारा प्रवर्तित एक रीत्य मुद्रा ।

अनूवी—परवतसर और महारोट के अननूवीर राजा उत्तरण बहिये का विरुद ।

अर्भगनाथ—विजयी धीरों में श्रेष्ठ धीर ।

अमल-रो-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का घस्त्र का बना एक प्रकार का बटुआ ।

असंख प्रवाड़-जैतवादी—घिसौड़ के राजा राममल के अत्यन्त बलशाली और असंख्य

युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद ।

असंत घान—१. हल्की फिस्म का अनाज २. नहीं जाने योग्य (सड़ा-गला) अनाज ।

असुख—१. शत्रुता २. रोग ।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुसलमान' का लक्षणार्थ पर्याय ।

(न.व.—असुरा, असुराण, असुरायण, अतराळ, असुराळ, अखाळ)

आऊठ कोड़ बंभणवाड़ } नवलखी सिध का बंभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर ।

आऊठ कोड़ सामई } (कहा जाता है कि सिध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग नवलखी सिध के नाम से प्रसिद्ध थे । बंभणवाड़ आऊठ कोड़ की आय का प्रदेश कहा जाता है ।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल । २. विजयराज चूड़ाळ का विरुद ।

आगू—१. यात्रा में धामे चलने वाला और भय स्थानों एवं शत्रुओं की सूचना देनेवाला व्यक्त । २. मार्गदर्शक ।

आदित, आदित्य—वे. दीत-आहाण ।

आयस, आयसली—राजस्थान के नाथ सन्प्राप्तियों का विरुद या उपाधि ।

आरंभराम—('आरंभ + आराण' का अपभ्रंश रूप) वह सत्तिमान राजा या बादशाह जो किसी भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये तैयार रहता है ।

आलमगीर—बादशाह औरगजेब रा विरद ।

आसा—गर्भ

आहाड़ा—'आहोड़ा' नामक गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के शिशोविद्या (शासकों) का एक विरद ।

आहूठमा-नरेश—चित्तौड़ के शिशोविद्या नरेशों का एक विरद ।

इन्द्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह विधाओं में से एक ।

इक्को—दे० एको ।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

उडणो-प्रथीराज—एक ही दिन में छंदर टोडा और जालोर की विजय कर लेने के कारण रामा रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की बादशाह की ओर से भी हुई उपाधि ।

उड़वाधो—कई धार्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक साध ।

उप-धियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अध्यापक की एक उपाधि ।

उमराव—बादशाहों के दरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि ।

(बादशाही दरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान खानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थीं । हिन्दू उमराव युद्धों में सिर कट जाने पर घड़ से लड़ते थे और घड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियाँ उनके साथ सती हो जाती थीं । इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो सख्यायें शाही-दरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं को प्राप्त थीं ।

'उमराव' समीर शब्द का बहुवचन रूप है ।

'उमराव' और 'उमराव पनी' राजस्थान के वैवाहिक-सोक-गीतों में एक मायक के रूप से भी प्रसिद्ध है ।

उवही—समुद्र ।

अधि, अधीश्वर—१. वेद-ग्रन्थों का प्रकाशक, मंत्र-ग्रन्थ । २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्त्वों का ज्ञाता ।

एको—अनेक घोड़ाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का अंग-रक्षक ।

एवाळियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति । गड़रिया ।

ओकर—१. दुर्घटन, गाली । २. विष्टा ।

ओठी—ऊंट सवार (१. ऊंट । २. ऊंट से सम्बन्धित ।)

ओढो-रावण—रावण के समान भयकर महाबली बौद्ध सुमरे का विरद । (विकट महाबली)

ओळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य की गिरवी रक्षना पड़ता था । २ मनुष्य की गिरवी रखने की प्रथा ।

ओळगण—गानेवाली डाढ़िन नौकरानी । (१. विद्योगिनी, २. पत्नी, ३. महतरानी)

ओलूगू—गाने बजाने वाला छाड़ी नौकर ।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का सट्टका । २. राजकुंवरी । ३. पुत्र ।

कँवरान्णो—कुंवर की पत्नी ।

कँवारमग, क्वारमग—आकाश गंगा ।

कणवारियो—खेतों में से कूँता किया हुआ नाज इकट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर ।

कनवजियो, कनवजो—कन्नौज से मारवाड़ में शाये हुए राठौड़ क्षत्री का विरुद ।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-धातु पानी ।

कमंध, कमध, कमधज, कमधजियो—राठौड़ क्षत्रियों का विरुद ।

करहीरो—ऊँट सवार, करभारोही ।

करोड़ी, किरोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बादशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी ।

कर्नल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल टॉड की सैनिक उपाधि । ३. कर्नल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवराज, कवि, कवीसर, कवेसर—१. काव्यकर्ता चारण २. कवि ३. भाट-कवि ।

कस्तूरियो मिरघ—१. पिलासिता की एक उपाधि । २. कस्तूरीमृग ।

कलावंत—१. संगीतज्ञों की एक उपाधि । ३. एक संगीतज्ञ जाति । ३ एक क्षत्रिय जाति । ४. संगीतज्ञ ।

कांचली—पुत्री नेम

कांठलियो—१. सीमा रक्षक । २. पड़ोसी राज्य का लुटेरा । ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा ।

कानूंगो—बादशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो ।

कामदार—जागीरदार की जागीरी का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी ।

कामेती—३० कामदार ।

काछ पंचाल—कच्छ और पंचाल देश की एक देवी ।

काछराज्य—संणी नाम की कच्छ देश की एक देवी ।

कारण—१. गर्भ । २. प्रतिष्ठा । ३. मान-अर्थादा । ४. कृपा ।

कारणीक—१. योग्य । २. प्रामाणिक । ३. ज्ञाता, जानकार । ४. परोपकारी । ५. विवेकी । ६. दरमियानगिरी करने वाला ।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समर्थ ।

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र की कलंक रूप उपाधि । २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम ।

किलंब, किलम—कलमा पढ़ने के कारण मुसलमान का साक्षणिक नाम । (व. घ.—किलंबां, किलंबाण, किलमां, किलमांण, किलमायण)

किलेवार—१. दुर्गरक्षक । २. दुर्गरक्षक का पद ।

कुंवर-मांगो—

कुंवर पछेवड़ो—

कुंवर पामरो—

कुंवर सूखड़ो—

} कुंवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर ।

कुतबसाही-नांगो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रचलित कुतुबशाही मुद्रा ।

कूरघाण—भात-खाद्य रखने का एक पात्र ।

कृत—मृतक-सत्कार ।

केशरिया—विवाहार्थ व पुद्गार्य पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक ।

कैलपुरो—कैलषा नाम के गाँव में बसने के कारण शिशोवियों का एक विषय ।

कोटवाल—१. शासनाधिकारी का एक पद । २. दुर्गरक्षक और उसका पद ।

खटायत—सहन करने वाला धीर पुरुष ।

खबरवार—संदेश-वाहक अनुचर ।

खरक कूँए—वायव्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा ।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नौकर । २. नाई । ३. दासी । ४. रखेल स्त्री ।

खंगड़ो—१. राठीठ राजपूत । २. राठीठों का एक विषय । ३. वीर ।

खांगीबघ—राठीठों का एक विषय ।

खांट जात—मील, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि ।

खान—१. बादशाह की सभा के मुसलमान दरबारी । खानों की संख्या बादशाहों दरबारों में ७० होती थी । इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे । 'सत्तर खान और बहत्तर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है ।

२. पठानों की एक उपाधि । ३. मुसलमान ।

खाड़े ती—बेलगाड़ी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति । २. हल चलाने वाला व्यक्ति ।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार । २. रखेल । ३. दासी ।

खिलहरी, खिलहोरी, खिलोरी, खिलोहरी—१. जंगली मनुष्य । २. भट्ट बकरी चराने वाला व्यक्ति ।

खुरसाण—संज्ञार्थ में मुसलमान का पर्याय (ब. ध. खुरसाणा, खुरसाणा)

खूदालम—बादशाह ।

खून—१. अपराध । २. हत्या ।]

खूर्माणो—राबळ खूर्माण के बसंत शिशोविया स्त्रियों का विश्व ।

खूर—साक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति ।

खेड़ा री बाघण—शिकार का एक प्रकार ।

खेड़ेचा—मारवाड़ में राठौड़ क्षत्रियों का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विश्व ।

खेड़ायत—१. एक गाँव का धनी । २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति ।

गंग—१. शाना घणसूर मोहिल का विश्व । २. राव गाँगा की ऊन संज्ञा ।

गजघर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी ।

गढपति—दुर्गपति, राजा ।

गायणी—१. पाने वाली । २. वेश्या ।

गुढो—रक्षा-स्थान ।

गुल्-लाग—विवाह आदि में गृह के रूप में दिया जाने वाला एक कर ।

गेहलो—अणहिलपुर-पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विश्व ।

गोडो वालाणो—मृतक की सम्बेदना प्रकट करने को जाना ।

गोत्र-कदंब—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या ।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुजारा) के लिये मिली हुई जमीन का मालिक ।

२. बिरोही, भागी । ३. लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति ।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी बाटी का भोजन । ३. बेची-बेखता के निमित्त बनाया हुआ बाटी का भोजन ।

घरवास, घरवासो—पानी रूप में पर-पुरुष के घर में रहना ।

घाबड़ियो—हाति पहुँचाने या मारने के लिये ताक में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति ।

घोरंधार—कोठू के शासक पमे का विश्व ।

चकवै—चक्रवर्ती राजा, सम्राट ।

चरवैदार—१. घोड़ों की देखभाल करने वाला नीकर, सईस । २. घोड़ों को जंगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नीकर ।

चवरासियो—चौरासी गाँवों का स्थानी । २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक ।

चामरियाल—लक्षणार्थ में सुसलमान का पर्याय ।

चींधड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिंदा धीर योद्धा । २. अधिक अस्तीम खाने के कारण सुध-वृध रहित व गंवा रहने वाला व्यक्ति ।

चूड़ालो—प्रसिद्ध धीर भाटी विजयराव का विश्व ।

घोटी-बढियो—जामीरदार की प्रजा का वह कर-भुक्त भनुष्य जिसको अपनी छोटी कटाई हुई रखनी पड़ती थी ।

चोघरी—१. गाँव की चौघराई का पद । २. जाति या समाज का मुखिया ।

चौरासिया-ठाकर—१. चौरासी गाँवों का जामीरदार । २. बड़ा जामीरदार ।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का ।

छठो—१. मृत्यु । २. युद्ध ।

छड़ीदार—छड़ीबरदार, चौबदार ।

छतीस पवन—१. चारों धर्ण और उनके अंतर्गत आने वाली समस्त जातियाँ । २. संसार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१. मरहटों का राज्य स्थापित करने वाले घोरवर शिवाजी की उपाधि और विद्व । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

छात्राळा—अंसलमेर के भाटी शासकों का विद्व ।

जबादि जलहर—१ वह जलागार जिसके जल में कीड़ा या मंजब करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । ३ सुगंधित किये हुए जलागार में की जाने वाली स्नान-क्रिया ।

जमींदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जंगलधर—१. बीकानेर के राठोड़ राजाओं की उपाधि और विद्व । २. बीकानेर राज्य का आदर्श वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नांणो—जलालशाही खया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—डोली ।

जांशाऊ—१. भेड़िया, गुप्तचर । २. चतुर, चित्त ।

जाम—सौराष्ट्र के मवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त व्यक्ति ।

जोगणी—१. रण-विज्ञाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी भाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २. आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१. बड़ा योगी, योगीश्वर । २. राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर—योगीश्वर ।

जोसी—ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

झोंटोळियो—१. एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

झोटिंग—१. घने बालों वाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति व काल रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. खपा । २. दो पैसे (६० $\frac{1}{2}$) का सिक्का, रुपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टीकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युवराज । २. मुखिया, अधिकारी ।

ठकरांणी—१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलवान क्षत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा—१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर—१. ठाकुर, जागीरदार । २. कुलवान क्षत्री ।

ठाकुर—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण । ३. दे० ठाकर ।

ठाकुरजी—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) । २. श्रीकृष्ण ।

डावड़ी—१. जागीरदार की एक दासी । २. पुत्री ।

डोली—प्राह्मण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि ।

डोल विरावणो—प्राह्मण के समय सूचना देने और संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से डोल का बजवाना ।

डावी-पाव—राठों की पगड़ी का एक पेश ।

तपसी—तपस्वी साधु ।

तहड़-कूण—सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम ।

तुरक—मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम ।

तुरकाणी—१. तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य । २. मुसलमान स्त्री ।

थाळी-लाग—१. प्रति व्यक्ति कर । २. विवाहादि में थाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर ।

दलथंभण—जोधपुर के महाराजा गजसिंह का विश्व ।

दसमों सालगराम-गोकुलीनाथ—जालोर के प्रख्यात बीर राव काग्हड़दे सोनगरे का विश्व ।

दानेसर, दानेसवर—अभात नाम महादामो कुला पुत्र कर्ण (यसुदेव) का विश्व ।

दांम—पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के ६० १ के १६०० दाम होते थे) ।

-दीत—दं० दीत-प्राह्मण ।

दीत-प्राह्मण—चित्तौड़ के शासक सोसोदियों के पूर्वजों (धन शर्मा के दाद गोवर्सीदित्य से भोगादित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'प्रादित्य-प्राह्मण' उपाधि या श्रल ।

दीवाण—१. मेवाड़ के सोसोदिया शासकों (महाराजाओं) का पद और एक विश्व । (मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीहर्कलिंगजी और महाराजा उनके दीवान हैं) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान ।

दुगाणी—१. रुपये के तीवें भाग का एक पुराना सिक्का ।

२. व्याज की फलावट में गणित का एक साधन, दुरगाणी ।

दुगापचा (दुगाय माता)—ईंदाघाटी में दुगाय पर्वत पर की दुगर माता देवी । दुर्गा-पंचा नाम भी प्रसिद्ध है ।

देसोत—१. बेशपति, राजा । २. जागीरदार ।

देवचो, देवाचो—प्रतिज्ञा ।

धाड़वी, धाड़ायत, धाड़ायती, धाड़ेत, धाड़ेती—झाफ उालकर घन लूटने वाला व्यक्ति ।

- घाय-भाई—घा-भाई, बूध-भाई । स्तनपान कराने वाली धाय का पुत्र । २. धाय-भाई के यशनों की उपाधि ।
- घारेचो—विधवा का परपुरुष की पत्नी होकर रहना ।
- नकीब—राजा-बादशाहों के पट्टाभियेक होने, उनके राज-सभा में धाने तथा उनकी सचारी के समय विरद गान करने वाला सेवक ।
- नगारो दिराणो—आक्रमण के समय सूचना देने और धीरों का संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना ।
- नवाय—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि । २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक ।
- नव कोटी-मारवाड़—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य ।
- नव-सहस्रो—१. मारवाड़ राज्य के प्रसिद्ध राजा मासदेव का विरद । २. धीर राठौड़ क्षत्री ।
- नागदहा—नागदहा गांव में बसने के कारण मेवाड़ के सीहोदिया-शासकों का एक विरद ।
- नादेत-नीसारोत—जाचम के ब्राह्मण कल्याण के सांख्यों का विरद ।
- नेगी—नेंग लेने वाला व्यक्ति ।
- न्याळी—१. माखेट-गोष्ठी । शिकारियों की भोजन-गोष्ठी ।
- पचाथ कूरा—उत्तर और वायव्य के बीच की बिदा का नाम ।
- पटू—प्रतिभू, जामिन ।
- पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पर्व में रहने का सम्मान मिला हो ।
- पताई-रावळ—पावागढ (गुजरात) के धीर रावल यशवतसिंह का विरद ।
- परत-री-वेढ—शर्त की सहाई ।
- परधान—१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री । २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए कगड़े-बंटे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति ।
- पांडव—घोड़े का सईस ।
- पाइक—१. पर्वत सैनिक । २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक ।
- पाखा-देवली—१. राजा का परिबन्ध या परिग्रह । २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन ।
- पाटवी—१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज । २. जागीर का अधिकारी ।
- पाटोघर—पट्टाधिकारी, राजा ।
- पात—१. (दान दिये जाने के पात्र) धारण माट आदि । २. धारण ।
- पातर—१. राजाओं की गायिका । २. सपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या ।
- पातळ—जग-विषयात् महाराना धीरजिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम ।

पातसाह—वादशाह ।

पासवान—१. राजा का खास सेवक । २. राजा की एक रखेल स्त्री और उसका बर्जा ।

पिथोरो—१. अंतिम हिन्दू सम्राट् पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रुपया ।

पीथल—'क्रिसन रुकमणी री वेलि' के रचयिता प्रसिद्ध भक्त वीकानेर के राठीट् पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—दासी ।

पृथ्वीराज-उडणो—दे० उडणो-प्रवीराज ।

पेरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

प्रवाङ्मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा ।

२. दे० प्रसन्न प्रवाङ्-जैतवादी ।

प्रोलियो—द्वाशपास ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । २. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिपका ।

फरास—फराश ।

फरीधर, फरसीधर—परशुधर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

बंवाणी—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाभाज व्यक्ति ।

बगसी—बेतन यादने वाला अधिकारी, घसी ।

बलबंड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

बहुली-जोगणी—एक योमिनी ।

वा—१. तोराट्ट और गुजरात के राजबाहों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला ।

माग्गेथं-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

वाजारियो—१. एक मांस भोजन । २. वरात का एक विशेष भोजन-समारोह ।

वादशाह—हिन्दूतर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

वायड—नशा करने की तीव्र इच्छा ।

वायडियो—नशा करने की श्रावत वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

वारोटियो—१. लुटेरा । २. विद्रोही, बलवाखोर ।

- बीबी—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का सावित्र या फरजब होने के नाते साक्षनिक धर्म में मुसलमान शब्द का पर्याय ।
- वेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी ।
- ब्रह्मरिष, ब्रह्मरिष—ब्रह्मरिष ।
- भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—कपाट की भाँति अवरोध बनकर शत्रु को भागे नहीं बढने देकर देश की रक्षा करने वाले वीर योद्धाओं का विरद ।
- भड़-सखमसी—बिस्लीह के राना रतनसी के भाई सलमनसी का विरद ।
- भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की दिशा ।
- भांग-रा-हिमायचा—१. भांग से बना एक नशीला पदार्थ । २. भांग पीने की आदत वाला ।
- भूँछ लोग—१. धर्मनोति और राजरोति से अनभिज्ञ लोग । २. असभ्य लोग ।
- भोमियो—१. छोटी भूमि (खेतों) का स्वामी, जमींदार । २. बहूत ।
- मडलीक—१. देरावर के देहू, बूहड़ और गुणरग का विरद व उनकी उपाधि । २. मड-लीक राजा, मडलपति ।
- मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (अपने धर्म मुकाल हो जाने पर बापिस लौट आगे के इरादे से) अपने अरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी मुकाल वाले स्थान को जा रही हो । २. गरीब प्रजा ।
- मनसबदार—बादशाही राज्यकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी ।
- मलेछ, मळेछ—१. साक्षनिक धर्म में मुसलमान व्यक्ति । २. विधर्मी ।
- महमूदी—एक मोहम्मदी सिक्का ।
- महाजन—१. वैश्य, वनिक । २. धनी व्यक्ति । ३. श्रेष्ठ-गुरु ।
- महाराणा—मेवाड़ के शासकों की उपाधि ।
- महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम । २. राजा ।
- महाराज कँवार—पुवराज ।
- महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि ।
- महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सम्राट ।
- महावत—कीलवान ।
- मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के होला की पत्नी । २. मारवाड़ देश की स्त्री । ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक गीतों की नायिका ।
- मारवा-राव—मारवाड़ में से सौराष्ट्र को गय हुए गोहित सत्रियों का विरद ।
- मारु—१. मारवाड़ देश । २. मारवाड़ देश का निवासी (व. घ. मारवा, मारवा) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ४. दे० मारवणी ।

मालाणा—१. मारवाड़ के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन । २. मालानी प्रदेश का क्षत्री ।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अंतरंग लोग ।

मिरजा—१. मुगलों की एक उपाधि २. मीरजा ।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि । २. लक्ष्मणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि । २. घमीर ।

मुंहणोत—राय सीहरा के वंशज खेड़-पाटण के राठोड़ राय रायपाल के पुत्र मोहन के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके वंशजों की श्रोतपालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहनोत' बाला ।

मुंहता—१. 'मुंहणोत' का अपभ्रंश रूप । २. मोहताई या मुंहताई का पद । ३. ब्राह्मण और वैश्य आदि जातियों की एक श्रृंखला ।

मुसद्दी—राजकार्य में कुशल स्थिति का पद ।

मुंछाळो-मालदे—जालोर के राय कान्हूदे सोनगरा का भाई बीर मालदेव साधतसीओत का पिता ।

मूर्छा-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊँचे मधान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, श्रोत्री की शिकार । २. किसी काड़ी, जड़े या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार ।

मेछ—दे० मलेछ । ('मलेच्छ' का अपभ्रंश रूप । व. घ. मेछाण, मेछाइन, मेछायण)

मेळग—चारण ।

मेवाड़ो—१. ताक्षनिक धर्म में मेवाड़ के महाराजा का पर्याय । २. मेवाड़ का निवासी ।

मेवासी—विद्रोही बन कर लूट-मार करने वाला ।

मेवासी—मेवासियों का दुर्गम व क्षिण स्थान ।

मोटा-राजा—जोधपुर के राजा उदैसिंह की उपाधि या उपनाम । (क्षरीर में बहुत भारी और मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है ।)

मोदी—१. भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद । २. खाटा बाल आदि बेचने वाला बनिया ।

रठ-रावण—१. राजा इन्द्रवीर मोहिल का पिता । २. रावण के समान दृढ़ और हठी धीर का विशेषण । ('रठराण' इसका छोटा रूप है)

रवद—रौद्र लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय । (व. घ. रवदां, रववाण, रवदाइन, रवदायण, रवदायत, रवदाळ)

रसोईदार—रसोइया ।

रांणा—१. करण रावल के पुत्र राजा राहण से चली आ रही मेवाड़ के सीसोदियों की उपाधि । २. मारवाड़ के मालानी प्रान्त के गुड़ा और नगर के जागीरदारों की

उपाधि । ३. छापर-प्रोणपुर के मोहित शासकों की उपाधि । ४. राणा. राणा । (सं० राणाई)

राणी—१. रानी, राणी, राजा की पत्नी । २. राज्य की स्वामिनी ।

रा—कछु घोर सोरठ के शासकों की उपाधि । (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों की भी 'रा' उपाधि होती थी । दे० अणखीसर कूप की देवली का शिखरालेख, स० १३४० वि.)

राईतिन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग । २. राज्य वर्ग ।

राउ—दे० राव ।

राजलोक—१. अठ.पुर, रनियास । २. रानी । ३. रानियाँ ।

राजावी—१. राजघराने के व्यक्तियों की उपाधि । २. राजघराने का व्यक्ति ।

राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि । २. नृपति । (सं. राजाई)

राठी—एक जाति जो राज्य की बेगार निकालती है । बेगारी ।

रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुवर । २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक ।

राव—१. मारवाड़ के शुरु के कुछ राठौड शासकों की उपाधि । २ भाटों की उपाधि । ३. राजा । ४. सरदार । (सं० रावाई)

रावत—१. छोटे राजाओं की उपाधि । (सं० रावताई) २, भीस जाति ।

रावल—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि । २. रावल बाबा के पिता भोजादित्य से रावल करन की २९ पीढ़ी तक बिसौड के शासकों की उपाधि । ३. मारवाड़ के जसोल और सिएधरी भाबि मासानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि । ४. जूंगरपुर और दासबाहला (दासबाड़ा) के रावल बाह्य से शासकों की उपाधि ।

राहवेधी—दूरवेध ।

राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की सतान, रावणा लोग । (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहाँ ही रहने की व्यवस्था के कारण यह शब्द भी गई कहा जाता है)

रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिघ—१. हारीठ ऋषि । २ ऋषि ।

रुठी-राणी—१. राव मालदेव की रानी उमादे भटियाणी का स्वामिनी नाम ।

रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की दिशा का नाम ।

रौद—दे० रवद । (व. घ. रौदा, रौदाण, रौदाइल, रौदायल, रौदाळ)

रौद्र—दे० रवद । (व. व. रौद्रा, रौद्राइन, रौद्रायण, रौद्राळ)

लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरुद ।

२. राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ३. बहुत शीकीन ।

लसकरी—कामरा की उपाधि ।

लांघां-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की अश्वभुत धीरता का धीरे एक ही दिन में टोडा (जयपुर) छोड़ जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद्ध अथवा विशेषण ।

लागदार—कर वसूल करने वाला अधिकारी ।

लूटें-लूट-छसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा ।

बजीर—१. दासी पुत्र, गोला । २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी ।

बड़ कंधार—पूर्ण यौवनपत्नी कुमारी ।

बडारण—ऊँचे दल्ले वाली दासी ।

बरतियो—१. तांत्रिक । २. जैन जती ।

बसी, बसीवांन (बसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुपत होते हैं और जिन्हें विशेष सेवाएँ देनी होती हैं । २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं । ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गांव में बसने वाली प्रजा ।

बांकड़ो—राजा पृथ्वीराज कछवाहे के बेटे बलिभद्र का विश्व ।

बातपोस—राजाओं के मनोरंजनार्थ कहानियाँ और ख्यात-घातें सुनाने वाला अथवा हाँकारा देने वाला व्यक्ति ।

बावसू—१. गुप्तचर । २. वायुवेग के समान भाग कर सवर लाने वाला व्यक्ति ।

बाहग—१. गुप्तचर । २. दीक्षा करने वाला ।

बाहकू—पीछा करने वाला व्यक्ति ।

बाहाऊ—दे० बाहकू ।

बिचित्र—मुसलमान का लाक्षणिक पर्याय ।

बिजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा बिजयासिंह द्वारा प्रवर्तित एक रोम्य मुद्रा ।

बैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद ।

बैरायत—१. बैर का बबला लेने वाला व्यक्ति । २. बदला लेने की खोज में रहने वाला व्यक्ति ।

बोढो-रांवरण—दे० ओढो रांवरण ।

बोहरो—१. व्याज पर रुपये उधार देने वाला घणिक । २. एक मुसलमान जाति ।

घोडश-महादान—सूँम, आसन, जल, वस्त्र, दीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गंध, माला, फल, शय्या, पावुका, गी, सुवर्ण और चांदी—इन सोलह वस्तुओं का दान घोडश-महादान कहलाता है ।

श्रीठाकुरजी गोकलीनाथ—दे० इसमें साळगराम गोकलीनाथ ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भट्टियानी आदि किसी लोफदेवी का आवेश

होता हो । २ देव्यांशी स्त्री । ३ ज्योतिनी ।

सतधादी—वे० सत्यव्रत ।

सती—१ बानी । २ सत्यवादी । ३. पतिव्रता । ४ मृत पति की चिता के साथ जलन वाली स्त्री । ५ शोहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री ।

सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विरह ।

सर्मा—चित्तोड़ के शासकों के आदि पूज्य विजयपाल शर्मा से वन शर्मा की ५८ पीढ़ियों की शर्मा उपाधि ।

सवणी—शकुनी शकुन शास्त्री ।

सहेली—१ बानो का एक प्रकार । २ साधिका ।

सामधरमी—वे० सामभगत ।

सामभगत—स्वामीभगत ।

सावत—१ बीरो में प्रथम बीर सामत । २ ठाकुर, सरदार ।

सापुरस—भला भावमी ।

साह—१ प्रतिष्ठित व्यक्ति । २ बादशाह । ३ बुढ़ेलों के कुछ पुरुषों की उपाधि ।

साहणी—घोड़ों ॥ तबेले का बरोगा ।

साहिजादी—शाहजादी ।

साहिजाबो—शाहजाबा ।

सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी ।

सिद्धराव, सिधराव—जनहिलवाड़ा पाटन के शासक सोलकी जयसिंहदेव का विरह ।

सिरदार—१ राजपूत । २ जागीरदार, सरदार ।

सीसोदिया—डीसोवा गाँव में बसने के कारण मेशाह ॥ रानाओं की उपाधि ।

सुख—१ प्रेम, २ मेत भिलाप, ३ नैरीय ।

सुल्तान—१. बादशाह या नवाब की सुल्तान पदवी । २ बादशाह ।

सूत्रधार—वास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, वास्तुकमज ।

सेठ—बनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि ।

सेलहथ—१ बीर पुरुषों की एक उपाधि । २ माताधारी बीर पुरुष ।

सेसू—गुप्तचर ।

सोदागर—घोड़ों का व्यापारी ।

सोनइया, सोनइया—स्वर्ण मुद्रा, सोन का सिक्का ।

हलालखोर खासो—१ बादशाह का खास एतबारी नोकर ।

हामू—महाराजा हमीर का साहित्यिक नाम ।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी ।

हाली—कृषक के यहां हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर ।

हिंदवाणी—हिन्दू राज्य ।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार ।

हुड—मिठा, घेठा ।

हुरड़यनो—बिजयराव चूडाले के पुत्र बेघराज का बिरुद और उपनाम ।

हेठवांणी, हेठवांणियो—१. अधीन कर्मचारी । २. अधीन पुरुष, परवश पुरुष ।

हेरु—लोज करने वाला कर्मचारी ।



परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

अग
 अगज
 अगोभव
 अगोभ्रम
 असो
 अभिनमो
 अग्नी
 अतमज
 उत्त
 ऊत
 ओत
 कंधर
 कलोधर
 कुधर
 कुळधर
 कुळदीप
 कुळदीपक
 कुळपर
 कुळपारक
 कुळभाण
 कुळमड
 कुळमडण
 छावडो
 छावो
 जायो
 जोध
 जोघार

डावडो
 डीकरो
 तन
 तणे
 तयो
 बीकरो
 बव
 पाटोघर
 पुत्त
 पूंगडो
 पुत्त
 पैठ
 बेठो
 भ्रम
 रो
 ताडो
 बसघर
 बस
 बाळो
 सभ्रम
 साव
 सुजाव
 मुत्त
 मुतरण
 मुष
 मुवण

परिशिष्ट ५

ख्यात से प्रयुक्त पीत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

अभनमो
अभिनमो
कळोघर
कुळज
कुवो
पेट
पोतरी
पोतो
पोत्रो

बीजो
पीयो
वंसज
वंसोवर
संभ्रम
समोभ्रम
हर
हरो



परिशिष्ट ६

शुद्धि पत्र

पु. को. पं. मनुद

शुद्ध

१ १ ॥ वं० ॥

एक अक्षर-ग्रन्थवाची अपभ्रंश-परंपरा का मगल चिह्न, जो मारवाडी भाषा का बिलोडो (वर्णमाला) के आदि में लिखा पढ़ाया जाता है।

१ ७ इदना
१ २६ ब्राह्मण
२ ३ बलिषां
२ ५ रहि ने
२ ६ पटोला
२ ११ बेटो^{१२} हूं
३ १८ चीतोड
४ ३० म
५ ३ तपण
५ ६ भालावाली
६ ६ जसक
६ १५ धीरसर्मा
१० २० पीडा
११ २० देव राठासन
१२ २ अविषल
१२ ७ अधियो
१३ ६ महापनुं
१३ ६ धरांरी

इदना
ब्राह्मणों के
बलिषां
रहिनें
पटोला
बेटो हू^{१२}
चीतोड
मे
तपण
भालावाली
असकर
धीरसर्मा
पीडपां
देवी राठासन
अविषल
अधियो?
माहप नू
धरांरी

पृ० १४ और १५ में उल्लिखित 'अजंतो' के स्थान 'जंतोह' होना चाहिये।

१४ ६ डेरां सू
१४ ६ गढ-रोहै
१५ १७ खमणोर
१६ १ महियो
१६ २ डूगररा
१६ २३ महती
१६ २५ १

डेरां सू
गढरोहै
खमणोर
महियो
डूगर रा
बस्ती
ली

पृ. कॉ. पं. मगुद

मुद

- १७ २८ 'असंख प्रवाह-जंतघावी' (असंख युद्धों में विजयी) का विरुद्ध प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके चाप राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया ।
- १८ ७ पारवतीरे पावती रे
- १८ ६ 'सुनियो छे' के बाद पूर्ण-पिराम नहीं है ।
- १८ २७ अक्रमण आक्रमण
- १९ २ घर घर
- १९ २६ राज्यधिकारी राज्याधिकारी
- २२ पंक्ति १२ 'महेत' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '६ सगर' जोड़िये ।
- २२ २८ इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये—
17. आधा विपा । 18. जिससे । 19. अपनी । 20. सहायता की ।
- २३ १७ बोहीतो बोहीतो
- २३ २१ ऊपर कर छे^{१७}, ऊपर कर छे,
- २३ २७ १७ जंता का पुत्र १७ रूपसिंह, जंता के पुत्र देवीदास का बोहिता ।
- २४ २८ १६२६ १६३६
- २५ १५ ६ सबलसिंध १० सबलसिंध
- २५ १६ गांव ४ जालोररा कुरड़ासूं । गांव ४ जालोर रा कुरड़ा सूं दिया ।
दीया ।***दीयो बस ।
- २५ २७ घास के निमित्त जो गांव कुरड़ा सहित जालोर के ४ गांव दिये ।
वे उनमें से चार उसे दिये ।
- २७ ३१ सैंद मांलन सैंद मांलन
- २८ १३ काल काल
- २९ ४ मिलीयो मिलियो
- २९ ११ जागीर कीयो तागीर कियो
- २९ १२ नीमच नीमच
- २९ १३ देवलियारो गढ़ासिंध देवलिया री गढ़ासंध
- १९ २२ गांउ गांउ
- २९ २६ 10 जव 10 देवलिया के निकट
- ३० ७ मिलीया मिलिया
- ३० १२ काल कीयो काल कियो
- ३२ २३ पाल पाल
- ३४ २६ दरी दरी ।
- ३५ ३६ जावज जावर

पृ. क्र. प. प्रमुख

मुद्र

३६	१३ उदैपुर कोस छपनिया- राठोड़ीरो जतन छे	उदैपुर सूं कोस जतन छे
४०	२ दुरदास	दुरसबास (दुरेगा)
४०	१० मार सांछी	मारसां छां
४०	१८ पाघोर	पाघोर
४०	२० भोरड़ा	भोरड़ा
४१	५ घरदाड़ी	घरवाड़ी
४३	१८ सारंग दे सोतांरो	सारंगदेसोतां रो
४३	२८ महल मे	महल
४७	१ बसोल-कसोल	बसोल-कसोल
४७	६ लमणोर	लमणोर
४७	११/१२ मीरमी पट्ट नं	मीरमीपट्टनं
५०	१६ रतसीरो	रतनसी रो
५०	२८ जगमाल कां पुत्र	जगमाल के पुत्र कला की बेटी हाडी
५३	३६ देहुरं	देहुरं
५२	२२ कोसापल	कोसीपल
५३	२६ राघवदे	राघवदे
५४	२२ ऊपर ^{३६} बाय	ऊपरबाय ^{३६}
५४	३० ऊपर बाय=आक्रमण करने वालों से	ऊपर वालों से
५६	१ तरे	तरं
५६	१० पढती ही नं	नं पढती ही
५६	१६ दुठ	हठ
५७	१ चावडारा	चावड रा
५७	३ चावडारा	चावड रा
५७	२१ छट	छूट
५६	२ थाप लियो	थापलियो
५६	१० खूमाण	खूमाण
५६	२६ हडा	हाडा
६१	१६ वेठ नं कीजं	वेठ न कीजं
६१	१६ आग	आपं
६२	४ बालीसा	बालीसो
६३	४ वे घमरी	वेघम रो
६३	७ बाघारो	बाघारो
६४	१ बिसेरिया-चाकर	बिसोरियो-चाकर

पृ. क्रों	पं. श्रुद्ध	श्रुद्ध
६४	१५ पीया वालो बाळियो	पीया वालो गाम बाळियो
६४	१८ म्हां मारे	म्हां माहे
६५	१८ फिर संका	फिर सकां
६७	२१ पंचादण । रूपसीरो	पंचादण रूपसी रो
७०	१६ पछे सं	पछे सं ^६
७०	१७ रजुआत ^६	रजुआत
७१	२५ २ सत्कार	२ सत्कार होया
७१	२८ टिप्पणी सं० ८ और १० के बीच में सं० ९ इस प्रकार जोड़िये— '९ हम तुमको दोनों बातों में (जगहों में) नहीं रखेंगे ।'	
७१	२६ क्षपय	क्षपय करके
७३	२५ ४. प्रताप की घर में रखी हुई धनिये के शत्रो के गर्भ से	४. रावल प्रताप की खवास पया धनियाइन के गर्भ से
७४	६ बांसवारतारो	बांसवाहला रो
७४	६ 'मांहो-माह' के ऊपर सं० ९ लगाकर आगे की सभी संख्याओं को एक-एक बढ़ाकर पंक्ति २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम संख्या १८ को १९ समझे और टिप्पणी की अंतिम पंक्ति में 'गद्दी' पर स्थापन कर' के पहले सं० १६ लगाकर '१६ ननिहाल' को '१७ ननिहाल', '१७ महल' को '१८ महलों', और '१८ राज-करा' को १९. राज-कर पढ़िये ।	
७६	१८ मेल बीनो	मेलबीन्हो
७६	१६ डील	डील
७७	६ ऊभो मेलन	ऊभो मेलन
७८	१३ तेतसी	तेजसी
८०	२६ चौरासीमालिक	चौरासी मलिक
८०	२७ चौरासी मालिक	चौरासी मलिक
८१	१८ बीठ	बीठो
८१	१९ डगरपुर	डूंगरपुर
८१	१३ कहेक	केहेक
८२	१० डूंगरसूँघणी	डूंगर सूँ घणी
८३	६ घरां	घरां
८३	२० दया	दिया
८४	८ उवेचकिया	उवे चकिया
८४	२३ घर	घर
८५	१६ तासु	ता सु
८६	५ ठाड़	ठोड़

पृ. कां. प. अनुद

गुद

८७	१४ कुलसिध	कुलसिधगु
८७	१८ भलेरो	भलेरो
८७	२५ पोन	पोन कोस मे
८७	२७ की घोर	पूर्व दिशा की घोर
८७	२४ गडा }	गडासंघ
८८	१ संघ }	
८८	६ बडो इतवार	बडो इतवार
९१	४ तठ	तठ
९२	४ ईनारि	इनारि
७५	१ बलाया	बलाया
९६	८ नाहररो	नरहर रो
९९	२१ बराहरा	बराहरा को
९९	२५ तय रहने के लिये	जहाँ रहने के लिये
९९	२५ भविष्य	भविष्य की
९९	२९ घरकी घोड़े	घेराकी घोड़े
१००	६ घोडा	घोडा
१०१	१७ ६ जब	६ जबहु
१०३	१३ कह्यो	कह्यो
१०३	२९ सी बरस पोहँचे मर जाना	सी बरस पोहँच=मर जाय
१०४	१३ भाव नहीं	भाव नहीं
१०४	२८ करमेती तो भेजने के लिये तैयार है परंतु सूरजमल जाने नहीं देता	ये तो बहुत ही (पुनी से) आ जायें परंतु सूरजमल जाने नहीं देता
१०५	५ मोडारो बारहठ	मोडाँ रो बारहठ
१०६	२ लाख के विवा किया	लाख पसाव के विवा किया
१०६	= 'सुहाणी नहीं' पर सं० ७ पढ़िये । पंक्ति ९ में 'कुमया करे छे' पर ८ घोर 'कातू बीठो ?' ७. इसी प्रकार सब में एक-एक बढ़ाकर प० २२ में 'पात' पर सभी सं० १५ को १६ पढ़िये । पंक्ति २९ में '१६ बारस' जोड़िये ।	
१०६	१६ लखपसाव	लाख पसाव
१०७	२७ १३ ऊँचे वृक्ष पर मचान बांधकर किया जाने वाला शिकार ।	
१०८	६ रांणो कह्यो	रांण कह्यो
११०	२० आंतरवो	आंतरवो
११३	२ भाखरके	भाखर के
११३	३ भाखरवाळारो	भाखर घळा रो
११३	६ बाघ-बाड़ी	बाग-बाड़ी

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध	शुद्ध
११३ १६ खोचियां रो । उत्तन	खोचियां रो उत्तन
११३ १८ घुंडवांणरा	गुंडवांण रो
११३ २६ 19 मऊसे । 20 कोस पर घूलकोट	19 मऊ से ७ कोस पर घूलकोट...
११३ २८ 21 गुंडगांव ।	20 गुंडवान ।
११३ २९ 22 यही ।	21 यही । 22 नीचे ।
११४ १३ नांन	नांस
११४ २६ सेवज	सेंभज
११४ १५ खातलेड़ी	खातालेड़ी
११५ १५ भील चक्रसेणी	भील चक्रसेण
११५ १७ बाघरी	बाघ री
११५ २६ 11 जिसको भील***करलिया	11 'भारली' एक गांव का नाम है ।
११५ २७ बाघकी	बाघ की
११५ २८ 13 बीनों	13 'वेहु' एक गांव का नाम है ।
११६ १० जीलवाड़ी	जीलवाड़ी
११८ ५ बीहू पना	बीहू पना
११६ २१ धावं	धावं
१२० २ तापिया	तपिया
१२२ शीर्षक अत	अप
१२२ ३ सुणियो छैं । बिलगनूं	सुणियो छैं बिलगनूं
१२२ १५ मित्रावरण	मित्रावरण
१२३ १६ रोहड़ी	रोहड़ी
१२४ १६ कुंतरी	कुंतल री
१२४ २७ कुंतकी	कुंतल की
१२५ २२ 'दुरात्मा यावशाह के' आगे की समस्त टिप्पणी का मंदिर पृ. १२६ की टिप्पणी है ।	
१२६ ६ बूह	बूठ
१२७ ४ जगहरी	जतहर री
१२७ ६ राठ	राठ
१३१ २४ चंपराय	चंपतराय
१३४ १५ बलाई	बलाइ
१३५ २ ७ १४ कीतू	१४ कीतू ^६
१३५ २५ 1 सोभा और सरणुवा दोनों पहाड़ों के बीच में ।	1 सोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खंभ में छातू से १० कोस पर नया शहर बसाया ।
१३६ २१ बगतरी	बगतरी

पृ. क्रॉ. प. अनुद्ध

शुद्ध

१३८	६ पडा	पडो
१३८	१५ शोठो	शोठो
१३९	२९ विनय	विनय से
१४१	१६ वरकसो	वरकसो
१४१	१९ सूळ	सूल
१४१	२१ सूळ	सूल
१४१	२९ दिया	दिछवाया
१४३	३ रणघोरोत	रणघोरोत
१४३	१२ बाहमेर	बाहमेर
१४४	२ कोई -	काई
१४६	१६ कह्यो	कह्यो
१५०	१५ सीसोदिया	सीसोदियो
१५१	२ तिसाण	तिसाणो
१५५	११ रावला घरां मांहे	रावला घरां मांहे
१५५	२२ लेकिन दिन या	लेकिन बीधन के दिन होय थे
१५८	९ ऊयो लसारी	ऊयो लसारी
१५८	२८ रावत सेकावत	रावत सेकावत
१६०	२६ नवसरा	नवसरो
१६१	२१ कुळपाणे	कुळपाणे
१६४	२५ तिसाणरो	तिसाणा रो
१७०	९ चौबोळ एकलवा वर	चौबो एकल बाड़ वर
१७०	१० छाळ	छाळा
१७०	१ छूट	छूट
१७१	३ हा कलियो	हाकलियो
१७१	शुरूकी वार पक्षियों वाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की प्रतिक्रिया में।	
१७२	२३ ये ही राव	ये भी राव
१७३	१२ भोररा	भोरा रा
१७४	२१ सीधणोतो	सीधणोतो
१७५	१ ३ उडवायिडो	उडवायिडो
१७६	१ १५ भोररा	भोरा रा
१७६	२ १४ प्रकैली	प्रकैली

पृ० सं० १७६ के आगे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ संख्याएँ गलत हैं, अतः इन नौ पृष्ठों में सभी पृष्ठ संख्याओं को दो दो कम करके ठीक कर लें।

पू. कों. पं अशुद्ध

शुद्ध

पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं । दुबारा वाली १८५ और १८६ संख्याएं यथाक्रम हैं ।

१७८ १	१ धागड़ियो । देवदारो उत्तन	१ धागड़ियां-देवड़ां रो उत्तन
१७९ २	२२ ग्रहिचावो	ग्रहिचावो
१८० १	४ ग्रहिचावो खरवा	ग्रहिचावो खुरव
१८० १	१३ ओठवाड़िया । चारखारो	ओठवाड़ियो चारणां रो
१८० १	१४-१५ कासघरा ।	कासघरा भववाड़िया खीयराख नूं
	घघवाड़िया । खीयराजनूं	
१८२	२७ खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख दीं ।	खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख दीं ।
१८४	२० असंभव	संभव
१८४	२८ टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये— 'सिरोही के टीकायतों की वंशावली के कवित्त-श्लेष आसिया माला के कहे हुए ।'	
१८६	२८ १३ जोरावर ।	१३ १. जोरावर । २. चौहान-जत्री
१८७	२० दूठ	दूठ
१९०	१९ कीकम्म	कीकम्म
१९१	२५ महारोर वै	महा रोरव
१९२	१८ बएहि	बरगह
१९२	२२ पनोसीह पळिरो	पनो सीहपळ रो
१९२	२७ विरुद्ध	विरुद्ध
१९३	१४ बळी	बळी
१९३	२२ चांपा सीपली	चांपा सीपल
१९३	२७ सिवाने	सिवाना
१९४	१३ रेवई	रेवतई
१९८	५ छांडे नै	छाडनै
१९८	२६ नागा के	नगा के
१९९	२१ जोगोदास	जोगीदास
२०१	७ विससरो	विसळरो
२०४	९ गढ़रो है । जाल्लोर रें	गढ़रोहै जाल्लोर रें
२०५	२६ मेघो	मेघो
२१७	७ कहिया तासु	कहिया ता सु
२१७	१६ जें	जे
२१९	१४ मोरगभरु	मोर गाभरु
२२०	१ रावळीजी	रावळजी

पृ. क्रों. पं. मनुख	घुड
२२० ३ रावळीजी	रावळीजी
२२० ८ सूळ	सूस
२२० १६ धापे	धापे
२२१ १० बरवर	बराबर
२२२ १४ रांण	रांण
२२४ १७ १ तिलमण सोमत	१ तिलमण सोमत
२२७ ८ बड़	बंड
२२७ २१ महता	महुता
२३० २१ मोहळ	मोहल
२३१ ५ लि	रिष
२३१ १८ भारवर	भासर
२३२ ३ खैवरीकी	खैवरी की
२३४ १४ बिहानू	बिहारी नू
२३७ २३ कांगहसिध जंतसीघोतरं	कांगह, सिध जंतसीघोतरं
२४० १ सम्भाड़ी	सम्भाणो
२४० १६ समो	समो
२४० २१ समो	समो
२४१ ६ भारवर	भासर
२४३ २३ भीवा का बेटा राणा का	भीवा का बेटा राणा
२४५ ११ लोडां खीसू धांध	लोडां खी सूधांध
२४५ २२ टिप्पणी सं० १४ इस प्रकार पढ़िये— इनका निवास आलींद परगने का सेना एक छोटा सा परगमा है ।	
२४६ ४ तासु	ता सु
२४६ ७ निपठ	निपट
२४६ १३ बाहर	बाहर
२४७ २ १७ नवमण	नवमण
२४६ २७ जंतमास की बेटो की	जंतमास की बेटो पत्नी की
२५० २ खेड़ो	खेटी
२५० १३ मांणकरा व	मांणकराव
२५१ १३ आहूत	आयत
२५३ ६ परि हा हा संके	परिहाहा संके
२५६ १० साध रेने खीचियां	साधरे ने खीचिया
२५६ १६ धारसां	धारसां
२५८ १० धावरने	धावर ने

पृ. क्र. पं. अनुच्छेद	शुद्ध
२६० ६ तिणनू	तिणनू
२६१ २८ घोस घबें तक करण	बीस घबें तक लघु करण (करण-गोहसो)
२६५ ८ घडो	घडो
२६५ १६ घूंक लियो	घूंकलियो
२७१ ४ पाटस	पाटण
२७२ १ प्रियोरो रूप	प्रियो बेर रो रूप
२७२ १२ उभरणी	उभरणी
२७२ १७ ठाणियो	ठाणियो
२७३ ५१ देवताए	देवताआं
२७५ ४ पाछें	पछें
२७६ २२ घडा	घडो
२७७ ९ मुगळे	मुगल
२७७ ६ सिधपुरयो कोस ११ बिदसरोबर	सिधपुर यी कोस १० [आधो] बिदसरोबर
२७८ ६ बलूहुळ	बलू हुस
२८२ १७ गाडियो समूह	गाडियों का समूह
२८३ १७ तरें सो नगहरखान	तरें सो॥ माहरखान
२८४ १७ हणेसो रायमल	हणे सो॥ रायमल
२८६ २१ राणो आय पने लागो	राणो आय पने लागो
२८७ १ २४ सणामु	सरवामु
२८७ १ २५ बहवय	बूहवय
२८८ १ १४ संघदीप	संघदीप
२८८ २ ११ प्रछेमघन्वा	प्रछेमघन्वा
२८९ १ ५ बयवर्य	बूहवर्य
२८९ १ १८ अंतरिख्य	अंतरिख्य
२८९ १ २२ वरदी	वरही
२८९ १ २४ रांणकराय	रांणकराय
२८९ १ २५ सजोसराय	सुजसराय
२८९ २ २ सुघोन	सुघोन
२९० २ २ जानरदेव	जानरदेव
२९० २ ३३ 'चत्रभुज' और 'भीलो' के बीच 'रांमसिध, कल्याण, प्रतापसिध और रूपसो' ये चार नाम घोर हैं ।	
२९० २५ भीवसो, राजा बी भासरे हुषो	भीवसो, राजा भास २ हुषो,
२९० २७ इलहदेवने अपने तुंबरको म्हालिमर दे दिया ।	इलहदेव ने अपने भासने तुंबर को ग्वा- लियर दे दिया ।

पु	कौ	पं.	अनुच्छेद	मुद्र
२६१	१	५	सत्हेदी	सत्हेदी
२६३	१८		भोजारी	भोज री
२६६	२५		सिधब्रह्मा	सिधब्रह्म
३००	११		हंदायल	हंदा
३०१	२१		राज भगनाथ	राजा भगनाथ
३०२	६		मुदडा	मुहडा
३०२	७		सत्तहजी	सत्तेहदी
३०७	१	१५	सदायण माहि	सदाया माहि
३१०	२	२४	राजरै	राजा रै
३१३	१	१२	मोहारि	मोहारी
३१४	२७		रामके	राम ने
३१५	२	११	२३ ब्रह्मो ४। सुरजनरा ।	१ २३ ब्रह्मो । १ २४ सुरजन राव ।
३१६	१	१५	बाघवत	बाघावत
३१७	२	१०	मारियो २ । रतने	मारियो ।
		११	बासावतरा	१८ रतनी बासावत ।
३१८	२	१६	मनोहरपुर गांव	मनोहरपुर रं गांव
३१८	३०		तकिया मनोहरपुर के निकट पहाड़ी पर बना हुआ है ।	तकिया मनोहरपुर के सासा गांव में पहाड़ी पर बना हुआ है ।
३१९	१	१८	बंठास	बगस
३१९	२४		धमरपुर	धमरसर
३२०	१	१४	जैतसिध अग्रसेनारी	जैतसिध अग्रसेन रो
३२०	२९		रसायलने	रायसल ने
३२३	२६		खोह	खोहरी
३२४	प्रतिम		तब ब्राह्मपुरा पट्टे में दिया था । इसकी मा स्वालख की (नागौर परगना की) जाटनी था ।	तब ब्राह्मपुरा पट्टे में दिया था । बलभद्र नारायणबख्शोल दयाया तब उसने मारा । इसकी मा स्वालख की (नागौर परगना की) जाटनी थी ।
३२०	१	७	बटा	बेटा
३३५	८		मारवारो	मारवा रो
३३६	२६		धी	धा
३४६	२	१७	घावे	घावे
३४९	३		घररा	घर रा
३४९	१८		घापीसर	सापीसर
३४९	२४		लना नहीं आता	लेना बाद नहीं आता

पृ. क्रों.	पं. अनुद	शुद्ध
३५०	१ मेराज	मेहराज
३५०	४ हं मेराजनूं मराहस हेवं कटक खांचियो ।	हं मेहराज नूं मराहस । हेवं कटक खांचियो ।
३५०	६ बोलाऊ	बाहाऊ
३५०	६ सोना- १० तरा देना कबूल किया ।	सो नातरा देना कबूल किया ।
३५०	११ जांभवा घोड़ेरो गुड़ी	जांभ बाघोई रो गुढो
३५०	१६ सोबत	सोबत
३५१	१२ हरभमटी	हरभम ही
३५१	१३ मार	मोर
३५१	१६ भिकूं फोहर करमसियोत मारियो	बीकूँकोहर केहर करमसीओत मारियो
३५२	८ राघो	राघो
३५३	१३ खंणोचा	खंणेचा
३५५	१ २२ घोष,	घांघो
३५७	२० तेगियां, तिलक	तेगियां-तिलक
३५६	२ १० गांगारा	गांगा रो
३५६	२ १३ टोर्क	टोर्क
३५६	२ २० दासात मारियो	दासोत मारियो
३६०	१ १३ ऊदो हमीररो हमीर, १४ यिरो अबतारवेरो ।	ऊदो हमीर रो । हमीर पिरा रो । यिरो अबतारवे रो ।
३६०	२७ हमीर और यिरा अबतार- वे के बंटे ।	हमीर यिरा का और यिरा अबतारवे का ।
३६५	६ पाकररी	पारकर री

भाग २

१	११ बैसणा	बैसण रा
१ २	२२ पीरोजशाह	पीरोसाह
२ २	७ रूपसी, जैसलमेर गांवका छं ।	रूपसी, जैसलमेर रं गांव काछें ।
२ २	१० सरगो	ऊगो
२	२५ जैसलमेर	जैसलमेर
३ २	२ रावल राजरा पोतरा	रावल मूलराज रा पोतरा
३	२० ताणुकोट	तणूकोट
४	२ खालनांरी	खालतां री

पू का प शुद्ध

शुद्ध

४	५ भूरो	भूरो
४	११ वासणीपो	वासणीपो
४	१७ मालगडो	मालगडो (मालगडो)
४	१८ टीवरियाळो	टावरियाळो
४	२१ १ कीलो डूगर । १ खवासरो	१ काळो डूगर । १ खवास रो गांव
४	२२ १ गजिया गांव ।	१ गजियो ।
४	२४ उनावा	उनाव
५	११ पुळाया	पूळिया
५	१४ मुहारारै	मुहार रै
५	१६ भोग घाबै	भोग घाबै
६	१२ नगरडो	नेगरडो
६	१३ धारम	धारम
६	१७ भूग कामळारो	भुगकमळां रो
६	१७ बहोसतोव	बहो सत्ता रो (?)
६	२० समत १७००	समत १७२०
७	८ घ० १५०००)	घ० १५००)
७	९ बावरा करी	बाव रा करि
७	२४ लिखी जाने वासी	ली जान वासी
८	७ घ० ३१००)	घ० ३१०००) रो ठोड
८	९ म० २०००)	म० २००००)
८	१० म० १०००)	म० १००००)
८	१५ मुहार	मुहार
८	१६ खडाळा	खडाळ
८	१८ विसै	विसी
८	२० खाडर	खाडाळ
१०	१ १५ अभाहरिया	अभोहरिया
१०	२८ बीहाडा	बीठाडा
११	१ बीभोतो	बीभोतो
११	२३ बाप	बाप
११	२६ नामोंकी शाखाए	नामों की इतनी शाखाए
१२	१ बापसू	बाप सू
१२	४ बाप । बायडू	बाप । बायडी
१२	१५ नीबलायां	नीबाळिया
१२	१६ भूका	भूसा
१२	१४ पोहडा	पोहडा रा

पू. काँ. पं. अनुद्ध

शुद्ध

१३	१ नाहवार	नहवर
१३	५ माळो	माळी
१३	१२ बोलायो छे	बगळियो छे (बळियो छे)
१४	१ मारण	मारणा
१५	२ लसल	लैसळ
१६	१० भणछ	भरवछ
१७	२ ३ लणोट	लणोट
१७	२६ ह फकर	कह कर
१८	४ विलैरावनूं	विलैराव तूं
१८	६ घरहाहा	वरिहाहा
१६	१२ घरहाहांरा	वरिहाहां रा
१६	२८ घरहाहांरी	वरिहाहां री
१६	२६ भाइयों ने पंक्ति में से	भाइयों ने रतन को पंक्ति में से
२५	२७ सांघ	सांघ
२६	२४ सब अपनी श्रमसे इतितक	सब अपनी बात श्रम से इति तक
३१	३ घाघसूता	घाघसू ता
३६	१० ऊपाई	ऊ पाई
३७	५ सहस बीस हण सुवग सह ढोलां सम चलत	सहस बीस साहण सुवंग सह ढोलां सम चालत
३७	८ जळ हण	जळहळ
३८	{ १६ घणो } { १७ सारख }	घणो सारख
३६	२ १४ तेजसी बढो	नैतसी बढो
३६	२१ राखळ लखसेन	राखळ लखणसेन
४१	१ तिसींगडी गांधरे	सु तिसींगडी गांव रे
४१	२ नीसरिया	नीसरिया
४२	१३ मंडळ परे	मंडळप रे
४२	१७ सोनगरी सेम्बवाळो	सोनगरी रो सेम्बवाळो
४३	१६ घातण सागी	घातण लागी
४४	१३ कंवरी सत्र	कंवरां-सत्र
४६	१ सिघारं	सिघारं
४६	२ तरं कोडी	तेरं कोडी
४६	१७ रमण घणी	रमण री घणी
५१	१७ उबार राखो ^२	उबार राखो ^{२४}
५१	२३ छाट में लेकर निकल गया	छाट में डाल और लेकर निकल गया

पृ. क्रॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

५१	२७	तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे	२८ तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे
५३	२७	घरतीको लौट आया	घरती को लौटा आया
५४	२०	धांसायी	धांसा यी
५४	२०	घोड़ा रो	घोड़ा रो
५६	२४	हाथी की	हाथी का
५६	२५	होने की	होने की
५८	१६	सातल सोह हमीर बे	सातल सोम हमीर बे
६७	१३	क्यारा हीरा	क्याराही रा
६७	२६	घड़सोने नमाज पड़ते हुए	घड़सी, नमाज पड़ते हुए
६७	३०	तलवार से तिर	तलवार से जतका तिर
६६	११	जुवाहरा	जु चाहरा
७०	३	लगन	सुंणन
७१	७	मुकालब (बल)	मुकालब
७२	८	बरगाहस	बरगाह सू
७४	१४	जोगी	जोगी
७६	१८	केहरो	केहर रो
८०	२६	बे ।।	बेटा
८१	१८	बागारा	बागा रो
८७	१०	एकवर	एकर (एक बार)
८६	१६	सोभत	सोभत
८२	१७	रोहीतो	रोहीतो
८४	४	तपियो	तपियो
८६	१	२५ पाखसी	पाखसी
८७	१	७ सलीब	सीसब
८७	२२	लोळबेकी	लीसबे की
८८	१	१३ रावळ कसारी बेटो	रामकधर रावळ कसा रो बेटो
८८	२५	बेटो भीमने	बेटो रामकंधरि की भीम ने
१०३	२८	टोहिमा	टोहिमा
११६	१३	धणो	धणी
११७	१६	मघो	मोच
१२६	३	सामीदास	सामदास
१३२	७	बलू	बलू
१३७	८	धाघ	धाघो
१३६	२७	कान्ह मानसिह का बेटा	मानसिह कान्ह का बेटा
१४०	१७	बुयरो	बुधरो

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

१४०	२० टोफो	ढीको
१४२	२२ मेल्नरो	मेळू रो
१४३	३ आको	घको
१४५	२ जोगी	जोगो
१४५	३ हमीरार	हमीर रा
१४८	१ रूपसोयात	रूपसोश्रीत
१५१	२० रायमत राणावत	रायमल राणावत
१५६	२२ सिघल्लोंके	सौघल्लों के
१५६	१० अजळवास	अचळवास
१६३	२८ फलोधीम	फलोधी में
१७२	१५ बुलढो	बुरवढो
१७३	२८ गांव दे दिया था ।	गांव दिया था
१७७	२६ बिहू	चिहू
२१३	६ म्हेजांमनू	म्हे जांम नूं
२१५	१७ आहूर	आहूठ
२१५	१६ सुतन बंभ बंस सम मीठजै,	सुतन बंभ बंस सम मीठिजै माल सुत,
२१५	२३ हेतुवां अलेखें खेंग देखें गहर वढो,	हेतुवां अलेखें खेंग वे खेंग हर,
	२४ लोहड़ा बटम आंक बळियो ॥४॥	वढो लोहड़ा बटम आंक बळियो ॥४॥
२१६	१७ बाघांलूं	बोघां लूं
२१६	२० भाद्रसर	भाद्रसर
२१६	२५ २० नाम पर । भाद्रसरको	१० नाम पर । ११ भाद्रसर को
२१७	२२ जुजु जाइ (?)	जु जाइ,
२-०	१३ मांडो	माडां
२२०	२० जेठवो, भीम, काठी, हातो,	जेठवो भीम, काठी हातो, बाडेल भांण
	बाडेल, भांण	
२२१	१५ बोणोव	बोणोव
२२२	६ आयी	आयो
२३१	२३ डिप्पणी ६ इस प्रकार पड़िये—	
	जिस फूल से वाड़ी सुगन्धित थी, वह सिधा गया है । हे जाळा महाराण !	
	तेरे बिना अब वह सिध सूनी है, तू लोट आ ।	
२३५	८ घाळ	बाळ
२३६	२ तिण ऊनडरै	तिण सभ ऊनडरै
२३६	१३ तो सत वोले छे	ऊ तो सत तोले छे
२४१	१७ मांगी	मांग

पू. काँ. प. भशुद्ध -

शुद्ध

२४२	२०	सिपुरी साईयाँ	सिधु रोसाईयाँ
२४४		शोयंक जसा थवळोत	जसा हरथवळोत
२४८	१२	आणी	अणी
२५२	२६	दात्रदल	दात्रदल
२५३	१६	आया । तळाव	आया तळाव
२६४	१	४ गोमळियावास	गोमळियावास
२७६	२७	मोहिलों को	मोहिलों को
२८५	१६-२६	टिप्पणी तनुकृत समर्थे पू २८४	मैं आ चुकी है ।
२९६	१२	आपने	आपने
३०४	१६	वीरमजी	वीरमजी
३०८	३०	भारा=घासका बड़ा भार,	भारा=घास का एक परिमाण
		बड़ल	
३११	८	आपन	आपने
३१५	१४	हुसी	हुसी
३१७	२७	ऐसी चली कि । उस स्त्रीको	ऐसी चली कि उस स्त्री को
३१९	१६	ढाढ	ढाढी
३२३	५	ऊठे	ऊठे
३२३	१०	गोपाजीने	गोपादेजी ने
३२६	२६	बठलाया	बिठलाया
३२५	१२	घोडारी	घोड़ा री
३३६	२३	चूडाजीन	चूडाजी ने
३४२	१७	जोध	जोधे

भाग ३

५	१२	विचारयो	विचारियो
८	१४	वित्तिसि	वित्तिसी
११	७	पहीडो	पहीडो
१४	२५	बशमास	बशमास
२१	१५	बटो	बेटो
३३	१४	मात्रे हीसूँ	मात्रेही सू
३४	१०	देवरों	देवरान रों
३६	१६	कान्हा	कन्हां
५६	२६	बवशाह	बावशाह

पृ. काँ. पं. अनुसू

शुद्ध

६०	१० अनिर	अनिर
६०	१७ घोरो	घोरी
६१	११ पावूजी	पावूजी
६२	१३ संकळपो	संकळपी
६२	१६ तेंरो	तेंरी
६३	१७ आदमी	आदमी
६४	२० लेणो	लेणी
७५	८ बीमाह	बीमाह
७६	११ जीवें	जीवें
८२	२ बोलाडें	बोलाडें
८२	१३ ससक	ससक
८४	१७ फह्यी	फह्यो
१०३	२६ महने	हमने
१२१	२ भी हांडी चाटी	भली हांडी चाटी
१२१	१२ बीडो जाडियें जे	बीडो—जा डियें, जे
१२१	१७ भोमता मानो, न छे	भो मता मानो, न छे ?
१२१	१६ धिक्कार हे रे भावेवाला !	धिक्कार रे भावेवाला !
१२१	२० अच्यो हुंडिया चाटी रे !	अच्यो हुंडिया चाटी !
१२१	२४ निकला	निकला
१३२	१ रिणघोरजी	रिणघोरजी
१३२	११ सोनगरान	सोनगरा नूं
१३५	६ सीमरे	तो मरें
१४४	१२ तहरा	ताहरा
१४४	{ १३ आब, माचे १४ पण सुय ।	आब, माचे सुय ।
१५६	५ इण सौको	इणसी को
१६६	७ रडवांघण	रड रांघण
१७३	२३ खेड्या	खेड्या
१७८	१ २० अजमंजस	अजमंजस
१७६	१ २३ वृहव्वल	वृहव्वल
२०१	२८ दूठ गये अ राजा	दूठ गये और राजा
२०७	३२ प्रकाशित ह	प्रकाशित हो
२०८	१ ६ नाहेणसिघजी	मोहणसिघजी
२२६	२५ फणाखा	फाणाखा
२२६	१३ घांघूसर	घांघूसर

पृ. क्र. पं. पद्य	शुद्ध
२३१ ७ भेणारोतं	भेणारो रो
२३३ १ पङ्क्तिहारोरो	पङ्क्तिहारा रो
२३६ १४ सज्जन	साज्जन
२४१ ७ विगोवो	विगोवो
२४७ २६-२७ कुवर पृथ्वीराजने ... लड़ाई लड़ी ।	राणा रायमल के वे पृथ्वीराज से लड़ी लड़ाई लड़ी ।
२४८ १५ दीघ	दीघी
२५५ १३ बहेलवो	बहेलव
२५६ २० गोयामणाके	गोयाणा के
२६५ ४ मल्लंभीरं	मेलंभी रं
२७७ ४ धन तीरथ	धन तीरथ
२७७ १२ धिन्न (?) तीर्थ	धन तीर्थ
२८८ १० दपिय	दपियों
२८८ २५ सगतावत	सांगायत
२९३ ६ गोळिदैसं	गोळियै सूं

भाग ४

नामानुक्रमणिका

३ २ ५ सावत सोत	सावतसोस्रोत
४ १ २६ अङ्गमास	अङ्गमास
४ २ २५ अनुदध	अनुदध
५ १ १६ विघो रो	विघोरो
७ १ ११ भांवा	भांवा
७ १ ३० आपमलसूरा रो	आपमल सूरा रो
१३ १ १६ स.	सों.
१३ २ १६ करमसा	करमसी
१५ १ १५ कश्यप	कश्यप
१५ २ ११ ४०, ४१, ४२	कान्हूदे रावल क्र. ४०, ४१, ४२
१६ १ २३ कहो	केल्हो
२० २ २४ खात खानो	खानखानो
२४ २ २६ गोपादासल	गोपालदास
२५ १ २३ म के पहले 'बू'	
३७ १ ३४ घरही	घरहो
२७ २ १४ चावसे	चावसेह

शुद्ध

जैभ्रम

दूवा

दळपत

धुंधलियो

गोदारो

भोजावित्त

भोपत

बोड़ा रो

वरजांगदे

घाघो

घोवो राध

घोरमदेय, राध

सुरय

वालीसो

सरसिध

पुख

वीकानेरी

रामकंवर

महासिध री रांणी

सोढी

ती.

पूहड़ी

घणोली

जांभोरो वांभणां रो

तिलायली

मेरवाडो वडो

घाणेर-रो-घाटो

मगरा

नींबलियो

याली-साय

मऊ (कुष्काल पोड़ित-प्रजा)

गोमादेजी

चंद्र

३५ २ २ २ २ २

३६ २ २ २ २ २

४१ १ २ २ २ २

४६ १ २ २ २ २

५२ १ २ ४ गोदा रो

६३ १ १ ३ भोजा वत्त

६३ २ १ भोपत

७७ २ २ २ २ २ के पहले 'बू'

८१ १ १ ४ घोड़ी

८४ १ २ ६ वतजांगदे

८५ २ १ १ घाघो

८८ १ २ २ घोवो राध

८९ १ ८ घोरमदे राध

१०१ २ ३ ५ सुरय

१०२ २ २ १ वालासो

१०३ १ १ ३ सरसिध

१०९ ७ पुख

११४ २ ५ वीकानेरी

११५ २ ३ रामकंवर

११५ २ १ ९ महासिध री रांणी

११७ १ ६ सोढी

१२० १ ८ ती.

१२७ २ २ २ पूहड़ी

१२९ २ ३ २ घणोली

१३२ २ १ ५ जांभोरो

१३६ २ १ ३ तिलायली

१५२ १ ७ मेरवाडो वडो

२६७ २ ७ घाणेर-रो-घाटो

१६८ २ ३ २ मगरा

१६८ २ ३ ३ नींबलियो

१७५ १ २ १ याली साय

१७७ २ ७ मऊ-कुष्काल (पोड़ित प्रजा)

१८२ २ ३ २ गोमादेजी

१८३ १ १० चंद्र

पू. कों. प. अशुद्ध

शुद्ध

पद विरुदादि

१६५	१ धीरगजेय रा विद्व	धीरगजेय का विद्व
१६५	६ इद्र	इद्र
१६६	२७ काल	काले
२०७	३ जलन	जलने

शुद्धि पत्र

२१० १	१ अभनमो	अभनमो
२११ २	२ मारवाडो भापा का	मारवाडो भापा की
२१५ १	७ बडो इतबाव	बडो इतबाव
२१५ २	१ कुसळसिघ	कुसळसिघ
२१७ २	१५ महा रोरव	महा रोरव
२२४ २	२७ सेभवाळो	सेभवाळो

भूमिका

३	१ ऐतिहासिक	• बहुत	ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत
५	१७ ५'		५
१२	२९ यद्य		यद्य
१३	१३ जबाबि, जलहर (जलकोडा)		जबाबि जलहर (जलकोडा);
१६	२० राजनैतिक		राजनैतिक
१३	२१ विभिन्न		विभिन्न
१६	७ वशावतियाँ		वशावतियाँ
२०	१५ स्वामी । ब्रह्म		स्वामी ब्रह्म
३६	२४ बहुतश्रुत		बहु-श्रुत

